

REPH JEZ REFERENCE ELEMENT ELEMENT INTERVOP HOUSING AND HERRY OF HOUSING AND HERRING OF INDIA

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह SWACHH SURVEKSHAN AWARDS CEREMONY

100

भारत मंडपम - नई दिल्ली BHARAT MANDAPAM - NEW DELHI Date - 11th Jan 2024



Media coverage Report

S.No.	Publication	Edition
1	Hindustan Hindi	Delhi
2	Hindustan Hindi	Delhi
3	Hindustan Hindi	Delhi
4	Hindustan Hindi	Delhi
5	Hindustan Hindi	Delhi
6	Nai Duniya	Indore
7	Nai Duniya	Indore
8	Amar Ujala	Delhi
9	Amar Ujala	Delhi
10	Hindustan Times	Lucknow
11	The New India Express	Chennai
12	The Indian Express	Mumbai
13	The Indian Express	Mumbai
14	Hindustan Times	Lucknow
15	Hindustan Hindi	Delhi
16	Dainik Jagran	Delhi
17	Dainik Jagran	Delhi
18	Dainik Jagran	Delhi
19	Hari Bhoomi	Raipur
20	Hari Bhumi	Bhopal
21	Navbharat	Mumbai
22	Nai Duniya	Indore
23	Nai Duniya	Indore
24	Nai Duniya	Indore
25	Dainik Bhaskar	Bhopal
26	Dainik Jagran	Lucknow
27	Dainik Jagran	Lucknow
28	The Times of India	New Delhi
29	The Times of India	New Delhi
30	The Times of India	New Delhi
31	The Times of India	Bangalore
32	The Times of India	Jaipur
33	The Times of India	Hyderabad
34	Hindustan Times	New Delhi
35	Hindustan Times	New Delhi
36	Hindustan Times	Jaipur
37	Hindustan Times	Jaipur
38	The Indian Express	New Delhi
39	The Indian Express	New Delhi
40	The Indian Express	New Delhi
41	The Indian Express	New Delhi
42	The Indian Express	Chandigarh
43	The Hindu	New Delhi
44	The Hindu	New Delhi
45	The Tribune	New Delhi
46	The Tribune	New Delhi
47	Deccan Chronicle	Hyderabad

48	Deccan Chronicle	Hyderabad
49	Deccan Chronicle	Chennai
50	Deccan Chronicle	Chennai
51	Deccan Herald	Bangalore
52	Deccan Herald	Bangalore
53	Deccan Herald	Bangalore
54	Millenium Post	New Delhi
55	Millenium Post	New Delhi
56	Financial Express	New Delhi
57	Financial Express	New Delhi
58	Amar Ujala	New Delhi
59	Amar Ujala	New Delhi
60	Amar Ujala	New Delhi
61	Amar Ujala	Jalandhar
62	Dainik Bhaskar	New Delhi
63	Dainik Bhaskar	New Delhi
64	Dainik Bhaskar	Chandigarh
65	Dainik Bhaskar	Shimla
66	Dainik Bhaskar	Raipur
67	Dainik Bhaskar	Bhopal
68	Dainik Jagran	Dehradun
69	Dainik Jagran	New Delhi
70	Dainik Jagran	New Delhi
71	Dainik Jagran	New Delhi
72	Dainik Jagran	Chandigarh
73	Dainik Jagran	Bhopal
74	Hindustan	New Delhi
75	Hindustan	New Delhi
76	Hindustan	New Delhi
77	Hindustan	New Delhi
78	Hindustan	New Delhi
79	Hindustan	Dehradun
80	Jansatta	New Delhi
81	Jansatta	New Delhi
82	Jansatta	New Delhi
83	Punjab Kesari	New Delhi
84	Punjab Kesari	New Delhi
85	Punjab Kesari	New Delhi
86	Punjab Kesari	New Delhi
87	Punjab Kesari	New Delhi
88	Navbharat Times	New Delhi
89	Navbharat Times	New Delhi
90	Navbharat Times	New Delhi
91	Rajasthan Patrika	New Delhi
92	Rashtriya Sahara	New Delhi
93	Rashtriya Sahara	New Delhi
94	Rashtriya Sahara	New Delhi
95	Hari Bhoomi	New Delhi
96	Hari Bhoomi	New Delhi
97	Hari Bhoomi	New Delhi

98	Hari Bhoomi	New Delhi
99	Hari Bhoomi	New Delhi
100	Hari Bhoomi	Chandigarh
101	Hari Bhoomi	Bhopal
102	Hari Bhoomi	Bhopal
103	Dinakaran	Chennai
104	Eenadu	Hyderabad
105	Eenadu	Hyderabad
106	Eenadu	Hyderabad
107	Sakshi	Hyderabad
108	Sakshi	Hyderabad
109	Sakshi	Hyderabad
110	Divya Bhaskar	Ahmedabad
111	Gujarat Samachar	Ahmedabad
112	Pratah kaal	Jaipur
113	Uttam Hindu	Chandigarh
114	Yugmarg	Chandigarh
115	The New Indian Express	Chennai
116	Jagruk Times	Jaipur
117	Aaj Samaj	Chandigarh
118	Divya Himachal	Shimla
119	Indu Tamil Thisai	Chennai
120	Himachal Dastak	Shimla
121	Dainik Navjyoti	Jaipur
122	Dinamani	Chennai
123	Himachal Savera	Shimla
124	Aapka Faisla	Shimla
125	Sikkim Express	Gangtok
126	Daily Thanthi	Chennai
127	Times of India	Chandigarh
128	Dainik Savera	Jalandhar
129	First India	Jaipur
130	First India	Jaipur
131	Punjab Kesari	Shimla
132	Uttam Hindu	Jalandhar
133	Amar Ujala	Shimla
134	Amar Ujala	Shimla
135	Dainik Jagran	Chandigarh
136	Dainik Jagran	Chandigarh
137	Dainik Jagran	Chandigarh
138	Jagbani	Jalandhar
139	Haribhoomi	Chandigarh
140	Ajit	Jalandhar
141	Punjabi Jagran	Jalandhar
142	Akali Patrik	Jalandhar
143	Nawan Zamana	Jalandhar
144	Sach Kahoon	Chandigarh
145	Rozana Spokesman	Jalandhar
145		
146	Patrika	Bhopal

148	Satta Sudhar	Bhopal
149	Satta Sudhar	Bhopal
150	Sach Kahoon	Chandigarh
151	Peoples Samachar	Bhopal
152	Navbharat	Bhopal
153	Navbharat	Bhopal
154	Navbharat	Bhopal
155	Amrit Sandesh	Raipur
156	Central Chronicle	Bhopal
157	Deshbandhu	Raipur
158	Navpradesh	Raipur
159	Navbharat	Raipur
160	The Hitvada	Bhopal
161	Nai Duniya	Raipur
162	Nai Duniya	Bhopal
163	Ajit	Jalandhar
164	Pioneer	Raipur
165	The Echo of India	Gangtok
166	Samvet Shikhar	Raipur
167	The Hitvada	Bhopal
168	Punjabi Jagran	Jalandhar
169	Swadesh	Raipur
170	Swadesh	Bhopal
171	Swadesh	Bhopal
172	Summit Times	Gangtok
173	The Hitvada	Bhopal

Delhi

उपलब्धि सर्वेक्षण में चार शहरों को सात सितारों का तमगा

नई दिल्ली, वि.सं.। स्वच्छ सर्वेक्षण के नतीजों में (एक लाख से ऊपर जनसंख्या) में इंदौर, सूरत, नवी मुंबई और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) को सर्वोच्च सेवन स्टार रेटिंग मिली है। 17वें स्थान पर रहे नोएडा को फाइव स्टार रेटिंग मिली है।

4 4 4 7	दसर	सबसे साफ म	हानगर
4.44/	रेकिंग	2023	2022
	1	इंदौर	इंदौर
शहरी स्थानीय निकायों	2	सूरत	सुरत
ने स्वच्छता सर्वेक्षण में	3	नवी मुंबई	नवी मुंबई
उपस्थिति दर्ज कराई	4	विशाखापट्टनम	विशाखापट्टनम
10	5	भोपाल	विजयवाड़ा
14	6	विजयवाड़ा	भोपाल
	7	एनडीएमसी	तिरूपति

करोड़ नामरिकों की सर्वेक्षण के लिए प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई

इन श्रेणियों में दिए पुरस्कार

विभिन्न श्रेणियों में दिए गए पुरस्कारों में उत्तर क्षेत्र में पंचास हजार से एक लाख जनसंख्या की क्षेणी में गजरौला (राष्ट्रीय रैंक 326) व 25 हजार से 50 हजार की श्रेणी में अनुप शहर (राष्ट्रीय रैंक ५०१) अव्यल रहा। बिहार का सबसे स्वच्छ शहर (एक लाख से ज्यादा जनसंख्या) में पटना रहा। हालांकि, उसकी राष्ट्रीय रैंक 262 है। एक लाख से ऊपर जनसंख्या में झारखंड का सबसे स्वच्छ शहर जमशेदपुर (राष्ट्रीय रेंक ७८) रहा। उत्तरखंड में यह स्थान देहरादून (राष्टीय रैंक १९११) को मिला।

कैसे हुआ सर्वेक्षण

इस बार कुल ९५०० अंक का सर्वेक्षण हुआ है। इसमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस पर ४५२५, सटिफिकेशन पर २५०० और लोगों की प्रतिक्रिया पर २४७५ अंक दिए गए।

MAGZTER

8 तिरुपति मैसूर

9 ग्रेटर हैदराबाद एनडीएमसी

10 पुणे अधिकापुर



Clipped from - Hindustan Times Hindi New Delhi - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app

Delhi

कचरा प्रबंधन और जी-20 आयोजन को लेकर सालभर चलती रही तैयारियां, इन दोनों वजहों से अच्छी रैंक मिल सकी

नास से अधिक

एनडीएमसी ने दो लक्ष्यों को साध पाई सफलता

नई विल्मो, प्रमुख संबादकता। नई दिल्ली जगा पालिक पालिद (प्लडीवल्मी) ने दी शब्दों के स्वर्ग सकरता स्व निशास सपा है। कार्च इत्यक मह दल्मी कारपक पीड़ी और रेकिंग में दे अंग्रे का मुच्चा ही गया।

भाषण प्रबंधन और जी-20 के अयोजन को अन्स्री रिंस्ट की पूरी मास का रहा है। एनडीएमधी को स्वच्छत संवेधन 2023 की अखिल भारतीय रेकिंग में

2023 को आखाल भारताय रोकन म सतते स्थान पर रखा तथा है। पिचले साल यह नीचे स्थान पर थी। बल्चना इन्टाने को ब्लामाजों पर तोम

क्तका इटान का कामान पर ताम तींव की राज्य देश को कामाने पर ताम तींव के कहरे से संस्था निर्माण के लिए जता भारत का दिसिंग का आयरेवन किया परा । इनके लीए रिड्यू, रेपूल के रिस्कॉइनल की कड़ाव विचा जाता है। एव ईएस्सी के एक अधिकारों ने बाराय कि लिपिटों के परिए सोंगे के पर विचा इस्तेमला के पड़ा के लिंदन कर प्रवास किया जाता है जो उनके खां पर विचा इस्तेमला के पड़ा है, लॉक्न विजका इस्टो जाक इस्टेनार किया का प्रातिष्ठ और कल मोटाई यात्री धौलीयों के क्राय्वेग की कम काने के छात था जी पर काला पर।

MAGZTER

Clipped from - Hindustan Times Hindi New Bichi - Lensary 12, 2024 Read & digitally on the Magner app



तों- 20 के आप्रोजन के लिए पूर्व के के सीवर्गोतरंग के लिए एनडीएसनी ने वर्ड वेजनारं शुरू वी। दर्शनें लाफ कवारे लगाए गए, जिनसे वेज वी सुंदरता में तो इलाफ हुज और त्यार ही प्रमुख्य के क्या राजने में भंचे मच्च मिली। आर्थना के देवना वहें वड़े इलाफी के पूली में भी स्वताय गया। इन्हों सब वालयों वी प्रस्तीएपनी को अपनी के पिली है।

कचरा प्रबंधन : पिछले साल ये काम कराने पर जोर रहा



स्वत पूरा जोत दिया गया गैते- सूचे कवरे को मैंके पत ही अलग अलग किस प्रया, सकि रिसाइकिल के समय प्रदेशकी न ही

66 अगले साल हमें शीर्ष तीन घाहरों में रहने का प्रकार करना चाहिए। मेरी ओर से पन्हींप्रमनी क्षेत्र के निवासिकों, सेवा प्रयोगकर्ताओं और आगंतुको का आत्मर। - अपित यादव, उन्हा- प्रयोगती



जी-20 : सम्मेलन के

 सकती की फुटपांचे का स्वीनीकरण और कई उनके नए करण कई जड़कों के किनारे सन्जाद्वी पास लगप्प कई तीरकों की सुंहस्य के

 कई कीरकी की सुदस्य के लिए काम कराग्

किंवारियों की मेहनत के कारण हम विफ्लतरीय कार्यक्रम करने और मेहमानों की सुविधा सुनिधिक्र क्रथम रखने में संबम्म हैं ।-स्रतीष्ट उपाव्याव, यानव- स्टोमनी



नहें दिल्ली में प्राथम स्थित बधु रहेना स्टेशन के पान जी-३० शिखर सम्मेशन के लिए लगे प्रध्यने । • प्रधन बंदी

इस साल पांच स्थान ऊपर आए

निगम के बरिख अधिकारियों के अनुसार, निगम ने स्वरू स्वॉधका 2023 शैकिंग में तीन उपलब्धि प्रकार ही हैं। पिछले वर्ष 2022 में पूर्ववली निगमों की जीसन शैकिंग 38 अर्द की। इस की निगम की पांच शैक जार आई हैं। निगम की सुने में कीक मुख्या (ओईश्ल) प्रबंधन के ताहत ओईश्ल प्रलस पुर्वली उसरी नगर निगम की ओईश्ल प्रलस पुर्वली उसरी नगर निगम की ओईश्ल प्रकार मुख्यी है। इस हुआ थी।



66 निगम में आप संस्कार की मेहनत रंग ता रही है। अभी यहां एक साल भी पूरा नहीं हुआ है, तेकिन ख़ब्लता रेकिम में बड़ सुधार देवने को मिता है। दिन्ही की 10 ताख से उच्चिव आवादी वाले शहरों में 28वीं रेक रही है। प्रिश्नते साल के मुकायते सरफर्ड ख़बरचा में 15 फीसटी अधिक अक स्लिहे। हम प्रधास करेंगे कि आने वल को में इससे कहीं ज्वादा अच्छा परिणाम आएं। वहीं, तीले ख़ेबरांग्र वन्द्र कि आने वल को म

司引用 征 開 話 引

पूर्ववर्ती नगर निगमों का परिणाम

पूर्वतती उत्तरी मितम की मदला मदीहल 2022 में 37वी रेक आई की। इनसे पहले सराज सर्वेहमा 2021 में 45 सेंक आई की तर्ष 2020 से सराज सर्वेडमा में उत्तरी दिल्ली मरन निगम को 43वी रेक जहा हुने थी। पूर्वतती की निजम की सराज में करेबार 2022 में 24वी रेक आई थी। इससी प्रश्ते स्वत्त्व स्वत्व्य स्वीहल 2021 में 40वी रेक सुर्व थी। वर्ष 2020 के

स्वक्त सर्वेक्षण में पूर्वी दोल्सी सार जिस्म को 46वी कि प्राप्त हुई थी। 🔳 पूर्ववर्ती दक्षिणी निगण की स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में 28वी रेंक

आई थी। इसनी पहले स्वच्छ सर्वेक्षण २०२१ में ३१वी रेंक आई थी। वर्ष २०२० के स्वच्छ सर्वेक्षण में दक्षिण दिल्ली नगर निगम

Delhi



Cilpped from - Henderdam Timies Hindi New Colmi - January 10, 2020 Read in digitally on the Magzter app

Delhi

देश के 446 शहरों में निगम को 90वीं रैंक

सटका

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली नगर निगम ने एकीकरण के बाद पहली बार संयुक्त रूप से स्वच्छ सर्वेक्षण में हिस्सा लिया है। दिसंबर 2022 से पहले पूर्ववर्ती तीनों नगर निगमों उत्तरी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली अलग-अलग रूप से सर्वेक्षण रैंकिंग में हिस्सा लेते थे।

केंद्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय ने 446 शहरों की स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग को गुरुवार को जारी किया। इसमें सभी शहरों की रैंकिंग में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) को 7वीं रैंक और दिल्ली नगर निगम को 90वीं रैंक प्राप्त हुई है।

इन पैमानों पर निर्धारित होती है रैंकिंग : इन रैंकिंग को ठोस कचरा प्रबंधन, खुले में शौच मुक्त के तहत कार्य प्रणाली को तैयार करने, शहर को कचरा मुक्त बनाना, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, नालियों की सफाई

एकीकृत निगम की सर्वेक्षण के लिए तैयारियां

- विभिन्न सोसायटियों, आरडब्ल्यूए और कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनी के रूप में परिवर्तित करने की दिशा में जागरूक गया। इसके तहत वर्ष 2023 में 400 से अधिक कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनियों में परिवर्तित किया गया।
- लोगों से स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 को लेकर निगम के सभी जोन में सवाल पूछे गए। इसके लिए बैनर व होर्डिंग के जरिए भी प्रयास

व्यवस्था जैसे विभिन्न पैमानों पर देश भर की नगर निगमों को परखा जाता है। उसके आधार पर अंक प्रदान करते हुए रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

इतने अंक मिले : निगम को सर्वेक्षण 2023 में सेवा स्तर की प्रगति (एसएलपी) में 3318.55 अंक मिले हैं। साथ ही नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में (सीवीएस) में 1546.14 अंक मिले हैं। इसके अलावा प्रमाणपत्र में किए गए । इसके लोगों से सकारात्मक जवाब मिला ।

- सभी 12 जोन में स्थानीय ब्रैंड एंबेसडर को शामिल करते हुए स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इसमें ट्रांसजेंडर को भी शामिल किया गया।
- स्कूल, आरडब्ल्यूए, बाजारों के व्यापारी संघों, सरकारी कार्यालयों आदि में स्वच्छ वार्ड रैंकिंग का आयोजन किया।

(सीएस) 1250 अंक प्राप्त हुए हैं। निगम को कुल 6114.68 स्कोर प्राप्त हुए हैं। प्रमाण पत्र के तहत सर्वेक्षण में इस पैमाने पर अंक मिलते हैं। निगम ने शहरों को साफ रखने के लिए जो कदम उठाए हैं, उस पर मंत्रालय की ओर से प्रमाण पत्र दिया जाता है। स्वच्छ सर्वेक्षण में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद को एसएलपी में 4443.29 एंक, सीवीएस में 1985.02 अंक और सीएस में 2300 अंक मिले हैं। एनडीएमसी को कुल 8728.31 स्कोर प्राप्त हुए हैं।

10 लाख से अधिक आबादी वाले में निगम को 28वीं रैंक-निगम : निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में दिल्ली नगर निगम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। कई पैमानों पर अंक भी अच्छे आए हैं। मंत्रालय की ओर से जारी की गई रैंकिंग में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में निगम को 28वीं रैंक प्राप्त हुई है। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 के तहत 46 शहरों में निगम को यह रैंक प्रदान की गई है। यह निगम के विभिन्न प्रयासों का नतीजा है। निगम को कला से कचरे पर आधारित पार्क को स्थापित करने के लिए भी अंक मिले हैं। इसके अलावा लोगों के साथ मिलकर सालभर में कई तरह के जागरुकता कार्यक्रम के भी आयोजन किए, जिसमें उन्हें कचरा प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई।

MAGZTER

Clipped from - Hindustan Times Hindi New Delhi - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app

Delhi



राष्ट्रपति द्वीपर्दी मुर्घु ने इंदौर और सुरत को संखुक्त रूप से देश के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार देकर पूरे देश को सकातत्मक संदेश दिया है। इंदौर को वह सम्मान लवातार सातवों बार मिलना यह स्वष्ट कर देता है कि साफ-सफाई रखने की प्रवृत्ति इंदौरवासियों और वहां के स्थानीय प्रशासन के स्वभाव में शुभार ही चुकी है। अभियान चलाकर तो कोई भी शहर सफाई कर सकता है, पर सफर्ड के एक रतर की निरंतर बनाए रखना बहुत मानीखेल हैं। सुरत में संवुक्त रूप से पुरस्कार जीतकर कतई चौंकाया नहीं है। सुरत में संवुक्त रूप से पुरस्कार जीतकर कर्त चौंकाया नहीं है। सुरत में संवुक्त रूप से पुरस्कार जीतकर कार्ड चौंकाया नहीं है। सुरत में साल 1994 में प्लेग भवानक रूप से फैला था और उसके बाद से ही उस शहर ने युद्ध स्तर पत साफ-सफाई का बीड़ा डवरते हुए अपना कायाकरण कर लिया, नतीजा सामने है। तीन दशक से यह शहर स्वच्छता का एक स्तर बनाए चल शहा है। इसमें कोई संदेह नहों कि विगत दशक भर में स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारों का सहत्व साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। पिछले साल के पुरस्कारों में तीसरे स्थान पर छी नची मुंबई ने अन्ता स्थान कायम रखा है।

उत्तर प्रदेश के लिए वह खुशखबरी है कि वागणसी और प्रयागराज को सबसे स्वच्छ गंगा शहर घोषित किया गया है। तीन से दस लाख को आबादी वाले शहरों में नोएड़ा को दूसरा स्थान मिला है, मगर समब्रता में उसकी रैकिंग घटकर 15 हो गई है। साल 2021 में नोएड़ा देश का नौवां सबसे स्वच्छ शहर बन गया था। नई दिल्ली में स्थित विशेष

स्वच्छता में ईदौर और सूरत ने फिर बाजी मार ली है। संदेह नहीं कि विगत दशक मर में स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारों का महत्त्व बढ़ता ही जा रहा है। एनडीएमसी क्षेत्र समग्रता में सातवें स्थान पर है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले तमाम शहरों को स्वच्छता के पैमाने पर ऊपर रहना चाहिए, पर प्रयोग्त प्रयास, संसाधन और योजना के अभाव में ऐसा नहीं हो पा रहा है। एक पहल् यह भी है कि यहां बढ़ती आबादी भी स्वच्छता को लगातार चुनौती दे रही है। फिर भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित शाहों से ज्वादा दम्मीद करना यलत नहीं है। इन शहरों को आबादी का बोछ संभालने के लिए भी बाहत कुछ

करने की जरूरत है। इंदौर की प्रसंसा करते हुए यह भी ध्यान में रखना होगा, सवा तीन करोड़ से ज्वादा लोग दिल्ली के मेट्रो क्षेत्र में रहते हैं, जबकि इंदौर की आबादी 33 लाख के करीब है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित सभी शहरी निकाय, विभाग और निजी संस्थाएं भी परस्पर समन्वय व जन-धागीदारी के साथ अगर गंदरी। और प्रदूषण से निपटने की योजना बनाकर काम करें, तो ज्यादा सार्थक तोगा।

बहरताल, गौर कीजिए, देश के सबसे स्वच्छ दस जहरों में बिहार या उत्तर प्रदेश का एक भी शाहर नहीं है। पटना का स्थान तो 262 वां है, मतलब अभी स्वच्छता के पैमाने पर वहां बहुत कुछ करने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश के शाहरों में स्वच्छता के मामले में क्रमशः नीएडा, गानियाबाद, अलीगढ़, वाराणसी के बाद राजधानी लखनक 44धें स्थान पर है। सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में भारपच बंगाल का नाम सबसे ऊपर है। हाव डा, कोलकाता गंदे शहरों में भारपच बंगाल का नाम सबसे ऊपर है। हाव डा, कोलकाता गंदे शहरों में भारपच बंगाल का नाम सबसे ऊपर है। हाव डा, कोलकाता गंदे शहरों में भारपच बंगाल का नाम सबसे ऊपर है। हाव डा, कोलकाता गंदे शहरों में भारपच नहीं कि महाराष्ट्र देश का सबसे साफ-सुधरा राज्य है और उसके बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का स्थान है। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को स्वच्छता के मोचें पर ज्यादा चाक-चौबंद होना पड़ेगा। हालांफि, उसकी तारीफ होनों चाहिए कि वह वियत दशक से लगातार रीकिंग जारी कर रहा है, जिससे सबको सफाई की प्रेरणा मिल रहा है। लोगों के बीच धीर-धीर जागराकताता आ रही है, पर अमी हमें गांधी के सपनों वाला स्वच्छ भारत बनाने के लिए लंबा सफर तय करना है।



Cipped from - Finitestan Times Hendi New Dwith - January 12, 2024 Read it digitally on the Magster app

Indore





लकाईकभी राज- दिन अपने परिवार के

- 11. 20 34. 9 MAGZTER



गत हो। - सौलू शुक्ला, विचयक, विन क्षेत्र तीन T

वनाने का प्रवस करना होगा ताकि रहेप का अंबर कर का लाग परकार रहे - गुंजन शर्मा, अध्य यहां छापन दुवान

वह केंकने से परहेज करती है

ता में लगांतार सालवीं बार नंबर वन आने का

ये मेहनत करते है

वह इंदेर के स्पाईकर्मियों की जीत है। जनत की जीत है। स्पार सफाइंटपीं रोज

3-12 10

मालिनी गौड़, हि क, विस क्षेत्र कर तती बार पुरस्कार इ.स.चे लिए गर्द द भार लेगा अन्द्रत कथा है। वे की कत है । अब इब्देप जन्म के टेकिक शहर के देविक प्रबंधन को इस कदर बेहार बनाग कि देश के प्रमुख शहरों में डोप में हमारा नम k

तवारा चीक पन सामर्ड मिन्ही और आ

धरिणाम है । यह जनता वार ही प्रयास है कि

पर को हुए हैं। हर इंदीरी के

दा नो हिंहे।

वर्ष २०१७ में स्वत्सता की जो नीव इसने रखी की यह उनका प्रतिणाम है। यह जन्म

1

वन बना है। कई शा

रामप्रेण का धरिणाम है - क्रे. हिम्मेणु राय, नि आरआरणप्र जरीव



ल ने भनाया । + सईदुतिया

मैं शहर की जनत को बनाई देता हूं कि उनके और सकडीबनों के प्रयासी से ह

नाप तन गरी।

व्यक्तित की कड़ी। जन और श्वाझा im.



आगीम सिंह, कलेक्टर इंदीर स्वयाला से हदीन की ओर बहरी लोगों क का परिणाम है। तमा स्वत्छल प्रहरी और

2 तता रहब में

I

ह आयोग द्वारा ''मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग । धन एवं शतें तथा प्रभागों के निर्धारण के मंबंध में विभि क वितियम धेत'' अधिमूचित किया गया (जिसे आगे टेरिफ वि जारजी-35 (III) वर्ष 2021) यथा संशो

रा भी ती

лă

हली मंदि गई.टी. पार्क के né de एक कपनी

ा दनीक 30 वयंबर, 2023 को आयोग के स 'आफआर'। और टीरफ, नियोग पर विकल्प जि. 8 रिसेंबर, 2025 बित वर्ष 2024-25 के लिए गुनरीखित सकल राजहवे । अनुमोदन के लिए एक यात्रिका दावर की थी। तल्पशाल 3



मौका नहीं छोडते. तो फिर खणी के मादा महा ठाउँता, वा मार खुमा व इस मौके पर बच्चे भी पीछे कैसे रहते। स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणाम घोषित होते ही ये बच्चे पहुंच गए विश्राम बाग । लोहे के स्क्रैप से तैयार अयोध्या के श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति के सामने इन्होंने अपनी खुशी कुछ यूं बयां की । ये हाथों में खुशा कुछ पू बंधा का विकास म सितारे लिए यहां प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाते रहे, मानो इंदौर की स्वच्छता का मुकुट श्रीराम को पहना रहे हो। करीब 21 टन वजनी राम मंदिर की यह प्रतिकृति 24 फीट ऊंची, 40 फीट लंबी और 27 फीट चौडी है। टटे बिजली के खंबे, मोटर साइकिल के खराब पुजें, मेटल शीट, नट बोल्ट, पार्क की पुरानी लोहे की कुसीं, झुले, फिसलपट्टी राह के कुसरे, कुएर, क्वस्प्रवृद्ध के पुराने पाइप इत्यादि से करीब 90 दिन में इस राम मंदिर की प्रतिकृति को तैयार किया गया है। वेस्ट टू आर्ट के इस बेहतरीन उदाहरण के

नकई में जुटें रहते सहर के लोग ख्याज्ञा शरिक अन क्षेत्रों में भी सिरमीर '। ताहर के लोग वचाला व स्ट्रणात्मन विश्व है । (印書) के साम स्थलम आहे দ্বেরার র বর্তনান रादेव

Clipped from - Naciuma Indoné - Janwary 12, 2024 Nead it digitally on the Magzter app

Nai Duniya

Indore

W MAGZTER

Clipped from - N Read it digitally on the Magzter app

e - January 12, 2024

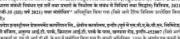
तरह हमारे साथ पहले . यह हमारे लिए जलामे . है कि किर से दोगुनी ताहात के साथ जडाई सहित अन्य जानबन सप्रदेशे को

पुरस्तता भिल । - चिनीद आग्रवल, उत्तोगपति

गहर स्वसाल को अपना चुके हैं। - मधु दर्मा, विचयक दिवानारम क्षेत्र गड तातवीं बार स्वच्छ स्वीच्छण में आग्रल जानां क्रिकेट की तरह एक टीम के प्र त्र हि है क वीगदान शामिल है। भा क अन्तर एक बार प्रेटर अन्य के प्राप्त हे वे

बना पाया है। प्रशासन, निमम व जनता के सहयोग साठवी बार भी पानी स्वान पर अच्या। - डा. पुरु दाषीव, वरिष्ठ कथक मुठ ता है। इचिव, बीसीसीआइ स्ते पूर्व

मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग पंचन तल, मंद्रे प्लाल, ई.इ. अंत कोलेते, चिट्ठन माकेंट, पांचल-462016 पोन : 0755-2430154, 2464643, फैक्स : 0755-4004137 इ.मैल : scompercipisandharnetia, वेबसाइट : www.anprec.nicia मोपाल,





लोध से बेल्द रोमा स्रोधकर के नाम ने प्रताना जाने वाला

देने के लिए प्रसिद्ध है नोहित गोयर IN LO

E 1 09.01.202

Amar Ujala

Delhi

स्वच्छ भारत सर्वेक्षण : एमसीडी पर लैंडफिल साइट व एनडीएमसी पर कुड़ा प्रबंधन पड़ा भारी

कूड़े के पहाड़ खत्म की दिशा में की गई कोशिश के लिए एमसीडी को मिले सिर्फ 38% अंक छावनी बोर्ड का प्रदर्शन

संतोष कुमार

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत सर्वेक्षण में दिल्ली के नगरीय निकायों का प्रदर्शन बेशक पिछले साल से बेहतर हुआ है, लेकिन एमसीडी पर लैंडफिल साइट और एनडीएमसी पर कुड़ा प्रबंधन भारी पड़ा है। दोनों निकाय इन पैमानों पर बेहतर पटर्शन करने में नाकाम रहे हैं।

कूड़े का पहाड़ खत्म करने की दिशा में एससीडी की कोशिशों को सिर्फ 38 फोसदी अंक मिले हैं, जबकि, एनडीएमसी मौके पर कुडे के स्रोत के पृथवकरण में पीछे रही है। इसमें यह 87 फीसदी अंक ही हासिल कर सकी है। डसका असर दोनों निकायों के समय प्रदर्शन पर पड़ा है। एक लाख से ऊपर वाली आबादी वाले शहरों में एनडीएमसी को नीवें और एमसीडी को 90वें स्थान पर संतोष करना पडा।

दरअसल, आठ पैमानों पर स्वच्छ भारत सर्वेक्षण किया गया है। इसमें घर-घर कडे का कलेक्शन, कडे के स्रोत पर पृथक्करण, कचरा प्रसंस्करण, डंपिंग साइट का प्रबंधन, आवासीय क्षेत्र, बाजार, जल स्रोत व सार्वजनिक शौचालयों की सफाई शामिल है। इसमें से अपने रिपोर्ट कार्ड में एनडीएमसी चार पैमानों में 100 फीसदी अंक हासिल करने में कामयाब रही। वहीं, एमसीडी को सिर्फ दो में ही 100 फीसदी अंक

MAGZTER

Clipped from - Amar Ujala Dethi - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app



अंकों के मामले में पिछली बार के मुकाबले स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार दोनों निकायों को अधिक अंक मिले हैं। एमसीडी ने 15 फीसदी ज्यादा अंक हासिल किए है। पिछले साल एमसीडी को 7,500 में से 3,784 यानी 50.45 फीसदी अंक मिले थे, लेकिन इस बार 9,500 में से 6,114 यानी 64.36 फीसदी अंक मिले हैं। वहीं, एनडीएमसी

मिले। दिलचस्प यह कि एमसीडी को कूड़े के पृथक्करण पर 100 फीसदी अंक हासिल हुए, जबकि एनडीएमसी इसमें 87 फीसदी अंक ही पा सकी। जानकारों का मानना है कि बेहतर

एनडीएमसी का रिपोर्ट कार्ड घर-घर से कुड़े का कलेक्शन 99% कुड़े का संग्रीगेशन 87% केचरा प्रसंस्करण 100% हंपिंग साहर का प्रबंधन 100% आवासीय खेत्र की सफाई 93% बाजार क्षेत्र की सफाई 93% जल स्रोतों की सफाई 100%

प्रर्दशन का दबाव एमसोडी के साथ ज्यादा है। वह इसलिए भी कि एमसीढी पर सत्ता हामिल करने वाली आप आटपी पार्टी (आप) का पहला वादा ही कूड़े के पहाड़ खत्म करने का था। हालांकि, अभी आप

छावनी बोर्ड के प्रदर्शन में इस साल दो पायदान की गिरावट आई है। पिछले साल के आई है। पिछल साल क स्वच्छ सर्वेक्षण में देशभर के छावनी बोर्ड में दिल्ली छावनी बोर्ड को पांचवों स्थान मिला था। वहीं, इस बार बोर्ड को सातवां स्थान मिला है। सातवा स्थान मिला है। हालकि, ओवरआल अंकों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले माल दिल्ली खावनी बोर्ड को 4,029 जंक मिले थे, जबवि इस बार 5,072 अंक मिले हैं। एमसीडी का रिपोर्ट कार्ड

C. Hubble del Le de	
घर-घर से कुड़े का कलेक्शन	71%
कूड़े का संग्रीगेशन	100%
कचरा प्रसंस्करण	86%
डोंपेंग साइट का प्रबंधन	38%
आवासीय क्षेत्र की सफाई	59%
बाजार क्षेत्र की सफाई	59%
जल स्रोतों की सफाई	100%
सार्वजनिक शौचालयों की सफाई	97%

को सत्ता हासिल किए एक साल भी नहीं बीते हैं, इस लिहाज से अभी सुधार की उम्मीद बनी हुई है। लैंडफिल साइट खत्म करने की दिशा में किया गया बेहतर प्रदर्शन एमसीडी की रैंकिंग में सुधार ला सफता है।

स्वच्छता के गिरते स्तर के लिए आप जिम्मेदार : भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश ने दिल्ली की स्वच्छता सेवाएं सबसे खराब स्तर पर जाने के लिए दिल्ली सरकार को जिम्मेदार उहराया है। गिरते स्तर के लिए आप के पार्षदों का भ्रष्टाचार जिम्मेदार है। भाजपा जल्द ही इसका पर्दाफाश करेंगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वादा किया था कि जब एमसीडी पर आम आदमी पार्टी का शासन होगा तो दिल्ली की स्वच्छता के लिए अतिरिक्त संसाधन देंगे, लेकिन एक साल बाट आज टिल्लीवासी तगा हुआ महसूस कर रहे हैं। अर्रो

कांग्रेस ने 50 दिन में पूरी गंदगी साफ होने पर सवाल उठाया कांग्रेम ने एममीडी के मफाई

कांप्रस ने एमसाओं के संकाइ अभियान को नींद से जागने और जनता को गुमराह करने जैसा करार दिया है। साथ ही कांग्रेस ने 50 दिन में पूरी दिल्ली की गंदगी साफ होने के दावे पर सवाल उठाया। एमसीडी में कांग्रेस प्रभारी जितेन्द्र कुमार कोचर ने कहा कि एक साल से दिल्ली में सभी जगह गंटगी के देर लगे रहते है। इस कारण मेयर 50 दिन के अभियान केवल 3-4 वार्डों की कुछ सड़कों को सफाई से कैसे पूरी दिल्ली को साफ करने की दुहाई दे रही है। व्यूरो

पिछले साल 6,550 और इस साल 8,728 अंक हासिल करने में कामयाब रही है। सार्वजनिक शौचालयों की सफाई 100%

Amar Ujala

Delhi

अमरउजाला

amarujala.com

स्वच्छ सर्वे : राष्ट्रपति व हरदीप पुरी ने राज्यों के प्रतिनिधियों को किया सम्मानित

देश

इंदौर और सूरत देश के सबसे स्वच्छ शहर, महाराष्ट्र राज्यों में सबसे आगे

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का परिणाम जारी किया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में लगातार सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सूरत को भी संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्टनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में महाराष्ट्र पहले, मध्य प्रदेश दूसरे व छत्तीसगढ तीसरे पायदान पर है। उत्तर प्रदेश में नोएडा को पांच सितारा स्वच्छ शहर के सम्मान से नवाजा गया है। 5 स्टार पाने वाला यह इकलौता शहर है। वहीं, 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले नगर निगम क्षेत्रों में सबसे साफ शहरों में गाजियाबाद यूपी में पहले और पूरे देश में 18वें स्थान पर है। गंगा के किनारे बसे सबसे साफ शहरों में वाराणसी पहले



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पुरस्कार लेते यूपी के शहरी विकास मंत्री अरविंद शर्मा, वाराणसी के मेयर अशोक तिवारी समेत अन्य अधिकारी। साथ हैं, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी। एजेंसी

यूपी देश में 9वें स्थान पर

व प्रयागराज दूसरे स्थान पर है। लोनावला को क्रमशः दूसरा व सर्वश्रेष्ठ सफाईमित्र सुरक्षित शहर चंडीगढ़ रहा। सर्वे में एक लाख से कम आबादी वाले सभी शहरों में महाराष्ट्र के सासवड को पहला पुरस्कार मिला। इस श्रेणी में छत्तीसगढ़ के पाटन व महाराष्ट्र के

राज्य श्रेणी में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बाद ओडिशा चौथे स्थान पर है। इसके बाद तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पंजाब, गुजरात, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, सिक्किम, कर्नाटक, गोवा, हरियाणा और बिहार शीर्ष 15 में शामिल हैं।

तीसरा स्थान मिला। प्रगति मैदान के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।

इंदौर, सूरत व नवी मुंबई को कचरा मुक्त श्रेणी में ७ स्टार

इंदौर, सूरत और नवी मुंबई को कचरा मुक्त श्रेणी में 7 स्टार रेटिंग मिली है। इसके लिए डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, कचरा उत्पादन और प्रबंधन, घरेलू और व्यावसायिक क्षेत्र में सफाई, जल संरचनाओं की सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई को पैरामीटर के तौर पर रखा गया था।

इस बार कुल 9,500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है। इसमें सेवा स्तर पर प्रगति में 4,525, प्रमाणन पर 2.500 और लोगों के फीडबैक पर 2,475 अंक दिए गए।

यूपी के 65 शहर कचरा मुक्त उत्तर प्रदेश में 65 शहर कचरा मुक्त प्रमाणित हुए हैं। इनमें वन स्टार के 56, थ्री स्टार के 8 और फाइव स्टार का एक शहर है। यूपी इस वर्ष कई और कचरा मुक्त शहर बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

MAGZTER

Clipped from - Amar Ujala Delhi - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app

Hindustan Times

Lucknow

SWACHH SURVEKSHAN 2023 Varanasi and Prayagraj 'Cleanest Ganga Ťowns', 65 U.P. cities garbage-free

HT Correspondent letters@hindustantimes.com

e

đ

5

:1

Ö

e k

5-

it

s

LUCKNOW: Varanasi secured the top spot and Prayagraj was second best as the 'Cleanest Ganga Towns' nationwide in the Swachh Survekshan 2023 results even as 65 Uttar Pradesh cities were adjudged garbage-free, a marked increase from 2021 when only five cities in the state had bagged the status.

Furthermore, all cities in Uttar Pradesh have become open defecation free this year.

The awards instituted by the Union ministry of housing and urban affairs were given away by President Droupadi Murmu at a ceremony organised at Bharat Mandapam in New Delhi.

Chief minister Yogi Aditya-\$ nath on X said, "Under the guiē dance of PM Narendra Modi the n resolve to make 'Swacha UP' is getting real. The role of Varanasi đ п and Prayagraj people in the jourit ney towards prosperity through cleanliness is praiseworthy. Con-1. gratulations to all" ۰.

"U.P. has made history as it is 7the first time that two major cit-P đ ies in the state have received a national awards. Not only that, out of the 13 cities receiving p national awards, two are from P Uttar Pradesh," the state's urban n 14

continued on →14



U.P. urban development minister AK Sharma receives 'Cleanest Ganga Town' award for Varanasi from President Droupadi Murmu during the Swachh Survekshan Awards 2023 ceremony in New Delhi on Thursday. ANI PHOTO

Indore again tops Swachh rankings, Surat joint first

NEW DELHI: Indore and Surat were jointly declared the cleanest cities in India in the Swachh Survekshan Awards-2023, presented by President Droupadi Murmu at the Bharat Mandapam on Thursday, This was the seventh time in a row that Indore won the accolade, and the first that Surat got the pole position, although

shared. Navi Mumbal, which came third in last year's competition, retained its position.

On the other end of the spectrum, three of the lowest-ranked cities in the million-plus population category were in WB: Howrah at the bottom, with Asansol, Kolkata following closely as the worst-performing cities on cleanliness indicators. ->Pn N/L

1-1-1

MAGZTER

Clipped from - Hindustan Times Lucknow - January 12, 2024 Read & digitally on the Magzter app

The New India Express

Chennai



MAGZTER

Clipped from - The New Indian Express Chennal - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app

The Indian Express

Mumbai

SWACHH SURVEY 2023

Mumbai ranking slips to 37 from 31 under million-plus cities category

EXPRESSINEWS SERVICE MUMBAI, JANUARY TI

MUMBAI'S RANKING in the national Swachh Survekshan 2023 under the million-plus cities category has slipped to 37 from 31 last year even as its overall ranking stood at 189 nationally. The category is for cities with overall population of a million and Mumbai's is estimated to be 1,2 crore.

Meanwhile, Maharashtra has been ranked as the cleanest state, while Navi Mumbai and Pune were among the top 10 cities at the third and 10th position. Meanwhile, Indore is ranked the cleanest city followed by Surat.

In December 2023, the Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) launched a deep cleaning campaign, aimed at cleansing the city thoroughly. Taking special interest in the drive, Chief Minister Eknath Shinde has been monitoring it frequently.

 The satellite districts adjoinf ing Mumbai also recorded im-

provement in their rankings as Thane ranked 14, followed by Kalyan Dombivli at 22 and Vasai-

Virar at 33.

Swachh Survekshan is an annual survey carried out by the Union ministry of housing and urban affairs, as part of which

several aspects pertaining to solid waste management

MAGZTER

Cloped from The Material Educes Weining - Amary 12, 2024 Reader digitally on the Material App-



Chief Minister Eknath Shinde has been personally monitoring BMC's deep cleaning drive. Deepak jushi

(SWM) are judged. The parameters include door-to-door waste collection, segregation at source, waste generation vs processing, remediation of dumpsites, and cleanliness of residential areas, markets, water bodies and public toilets.

The report card shows that Mumbai recorded a score of 4,446.19 out of 7,500, According to the report card, Mumbai scored 100 per cent in cleaning of water bodies, while it scored 97 per cent in door-to-door waste collection and cleanliness of residential and market areas, while the score for maintaining cleanliness at public toilets was 90 per cent.

The city fared poor in source segregation of garbage with 65 per cent, while in waste generation v/s processing, it got only 49 per cent. The city scored the poorest in remediation of dumpsites with nine per cent.

Sudhakar Shinde, additional municipal commissioner in charge of BMC's SWM department, said that next year, the city will improve its ranking.

"We have already initiated plans for revitalisation of Mumbal's landfills and the deep cleaning drive has already started. Short-term results with relation to better waste management have started to show and with time, we will implement long-term measures that will improve the city's ranking next year," Shinde told The Indian Express.

The Indian Express

Mumbai

SWACHH SURVEKSHAN AWARDS Indore and Surat cleanest cities, Maharashtra first among states

EXPRESS NEWS SERVICE NEW DELHI, JANUARY 11

INDORE AND Surat were on Thursday named the joint winners of the cleanest city award, while Maharashtra bagged the top spot among states in the Union government's annual cleanliness rankings for urban areas

1

F

1

This was the seventh year in a row that Indore was named the cleanest city in the Swachh Survekshan Awards. Surat, which has been in second place behind Indore for the past three years, won the top award for the first time.

Both cities had 100% door-to-

door collection of waste, 98% segregation at source and 100% 1

remediation of dumpsites, ac-

cording to the Ministry of

Housing and Urban Affairs'

Swachh Survekshan 2023 dash-

board. Both cities were tied at 1

the top place among cities with a population over 1 lakh.

The rankings take into ac-



President Droupadi Murmu presents the award to MP CM Mohan Yadav in New Delhi on Thursday. ANI

count door-to-door collection of waste, segregation at source, cleanliness of public areas, clean water bodies and citizens' feedback regarding the cleanliness of their cities.

Of the eight rounds of annual awards since 2016, this was the first time that two cities shared the top prize. Navi Mumbai was named the third cleanest city.

With 89.24% door-to-door collection and 67.76% source segregation, Maharashtra was awarded the cleanest state. In second place, Madhya Pradesh has 90.59% door-to-door segregation and 54.1% source segregation.

Chandigarh won the award for the city having the best safety standards for sanitation workers Safaimitra Surakshit Shehar. Varanasi was named the cleanest 'Ganga town'. Sasvad in Maharashtra was named the cleanest city among those with population below 1 lakh. Mhow Cantonment was named the cleanest cantonment in the country.

On the other hand, Arunachal Pradesh, Mizoram, Rajasthan, Nagaland and Tripura were ranked the bottom five states.

Starting with 73 cities in 2016, the number of cities covered in the annual ranking has increased over the years. The 2023 round covered 4,416 urban local bodies, 61 cantonments and 88 Ganga towns. According

to the ministry, 1.58 crore online citizen feedback and 19.82 lakh face-to-face views were received as a part of the ranking.

Distributing the awards at a ceremony here, President Droupadi Murmu highlighted the importance of creating wealth from waste. She said a large amount of urban land was buried under mountains of garbage, which had a harmful impact on health. She noted that the Swachh Bharat Mission was working to eliminate such legacy dumpsites.

Housing and Urban Affairs Minister Hardeep Singh Puri said scientific processing of waste had increased from 15-16% in 2014 to almost 76% now. Housing and Urban Affairs Secretary Manoj Joshi said cities were working to achieve 100% processing of waste. He said there were still some instances of sanitation workers cleaning sewers manually, leading to accidents and deaths - something which must be "completely eliminated".

MAGZTER

Clipped from - The Indian Express Mumbai - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app

Hindustan Times

Lucknow

Indore again tops Swachh rankings, Surat joint first

Soumya Chatterjee

NEW DELHI: Indore and Sarat New DELPIC Indure and Sorat were jointly declared the clean-est cities in India in the Swachh Surveishan Awards-2023, pre-sential by President Droupadi Murmu at the Bharrat Marcla-Murmu at the Harriet Marcia-pam on Thursday. This was the seventh time in a row that Indoce won the accounde, and the first that Surat got the pole position, although shared. Navi Mumbai, which came bind to her work execution.

third in fast year's competition,

Tetained its position. On the other could of the spectrum, three of the following popula-tion category were in West Ben-gal: Hanra (Hownh) at the bot-tom, with Asansol and Kollada following closely as the worstfollowing closely as the worsthourweig covery as the worst-performing cities on the cleanli-ness indicators. Faridabed, in Faryana, and Madward, Tamil Nadu, were the faurth- and fifth-worst cities on the list. The Municipal Corporation of Delhi (MCD) was ranked 90th out of 444 cities (in the above

out of 446 cities (in the above out of 446 others (in the above 100,000 population category), and the New Delhi Municipal Council area secand the seventh spot (the NUMC area was ranked third in the capital cities list). The Swachh Surveichan sur-vey is at the centre of the Union covercement is Swachh, Barryt

vey is at the centre of the Union government's Swachib Bharat mission, which was henched as one of the hig-telekt initiatives by Narendra Modi government in its first few years in power. For the eighth edition of the survey, 3,000 assessmer faunned out across 4,500 etites (of these, 3400 here a pomobilion of favor 3,970 have a population of fewer A situation and a population of review than 100,0000 people) in residual city's performance on 46 param-reters, including waste collection, inclusive tollects and improved plastic waste interagement. Launching the Sweathh Sur-weisihan-2023 dishboard at the Bharan Mandanam in Defini.

Bharat Mandapain in Defhi,

MAGZTER

Leaders' Delhi Declaration com-mitted to enhancing environ-mentally sound waste manage-ment, substantially reducing waste generation by 1000, and highlighting the importance of acto waste initialities. Apprecisi-ing the theme of 'Reduces, Rease and Necycle' for the 2024 clean-lineus survey, she said: 'It is highly commendable that in the second phase of the Swachh Bitarat Mission, circular waste management is being followed Leaders' Delhi Declaration commanagement is being followed and the circular economy proc-

President Murmu said the G20

and the circular economy proc-ens of recycling and reusing more and more lenus is proving helpful for sestainable develop-ment." Union minister of housing and urban affairs, Hardeep finely Deri, und assee: city in and urban atthirs, Hardeep Singh Peri, said every city in India is npen-defeation-free. "This became possible because the Swatch Buant Mission went from (bring) a government pri-gramme to lucaming a Jan Andulan (people's movement)." "With a very modest begin-ning in 2005, today 447 cities and when head buelles artificiants in

urban local bodies participate in the Swachh Surveiciban. In this 8th edition, we received feed-back from 12 crore people," the minister said. The NDMC area was the

cleanest city within Union terri-tories while the New Deihi area also ranked third among 35 capital regions.

tal regimes. Among smaller cities, with fewer than 100,000 residents, Saswad in Maharashtra gat the cleanest eity meant followed by Patan in Chhattegarh and Loua-vala in Maharashtra. Varanasi and Prayagraj were

adjudged the cleanest Ganga adjudged the cleanest Ganga towns, while Maharashtra, Mad-hya Pradesh and Chhattisgarli were adjudged the best-perform-ing states. Among states overall, Maharashtra, Madhya Pradesh and Chhattisgarh were at the top, while Bajasthan, Minoram and Arunachal Pradesh ranked at the bottom of the cleanlinesa andings. Highlighting the increased

Enginingtoing the increased waste production in the last low years. Puri said: "Cleardiness has become a social revolution and the impact can be seen every-where. Waste processing has increased from 15-16% in 2014 to With the second second

digarh was picked as the best "Safaimitra Surakshit Shcher" -Satisfies to a city with ode-quate institutional capacity, marpower and equipment, along with adfe working condi-tions for sanitation workers. By March 2004, all Indian cit-ies are unreased to be declared

ies are supposed to be declared Safaimitra Surakshit under the Salamintra Suraisan under une ministry of Social Justice and Empowerment's National Action for Mechanised Sanitation Eco-system Scheme. For 2023, the Swarch Survel-shan awardin were based on the theme-"Waste to Wealth for Gar-Jone-"Fore Claire".

theme "Waste to Wealth for Gar-laga-Free Coles". The cities this time around were marked on a total of 9,500 marks, of which 53% was based on service level progress, 26% on certification of cleanliness of public spaces and toties: and 23% based on feedbock from the readersti. residents.

From being struck by the From seeing struck by the plague in 1994 to beyraving the denses Indian city, Surat's um-around has been an "ophili nuk", "The city faces increasing migratient and industrialization citallenges", said the city's municipal commissioner, Shainumeropai commentationer, shall-ini Agarwal. "But we integrated our infrastructure with sanita-tion and waste management facilities. We used our integrated command and control centre to muchoe each systematic sector." monitor waste management. We made cleanliness a mass movement, resulting in us seering

Swachh Survekshan awards 2023

ŧ,



TOP 10 CITIES

Rank Urban local body, State Indore, Madhaa Pradesh Kaol Mumbal Maharathtra Visakhapatnam, Andhra Praditsh Bhopal, Mathya Pradesh Vijaywada, Andria Pradesh New Deihi (NDMC), Deihi Tirupeti, Andria Pradesh Greater Hyderabad, Telanumu Pune, Maharashtra

THE MOST IMPROVED PANAJI, GOA a moving city with ation of over 160.6

well across all the parameters,"

she iaid. On the other hand, the rank ings regarding Bengal cities ings regarding Bengal cities became a point of contention. Atin Ghosh, deputy mayor of Kolkota, said "I have not road the report myself. But if it sag-gests that the cities of Bengal including Kofkata are among the worst performing cities, then it saggests that the report is polli-cily motistud. Perotle can see cally motivated. People can see cary motivated, recipic can see for themselves when they walk around the city what's for real. Bharti Chaturvedi, founder of Chintan Environmental Research and Action Group, which excitations are set in mar-

which specialises in waste man-agement, said the awards, heades adding healthy competi-

were declared the joint cleanest cities of India as part of the Swachh Survek-shan Awards. A look at the highlights BOTTOM 3

Indore and Surat

Rank ULB, Mate

Kolkata, West Bergal Asansol, West Bergal Babra, West Bergal TOP STATES Rank State No of ULBs Maharashtra 411 Madhya Pradesh 370 Chhattisgarh 160

NOWROZABAD, MP

water moving sity with water less than 100,000

tion among cities and states, act as a platform for peer learning, which was previously missing. "Lities in west india, namely Indore, Surat, and Navi Mumbai Indore, Surat, and Navi Mumbay, seems to be doing better than the cities on the north. In fact, the starts as a whole are driving a lot better than their north-Indian counterparts. This shows that the residents of these cities engage differently, and there is a lot to learn. From Near. The other resed birth her

4

and there is a lot to learn from that. The other model that has been consistent in the last three to four years is that smaller cities are outperforming their bigger cousins. This shows that we must take a more decentral sed opproach to waste manage-ment.²

Clopped from + Hindustrian Times Luctinows - January 12, 2024 Read it digitally on the Maggler app

Hindustan

Delhi



राष्ट्रपति हौपयी मुम्नुं ने इंग्रेंर और सुरत को संतुक्त रूप से देश के सबसे स्वच्छ माहर का पुस्तकार देकर पूरे देश को सकारात्मक संदिश दिवा है। इंग्रेंर को यह सम्मान लाखनार साताची बात मिलाना यह स्वष्ट कर देता है कि साफ-सफाई रखने को प्रनुति इंग्रेरनासियों और तरहे के स्थानीम प्रशासन के स्वभाव में शुनार हो चुकी है। अभियान चलाकर वो कोई भी शहर सकई कर सकता है, पर सफाई के एक स्तर को निर्वतर (बनाए रखना बहुत मानोखेन हैं। सुरत में साल 1994 में लोग भयानक रूप से फैला था और उसके बाद से से उस शहर ने युद्ध स्तर पर साफ-सफाई का बीड़ा कटाते हुए, अगना कायकारण कर लिया, नतींजा सामने है। सैन दाक से यह जातर का एक स्वर बनाए चल साहे है। सेन दाक से यह जातर स्वप्रकार का एक स्वर बनाए चला है। इसलों कोई संदेह नहीं कि नियात दालक प्रयोग स्वर्थकारा सर्वे हो। सेनद साल-दर-साल प्रदेश जा था है। शिल्वले साल के पुरत्कारों का संसर स्थान पर रही नहीं कुंबई ने आगत स्थान कव्यक रखा है।

जत्तर प्रदेश के लिए यह खुशखबरी है कि चताणमां और प्रयागवज को सबसे स्वच्छा गंगा शहर वॉपित किया गंगा है। तीन से दस लाख की आवादी वाले शहरों में नोएडा को दूसरा स्थान मिला है, मंगर समग्रता में उसकी रेकिंग घटकर 15 हो गई है। खल 2021 में नोएडा देश का नीवां सबसे स्वच्छ शहर बन गया था। नई दिल्ली में स्थित चिरोष

स्वच्छता में इंदौर और सुरत ने फिर बाजी मार ली है। संदेह नहीं कि विगत दशक मर में स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारों का महत्व बढ़ता ही जा रहा है। एनडीएमसी बेज समयता में सातवें स्थान पर है। राष्ट्रीय राजधानी धेज में जाने वाले तनाम शहरें को स्वच्छता के पैमाने पर ऊपर ऊना चाहिए, पर पर्वापा प्रवस, नंसाफन और वीजना के अखाव में ऐसा नहीं ही पा रहा है। एक पहलू रू भी है कि यहां कहते पुनेती दे रही है। फिर पी सप्ट्रीय राजधानी धेज में स्थित राहरों से ज्यादा कमीद करना मलत नहीं है। इन शहरों की आवादी का बोड़ संभालने के लिए ज्यादा तैखर रहना द्येगा। स्वथ ही, नक्षा प्रदुष्ण ने मुक्कबले के लिए जी बहुत कुछ

करने की जरूरत है। इंदौर की प्रशंस करते हुए रह भी आगन में रखना तोगा, सचा जैन करोड़ से ज्यादा खोग किल्ली के मेट्रो छेत्र में खते हैं, जबके इंदौर की आवादी 33 लाख के करीब है। राष्ट्रीय राज्यानी क्षेत्र में दियत सभी जहारी निकाय, विभाग और निर्जी संरच्यारे भी पत्सपर समन्वय थ जन-भागीदारी के साथ अनर संदर्श और छदूषण से निपटने की योजना बनावार काम करें, तो ज्यादा सार्थक होगा।

सहरवाल, तौर कॉनिंग, वेश के सबसे स्वन्छ दस शहरों में विहार या हातर प्रदेश का एक भी जहर नहीं है। पटना का स्थान तो 242 वां है, मतलच अभी स्वच्छता के पैमाने पर कहां चढुत कुछ करने की नरूरत है। ततर प्रदेश के शहरों में एलच्छता के मामले में क्रमशः नीएड, नाजियाबाद, अलोगढ, वारावसी के बहर यजपानी लखनक 44वें स्थल पा है। सर्वाधिक प्रदर्शित जारते में पत्रिचम संगणत का नम सबसे रुपर है। खाइज, कोलकाल गंदे साहगे में पत्रिचम संगल का नम सबसे रुपर है। खाइज, कोलकाल गंदे साहगे में पत्रिचम संगल का नम सबसे रुपर है। खाइज, कोलकाल गंदे साहगे में सुमार है। केई अवरुपर्य नई कि महराष्ट्र देश का सबसे साफ-सुधरा राज्य है। और उसके बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का स्थान है। केही का आवास और तहरों मामलों के मंत्रारुप की स्वस्थात्र के मोर्चे पर ज्यादा ध्यक-धीर्थद होता पढ़ेगा। हालांकि, उसकी तारीप होनी चाहिए कि वह विगत दशक से लगातर रेकिंग नहीं कर रहा है, जिससे सबक्ते मण्डाई की प्रेला मिल रही है। लोगों के योध परिन हीर लागसकता आ रही है, पर आगी तमें गांजी के सपनों वाला स्वच्छ भारत बनाने के लिए लंबा सफर तय करना है।

MAGZTER

Clipped Inter + Headed on Tenso Hind: New Defe - January 12, 2024 Read & digitally on the Magner way

Delhi

इंदौर सातवें शिखर पर, सूरत भी अव्वल

स्वच्छ सर्वक्षण-2023

जागरण खूरो, नई दिल्लीः इंदौर स्वच्छता के सातवें शिखर पर पहुंच गया है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से कराए गए स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में इंदौर को शोर्ष स्थान सुरत के साथ साझा करने पर कुछ कसक रह सकती है, लेकिन लगातार सात वर्ष से चोंटी पर बने रहना भी कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुम् ने गुरुवार को आठवें स्वच्छ सर्वेक्षण के आधार पर विजेताओं को पुरस्कृत किया। नवी मुंबई ने तीसरा और विशाखापत्तनम ने चौथा स्थान कायम रखा है।

 महाराष्ट्र राज्यों में और भोपाल राजधानियों में शीर्ष स्थान पर

 वाराणसी व प्रयागराज ने गंगा त्तटीय शहरों में वाजी मारी



नई दिल्ली में इंदौर को पहली रेंक मिलने पर राष्ट्रपति दीपदी मुर्मु के हाथों से पुरस्कार ग्रहण करते मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, साथ में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय । इस अवसर पर केंद्रीय शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी उपस्थित रहे® प्रेट्

पुरस्कृत किया। नवी मुंबई ने तीसरा	सव	से आगे शहर	शीर्ष राज्य	I	सवसे स्व	च्छ
और विशाखापत्तनम ने चौथा स्थान कायम रखा है। इंदौर और सूरत पिछले वर्ष पहले		लाख से अधिक	राज्य	शहरी स्थानीय निकायों की संख्या	गंगा टाउ १. वाराणसं	
और दूसरे स्थान पर रहे थे, लेकिन	रैक	加密な	महाराष्ट्र	411	2. प्रयागरा	ज
इस बार सूरत ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मुकाबला टाई कर दिया।	1.	इंदौर	मध्य प्रदेश	378	3. विजनौर	
करते हुए मुकावला टाइ कर (दया) दोनों सेवन स्टार रेटिंग वाले शहर	1.	सूरत	छत्तीसगढ ओडिशा	169	4.हरिद्वार 5.कन्गीज	
हैं। पिछले वर्ष से तुलना की जाए तो	3.	नवी मुंबई	त्तेलगाना	142	फिसडडी	! शहर
शीर्ष चार स्थानों में कोई फेरबदल नहीं हुआ है, लेकिन भोपाल छठे	4.	विशाखापत्तनम	आंध्र प्रदेश	124	शहर	रैक
स्थान से उठकर पांचवें नंबर पर आ	5.	भोपाल	पजाब	163 🚔	मध्यमग्राम	444
गया। विजयवाहा पिछले वर्ष पांचवें नंबर पर था, लेकिन इस बार इठे	6.	विजयवाडा	गुजरात		कल्याणी हाओरा	445
नंबर पर है। नई दिल्ली नगरपालिका	7.	एनडीएमसी	- उत्तर प्रदेश नणिन्द्रगट	651	(तीनों बंगात	
परिषद (एनडीएमसी) पिछले वर्ष नौवें स्थान पर था, लेकिन इस बार	8.	तिरूपति	तमिलनाडु राजधानिक		फिसड्डी	
नाव स्थान पर था, लाकन इस भार उसे सातवां स्थान मिला है।	9.	रोटर हैदराबाद	स्वच्छता में अ		 सजस्थान मिजोरम 	1
सबसे स्वच्छ राज्य की श्रेणी में महाराष्ट्र ने मंप्र को पछाड़कर पहला	10.	पुणे	रवच्छता में ।			ल प्रदेश
महाराष्ट्र न मंत्र को पछड़कर पहला स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ़ तीसरे नंबर पर रहा। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के दो–दो शहर सबसे	সাৰা	शहरों (एक ल दी बाले) की मिल हैं। इस ब	टाप-10 सूच	गी मुकाबला रहा।		>) पेज 9

MAGZTER

Cloped from - Dail M Jagran DolH - January 12, 2024 iteed it digitally on the Magzler app

Delhi

एनडीएमसी की सातवीं, एमसीडी की रही 90वीं रैंक

छावनी परिषद रैकिंग में दो

नगर निगम स्वच्छता की स्थिति में नहीं कर पा रहा सुधार, कागजी कार्रवाई पर ज्यादा जोर, जमीनी स्तर पर प्रयास नहीं

स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 प्रभाग संस्थान 2023 कागय संवद्धवात, वी दिल्ली - देश की राष्ट्रीय राजधानी में नई दिल्ली नगर पॉलिका पॉपट (एनडीएमसी) की भगी की स्वराध संवेशण में सालवा स्थल- मिला दे लेकिन प्रत्येप्रस्था के बातार दिल्ली नगर तिराप्र में अपनी स्वरात प्राप्त किया है। ये बाते प्रयुप्त याजभानी है, तहां प्रयु लाल किन्ते में उत्तर उल्लावसी पर लाल किले में स्वयं प्रचानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छला अभियान को घोषणा की थी। देश के दूसने निकाय तो स्वच्छ भारत के सपने को लेकर आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में एमसोटी की विश्वति बता रही है कि उनमें ऐसी कोई चाह नहीं है। यहां वजह है कि पहले पुर्वकालिक निगमों की स्वच्छ रेकिंग में कोई खास सुधार नहीं होता था, निगमों के एकीकरण के बाद

बने दिल्लो नगर निगम को रैकिंग को भी स्थिति वेसी ही त्री। स्वच्छ रेकिंग में 1354 निकायी

स्वच्छ रामगं में 1354 (नकस्य ने तिस्का लिपा था। इसके अंतों के तिसाथ से देखें ही दिल्ली नगर निगम का स्थल 345वां है। पले श्री स्वच्छ रेकिंग में निगम ने फोत पर डी कुझ पृथ्यकोकरण (सनि गोला व सुख कुढा अलग अलग करन) के लिए 100 प्रतिशत करने का खिताब विला है, लेकिन जमोनी का खताब विपता है, लाकन जमान सर्वोकत यह है कि मात्र गिनी चुनी सोसपरियों में तो यह तो रहा है। 50 लाख से ज्याद की आवादी अनफिकृत कालेनियों में रहती है। इसमें अधिकाल लोग अभी गोला और सुरख कुद्र एक साथ दालते हैं।

हैरानों की बात है कि एनडीएमसी िसका सातवा त्यान आया है, उसके लोग पर हो कुड़े के पुषकसेकरण का प्रतिप्रात 87 प्रतिशत हैं और मध्य प्रदेश का इंडीर जो हमेशा स्वच्छ सर्वेक्षण में अग्रिम रतता है, उसके भी इस क्षेणी में 99 प्रतिप्रत स्तर है। ऐसे में, स्पष्ट



10 यस्तकात में दिल्ती की रवचना रोव की रिवर्ति तीरेड संबद्धण = तीरेंद्र सवदेश = खरान तुई है। उन्होंने कहा कि आटाबार के कारण दिन्ही की स्वयहिं व्यवस्थ विगड रही है। भारतन उन्हा के बीच जाकर इसे उत्तामर करेगी ।

तीक करते में आगे तहीं हो गाया। ठोक करन में आगे नहां से पांचा वित्रत्ती नगर निगम के आयुक्त जनिया भारती हैं। पूर्वकालिक देवाणी निगम के अयुक्त राठी हुए जानेश भारती ने रेकिंग में सुबार किस् थे। जबके पूर्वी और उन्हरी नापना विग्र भे अर्थक पूर्वी और उसरा निगम कोई खास सुधार नहीं कर पूर्वव्यनिक उत्तरी निगम आर पिरम कोई खास सुधार नहीं कर पूर्वव्यनिक उत्तरी निगम आर विग्मों का एक्सेकरण हुआ एक्सेक्ट कर तेका अ वग्र हैं। अगर, तम मिरो के तीर पुरस्तर पित्व है। निगम के आपूर्व तोर पर राममा जागा आवारा आकर्ष का पिस्तेषम के साहित प्रदेशों में रे राग्य मर्माकरणी और बार्यों को देखते पूर, करेंगे तो हो सकता है पूर्वकार्तनक सिरो का पुरस्तार पात कि है। जन्मेज आरती को एक्सेक्टर निर्णे दक्षणी निगम इलक्स 15 तक पहुँच कर्ष्यज्ञ आरती को एक्सेक्टर निर्णे पुरस्ता पात कि है। प्रक्षेत्र आरती को एक्सेक्टर निर्णे प्रकार के लिए पाद स्टार मेंटिंग भी मिल्ते है। जन्मेज आरती को एक्सेक्टर निर्णे प्रकार करेंगे की मांग कर का पात कि कहा। तोता है कि कागजी कार्यवाई करने हैं। जबकि घारती 2019 से निगम स्वस्था मसेंबण में राष्ट्रीय राजधाने में एमसीक्षी आगे राह, लेकिन मैं आयुक्त के तौर पर काम देख के दो निकाय हैं, लेकिन दोनें को

स्थान नीचे लुढकी नई स्वताला शैंकेन में देश की सभी अवनी प्रतिषदी में दिल्ली आवनी वसिद को साठ्या स्थान भिन्न है। पिछले वर्ष पांचवी रविन थी। रेकिंग में दो संकों की गिसंबट वयी हुई, इसे लेकर छावनी परिषद के अधिकारी मंत्रण में कुट गए हैं। रेकिंग में गिराबट की वज्ज्ह जानने के बाद उन्हें दूर करने का अधिसब प्रयास शुरू करने की बात अधिकारी कह रहे हैं। महापौर के 50 दिन के सफाई अभियान पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नगर निगम में सला में डाने के एक साल बाद अधानक सफाई अभियान शुरू करने की कांग्रेस ने दिल्ली की जनता को मुमराह करने जैन्स बताया है । प्रदेश कार्यस के निगम प्रभारी बल्क कार्या है। प्रावस वाइस्ट का मागन प्रभावन (मितेंद कुमर कॉवर ने क्या कि क्याइंगेर 50 दिन के अभिवान में केवल तीन चार वाडी की कुछ सड़कों की सराई में के में से प्रेरी दिल्ली को लाफ करने की बुझाई दे तर्ही है। स्वरक कारबस और सराई के नामते में दिल्ली निचनी वावस्त पर है, जिसके लिए निमार और दिल्ली सल्लार व केंद्र संरकार की संस्था? भी तिम्मेदर है।

नहें हैं। उनके आने के बाद दक्षिणी स्थिति में जमीन तर हा उनक आग क बाद दाशाणा स्थावि में जमाना आसमान निगम ने खेलर प्रदर्शन किया था। का अंतर ही एक और वार्ग निगम प्रवक्त अभित कुमार का एनडीस्मती ने स्वच्छ दिवेश में करना है कि निगम दास लाख में सातथां स्थान प्रारत किया है। अभिक त्रिक आधादी जाले रहाई के चार्गे, चोते को की नौर्य किंग जैसतन दिवान 28 आदे है। वानि के सुवेशने दी रेकिंग कर सुधार पूर्वव्यतिक उत्तरी निगम और किया है, चारी एनडीएमसी को जानी विभाव प्राय के प्राय एनडीएमसी को जिले दी पुरस्कार: वाहर प्लस ऐकिंग भी मिली है।

वनया है। STREET 🌀 तम विक्रले साल सं दो नेक जामे बटकर वर्ते से रही संबर पर आ गा है। हमें नई दिल्ली को सर्वलम

सर्वातीयां संवार्ध प्रदान करने के लिए समयंग और सुधार के साथ आमें बढ़ने की जलना हे। अगले माल हमें शीर्ध तीन पाइरों में रहने का झास करना संसित् । - जमित वरत रोजनांन

सुवार की जस्पत है। महम्पेर के अनुसार स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 निर्पोर्ट के मुनबिक दस लाख से अधिक आबदी वाले इडरों में दिल्ली इस बार ३८वे स्थान पर रहा है। जबकि हरियाणा के रोहतक और करनाल ने गुरुग्राम-करीदावाद को पछाड़ा

सफाई व्यवस्था पर करोबे रुपरे रहते करने संवाह व्यवस्था पर करीब रजव द्वाव दान्स वाले गुरुवाम और करीवचार स्वकत सर्वकार- २०२३ में रोडतक और करनाल से बी पीछे रह गए। रोडलक और करनाल ने वरियामा की रतनमा रैकिम में ज़ला व दसरा स्थान पाचा है. जपकि गुरुराम चौबे स्थान प और फर्नीदाबाद 19वें स्वान पर खिसक गया है। इन दोने बड़े शहरों की मिनलें मेटी शहरों ते। इन साथ पड़ गतिरा का लिया नदा रहते में होती हैं । एनसीआर के दायरे में आने वाते नयर नियमी में इस बर सीनीजत नगर नियम ने कवरा मुक्त शहरों की बेणी में अध्नत स्वान

शैली अबितय ने कहा कि फाउंचा के शालनकाल में दिल्ली नगर निगम दुरे हालाह में थी। नोएडा पांचवें से पहुंचा दूसरे रथान पर, गाजियावाद १९वें स्थान पर स्वतन्त्रन सर्वसण २०२३ में पक्त से दस लाख की आबादी में नोपड़ा ने लंबी छलाग लगा का देश में दूसरा स्थान हासिल किया है, जबकि इस बंगी में प्रिवली बार नीएवा की पीवय रथान मिला व (दालांक देश) में अंधरआल रथान मिला था (दालकि देश) में अंधरआल रेकिंग में नोरज की निरादट दर्ज हुई है, व्ह 14वें स्थान पर खिराक मथा | विद्यती बार नेपछा ११वे प्रराद्यन पर कविज था। नगर निगम गाजिवाबाद १० लाख से अधिक आबाद वाले प्रहर्ता की बोगी में शामिल हे । इसमें उसे

प्रमुख कारण जिससे नहीं सुधर पा रही है एमसीडी की रिचति

प्रदेश में लगतार दसरे साल पहला स्वान मिता

दिल्ली में घर-घर से कुछ एकजिल न झेना

है। देश में राज्ये स्थान पर है।

- + घर-घर से मीते व सामे कड़े का अलग-आतम म होना मार्केट और रिहायश्री इलाकों में सार्वजनिक जीवालयी
- की स्थिति टीक न होना कुड़ेदनी की कनी के कारण लोग सड़क पर ही कुड़ा फेकने पर मतापुर हे
- । राजधानी में कुझा एकत्रित करने के लिए कोई खुजर वार्ज एमसीडी अपने सिसक्ती खेत्र से न्हीं लेती है,
- विकले तोग इस कार्य की गेमीरता से नहीं तेते हैं = सफाई कर्मधारियों की कमी है, ज्यादातर संघाई
- कमेचारी बुह्य सेने को है
- कमचारा मुख्यासम्बद्धाः + निमतनी तत्र केदल राजनापुरी के लिए वन रखा है.

MAGZTER Elipped from - Denne Jegran Delhi - Sanuary 17, 2024

Read = digitally on the Magzter app

संबेधन ने इस बल पर मुझर लगा दी है कि विल्ली की सफर्घ व्यवस्था 6 पहले से बेहतर हहे है। हालांक इसमें अभी भी

खस्त रेकिंग को लेकर महाधीर ज. गीनी अधिराव ने वाचा किया कि नवक

आप की सरकार की रंग लाई मेहनत : डा. शैली ओवेराय



Delhi

नवाचार व जनभागीदारी से इंदौर सातवीं बार सबसे स्वच्छ शहर

नईदुनिया, इंदौर : इंदौर ने लगातार सातवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बनकर इतिहास रच दिया है। इंदौर कई नवाचारों से देशभर में स्वच्छता का ऐसा प्रतिमान स्थापित कर चुका है, जहां तक पहुंचना महानगरों के लिए आसान नहीं है। इंदौर जनभागोंदारी का बेहतर उदाहरण है। बता दें, गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 पुरस्कार समारोह में गुजरात के सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है।

सिंगल प्लास्टिक मुक्त शहर अभियान चलाया इंदौर को सिंगल प्लास्टिक मुक्त बनाने को दिशा में विशेष अभियान चलाया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक को रिसाइकिल करने की जिम्मेदारी उत्पादकों को देने पर इंदौर नगर निगम एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पांसिबिलिटी (ईपीआर) क्रेडिट पाने वाला पहला नगरीय निकाय बना।

ई- कचरा संग्राहक वाहनों और ई-वसों की संख्या वढ़ाई डीजल से चलने वाले डोर-टू-डोर कचरा संग्राहक वाहनों के स्थान पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया गया। ई-बसों की संख्या में भी बढोतरी की गई।

सफाई मित्रों के लिए तैयार किया एप: निगम के साढ़े सात हजार सफाई मित्रों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए मोबाइल एप तैयार किया गया।

पेज एक का शेष

इंदौर सातवें शिखर पर...

इस बार चयन के मापदंडों में वेस्ट टू वेल्य का खासा जोर दिया गया और डंदौर ने एक बार फिर साबित किया कि वह नई - नई अपेक्षाओं के अनुरूप सधार करने के लिए भी तैयार है। इंदीर के अधिकारियों ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर सही मायने में पूर्ण प्रतिबंध ने इस चैलेज में उसकी ख्याति कायम रखी है। गंगा तटीय शहरों में स्वच्छता के पैमाने पर उत्तर प्रदेश ने अपना दबदबा कायम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर है। इनके अलावा टाप-5 में बिजनौर, हरिद्वार और कन्नीज भी है। एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट के सासवाड को पहला स्थान मिला। छतीसगढ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। सबसे खब्छ कैटोनमेंट बोर्ड में मध्य प्रदेश स्थित मह को पहला स्थान मिला है । पुरस्कार वितरण समारोह में शहरी कार्य मंत्री हरदीप पूरी भी उपस्थित रहे। सरकार ने दावा किया है कि यह दनिया का सबसे बडा स्वच्छता सर्वेक्षण है, जिसमें 4,447 शहरी स्थानीय निकायों ने भाग लिया और 12 करोड़ से अधिक नागरिकों ने इस सर्वे में अपनी प्रतिक्रिया दी। इस सर्वे की शुरुआत 2016 में हुई थी। तब इसमें केवल 73 बडे शहरों ने भाग लिया था। परी ने कहा कि स्वच्छता अब एक जन आंदोलन बन गया है। सभी शहरी निकाय खुले में शौच से मुक्त हैं।

MAGZTER

Cipped from - Donk Jog on Date - Lanuary 12, 2024 Read it slightly on the Magzier app

Hari Bhoomi

Raipur

बडी उपलब्धि राष्ट्रपति के हाथों सीएम साय और उप मुख्यमंत्री साव ने ग्रहण किया पुरस्कार

देश में

रायपुर और पाटन समेत पांच शहरों को भी तमगा

छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य बन गया है। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में छत्तीसगढ़ को महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद देश के तीसरे सबसे साफ-सुबरे राज्य का दर्जा मिला है।

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

सफाई में छग को

प्रदेश की इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साथ और उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

इसी कार्यक्रम में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह

पुरी, सचिव मनोज जोशी और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की निदेशक रूपा मिश्रा भी समागेह में जिल्ला भी

समारोह में शामिल हुई। स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के पांच नगरीय निकायों रायपुर, महाससुंद, कुम्हारी, आरंग और पाटन को भी समारोह में पुरस्कृत किया गया। उल्लेखनीय है कि स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणाम की प्रस्ली खबर हरिभूमि ने पिछले शनिवार को प्रमुखता से प्रकाशित की थी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रदेश और नगरीय निकार्यों को इस उपलब्धि पर संबंधित निकार्यों को निवाधित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, समन्वयकों तथा स्वच्छता दीदियों को बधाई और शभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इनके उत्कृष्ट कार्यों के कारण प्रदेश को राष्ट्रीय सरार पर गौरवान्वित होने का मौका मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य के शहरों भ्रारोष पेज 2 पर

5

Bal

MAGZTER

Clipped from - Hari Bhoomi - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app



राज्यों तथा शहरों को पुरस्कृत किया जाता भी शेष पेठा 2 पर शहरों को स्वच्छ रखने प्रवेश में हो रहे लगातार अच्छे कार्यों के कारण छत्तीसगढ़ को वेश के तीसरें सबसे स्वच्छ राज्य का बर्जा मिला है। स्वच्छ सर्वेषण के परिणामों के मुताबिक गारखेज फ्री सिटी के अतर्जत प्रवेश के बो शहरों को जाइब स्टार रेटिंज। उठ शहरों को थी स्टार रेटिंज और 47 शहरों को सिंगल स्टार रेटिंज। मिला है। राज्य में ओडीफ प्रतार रोर 47 शहरों को सिंगल स्टार रेटिंज मिला है। राज्य में ओडीफ प्रतार

हैं। प्रवेश के एक नगरीय निकाय को वाटर प्लस का बजा मिला है।

महासमुंद, आरंग कुम्हारी और पाटन भी पुरस्कृत

महासमुंद नगर पालिका को पूर्वी जोन में 50 हजार से एक लाख तक की आबाबी वाले शहरों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है। देश के पूर्वी जोन में कुम्हारी नगर पालिका को ॐ हजार से 50 हजार तक की आबाबी वाले शहरों की श्रेणी से और आरंग नगर पालिका को 15 हजार से 25 हजार तक की आबाबी वाले शहरों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है। पाटन नगर पंचायत को एक लाख से कम आबाबी वाले शहरों में वेश के बसरे सर्वाधिक स्ववंग शहर के लिए पुरस्कृत किया गया है। ओडीएफ प्लस प्लस का दर्जा प्राप्त पाटन को गारबेज फ्री ज़िती में फाइव स्टार रैकिंग मिला है। सर्वे में रायपुर नगर निगम को एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर चुना गया है। गारबेज फ्री सिटी में रायपुर को फाइव स्टार रेटिंग प्राप्त हुआ है।

Hari Bhumi

Bhopal

स्वच्छ सर्वेक्षण २०२३ का परिणामः इंदौर लगातार सातवीं बार देश में पहले स्थान पर

स्वच्छतम शहर की ये दो

देश में इंदौर और सूरत को

बुधनी को पश्चिम जोन के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार

प्रदेश में एक 7 स्टार, एक 5 स्टार, 24 थ्री स्टार और 132 वन स्टार गार्बेज फ्री शहर हैं। भोपाल शहर को स्वच्छ शहरों की सूची में गार्बेज फ्री सिटी में 5 स्टार रेटिंग के साथ पांचवा स्थान प्राप्त हुआ है। प्रदेश के 15,000 से 20,000 जनसंख्या वाले शहरों में बुधनी को पश्चिम जोन के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। एक लाख से कम जनसंख्या वाले शहरों में नौरोजाबाद और अमरकंटक को फास्ट मविंग सिटी श्रेणी में प्रथम और द्वितीय स्थान मिला है। जबकि मह ने सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का खिताब हासिल किया।

हरिभूमि न्यूज 🍽 मोपाल/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का रिजल्ट जारी कर दिया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला।

महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्टनम चौथे और मध्यप्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा। वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इस बार महाराष्ट को पहला, मध्यप्रदेश को दुसरा और छत्तीसगढ़ को तीसरा स्थान मिला। पिछली बार मध्यप्रदेश पहले स्थान पर था। गंगा किनारे बसे सबसे



Clipped from - Han Oncom - Emissive 12, 2024 Read in digitally on the Magneer app



साफ शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा मध्यप्रदेश के मह को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला है। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ को दिया गया। दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।

Navbharat

Mumbai

नवी मुंबई फिर तीसरा सबसे साफ शहर, पुणे भी शीर्ष 10 में

स्वच्छ सर्वेक्षण में महाराष्ट्र सबसे साफ 2022 में मुप्र था नंबर-1



2023 की रैंकिंग जारी

 दिल्ली, एजेंसियां. केंद्र सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का रिजल्ट जारी किया. देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इस बार महाराष्ट्र को पहला, मध्य प्रदेश को दूसरा और छत्तीसगढ़ को तीसरा स्थान मिला. पिछली बार मध्य प्रदेश पहले स्थान पर था. 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा. सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला. महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्टनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा. महाराष्ट्र का पुणे भी शीर्ष 10 में शामिल है. 1 लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा.



वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान



राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया. इस बार कुल 9500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है. इसमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस पर 4525, सर्टिफिकेशन पर 2500 और पब्लिक फीडबैक पर 2475 दिए गए. देश का सबसे स्वच्छ राज्य बन गया था. 100 से अधिक शहरों वाले राज्य में मध्य प्रदेश नंबर-1 पर आया था. वहीं, इंदौर ने सफाई का सिक्सर लगाया था. भोपाल भी सातवें से छठवें रैंकिंग पर आ गया था. 2017 और 2018 में भोपाल देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर था.वर्ष 2016 में सिर्फ 73 शहर थे. तब भी इंदौर नंबर-1 पर रहा था. अब 4355 शहर इस दौड़ में शामिल थे. फिर भी इंदौर ने नंबर-1 का तमगा हासिल किया. इंदौर वर्ष 2017 से ही देशभर में नंबर-1 पर आ रहा है. स्वच्छता सर्वेक्षण ने हिंगू भे शहर स्टार रेटिंग और 9 शहर स्वच्छ सर्वेक्षण में शिर वहीं, 2021 के सर्वेक्षण में कुल 35 अवॉर्ड मिले थे.

2022 में राजस्थान-महाराष्ट्र को पछाड कर मध्य प्रदेश

दुनिया का सबसे बड़ा सर्वे

भारत का स्वच्छता सर्वेक्षण दुनिया का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण है. शहरों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए 2016 में इसकी शुरुआत की गई थी. इस बार सर्वे की थीम वेस्ट टू वेल्थ रखी गई थी. स्वच्छता सर्वेक्षण के 8वें सीजन के तहत 2023 में 4500 से ज्यादा शहरों को लिस्ट में रखा गया था. एक जुलाई से 3 हजार कर्मचारियों को इन शहरों में स्वच्छता का मूल्यांकन करने का काम सौंपा गया था. शहरों का ओक्तनन 46 पैरामीटर पर किया गया. इसमें करीब 10 करोड़ नागरिकों से फीडबैक लेने का लक्ष्य था.

MAGZTER





Clipped from - Navabharat Mumbai - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app

Bhopal



an Alberton

The sector of th

Indore



Indore

इंदौर सातवें शिखर पर, सूरत भी अव्वल

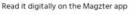
स्वच्छ सर्वेक्षण−2023 ● पिछली बार दूसरे स्थान पर था सूरत, महाराष्ट्र राज्यों में शीर्ष पर पहुंचा

नई दिल्ली (ब्यूरो)। इंदौर स्वच्छता के सातवें शिखर पर पहुंच गया है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से कराए गए स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में इंदौर को शीर्ष स्थान सुरत के साथ साझा करने पर कुछ कसक रह सकती है, लेकिन लगातार सात वर्ष से चोटी पर बने रहना भी कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। नवी मुंबई ने तीसरा और विशाखापत्तनम ने चौथा स्थान कायम रखा है। पिछले वर्ष इंदौर और सूरत क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे थे, लेकिन इस बार सुरत ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मुकाबला टाई कर दिया। दोनों सेवन स्टार रेटिंग वाले शहर हैं।

पिछले वर्ष से तुलना की जाए तो शीर्ष चार स्थानों में कोई फेरबदल नहीं हुआ है, लेकिन भोपाल छठे स्थान से उठकर पांचवें नंबर पर आ गया। विजयवाड़ा पिछले वर्ष पांचवें नंबर पर था, इस बार वह छठे नंबर पर है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) पिछले वर्ष नौवें स्थान पर था, लेकिन इस बार उसे सातवां स्थान मिला है। वहीं, गंगा तटीय शहरों में स्वच्छता के पैमाने पर उत्तर प्रदेश ने अपना दबदबा कायम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर है।

राष्ट्रपति ने विजेताओं को किया पुरस्कृत : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को आठवें स्वच्छता सर्वेक्षण के आधार पर विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि व्यापक भागीदारी से आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण स्वच्छता के स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुरस्कार

W MAGZTER Clipped from - NaiDunia Indore - January 12, 2024





नई दिल्ली में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से पुरस्कार प्राप्त करते मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, साथ में हैं (बाएं से दाएं) प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी और निगमायुक्त हर्षिका सिंह। •सौजन्य एक्स

मापदंडों में रहा वेस्ट टू वेल्थ का खासा जोर

इस बार के स्वच्छ सर्वेक्षण में चयन के मापदंडों में वेस्ट टू वेल्य का खासा जोर दिया गया और इंदौर ने एक बार फिर साबित किया कि वह नई-नई अपेक्षाओं के अनुरूप सुधार करने के लिए भी तैयार है। इंदौर के अधिकारियों ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर सही मायने में पूर्ण प्रतिबंध ने इस चैलेंज में उसकी ख्याति कायम रखी है।

वितरण समारोह में केंद्रीय शहरी कार्य मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि देश में स्वच्छता अब एक बडा जन आंदोलन बन गया है और भारत में सभी शहरी स्थानीय निकाय खुले में शौच से मुक्त हैं।

मप्र को छह पुरस्कार मिले, राज्यों की श्रेणी में पिछडा

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। स्वच्छ सर्वेक्षण- 2023 में मध्य प्रदेश को छह पुरस्कार मिले हैं, लेकिन 'बेस्ट परफारमिंग राज्य' की श्रेणी में प्रदेश पहले से खिसककर दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भागंव, नगरायुक्त हर्षिका सिंह भी उपस्थित थीं।

महाराष्ट्र से यहां पिछड़ा मध्य प्रदेश : विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शहर को कचरा मुक्त मिली हुई है, जबकि महाराष्ट्र के 112 में 67.76 प्रतिशत हो रहा है।

प्रदेश को इन श्रेणियों में भी मिले पुरस्कार

• भोपाल को स्वच्छ शहरों की सुची में गाबेंज फ्री सिटी (जीएफसी) में पांच स्टार रेटिंग के साथ पांचवा स्थान मिला।

• प्रदेश के 15 हजार से 20 हजार जनसंख्या वाले शहरों में बुदनी को पश्चिम जोन के सबसे स्वच्छ शहर का

बनाने पर मिलने वाली स्टार रेटिंग (एक, तीन, पांच और सात स्टार) में वर्ष 2023 में महाराष्ट्र के सौ नगरीय निकायों को स्टार रेटिंग मिली, जबकि मप्र के मात्र 96 को। हालांकि, कुल स्टार रेटिंग की बात करें तो अभी भी

पुरस्कार मिला। • एक लाख से कम जनसंख्या वाले शहरों में नौरोजाबाद और अमरकंटक को फास्ट मुविंग सिटी श्रेणी में प्रथम और द्वितीय स्थान मिला है।

4477 निकायों के बीच था मुकावला

सरकार ने दावा किया है कि यह

दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता

सर्वेक्षण है, जिसमें देश की ४४७७

शहरी स्थानीय निकायों ने भाग लिया।

इन बीच कड़ा मुकाबला रहा। वहीं, 12

करोड़ से अधिक नागरिकों ने इस सर्वे

में अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उल्लेखनीय

है कि देश में इस सर्वे की शुरुआत

बडे शहरों ने भाग लिया था। ताजा

रैंकिंग में कूड़े के ढेरों के निस्तारण,

री-यूज और री-साइकिल के

सिद्धांतों को प्राथमिकता दी गई है।

प्लास्टिक कचरे की सफाई, रिड़यूस,

2016 में हुई थी। तब इसमें केवल 73

• महू ने सबसे स्वच्छ कैटोनमेंट बोर्ड का खिताब हासिल किया है।

को। बता दें कि वर्ष 2022 के सर्वेक्षण में पहले स्थान पर मध्य प्रदेश, दूसरे पर छत्तीसगढ़ और तीसरे पायदान पर महाराष्ट्र रहा। कचरा उठाने के पहले ही हर तरह के कचरा को अलग-अलग करने का काम अभी मंप्र में मप्र के 158 शहरों को स्टार रेटिंग मात्र 54.10 प्रतिशत जबकि महाराष्ट्र

Dainik Bhaskar

Bhopal



Dainik Jagran

Lucknow

स्वच्छता सर्वेक्षण में मिली 106वीं रैंक संसू सीतापुर : स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। सोतापुर नगर पालिका ने शानदार प्रदर्शन कर देश में 106वीं रानियार प्रदेशने कर देश में 106यां रेंक हासिल को है। पिछले वर्ष 225वीं रेंक थी। सीतापुर नगर पालिका परिपद ने जिले यू मंडल में पहला स्थान प्राप्त किया है। जिले में दूसरे स्थान पर सिधौली व तीसरे स्थान प हरगांव नगर पंचायत रही है। हिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट मैंनेजर संजीत गादव ने लताया रैकिंग की घोषणा गुरुवार को हुई है। सब के तहत पुरुषार के हुए हो राज्य के प्रारं 9500 अंकों की परीक्षा होती है। प्रार्थ्ताक के आधार पर नेशनल व स्टेट रीकिंग घोषित की जाती है। बोषित परिणाम के तहत सीतापुर नगर पालिका ने 5901 अंक प्राप्त करते हुए नेशनल में 106वीं व स्टेट में 16वीं रेंक प्राप्त की है। नगर पंचायत सियौली ने 5281.07 अंक हासिल करते हुए नेशनल में 612वीं, स्टेट में 10वीं, जिले में दूसरी, नगर पंचायत हरगांव ने 5214.34 अंकों के साथ नेशनल में 627वीं, स्टेट में 11वीं रेंक व जिले तीसरी रैंक हासिल की है। नगर पालिका के अध्यक्ष
 के कुशल नेतृत्व व
 सफाईकमियों की मेहनत का परिणाम है। आमजन का भी धारणाम हा आगजन का भा भरपुर सहयोग रहा है। रैक सुबार के और भी साझा प्रयास किए जाएंगे। प्रयास करते

आमजन का भी सहयोग अपेक्षित है।

-नीतीश कमार सिंह, एवेएव

- वैभव त्रिपाठी, इंजो, नगर पालिका परिषद, सीतापुर



क्षेत्र में सफाई करते नगर पालिक परिषद के सफाईकमी 🔹 जातरण

रेकिंग में मह नगर निकाय	ोली फिसड्डी अंक	राष्ट्रीय स्तर पर रैक	राज्य स्तर घर रैंक	
लहरपुर	5114.75	668वी	15वीं	
पैतेपुर	4903.69	744वी	22वीं	
तंबीर	4651.64	825वीं	31वी	
बिसवां	4251.64	1014वी	68वी	
खैराबाद	4059.93	1133वी	103वी	
महमूदाबाद	3813,84	1346वीं	172वीं	
मिश्रिख	3750,83	1401वी	193यी	
महोली	3213.95	1945वी	381वीं	
5 वी रैंक मिली स्वरणता सर्वेश परिषद सीता	cion a alate differen	On And married	र, नगर पंचायत रे और हरगांव को स्थान	
गओं व पंचायतों के सल हुई है। अभी अ हुए अपनी रैक में भी रस्हराोग अपेबि मार सिंह, एडीएब	आगे और साथ सुधार करें। में व स्त है। रहेय	र पालिका के अधिकारि ब नगर की जनता के ख ठाफी सुबार किया है। य गा। स्वच्छ व सुंदर सीत रस्थी, जबब, नगर बातिव	हयोग से हमने अपनी रै ह क्रम आगे भी जारी पुर बनाना है। – नेहा	

www.jagran.com

Lucknow

जागरूकता, जनसहभागिता और 'जुगाड़' से सुधरी रैंकिंग

नगर को संदर बनाने की कड़ी का पहला पड़ाव रवच्छता है। इसमें अधिकारी, कर्मचारी और आंमजन के संयुक्त प्रयास अहम भूमिका निभाते हैं। नगर निकायों की टीम ने लोगों को जागरूक कर स्वच्छता की मुहिम से जोड़ा गया, जिसके सार्थक परिणाम आए हैं। रवच्छता सर्वक्षण-2023 में नगर पालिकाओं में सीतापुर और नगर पंचायतों में सिचौली जिले में अव्वल रहा है। सीतापुर को देश में 106वां, प्रदेश में 16वां और मंडल व जिले में पहला स्थान मिला है। पिछले वर्ष देश में 225वीं रैंक थी। नगर पंचायत सिधौली का देश में 612वां, राज्य में 10वां व जिले में दूसरा स्थान आया है। नगर निकाय के अधिकारी जागरूकता, जनसहभागिता और कुड़े के उपयोग के जुगाड़ से रैंकिंग में सुधार की बात करते हैं। स्वच्छ सर्वक्षण में सुधरी स्थिति को लेकर जागरण टीम ने नगर निकायों की ओर से अपनाई गई रणनीति और भविष्य की योजना घर वात की। प्रस्तुत है सीतापुर से विनीत पांडेय व सिन्धौली से चंद्र किशोर पांडेय की रिपोर्ट ...।

सफाई व्यवस्था बेहतर, कचरे की रीसाइकिलिंग पर जोर सीतापुरः : नगर पालिका के अविशासी अधिकारी वैभव त्रिपाठी ने बताया

पलिका टीम और आमजन का भरपुर सहयोग मिला। आगे की योजना



कि स्वच्छता रैकिंग में सुवार के लिए घर–घर कुड़ा उठान शुरू कराया और जटाय (कडे को कम समय में खींच लेने वाली मशीन) को सफाई बेडे में शामिल किया। गीले कचरे से कंपोस्ट खाद बनाने

कचरा डालने के लिए इस्टबिन रखवाए । इसमें

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा अवस्थी का मार्गदर्शन,

तेभव जिमाती

और पाकों को दुरुस्त करते हुए उनमें सुखा व गीला

स्वच्छता सर्वक्षण में नगर पालिका परिषद सीतापुर का जिले में पहला और नगर पंचायत सिधौली को मिला दूसरा स्थान



सिधौली नगर पंचायत की और से करवा में वनाया गया सुंदर पार्क + जाजरण

(एमआरएफ) सेंटर में एकत्रित कचरे को रीसाइकिलिंग कराएंगे और सिंगल यूज प्लास्टिक से सड़क निर्माण कराने की प्रक्रिया शुरू कराएंगे। पार्कों में निषप्रयोज्य प्लास्टिक से विभिन्न उत्पाद तैयार कराने के साथ वयारी, डस्टबिन, इंट बनवाना भूरू करेंगे। कचरे की रीसाइकिलिंग कर संवारे पार्क

साझा करते हुए उन्होंने बताया कि मेंटेरियल रिकवरी फैसलिटी



सिर्धाली : नगर पंचायत सिद्याली की अविशासी अधिकारी रेणुका चादव ने बताया कि घरों से कुड़ा उठान, आमजन की सहभागिता और कबरे की री साइकिलिंग और कुई का निस्तारण रैकिंग में सुचार की वजह बनी। कबाड़ व सिंगल यूज प्लास्टिक का जुगाइ से पार्कों के लिए इस्टबिन,

बेच, सोफा सेंट आदि बनाने में प्रयोग किया और कचरे से खाद बनवाई । इससे पार्क संघरे व स्वत्छता का स्तर भी सुधरा ।

New Delhi

7th Spot For NDMC, **Unified MCD At 90th**

SWACHH INDEX: Legacy Waste Costs Civic Body



New Delhi Municipal Council (NDMC) scored third rank in 2022 out of 383 participants in "office with 1-10L pepulation" category > It has also received In 2021, it stood first out of 372 contestants in the same category a '5-star garbage-free city' ranking and 'wab plus' certificate > Delhi Cantt was ran fifth in 2022 out of 62 MCD secured 'open delecation-free (ODF)++ certificate' and 'garbage free city (one star)' rating this year participants and third in 2021 with the same number of participants

Vibha.Sharma otimesgroup.com

etimesgroup.com New Dolhi: New Delhi Muni-cipal Connell secured the se-venth rank among cities with a population of over one lakh in the Swaech Surveysian rankings for 2023. The Muni-cipal Coeporation of Delhi al-so in the same 446 city catego-gy was placed at the 90th spot. The cities were judged on segregation of waste at sour-ce, processing and disposal of variation workers and im-plantice reuse, recycle. This yaw's Swachh Sur-wishan cathings were jud-ed in two entegories of cities with a population below one with a population below me-tak and cities with apopulation with a source of cities with 140 lakh population same numeristics with apopulation of 202 cities and cities with

es with 1-10 lakh population (382 cities) and cities with over 10 lakh population (45 ci-tics). In 2022, NDMC, in the first category, had secured the south, east and north corpo

rations --- were in the second category and placed, respecti-

petting an overall seventh rank. "Wemoved two ranks up from 2022." Yudaw said, "but we need to continue with ded-extion and focus to improve all-round civic services. The accolded is a testament to NEMC's holistic approach to waste management, public awareness campaigns and in-nevative initiatives that have significantly costributed to the city serveral isonalmess." An NDMC official said, "If our overall score of 6.550 uti of 7,500 marks in 2022 is compared with this year's score of 8,728 out of 9,500 among the cities in the over lakh population category, we have actually performed much better this year and south San Load bodies in Swaish Surveishan 2022. MDMC srunk was bit" Satish Upadhyay, NDMC

vice-chairman, said that the reviee body aimst to provide world-class amenities to the residents of New Delhi. "We also played an important international event like the G208 summit," he added. NDMC scared 98% for do-or-to-door collection of was-te, 87% for segregation at so-uree, 100% for remediation at umpsites, 80% for cleanli-

category and placed, respectively, 28h, 34h and 37h, 40h mod 37h, 40h mod 37h, 40h mod 38h, 40h mod 38h, 40h mod 38h, 100% for venediation at firman Amit Yadav congratulated the employees aftor rest. 30% for chemiliation that the award for the cleanest city in a Union territory while at public toilets and 300% for sanitation at public toilets and 300% for

100cleantiness of waterbodies. While the remnification of MCD makes comparison with the previous years' perfor-mances difficult, the 96th rank, with accored 6.1147 out of 9,500, ian't impressive. The sidential areas in Doth were determined to be below avera-determined to be below avera-tion of legacy waste of the three landfills got MCD only avera- the cleantinessof public to be avera- to do nor collec-tion of waste rated just 70% and severation of waste at

100%

100% 97%

-93%

38%

59% ing of public to

64

whees of markets and resi

For cleaning of waterbodies

tions raised about the marks obtained. Despite-denorcollec-tion of waste rated just 71% but segregation of waste at source was determined to be 100%, loading Ravi Agarwal of Toxies Link, an NGO wor-king on environmental poiso-ning, to comment. "When 100% segregation of garbage at source is being done, how to only 71% dour to door collec-tion accomplished?" Agarwal also remarked,

tion accomplished?" Agarwal also remarked, "With so many unauthorised and regularised colonies, it is difficult to believe there's 100% segregation of garbage at source. The figure of 97% for public toilet cleanliness is also doubtful because the peo ple report the opposite experi ence. I don't know on what ba sis these ratings were done."

New Delhi

ankir	ngs (7 years in row). Th	nis y	ear (2023), it	dged cleanest city, Indore has I shares honours with Surat, on	ce known	for its plague outbreak
Rank	5 CITIES (1L-PLUS P City/ Municipal Area	1	N) st Vear		Rank	City/ Municipal Area
		1	Indore		446	Hoara (Howrah)
	Indore & Surat	2	Surat		445	Kalvani
1	Navi Mumbai	3	Navi Mum	bai 💦 🔭	444	Madhyagram
31	GVMC Vijayawada	4	Visakhapa	tnam	443	Krishna Nagar
5	Bhopal	5	Vijayawad		442	Asansol
TOP (Rank	GANGA TOWNS City/ Municipal Area		Rank	CANTT BOARDS City/ Municipal Area	TOP 5 C	Town/ Municipal Area
1	Varanasi		1	Mhow	1	Sasvad (Maha)
2	Prayagraj		2	Deolali	2	Patan (Chhattisgarh)
3	Bijnor		3	Ahmedabad	3	Lonavala (Maha)
4	Haridwar		4	Secunderabad	4	Karhad (Maha)
5	Kannauj 5			Ahmednagar	5	Panchgani (Maha)
		6		first time Hyderabad n given a 5-star rating.	Rank	City/ Municipal Area
		Our		et is 7-star rating. To	7	NDMC
1		ach	ieve this, v	ve will improve our efforts	14	Noida
F				of waste and waste	38	Ghaziabad
-	F	ma	nagement a	and provide more facilities onald Rose GHMC COMMISSIONER See P 2 & 9	90	MCD
	- FT	101	VUINCIS-N	UNARU RUSE UHMC COMMISSIONER	140	Gurgaon

Hyderabad 9th cleanest city in India

In its best performance since the formation of Telangana, capital Hyderabad emerged as the ninth cleanest city in India in the Centre's annual cleanliness survey-Swachh Survekshan 2023. The city also bagged 5-star rating for its garbage-free status. This is a major leg up from its previous ranks that hovered in the 26 to 35 range. The latest ratings were based on the survey conducted between August and September 2023. Of the total 9,500 points spread across three categories, Hyderabad managed to secure a high score of 8,601 — hitting its best in the certification parameter. **P2**

New Delhi

Hyderabad breaks into top 10 Swachh cities for first time

ski@timesgroup.com

Hyderabad: In its best perfor-mance since the formation of Tel-angana, Hyderabad emerged as the inith cleanest city in India, under the ministry of housing and urban affairs' (MoHUA) Swachh Survek-shan 2023. If that's not all, the city also bagged its debut 5-star rating for its garbage-free status. This is a major leg up from its previous ranks that hovered in the 26 to 35 range. that hovered in the 26 to 35 range

The latest ratings were decided based on the annual cleanliness survey conducted by the MoHUA between August and September 2023. Of the total 9,500 points spread across three categories, Hyderabad managed to secure a high score of 8,601 — hitting its best in the certification parameter which determines achievement in garbage free city star rating and open defecation free (ODF) certification. The other two

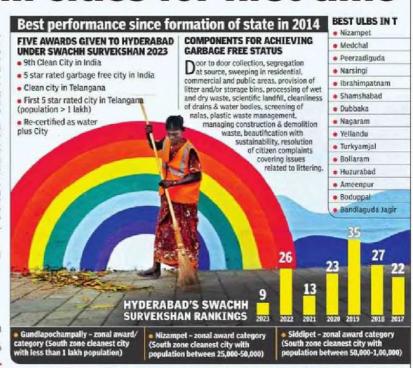
TIMES VIEW: It is about time people, who take pride in being called Hyderabadis, stand up and be counted in the effort to make this city a better place to live in. It is incumbent upon us to not convert public spaces into garbage dumps and not litter by the roadside. If Indore continues to top the Swachh Survekshan rankings year after year, it is because Indoris have taken ownership of their city. They will admonish anyone who doesn't follow their cleanliness norms. We need to do the same.

parameters were: service level pro-gress which covers segregated collection, processing and disposal of

lection, processing and disposal of solid waste and citizens' voice. Hyderabad was competing in the category of cities with more than one lakh population. "For the first time Hyderabad has been given a 5-star rating. Our next target is to get 7-star," said Ron-ald Rose, commissioner, Greater Hy-derabad Municipal Corporation. He added: "To achieve this, we will im-

added: "To achieve this, we will im-

added: "To achieve this, we will im-prove our efforts in segregation of waste and waste management and provide more facilities to workers." On Thursday, the GHMC com-missioner along with other officials received the award for this achieve-ment from Hardeep Singh Puri, Union minister for MoHUA, in New Delhi. Delhi.





Union minister Hardeep Singh Puri presents award to GHMC chief Rom Ronald Rose in New Delhi on Thursday

Lauding this achievement, Shiva Kiran, vice-president of the united federation of RWAs said Hyderabad finding a spot among the top 10 bears testimony to the efforts of GHMC and active contribution of resident

welfare associations. "Work done by swachh autos and swachh workers, sanitary field assistants, apart from deputy commissioners and zonal commissioners needs to be appreciat-ed. However, we have to improve our efforts when it come to decentralisa-

tion of waste management," he said, A resident of Malkajgiri, B T Srinivas also said how the Swachh Bharat initiative has led to increased awareness among people about the need to keep their surroundings

need to keep their surroundings clean. "But there are still vulnerable points in the city and are witnessing garbage being dumped haphazardly. This attitude has to change," he said. While admitting to the need for people to become mindful, some resi-dents said that the authorities too must plug gaps. "I am unable to be-lieve that city got a 5-star rating as I

e trash in market places. While the city has been made free of bins, ne alternate provision has been made in markets," said Harish, a local.

WATER PLUS CITY

Meanwhile, GHMC has been certified as water plus by MoHUA. In 2021, GHMC became the first local body of Telangana to achieve this feat. GHMC has even applied for wateat. Grant cases wen appied for we ter plus re-certification in 2023. For this, the GHMC was assessed through third party inspection from Decem-ber 9 for a period of 10 days. A city/ ward/ circle/ zone can be declared as Water Plus' provided all wastewater released from households, commer-cial establishments, drains, nalas etc. is treated to a satisfactory level, before releasing it in the environment.

Bangalore

Ranked 125th, B'luru records its best ever Swachh performance

25 K'taka Cities **Covered Under** 2023 Rankings

TIMES NEWS NETWO

Bengaluru: Putting up a sig nificant improvement in its performance at the national level, Bengaluru — the tech capital of India — has secucapital of India — has secu-red the 125th rank among 446 cities with a population of more than one lakh under the Centre's Swachh Surveks-han 2023 rankings released on Thureder.

han 2023 rankings released on Thursday. Besides, Bengaluru has also bagged the coverted 'Wa-ter Plus' city rank for the first time, enabling it to secure the highest sanitation certificate at the national level. The sur-vey had only two categories — cities with a population of more than one lakh and those below one lakh. below one lakh

Senior officials from the Bruhat Bengaluru Mahana-gara Palike (BBMP) termed the 2023 ranking of Bengaluru as its best-ever performance and attributed the success to and attributed the success to improvements on various pa-rameters in its management of solid and liquid waste. Unlike previous years, Bengaluru also scored more the conv

Hengaluru also scored more than 90% on several parame-ters qualifying itself for seve-ral awards. However, the Centre has revised the para-meters and withdrew many individual awards, accor-ding to afficials. In Karnataka, Bengaluru is the third cleanest cive affor

the state are covered under ters qualifying itself for seve-ral awards. However, the state are covered under ral awards. However, the Centre has revised the para-meters and withdrew many individual awards, accor-in the participation of the ci-tizens in the Swachh survey. In Karnataka, Bengaluru is fir third cleanest city after Mysuru and Hubballi-Dhar wad. As many as 25 cities of

The detailed report card on Bengaluru's overall per-formance revealed a total score of 5.520 points out of 9.500. Bengaluru bettered itsprevious score in door-to-door collection of waste (97%), source segregation (99%), cleanliness of resi-dential areas (96%), cleanli-

The detailed report card a Bengaluru's overall per-rmance revealed a total 500. Bengaluru bettered or collection of waste in the termediation or collection of waste in the termediation of termediation of the termediation of the termediation of termediation of the termediation of termediation of the termediation of termediation of termediation of the termediation of of dump sites. Between 2017 and 2020, es, respectively.

cities and 43rd among 45 citi

Jaipur

Indore ranked cleanest city for 7th time, shares spot with Surat

Bottom 10 Areas From Bengal, Which Took Part In Survey For 1st Time

Dipak.Dash@timesgroup.com

New Delhi: Indore and Surat emerged as the cleanest cities in India while Howrah was the dirtiest among cities and municipal areas having more than one lakh population, according to the annual urban cleanliness rankings for 2023 released on Thursday. While Indore made it to the top of the list for the seventh time in a row. Surat emerged as the joint winner with the same score for the first time since the ranking at national level started in

As per the survey, the bottom 10 municipal areas in the one lakh-plus population category cities and municipal areas were from West Bengal. This was for the first time cities and urban local bodies (ULBs) of West Bengal participated in this exercise. Except Kolkata and Bhatpara, the remaining eight municipal ar-easscoredless than 1,000 out of the maximum score of 10,000. Shillong in Meghalaya and Bihar's Khagaria and Sitamarhi also occupied bottom spots. The emergence of Surat as



Indore's achievement of maintaing the top rank for 7 years shows that once people embrace cleanliness, it can become a part of their lives

has come a long way from being one of the dirtiest cities that saw the epidemic of plague nearly three decades back. Indore's leapfrogging to cleanest city in 2017 from 25th. rank in 2016 and maintaining that position for seven years is an indication that once people embrace cleanliness, it can become a part of their lives

The results of Swachh Suvekshan 2023 were released by President Droupadi Murmu. She said about one-third of India's population lives in urban areas and cleanliness of cities and towns is essential for their health and development. She

the cleanest city shows how it lauded the efforts of all states, ULBs and citizens for taking steps for moving ahead on the path of prosperity through cleanliness. "Participation of citizens and all stakeholders is essential to maintain the achievements of cleanliness

mission," she said. In this survey, the cities, towns and ULBs were put under two categories based on population — more than one lakh and less than one lakh. In the more than one lakh category, 446 cities and municipal areas were ranked, while 3,970 towns and municipal areas were covered under the less than one lakh category. Ths

survey covered 4,477 cities and ULBs — the highest ever. Under the first category

Navi Mumbai emerged as the third cleanest city followed by Visakhapatnam, Bhopal, Vi-jayawada and the NDMC area of Delhi. In the less than one lakh population category Sasvad in Maharashtra got the top rank, followed by Patan in Chhattisgarh and Lonavala in Maharashtra. Four out of the top five cities in this category were from Maharashtra. The bottom five towns in this ranking were from Nagaland.

Among the Ganga towns. Varanasi and Prayagraj won the top two awards and the cleanest cantonments award went to Mhow and Deolali Chandigarh walked awaj with the award for "Best Safaimitra Surakshit Sheher" for putting in place the best eco-system to protect the manpowengaged in cleanliness tasks.

Among states, Maharash tra, Madhya Pradesh and Chhattisgarh emerged as the cleanest. Arunachal Pradesh, Mizoram, Rajasthan and Nagaland were the least clean.

Hyderabad

Swachh awards: Indore & Surat named cleanest cities

Howrah 'Dirtiest', Bottom 10 Areas From Bengal

Dipak.Dash@timesgroup.com

New Delhi: Indore and Surat emerged as the cleanest cities in India while Howrah was the dirtiest among cities and municipal areas having more than one lakh population, according to the annual urban cleanliness rankings for 2023 released on Thursday. While Indore made it to the top of the list for the seventh time in a row, Surat emerged as the joint winner with the same score for the first times ince the ranking at national level started in 2016.

As per the survey, the bottom 10 municipal areas in the one lakh-plus population category cities and municipal areas were from West Bengal. This was for the first time cities and urban local bodies (ULBs) of



President Droupadi Murmu presents the 'All India Clean City - Rank 1' award to Surat at the Swachh Survekshan Awards 2023, in New Delhi on Thursday

West Bengal participated in this exercise. Except Kolkata and Bhatpara, the remaining eight municipal areas scored less than 1,000 out of the maximum score of 10,000. Shillong in Meghalaya and Bihar's Khagaria and Sitamarhi also occupied bottom spots.

The emergence of Surat as the cleanest city shows how it has come a long way from being one of the dirtiest cities that saw the epidemic of plague nearly three decades back. Indore's leapfrogging to cleanest city in 2017 from 25th rank in 2016 and maintaining that position for seven years.

The results of Swachh Suvekshan 2023 were released by President Droupadi Murmu. She said about one-third of India's population lives in urban areas and cleanliness of cities and towns is essential for their health and development. She lauded the efforts of all states, ULBs and citizens for taking steps for moving ahead on the path of prosperity through cleanliness. "Participation of citizens and all stakeholders is essential to maintain the achievements of cleanliness mission," she said.

Cities, towns and ULBs were put under two categories based on population — more than one lakh and less than one lakh. In the more than one lakh category, 446 cities and municipal areas were ranked, while 3,970 towns were covered under the less than one lakh category. Ths survey covered 4,477 cities and ULBs.

Hindustan Times

New Delhi

Indore again tops Swachh rankings, Surat joint first



- Rank Urban local body, State Indore, Madhya Pradesh
- Surat, Gujarat Navi Mumbai, Maharashtra
- Visakhapatnam, Andhra Pradesh
- Bhopal, Madhya Pradesh
- Vijaywada, Andhra Pradesh
- New Delhi (NDMC), Delhi
- Tirupati, Andhra Pradesh
- Greater Hyderabad, Telangana Pune, Maharashtra

THE MOST IMPROVED

PANAJI, GOA Fastest moving city with population of over 100,000 **Indore and Surat** were declared the ioint cleanest cities of India as part of the Swachh Survekshan Awards. A look at the highlights

BOTTOM 3

Rank ULB. State Kolkata, West Bengal 2 Asansol, West Bengal 3 Haora, West Bengal

TOP STATES Rank State No of ULBs Maharashtra 411 Madhya Pradesh 378

Chhattisgarh 169

NOWROZABAD, MP

Fastest moving city with population less than 100,000

Soumya Chatterjee letters@hindustantin NEW DELHI: Indore and Surat

were jointly declared the cleanest cities in India in the Swachh Survekshan Awards-2023, presented by President Droupadi Murmu at the Bharat Mandapam on Thursday. This was the seventh time in a row that Indore won the accolade, and the first that Surat got the pole

position, although shared. Navi Mumbai, which came third in last year's competition. retained its position.

On the other end of the spectrum, three of the lowest-ranked cities in the million-plus population category were in West Ben-gal: Haora (Howrah) at the bottom, with Asansol and Kolkata following closely as the worstperforming cities on the cleanliness indicators. Faridabad, in Haryana, and Madurai, Tamil Nadu, were the fourth- and fifthworst cities on the list,

The Municipal Corporation of Delhi (MCD) was ranked 90th out of 446 cities (in the above 100,000 population category) and the New Delhi Municipal

Council area secured the seventh spot (the NDMC area was ranked third in the capital cities list). The Swachh Survekshan sur-

vey is at the centre of the Union government's Swachh Bharat mission, which was launched as one of the big-ticket initiatives by Narendra Modi government in its first few years in power. For the eighth edition of the survey, 3,000 assessors fanned out across 4,500 cities (of these, 3,970 have a population of fewer than 100,000 people) to record a city's performance on 46 parameters, including waste collection, inclusive toilets and improved plastic waste management, Launching the Swachh Sur-

vekshan-2023 dashboard at the Bharat Mandapam in Delhi, President Murmu said the G20 Leaders' Delhi Declaration committed to enhancing environmentally sound waste manage-ment, substantially reducing waste generation by 2030, and highlighting the importance of zero waste initiatives. Appreciating the theme of "Reduce, Reuse and Recycle" for the 2024 cleanliness survey, she said: "It is continued on →8

SWACHH RANKINGS

highly commendable that in the second phase of the Swachh Bharat Mission, circular waste management is being followed and the circular economy process of recycling and reusing more and more items is proving helpful for sustainable development."

Union minister of housing and urban affairs, Hardeep Singh Puri, said every city in India is open-defection-free. "This became possible because the Swachh Bharat Mission went from (being) a government programme to becoming a Jan Andolan (people's movement)."

"With a very modest beginning in 2016, today 447 cities and urban local bodies participate in the Swachh Survekshan. In this 8th edition, we received feedback from 12 crore people," the minister said.

The NDMC area was the cleanest city within Union territories while the New Delhi area also ranked third among 35 capital regions. Among smaller cities, with fewer than 100,000 residents, Saswad in Maharashtra got the cleanest city award followed by Patan in Chhattisgarh and Lonavala in Maharashtra.

Varanasi and Prayagraj were adjudged the cleanest Ganga towns, while Maharashtra, Madhya Pradesh and Chhattisgarh were adjudged the best-performing states. Among states overall, Maharashtra, Madhya Pradesh and Chhattisgarh were at the top, while Rajasthan, Mizoram and Arunachal Pradesh ranked at the bottom of the cleanliness standings.

Highlighting the increased waste production in the last few years, Puri said: "Cleanliness has become a social revolution and the impact can be seen everywhere. Waste processing has increased from 15-16% in 2014 to 76% in 2023. In the next 2-3 years, we will process 100% waste produced."

The Union territory of Chandigarh was picked as the best "Safaimitra Surakshit Sheher" – a tag given to a city with adequate institutional capacity, manpower and equipment, along with safe working conditions for sanitation workers.

By March 2024, all Indian cities are supposed to be declared Safaimitra Surakshit under the ministry of Social Justice and Empowerment's National Action for Mechanised Sanitation Ecosystem Scheme.

For 2023, the Swacch Survek-

shan awards were based on the theme "Waste to Wealth for Garbage-Free Cities".

The cities this time around were marked on a total of 9,500 marks, of which 53% was based on service level progress, 26% on certification of cleanliness of public spaces and toilets and 23% based on feedback from the residents.

From being struck by the plague in 1994 to becoming the cleanest Indian city, Surat's turnaround has been an "uphill task". "The city faces increasing migration and industrialisation challenges", said the city's municipal commissioner, Shalini Agarwal. "But we integrated our infrastructure with sanitation and waste management facilities. We used our integrated command and control centre to monitor waste management. We made cleanliness a mass movement, resulting in us scoring well across all the parameters, she said.

On the other hand, the rankings regarding Bengal cities became a point of contention. Atin Ghosh, deputy mayor of Kolkata, said: "I have not read the report myself. But if it suggests that the cities of Bengal including Kolkata are among the worst performing cities, then it suggests that the report is politically motivated. People can see for themselves when they walk around the city what's for real."

Bharti Chaturvedi, founder of Environmental Chintan Research and Action Group, which specialises in waste management, said the awards, besides adding healthy competition among cities and states, act as a platform for peer learning, which was previously missing. Cities in west India, namely Indore, Surat, and Navi Mumbai, seem to be doing better than the cities to the north. In fact, the states as a whole are doing a lot better than their north-Indian counterparts. This shows that the residents of these cities engage differently, and there is a lot to learn from that. The other trend that has been consistent in the last three to four years is that smaller cities are outperforming their bigger cousins. This shows that we must take a more decentralised approach to waste management

Hindustan Times

New Delhi

SWACHH SURVEKSHAN AWARDS 2023] Indore, Surat 'cleanest cities' in India

Press Trust of India

NEW DELHI: Indore and Surat were adjudged the 'cleanest cities' in the country while Navi Mumbal retained the third position in the Central government's annual cleanliness survey, the results of which were announced Thursday.

In the 'best-performing states' category in Swachh Survekshan Awards 2023', Maharashtra city title for the seventh time in a bagged the top spot, followed by row. Madhya Pradesh and Chhattisgarh.

gave away the awards to the winners at an event held here. Union Housing and Urban Aflairs Min-ister Hardeep Singh Puri and avala in Maharashtra got the

Indote bagged the cleanest this category, respectively

According to the survey ath. results, Maharashtra's Sasvad President Droupadi Murmu got the cleanest city award among all cities with less than 1

second and third positions in Varariasi is the best and clean-

est Ganga town, followed by Prayagraj.

Madhya Fradesh has got the top rank in the category of cleanest

According to the data, 4,447 continues on 49

SWACHH SURVEKSHAN urban local bodies participated in the Swachh Survekshan 2023 and 12 core citizen responses were received. The governm claims it to be the world's largest cleanliness survey.

New Delhi

INDIA'S CLEANEST URBAN BODY AREAS

INDORE; SURAT (

 1)
 NAVI MUMBAI

 GVMC VISAKHAPATNAM
 BHOPAL (

 1)
 VIJAYAWADA (

 1)

 NDMC (

 2)

8. TIRUPATI (* 1) 9. GREATER HYDERABAD (* 17) 10. PUNE (* 10)

New Delhi



President Droupadi Murmu presents the award to MP CM Mohan Yaday in New Delhi on Thursday. ANI

Indore, Surat cleanest cities, Maharashtra 1st among states

EXPRESSINEWS SERVICE NEW DELHI, JANUARY 11

INDORE AND Surat were Thursday named the joint winners of the cleanest city award, while Maharashtra bagged the top spot among states in the Union government's annual cleanliness rankings for urban areas.

This was the seventh year in a row that Indore was named the cleanest city in the Swachh Survekshan Awards. Surat, which has been in second place behind Indore for the past three years, won the top award for the first time.

Both cities had 100% door-todoor collection of waste, 98% segregation at source and 100% remediation of dumpsites, according to the Ministry of Housing and Urban Affairs' Swachh Survelshan 2023 dashboard. Both cities were ried at the top place among cities with a population over 1 lakh.

The rankings take into account door-to-door collection of waste, segregation at source, cleanliness of public areas, clean water bodies and citizens' feedback regarding the cleanliness of their cities. Of the eightrounds of annual

Of the eight rounds of annual awards since 2016, this was the first time that two cities shared the top prize. Navi Mumbai was named the third cleanest city.

With 89.24% door-to-door

collection and 67.76% source segregation. Maharashtra was awarded the cleanest state. In second place, Madhya Pradesh has 90.59% door-to-door segregation and 54.1% source segregation.

Chandigarh won the award for the city having the best safety standards for sanitation workers – Safaimitra Surakshit Shehar. Varanasi was named the cleanest 'Ganga town', Saswad in Maharashtra was named the cleanest city among those with population below 1 lakh. Mhow Cantonment was named the cleanest cantonment in the country. On the other hand, Arunachal Pradesh, Mizoram, Rajasthan, Nagaland and Tripora were ranked the bottom five states.

Starting with 73 cities in 2016, the number of cities covered in the annual ranking has increased over the years. The 2023 round covered 4,416 orban local bodies, 61 cantonments and 88 Ganga towns. According to the ministry, 1.58 crore online citizen feedback and 19.82 lakh face-to-face views were received as a part of the ranking.

as a part of the ranking. Distributing the awards at a ceremony here, President Droupadi Murmu highlighted the importance of creating wealth from waste. She said a large amount of urban land was buried under mountains of garbage, which had a harmful impact on health.

New Delhi

NDMC moves up two notches to 7th rank in Swachh survey

SAMAN HUSAIN NEW DELHE JANUARY 11 HOW THE COUNCIL, CIVIC BODY FARED



entropy approximation entropy approximation of the service of the

regime Loops balance approximate the local adding to all market areach and local adding to all market areach and an adding to all market areach and the local adding to all market areach and the local adding to all market areach and the local adding to a set of the all frame, the all provides and adding to a provide adding to a provide adding to a provide adding to a balance adding to a provide adding to a provid

New Delhi

Noida is the cleanest city in Uttar Pradesh, Ghaziabad runner-up

DHEERAJ MISHRA NOIDA, JANUARY 11

NOIDA WAS declared the cleanest city in Uttar Pradesh in the Swachh Sarvekshan-2023, rankings for which were released by the Union Ministry of Housing and Urban Affairs Thursday. At the national level, Noida obtained the 14th rank out of 44G cities or Urban Local Bodies (ULBs) with a population of more than 1 lakh.

In UP, it competed with 61 other cities, which completed the survey, to top the charts. Noida has also become the first and only city of UP to have received Water+ certification in Open Defecation Free (ODF) category and 5 star rating in Garbage Free City (GFC) Category. Water+ is the highest certification in the ODF category.

In the last survey in 2022, Noida had received ODF++ certificate. Apart from Noida, Prayagraj is the only other Urban Local Bodyin UP to have received Water+ rating.

Meanwhile, Ghaziabad received the second rank in the state and 38th rank at national level in the survey. It has received 3 stars in GFC and an ODF++ certificate.

According to the report, Noida received 100% marks in categories such as remediation of dumpsites, cleanliness of residential areas, market areas, water bodies and public toilets. Apart from this, it received 99% score in door-to-door collection of waste, 91% in waste generation vs processing, and 74% in source segregation. Overall, out of 9,500 marks, the city received 8,117 marks.

In the last survey in 2022, Noida was declared Best Sustainable Medium City with first rank in state and fifth rank at



The city obtained the 14th rank in national category.

the national level out of 382 ULBs of population between 1 and 10 lakh.

Noida Authority said that a plant with a per day processing capacity of 400 MT has been set up for the waste generated from construction and demolition. "Dry and wet waste is being segregated by a door-to-door waste collection agency. The wet waste is being used for gas and fertilizers production by compost and bio methanation plants. The dry waste is being reused by Material Recovery Facility (MRF) centres," said the authority in a press note.

Noida Authority CEO Lokesh M called the ranking "a big achievement" forthe city. "In the upcoming Swachh Sarvekshan 2024, we will compete for 7 star ranking in GFC Category," he added.

On how it managed to handle its waste, the authority said it has installed bamboo screens and bar screens in the drains for removal and disposal of the floating material. It further said that while sewage is being treated in sewage treatment plants, the treated water is utilised in parks, green belts, gardens and construction areas. The authority also said that it has constructed toilets and urinals, including 16 pink toilets of high quality, across the city.

Chandigarh

Indore, Surat cleanest cities, Maharashtra 1st among states

EXPRESS NEWS SERVICE NEW DELHI, JANUARY 11

INDORE AND Surat were Thursday named the joint winners of the cleanest city award, while Maharashtra bagged the top spot among states in the Union government's annual cleanlinessrankingsfor utbanareas

This was the seventh year in a row that Indore was named the cleanest city in the Swachh Survekshan Awards. Surat, which has been in second place behind Indore for the past three years, won the top award for the first time.

Both cities had 100% door-todoor collection of waste, 98% segregation at source and 100% remediation of dumpsites, according to the Ministry of Housing and



President Droupadi Murmu presents the award to MP CM Mohan Yadav in New Delhi on Thursday. ANI

Urban Affairs' Swachh Survekshan 2023 dashboard. Both cities were tied at the top place among cities with a population over 1 lakh.

The rankings take into account door-to-door collection of waste, segregation at source, cleanliness

of public areas, clean water bodies and citizens' feedback regard-

ing the cleanliness of their cities. Of the eight rounds of annual awards since 2016, this was the first time that two cities shared the top prize. Navi Mumbai was named the third cleanest city.

With 89.24% door-to-door collection and 67.76% source segregation, Maharashtra was awarded the cleanest state. In second place, Madhya Pradesh has 90.59% doorto-door segregation and 54.1% source segregation. Chandigarh won the award for

changern word in earlier the city having the best safety standards for sanitation workers – Safaimitra Surakshit Shehar. Varanasi was named the cleanest 'Ganga town'. Sasvad in Maharashtra was named the cleanest city among those with population below Llakh. Mhow Cantonment was named the cleanest cantonment in the country. On the other hand, Arunachal Pradesh, Mizoram, Rajasthan, Nagaland and Tripura were ranked the bottom five states. Starting with 73 cities in 2016,

the number of cities covered in the annual ranking has increased over the years. The 2023 round covered 4,416 urban local bodies, 61 cantomments and 88 Ganga towns. According to the ministry, 1,58 crore online citizen feedback and 19.82 lakhface-to-face views were received as a part of the ranking.

Distributing the awards at a ceremony here, President Droupad Murmuhighlighted the importance of creating wealth from waste. She said a large amount of urban land wasburied under mountains of garbage, which had a harmful impact on health.

The Hindu

New Delhi



Surat, Indore cleanest cities; Maharashtra tops State list

Visakhapatnam, Bhopal, Vijayawada, Delhi, Tirupati, Hyderabad figure among top 10 clean cities; President calls for elimination of manholes 'to establish our true identity as a sensitive society'

The Hindu Bureau NEW DELHI

urat in Gujarat and Indore in Madhya Pradesh were on Thursday jointly declared the cleanest cities of India at the annual clean city awards for 2023 of the Union Urban Affairs Ministry. The next best is Navi Mumbai.

The Swachh Survekshan awards were given away by President Droupadi Murmu here.

Indore has been adjudged the cleanest city for the seventh time in a row.

The list of top 10 cleanest cities with a population of more than one lakh includes Greater Visakhapatnam, Bhopal, Vijayawada, New Delhi, Tirupati, Greater Hyderabad and Pune.

In the State rankings, Maharashtra came first, followed by Madhya Pradesh and Chhattisgarh. Odisha is ranked fourth, followed by Telangana, Andhra Pradesh, Punjab, Gujarat, Uttar Pradesh, Tamil Nadu, Sikkim, Karnataka, Goa, Haryana and Bihar.

In the category of cities with a population of less than one lakh, Sasvad and Lonavala in Maharashtra **Ranking cleanliness**

The tables list the cleanest cities with more than 1 lakh population and the best-performing States, according to the Swachch Survekshan Awards. Indore bagged the tag of India's cleanest city for the seventh consecutive time

Cleanest cities with >1 lakh population		States ranking		1.0
Rank	City	Rank	State	1
1	Indore	1	Maharashtra	
1	Surat	2	M.P.	- Aller
3	Navi Mumbai	3	Chhattisgarh	E A
4	Greater Visakhapatnam	4	Odisha	Jar
5	Bhopal	5	Telangana	No one Part

and Patan in Chhattisgarh secured the top three spots. The Mhow Cantonment Board in Madhya Pradesh was adjudged the cleanest cantonment Board.

Varanasi and Prayagraj in Uttar Pradesh won the top two awards for the cleanest Ganga towns. Chandigarh won the award for the safest city for sanitation workers. Twenty zonal awards were given to medium and small cities.

Madhyamgram, Kalyani and Haora, all cities in West Bengal, have the dubious distinction of being placed at the bottom of the list, while the States at the end of the list were Rajasthan, Mizoram and Arunachal Pradesh.

The theme of the cleanliness survey 2023 was "Waste to wealth", while for 2024, it is "Reduce, reuse and recycle".

"Only by eliminating manholes through mechanised cleaning and achieving the goal of sanitation through machineholes, we will be able to establish our true identity as a sensitive society," Ms. Murmu said in her address. She noted that the circular economy's methods of recycling and reusing more and more goods were proving helpful for sustainable development. She expressed confidence that such a system will prove to be very useful in the field of waste management also.

Ms. Murmu also launched the 'Swachh Survekshan' 2023 dashboard at the function.

'People's movement'

Union Urban Affairs Minister Hardeep Singh Puri said: "Today, every city in India is ODF (open defecation free). This became possible because the Swachh Bharat Mission went from being a government programme to becoming a Jan Andolan (people's movement)."

Mr. Puri said that in 2014, there was only 15-16% scientific processing of waste, while today the number is almost 76%; in the next two to three years, 100% will be achieved. "By the end of this mission, we would have fully transitioned from manhole to machine hole," he said.

The Swachh Survekshan, which began with a modest evaluation of 73 major cities in 2016, now covers 4,477 cities. The evaluation this year was done by over 3,000 assessors. Nearly 12 crore citizen responses were received.

The Tribune

New Delhi

Indore, Surat are cleanest cities

NEW DELHI: Indore and Surat have been declared joint cleanest cities in India as part of the Swachh Survekshan Awards 2023 presented by President Droupadi Murmu here on Thursday. Chandigarh won the SafaiMitra Suraksha award for city with best safety standards for sanitation workers. — TNS

The Tribune

New Delhi

NDMC ranks 7th in Swachh Survekshan

With mere 59% sanitation score, Municipal Corporation of Delhi at 90th spot

ANSHITA MEHRA

NEW DELHI, JANUARY 11 The New Delhi Municipal Council (NDMC) has clinched the seventh spot in the All India Clean City ranking during the Swachh Survekshan Awards-2023. The event held in New Delhi was hosted by the Union Ministry of Housing and Urban Affairs.

The NDMC secured a 5-Star Garbage Free City ranking and was also certified as a Water Plus City. Besides, it was ranked as the cleanest city among the Union Territories with a population of more than one lakh persons.

NDMC chairperson Amit Yadav said the council's remarkable progress was highlighted by its rise from the ninth position in the previous year edition of the awards to the sev-

enth spot this time. Meanwhile, the Municipal Corporation of Delhi (MCD) found itself at the 90th position, with a mere 59 per cent score in the sanitation survey. The Delhi unit of the BJP criticised AAP-led MCD for the allegedly



NDMC chairperson Amit Yadav receives the award at Bharat Mandapam in New Delhi on Thursday.

NEW DELHI	MUNICIPAL COUNCIL'S KEY	INITIATIVES	
 The success of the NDMC was attributed to its various 	schools, offices, markets & hospitals were encouraged	den and Central Park in Connaught Place	
campaigns such as the Reduce, Reuse and Recycle (RRR) campaign, Plastic-	to contribute their unused belongings that could be beneficial to others	 Besides smart public toi- lets, pink toilets and third- gender toilets, the installa- 	
Free City campaign and awareness drives regarding waste segregation	Stalls were set up for this purpose at prominent oity parks like Lodhi Garden,	tion of cleanliness feedback tablets in washrooms earned the council addition- al points in the survey	
Students & employees in	Nehru Park, Talkatora Gar-		
unhygienic condition of public toilets in its areas. The eighth edition of the Swachh Survekshan was centred on the theme, Waste to Wealth for	Garbage Free Cities. The success of the NDMC was attributed to its various campaigns conducted under the 'Swachh Bharat' initiatives. Key initiatives	among these included the Reduce, Reuse and Recycle (RRR) campaign, Plastic- Free City campaign and var- ious awareness drives for the segregation of waste.	

As part of the RRR campaign, the NDMC encour-aged students and employees in schools, offices, markets and hospitals to contribute their unused belongings from home. which could be beneficial to others. Stalls were set up for this purpose, providing a platform for indi-viduals to donate and promote the ethos of reducing waste and fostering a culture of reusing articles within the community.

These drives are still ongo ing at prominent city parks like Lodhi Garden, Nehru Park, Talkatora Garden and Central Park in Connaught Place. The council's strategic focus on these cam-paigns is said to have con-tributed significantly to its positive ranking.

A key factor in the NDMC's success was its sanitation efforts, especially the maintenance, hygiene and services of smart public toi-lets. Besides pink toilets and third-gender toilets finding a special mention, the installation of cleanliness feedback tablets in public washrooms earned the council additional points in the survey.

Deccan Chronicle

Hyderabad

HYDERABAD 9TH CLEANEST CITY, SIDDIPET TOPS SOUTH RANKING

DC CORRESPONDENTS HYDERABAD, JAN. 11

Hyderabad was deemed the ninth cleanest among cities having a population of more than one lakh, as per the Swachh Survekshan Awards 2023. Siddipet won the national award for being the cleanest in south India in the 50,000-1 lakh population category.

Besides the ninth rank, Greater Hyderabad got a five-star rating for sanitation. It is also the first instance of a Telangana city, with a population of over 1 lakh, getting a five-star certification. It also received a recertification of 'water+' city.

cation of 'water+' city. GHMC commissioner Ronald Rose and district representatives received the awards in New Delhi on Thursday.

The assessment was based on a survey conducted between April 2022 and March 2023, covering 4,443 local bodies in all.

As per the survey, GHMC's score was categorised as 51 per cent in services, 26 per cent in certification and 23 per cent in people's voice components.

Page 8: Hyderabad climbed up from 275 rank

Deccan Chronicle

Hyderabad

HYDERABAD CLIMBED UP FROM RANK 275

FROM PAGE1

Officials expressed their happiness over the city, which was ranked 275 in 2015, entering the top 10 ranks for cleanliness.

The award was conferred by Union urban development minister Hardeep Singh Puri at a ceremony at Bharat Mandapam in New Delhi.

Expressing happiness over Siddipet getting the award, Siddipet MLA and former minister T. Harish Rao congratulated the city residents and officials "without whose contributions Siddipet would not have achieved the status as the cleanest city in south India." Harish Rao said Siddipet's garbage collection and disposal systems, and cleanliness works are emerging as models for the country. "This is a great moment of pride for Siddipet and all the people," Harish Rao said.

Deccan Chronicle

Chennai

Surat emerges joint winner Navi Mumbai at 3rd position Indore gets India's cleanest city award for 7th time in row

DC CORRESPONDENT with ageny inputs BHOPAL, JAN. 11

Indore bagged the cleanest city of India title for the seventh time in a row while Surat came out a joint winner for the top rank in the Central government's annual cleanliness survey, the results of which were announced Thursday.

The city's effective, sustainable, and durable waste management system has played a key role in achieving the feat, Indore Municipal Corporation officials said.

Navi Mumbai retained the third position in the 'Swachh Survekshan Awards 2023'.

In the 'best-performing states' category, Maharashtra was named the cleanest state in the country, followed by Madhya Pradesh and Chhatti-sgarh. In the last annual survey, Madhya Pradesh bagged the cleanest state title.

Three cities of West Bengal — Madhyamgram (444th rank), Kalyani (445th rank) and Haora (446th rank) — occupied the bottom rankings.

Among the bottom three in the state category includes Rajasthan, Mizoram and Arunachal Pradesh.

According to the survey results, Maharashtra's Sasvad got the cleanest IN THE 'best-performing states' category, Maharashtra was named the cleanest state in the country, followed by Madhya Pradesh and Chhattisgarh. In the last annual survey, Madhya Pradesh bagged the cleanest state title

city award among 3,970 cities with less than one lakh population.

Chhattisgarh's Patan and Lonavala in Maharashtra got the second and third positions respectively while Nagaland's Pungro city is ranked the last in this category.

Varanasi is the cleanest 'Ganga town', followed by Prayagraj, Bijnor, Haridwar, Kannauj, Patna, Rishikesh, Kanpur, Rajmahal and Sahiganj.

Among the 88 Ganga towns, Chhapra is ranked the last.

In the category of cleanest cantonment boards, Madhya Pradesh's Mhow topped the chart while Deolali in Nashik and Ahmedabad were on other two spots.

President Droupadi Murmu gave away the awards to the winners at an event held here. Union housing and urban affairs minister Hardeep Singh Puri attended the event.

The government claims it to be the world's largest cleanliness survey.

NDMC bags 7th spot in cleanest cities' category, MCD is at 90th

DC CORRESPONDENT NEW DELHI, JAN. 11

The New Delhi area administered by the NDMC (New Delhi Municipal Council) bagged the seventh rank under the "cleanest cities" category in the Centre's annual cleanliness survey, the results of which were announced on Thursday.

The Municipal Corporation of Delhi (MCD) has been ranked 90th among 446 urban local bodies in the 'Swachh Survekshan Awards 2023,' results of which were announced on Thursday. Delhi Cantonment was ranked 7th in the cantonment board category.

ry. Indore and Surat were adjudged the "cleanest cities" in the country while Navi Mumbai retained the third position in the survey. Indore bagged the cleanest city title for the seventh time in a row. Delhi has been ranked 28th among cities with a population of more than one million.

"Proud moment! NDMC secured Rank 7 in the All India Clean City category. Moved 2 ranks up from Rank 9 to Rank 7. NDMC also got a 5star garbage-free city and the cleanest city within Union Territory in Swachh Survekshan 2023 award. Next year, NDMC will strive to be in the top three cities," the New Delhi Municipal Council said in a post on X.



President Droupadi Murmu presents the "Cleanest Ganga Town - Rank 1" award to Varanasi, Uttar Pradesh, as Union minister for housing and urban affairs Hardeep Singh Puri looks on during the Swachh Survekshan Awards 2023 in New Delhi Thursday. - PTI

In the "best-performing states" category in the 'Swachh Survekshan Awards 2023,' Maharashtra bagged the top spot followed by Madhya Pradesh and Chhattisgarh.

President Droupadi Murmu gave away the awards to the winners at an event held here. Union housing and urban affairs minister Hardeep Singh Puri and others attended the event.

This is the first time the MCD has taken part in the Central government's annual cleanliness survey after the three civic bodies that existed earlier were unified again into a single entity in 2022.

These cities and the MCD were ranked among 446 urban local bodies which span areas having a population of more than 1 lakh.

According to the data, 4,447 urban local bodies participated in the survey and 12 core citizen responses were received.

The government claims it to be the world's largest cleanliness survey.

According to the survey results, Maharashtra's Saswad got the cleanest city award among cities with less than 1 lakh population.

Deccan Herald

Bangalore

Indore, Surat named cleanest cities

AJITH ATHRADY NEW DELHI, DHNS

Indore and Surat were adjudged the 'cleanest cities' in the country while Navi Mumbai retained the third position in the central government's annual cleanliness survey, the results of which were announced on Thursday.

In the category of best-performing states in Swachh Survekshan Awards 2023, Maharashtra bagged the top rank, followed by Madhya Pradesh and Chhattisgarh.

Indore bagged the cleanest city title for the seventh time in a row.

Karnataka bagged 12th position among states. Mysuru secured 23th rank while BBMP bagged 125th rank. Mysuru was adjudged as the cleanest city in Karnataka as it bagged 1st among all one lakh plus people residing in cities in Karnataka. Hubballi-Dharwad got 89th rank while Tumakuru got 166th rank.

President Droupadi Murmu gave away the awards to the winners. Union Housing and Urban Affairs Minister Hardeep Singh Puri and others attended the event.

Saswad in Maharashtra won the cleanest city award among all cities with less than one lakh population. Patan in Chhattisgarh and Lonavala in Maharashtra got the second and third rank in the category. Among the cantonment boards, Mhow bagged the cleanest cantonment area award and Varanasi got the best award among the Ganga towns.

Three cities of West Bengal – Madhyamgram (444th rank), Kalyani (445th rank) and Haora (446th rank) – occupied the bottom rankings.

Among the bottom three in the state category includes Rajasthan, Mizoram and Arunachal Pradesh.

The survey, which began in 2016 initially covered only 73 major cities and in 2023, the number has gone up to 4,477. The latest ranking has prioritised addressing legacy dumpsites, managing plastic waste, implementing the principles of reduce, reuse, recycle, and ensuring the safety of SafaiMitras.

Deccan Herald

Bangalore

Swachh Survekshan: Mysuru cleanest city in state

MYSURU, DHNS: Mysuru has bagged first rank in Swachh Survekshan ranking 2023 and has been declared as the cleanest city in Karnataka (among 25 cities with population of above one lakh).

This was announced at the event held in Delhi by Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA) on Thursday.

However, Mysuru, which was in eighth place among top 10 cleanest cities in the country in Swachh Survekshan Survey in 2022, under "Clean Medium City Award" category among urban local bodies having a population of three to 10 lakh, has been pushed to the 23rd rank (out of 446 cities) in the national ranking, in 2023.

It may be mentioned that the Ministry of Housing and Urban Affairs has been conducting Swachh Survekshan, the largest survey on urban sanitation and cleanliness from 2016.

Asper the Mysuru city factsheet, it has 65 wards and a population of 9,20,550 (as per the 2011 census). It received citizen voice rating of 1,880.9, 3 stars in the GFC (Garbage Free City) star rating, "water+" in the ODF (Open Defecation Free) certification.

Deccan Herald

Bangalore

Bengaluru outshines Chennai in Swachh Survekshan rankings



Millenium Post

New Delhi

Indore secures cleanest city title for seventh time in a row, MP bags rank 2 among states

Swachh Survekshan,' conducted since 2016, is the world's largest urban sanitation survey

SATYAPRAKASH SHARMA

BHOPAL: Indore secured the BHOPAL: Indore secured the cleanest city tile for the 7th time in a row, while Madhya Pradesh secured the Best-per-forming States rank second as part of the Swachh Servek-shan Awards - 2023 presented by President Draupadi Murmu on Thursday.

on Thursday, MP Chief Minister Mohan Yadav along with the state's team received the awards from the president in the ceremony organised at Bharat Mandapam organised at Bharat Mandapam Convention Centre in New Delhi, on this occasion, Union Minister for Housing and Urban Affairs (HUA) Hardeep

Singh Puri was present. MP Minister for Urban Oevelopment and Housing (UDH) Kailash Vijayvargiya, Minister of State for UDH Pratima Bagri, Principal Secretary Neeraj Mandloi, Com-missioner UADD Bharat Yadav and Swachh Bharat Mission director Shivam Verma were present while receiving the awards by the CM from the



Madhya Pradesh CM Mohan Yadav along with the state team receiving awards from President Draupadi Murmu during Swachh Sarvekshan Award 2023 ceremony in New Delhi on Thursday PIC/WPO PIC/MPOST

President On this achievement, CM Yadav congratulated the people of the state, public represen-tatives and cleanliness friends and thanked them for their

cooperation. "Credit goes to the able guidance of Prime Minister Narendra Modi that Indore reaching the pinnacle of clean-liness for the seventh time con-secutively. Under his leadership

of the PM, the state will continue to contribute to realising the resolve of cleanliness", CM the resouve of cleantiness, CM Yadav said. Expressing hope, the CM said the state would perform even better in the upcoming survey. "It is a pride moment to us

"It is a pride moment to us and the outcome of the efforts of the Swachhata Mitras, proper guidance of the state govern-ment and effective execution of the initiatives taken for gear-

Key Points

» Bhopal bagged the fifth position in the list of clean cities with a 5-star rating in the garbage-free city category

» Mhow ochieved the title of cleanest contonment board

The exercise acts as a competition among urban local bodies to improve

their cleanliness, and waste management services delivery to citizens

ing up the Swachhata drive, including regular monitor-ing and reviewing of the proj-ects being run in civic bodies", Bharat Yadav, Commissioner of UADD told Millennium Post on this achievement on this achievement. Five ULBs of the state also

got awards in various categories. Bhopal bagged the fifth position in the list of clean cit-ies with a 5-star rating in the garbage-free city category; in

the population of 15,000 to the population of 15,000 to 20,000 category, Budhni civic body secured the cleanest city in West Zone while Nauroz-abad and Amarkatank got the first and second ranks in the fast-moving city category with the population less than one lakh. lakh

Mhow achieved the title of

Mhow achieved the title of cleanest cantonment board. CM Yadav also received the Cleanest City award from the president on this occasion, Indore's mayor and Lok Sabha MP Poshyamitra Bhargav and Shankar Lakwahi, respectively, commissioner of the Munici-pal corporation Harshika Singh were present. were present. Swachh Survekshan, con-

Swachh Survekshan, con-ducted by the Union Minis-try of HUA under the Swachh Bharat Mission (Urban) since 2016, is the world's largest urban sanitation and cleanliness survey.

The exercise acts as a com petition among urban local bodies to improve their clean-liness, and waste management services delivery to citizens.

Millenium Post

New Delhi

Noida again scores five-star ranking as garbage-free city

DIPIKA KIROLA

NOIDA: Similar to previous years, Noida continues to get five star ranking in Garbage Free City in the Swachh Survekshan 2023 announced on Thursday.

Interestingly, the smart city further managed to move up one notch for the first time getting the Water Plus certificate.

On Thursday, the Union Housing and Urban Affairs Ministry uploaded the information about certificates given to cities regarding cleanliness on its portal under which Noida took a high leap.

Noida Authority CEO Lokesh M received the certificate and award. He said that for the past couple of years Noida authority had been trying to get the Water Plus Certificate which has finally arrived now.

"Till now Noida had the ODF++ certificate. Water Plus is a category above this. Noida has got Water Plus because of connecting the network of toilets and sewage lines which is first in Uttar Pradesh in the 3 lakh to 10 lakh population category," said a senior Noida authority officer. The officer further said that the Noida city also received five star ranking in Garbage free city for collecting garbage from people's homes, its segregation and management.

In the year 2018, Noida's rank was 324, 150th rank in 2019 with a three star ranking in Garbage Free City category and ODF Plus in Open Defect Free City category.

Financial Express

New Delhi

Indore, Surat cleanest cities, Maha top state



President Droupadi Murmu presents the award to MP CM Mohan Yadav in New Delhi on Thursday.

EXPRESS NEWS SERVICE NEW DELHI, January 11

INDORE AND SURAT were on Thursday named joint winners of the cleanest city award, while Maharashtra bagged the top spot among states in the Union government's annual cleanliness rankings for urban areas.

For the seventh year in a row Indore was named the cleanest city in the Swachh Survekshan Awards. Surat, which has been in second place behind Indore for the past three years, won the top award for the first time.

Both cities had 100% door-to-door collection of waste, 98% segregation at source and 100% remediation of dumpsites, according to the Ministry of Housing and Urban Affairs' Swachh Survekshan 2023 dashboard. Both cities were tied at the top place among cities with a population over 1 lakh. However, in the rankings of large cities (population over 10 lakh), Indore got the first rank and Surat second. The rankings take into account door-to-door collection of waste, segregation at source, cleanliness of public areas, clean water bodies and citizens' feedback regarding the cleanliness of their cities.

Of the eight rounds of annual awards since 2016, this was the first time that two cities shared the top prize. Navi Mumbai was named the third cleanest city.

With 89.24% door-to-door collection and 67.76% source segregation, Maharashtra was awarded the cleanest state. In second place, Madhya Pradesh has 90.59% door-to-door segregation and 54.1% source segregation. Chandigarh won the award for the city having the best safety standards for sanitation workers – Safaimitra Surakshit Shehar. Varanasi was named the cleanest 'Ganga town'. Sasvad in Maharashtra was named the cleanest city among those with population below 100,000.

Financial Express

New Delhi



RECYLING PUSH

Hardeep Singh Puri. Union minister

Cleanliness has become a social revolution and the impact can be seen everywhere. Waste processing has increased from 15-16% in 2014 to 76% in 2023. In the next 2-3 years, we will process 100% waste produced.

Amar Ujala

New Delhi

एनडीएमसी को पांच स्टार

स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में एनडीएमसी को केंद्र शासित क्षेत्रों (1 लाख श्रेणी) के तहत स्वच्छ शहर के रूप में सम्मानित किया गया। वहीं, उसे पांच स्टार कचरा मुक्त शहर रैंकिंग और वाटर प्लस प्रमाणित

शहर के रूप में भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी से एनडीएमसी अध्यक्ष अमित यादव की अगुवाई में अधिकारियों की टीम ने पुरस्कार प्राप्त किए। पुरस्कार मिलने पर एनडीएमसी उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने कहा कि ये



सम्मान न केवल उच्च सेवा मानकों को बनाए रखने के लिए एनडीएमसी की प्रतिबद्धता के साथ-साथ नई दिल्ली के निवासियों को विश्व स्तरीय नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के उसके प्रयास को भी दर्शाते हैं।

Amar Ujala

New Delhi

स्वच्छ भारत सर्वेक्षण : एमसीडी पर लैंडफिल साइट व एनडीएमसी पर कूड़ा प्रबंधन पड़ा भारी

कुडे के पहाड खत्म की दिशा में की गई कोशिश के लिए एमसीडी को मिले सिर्फ 38% अंक

संतोष कुमार

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत सर्वेक्षम में दिल्ली के नगरीय निकार्यों का प्रदर्शन बेसक पिछले साल से बेहतर हुआ है, लेकिन एमसीडी पर लैंडफिल साइट और

लेकिन एमसीडी पर लेडफिल साहर और एनकीएससी पर कुड़ा प्रश्नंत आसी पड़ा है। देनों निकाज इन मैमनों पर बेठाल प्रदर्शन करने में नकाम रहे हैं। कुड़े का पाठक क्षमा करने की दिखा में एमसीडी को नकीशन की सिर्फ 38 पंरतेश्वरी अंक लिले हैं, जबकि, एमडीएससी मॉर्फ पर कुड़े के सोत के प्रथक्षा अंक ती ही है। इसमें रह 87 प्रथक्ति पर की सी रही है। इसमें रह 81 इसका असर दोनों निकासों के समाज प्रदर्शन पर पड़ा है। एक लाख से ऊपर वाली आवादी वाले शहरों में एनडीएपसो

काली आवादी काने शहरों में सुनडीएससी को तैवी और प्रसाविते को ठ0वें स्थान सर्वतेष करता पड़ा। दाअसल, आठ पेताते पर सवक प्रारा स्वर्थवा प्रकार करता पर सवक प्रपत करिया विकाय गढ है। इसमें पर-प्रपतकरण, कार्यवा प्रसार कर, बॉणि साइट का प्रबंधन, आवासेव बेड, प्रेवास, जल स्वीत व स्वर्तजनिक रोजासपर्या की सप्रदेश प्रसिल है। इसमें स राजित्वाच का संरक्ष राग-ति 6 व्हतन स अपने स्पिटे कार्ड में एनडोएमसी चार पंमनों में 100 फीसदी अंक हॉसिल करने में काम्याब रही। वहीं, एससीडी को सिर्फ दो में ही 100 फोसदी अंक



100%

स्वच्छ सर्वे : राष्ट्रपति व हरदीप पुरी ने राज्यों के प्रतिनिधियों को किया सम्मानित इंदौर और सूरत देश के सबसे स्वच्छ शहर, महाराष्ट्र राज्यों में सबसे आगे

अमर उजाला व्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का परिणाम जारी किया। एक लाख से अधिक आवादी वाले शहरों में लगातार सातवीं वार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सूरत को भी संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्टनम चौधे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में महाराष्ट्र पहले, मध्य प्रदेश दूसरे व छत्तीसगढ़ तीसरे पायदान पर है। उत्तर प्रदेश में नोएडा को पांच सितारा स्वच्छ शहर के सम्मान से नवाजा गया है। 5 स्टार पाने वाला यह इकलौता शहर है। वहीं, 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले नगर निगम क्षेत्रों में सबसे साफ शहरों में गाजियाबाद युपी में पहले और पुरे देश में 18वें स्थान पर है। गंगा के किनारे वसे सबसे साफ शहरों में वाराणसी पहले



राष्ट्रपति डॉपदी मुर्मू से पुरस्कार लेते यूपी के शहरी विकास मंत्री अरविंद शर्मा, वाराणसी के मेयर अशोक तियारी समेत अन्य अधिकारी। साथ हैं, केंदीय मंत्री हरदीप सिंह परी। एजेंसी



पर है। इसके बाद तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पंजाब, गुजरात, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, सिविकम, कर्नाटक, गोवा, हरियाणा और विहार शोर्ष 15 में शामिल हैं।

सर्वश्रेष्ठ सफाईमित्र सुरक्षित शहर चंडीगढ रहा। सबें में एक लाख से भारत मंडएम कन्वेंशन सेंटर में कम आबादी वाले सभी शहरों में महाराष्ट्र के सासवड को पहला पुरस्कार मिला। इस श्रेणी में छत्तीसगढ़ के पाटन व महाराष्ट्र के के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।

व प्रयागराज दूसरे स्थान पर है। लोनावला को क्रमशः दूसरा व तीसरा स्थान मिला। प्रगति मैदान के आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों

राज्य श्रेणी में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और

छत्तीसगढ़ के बाद ओडिशा चौथे स्थान

इंदौर, सूरत व नवी मुंबई को कचरा मुक्त श्रेणी में ७ स्टार

इंदौर, सुरत और नवी मुंबई को कचरा मुक्त श्रेणी में 7 स्टार रेटिंग मिली है। इसके लिए डोर ट डोर कचरा कलेक्शन, कचरा उत्पादन और प्रबंधन, घरेलू और व्यावसायिक क्षेत्र में सफाई, जल संरचनाओं की सफाइं, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई को पैरामीटर के तौर पर रखा गया था।

इस बार कुल 9,500 अंक का -सर्वेक्षण हुआ है। इसमें सेवा स्तर पर प्रगति में 4,525, प्रमाणन पर 2,500 और लोगों के फीडबैक पर 2.475 अंक दिए गए।

यूपी के 65 शहर कचरा मुक्त उत्तर प्रदेश में 65 शहर कचरा मुक्त प्रमाणित हुए हैं। इनमें वन स्टार के 56. श्री स्टार के 8 और फाइव स्टार का एक शहर है। यूपी इस वर्ष कई और कचरा मुक्त शहर बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

Amar Ujala

Jalandhar

स्वच्छता सर्वे : लगातार सातवीं बार इंदौर को ताज, राज्यों में महाराष्ट्र ने मारी बाजी पंजाब को देश में 7वां स्थान, सूबे के छोटे शहरों में मोहाली और बड़ों में लुधियाना सबसे स्वच्छ अमर उजाला व्यूरो/एजेंसी

9500 में 5181.80 अंक मिले हैं।

अमृतसर के नगर निगम के कमिरनर

हरदीप सिंह ने कहा कि रैंकिंग में

अबोहर के विधायक संदीप जाखड़

सुभार हुआ है।

मुल्लांपुर दाखा को उत्तर भारत का स्वच्छ शहर अवॉर्ड

'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले

गज्यों' की श्रेणी में महाराष्ट्र को

देश का सबसे स्वच्छ राज्य चुना

और छत्तीसगढ़ का स्थान रहा। ओडिशा चौथे स्थान पर है, इसके

बाद तेलंगाना, आंध्र प्रदेश का नंबर आता है। वहीं राज्य श्रेणी में पंजाब

सातवें स्थान पर है। इसके बाद

चोएम का गृंह गुज्य गुजरात, उत्तर

गया है। इसके बाद मध्य प्रदेश

लुधिवाना। मुल्लांपुर दाखा नगर परिषद ने स्वच्छ शहर का अवॉर्ड जीता है। मई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित समारोह में मुल्लापुर दाखा को उत्तर भारत का स्वच्छ शहर मोपित किया गया। डिप्टी कमिश्तर सुर्वांच मलिक ने भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव मनोज जोशी से पुरस्कात प्राप्त किया है। पंजाब के कुछ शहरों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। जबकि कुछ में पित्राखर आई है।

अमोहर अपनी आभा अभियान में शामिल लोगों को दिया है। यत वर्ष अबोहर ने 78वां स्थान मिला था। इस बार पटियाला को पंजाब में तीसरी रैंकिंग मिली है। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर उसे 120वां स्थान मिला है। पिछले वर्ष जाब में पटियाला नंबर एक पर राग



देश का सर्वश्रेष्ठ सफाई मित्र सुरक्षित शहर चुना गया चंडीगढ़ चंडीगढ्। भारत सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के नतीजे जारी कर दिए हैं।देश के साफ श्कारों को सूची में चंडीगढ़ ने एक पायदान की छलांग लगाई है।इस चार सिटी व्यूटीफुल 11वें नंबर पर आपा है।इसके साथ ही चंडीगड़ को सर्वश्रेष्ठ सफड़ मित्र सुर्राधत शहर से भी नवाजा गया है। ब्यूरो

पर 132वें नंबर पर रहने बाला आबादी वाले शहरों में अपतसर को बठिंडा इस बार राज्य स्तर पर चौथे एवं राष्ट्रीय स्तर पर 121वें स्थान पर आया है। शहर को एक लाख से पांच लाख तक की आबादी को श्रेणी में आंका गया है। अमृतसर की बात करें तो देश के 446 शहरों में गुरु नगरी को ने इसका श्रेय अबोहर वासियों, नगर 142वां स्थान मिला है। एक लाख को निगम की टीम, कमंठ सफाई सेवकों,

नई दिल्ली/चंडीगव। देश के स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों की श्रेणी में पंजाब ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सातवां स्थान हासिल किया है। इसमें महाराष्ट्र भोष पर रहा जबकि मध्य प्रदेश दूसरे व छत्तीसगढ़ तीसरे पायदान घर है। देशभर के साफ शहरों के मामले में इंदौर ने लगातार सातवीं वार बाजी मारी है।

केंद्र सरकार ने वीरवार को स्वच्छ सर्वेवण अवॉर्ड 2023 की घोषणा को। लुधियाना को देशभर में 39वां स्थान मिला, जबकि बड़े शहरों में यह पहले स्थान पर है। वहाँ, पंजाब के 16 छोटे शहरों में क्रमशः मोहाली, अबीहर, बठिंडा, परियाला और फिरोजपुर और अमृतसर टॉप छढ़ में शामिल है। मोहाली की राष्ट्रीय रैंकिंग में 31 अंकों को सुधार हुआ है। उसे 82वां स्थान मिला है। अबोहर को देश में 105वां स्थान हासिल किया है। वठिंडा ने रैकिंग में सुधार किया है। पिछले साल राज्य स्तर पर पांचवें एवं राष्ट्रीय स्तर

प्रदेश, तमिलनाडु, सिंकिकम, कनांटक, योषा, हरियाणा और बिहार हैं। राज्य श्रेणी में निचले तीन में राजस्थान, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं। सीवरेज कर्मचारियाँ सहित अपना था और राष्ट्रीय स्तर पर उसकी रेकिंग

58 थी। पटियाला के रैकिंग में पिछड़ने का एक बड़ा कारण डेयरियों का शहर से बाहर शिषट न होना माना जा रहा है। साथ हो ऐतिहासिक गजिंदरा झील के सौदर्यकरण प्रोजेक्ट के करोड़ों रुपये खर्च करने के बाबजुद अब तक काम पुरा नहीं हुआ है।

New Delhi

स्वच्छता सर्वेक्षण रिपोर्ट में फरीदाबाद 381 वें स्थान पर, सार्वजनिक शौचालयों की हालत बदतर

प्रदेश में फरीदाबाद को मिला है 19वां स्थान, सफाई व्यवस्था के हाल ठीक नहीं

फरीदाबाद | शहरी विकास मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी हुई स्वच्छता सर्वेक्षण की रिपोर्ट में फरीदाबाद को 381वां स्थान हासिल हुआ। जबकि प्रदेश में 19वें स्थान है। इसके लिए निगम प्रशासन व कर्मचारी दोनों जिम्मेदार हैं। ईको ग्रीन कंपनी से समझौते के करीब 5 साल बाद भी शहर से शत प्रतिशत डोर टू डोर कुड़ा कलेक्शन आज तक नहीं हो पाया। फिलहाल अधिकारी अगली बार रैंकिंग में सुधार का दावा कर रहे हैं। 5 साल पहले कुल 74 स्थान पर 292 शौचालय बनवाए गए थे। लेकिन निगम अधिकारियों की लापरवाही से इन जगहों में 274 शौचालय बंद हो चुके हैं। अधिकतर बस्तियों में लोग अब खुले में शौच के लिए जाते हैं। स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा दो करोड़ की पर भी फोकस किया जाएगा।

लागत से बनाए गए 20 स्मार्ट टॉयलेट अब जंग खा चुके है। निगम सूत्रों की मानें तो सेक्टर-23ए, नीलम चौक, अजरौंदा, अशोक एंक्लेव, सेक्टर-21डी, बल्लभगढ आदि स्थानों पर बनाए गए शौचालय खराब हो चुके हैं। अधिकारियों की मानें तो निगम ने शहरी विकास मंत्रालय के पास ओडीएफ प्लस के लिए आवेदन किया था, लेकिन सार्वजनिक शौचालयों की हालत खराब मिलने पर केवल ओडीएफ का ही प्रमाण पत्र हासिल हुआ। निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास का कहना है कि अगले साल की तैयारी करने के लिए दोबारा से स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। कई चीजों पर हमने सुधार किया है। सार्वजनिक शौचालयों

 2016 में 73 शहरों के सर्वे में शहर की रैंक 51 थी। • 2017 में 434 शहरों के सर्वे में फरीदाबाद की रैंक 88वीं आई। 2018 में 4041 शहरों के सर्वेक्षण में शहर की रैंक 217 आंकी गई। 2019 में कराए सर्वे में शहर की रैकिंग 227वीं थी। • 2020 के बाद आबादी के हिसाब से 47 शहरों की सुची में फरीदाबाद की 38वीं रैंक थी। 2021 में शामिल 48 शहरों

पिछले सर्वे में शहर की रैंक

की सुची में फरीदाबाद को 41वां स्थान। 2022 में 45 शहरों की सूची

में फरीदाबाद का 36वां स्थान।

New Delhi

स्वच्छता सर्वेक्षण • महाराष्ट्र, एमपी व छत्तीसगढ़ सबसे स्वच्छ राज्य एनडीएमसी २ पायदान उछलकर ७वें स्थान पर, एमसीडी 90वें पायदान पर

इंदौर ७वीं बार का चैम्पियन; सूरत संयुक्त विजेता

प्लेग महामारी का दाग था, अब चमकदार सरत

3 दशक पहले सुरत गंदगी के लिए बदनाम था। 1994 में फैले प्लेग में हजारों संक्रमित हुए। शहर की 25% आबादी पलायन कर गई। यह देश में आजादी

के बाद दूसरा बड़ा पलायन था। इसके बाद साफ-सफाई

को लेकर शुरू हुई जागरूकता से सुरत पलट गई। 30 साल



नंबर-1 बनकर इस दाग को धुल दिया।

8 साल पहले टॉप 10 में रहे शहरों में 2 बचे

ŤΦ	2023	2022	2016	2016 में
1	इंदौर व सूरत	इंदौर	मैसूर	मैसूर शहर
2	कोई नहीं	सूरत	चंडीगढ	शीर्ष पर
3	नवी मुंबई	नवी मुंबई	तिरुचिरापल्ली	था। अब
4	विशाखापट्टनम	विशाखापहनम	नई दिल्ली	27वें पर
5	भोपाल	विजयवाड़ा	विशाखापहनम	है। ८ वर्ष
6	विजयवाड़ा	भोपाल	सरत	में चंडीगढ़
7	नई दिल्ली	तिरुपति	राजकोट	दूसरे पायदान
8	तिरुपति	मैस्र	गंगरोक	से 11वें
9	ग्रेटर हैदराबाद	नई दिल्ली	पिंपरी चिंचवड़	हिरसक
10	पुणे	अंबिकापुर	मुंबई	गया है।

देश के स्वच्छता सबें में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में इंदौर 7वीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है। इंदौर के साथ डायमंड सिटी सूरत संयुक्त विजेता बना है। वहीं, नवी मुंबई ने अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा है। इधर, एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले नंबर पर रहा। इस श्रेणी में छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावला तीसरे नंबर पर है। भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी बनी है।

गंगा किनारे बसे शहरों में वाराणसी सबसे स्वच्छ शहर है। दूसरे नंबर पर प्रयागराज है। राज्यों में महाराष्ट्र, एमपी और छत्तीसगढ़ सबसे स्वच्छ राज्यों के रूप में उभरे हैं। दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि 2016 में शुरू हुए इस सर्वे में 73 शहर थे। अब 4,477 शहर शामिल हो गए हैं। कुल मिलाकर सर्वेक्षण में लगभग 40.9 करोड़ की आबादी को शामिल किया गया। इस वर्ष-12 करोड़ नागरिकों से फीडबैक मिला।

केंद्रीय शहरी और विकास मामलों के मंत्रालयों की ओर जारी की गई स्वच्छता सर्वेक्षण के रैंकिंग में इस साल दिल्ली में ईकाई के रूप में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) पिछले साल के मुकाबले दो पायदान उछलकर देश में सबसे स्वच्छ ईकाई के रूप में 7 वें स्थान पर आ गई है। वहीं दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने 28वां स्थान प्राप्त किया है। देश के 100 शहरों में दिल्ली स्वच्छता सर्वेक्षण में 90 स्थान प्राप्त किया है।

भारकर न्यूज | नई दिल्ली

इस वर्ष एकीकृत एमसीडी ने पहली बार आवेदन किया था। दिसंबर 2022 से पहले तीनों नगर निगमों-नॉर्थ एमसीडी , ईस्ट एमसीडी और साउथ एमसीडी अलग-अलग रूप से इस स्वच्छ सर्वेक्षण रैकिंग में हिस्सा लेते थे। नॉर्थ एमसीडी की स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में 37वीं रैंक और 2021 में 45 रैंक आई थी। वर्ष 2020 के स्वच्छ सर्वेक्षण में नॉर्थ एमसीडी को 43वीं रैंक प्राप्त हुई थी।

Chandigarh



MAGZTER

Clipped from - Hindustan Times Hindi Gurugram - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app @sukhchain

Shimla

सर्वे • महाराष्ट्र, एमपी व छत्तीसगढ़ सबसे स्वच्छ राज्य इंदौर ७वीं बार स्वच्छता का चैम्पियन; सूरत पहली बार संयुक्त विजेता बना

है। इस बार

पुणे रॉप-१०

ज्ञामिल हुआ।

स्वच्छ शहरों में

नई दिल्ली देश के स्वच्छता समें में एक लाख में अधिक आबादी वाले शहरों में इंटौर 7वी बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है। इंदीर के साथ सरत संथक्त विजेता बना है। नवी मंबई ने लीसरा स्थान बरकरार रखा है। एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले नंबर पर रहा। इस श्रेणी में सत्तीसगढ का पटन दूसरे, महाराष्ट्र का लोनावला तीसरे नंबर पर है। गंगा फिनारे बसे शहरों में वाराणली सबसे स्वच्छ शहर है। राज्यों में महाराष्ट्र, एमपी और छत्तीसगढ़ सबसे स्वच्छ राज्यों के रूप में उभरे हैं। 2016 में शरू तर इस सर्वे में 73 शहर थे। अब 4,477 शहर शामिल हो गए हैं।

8 साल पहले टॉप 10 में रहे शहरों में से 2 बचे

साल 2016 में	kor	2023	2022	2016
मोल 2016 म मैसूर शहर शीर्ष	1	इंदौर व तूरत	sak	A HR
पर था। अब	2	कोई नहीं	स्रत	चंडीगढ्
27वें पर है। 8	3	नची मुबंई	नची मुबई	तिरुधितपत्नी
वर्ष में चंडीगढ	4	विशासापट्टनम	विशाखापहनम	नई दिल्ली
दसरे पायदान	5	भोपल	विजयवाड़ा	विसाखायहनम
से 11वें खिसक	6	विकायमाडा	भोपल	मुख
गया है। तीसरे	7	नई दिल्ली	विरुपति	तज्रकोट
नंबर पर रहा	8.	विरुपति	मेसूर	र्ममरोक
तिरुचिराप्रल्ली	9	ग्रेटा हेदराबाद	नई दिल्ली	विपर्य चिववड्
७२१ नंबर पर	10	पुणे	अधिकापुर	मुंबई

देश की सबसे स्वत्छ राजधानी भोपाल

इस साल स्वच्छता सर्वे में भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी है। इस श्रेणी में आंध्र का विजववाडा दसरे और दिल्ली लेंसरे पायदान पर है।

Raipur

स्वच्छता सर्वेक्षण • महाराष्ट्र, मध्र देश में सबसे स्वच्छ: इंदौर ७वीं बार स्वच्छता का चैपियन छत्तीसगढ़ देश में तीसरा सबसे साफ-सुथरा रायपुर प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर, स्टार रेटिंग वाली राजधानी, 238 निकायों को विभिन्न श्रेणी में मिला सम्मान भारतत न्यूज़ | राजपू NA. इंदौर-सुरत पहली बार संयुक्त विजेता महाराष्ट्र देश का सबसे स्वच्छ राज्य है। दूसरे नंबर पर मध्यप्रदेश है। सरफ-सर्व्यं को लेकर हुए स्वच्छात सर्वेक्षण में छलीसराह ने इस बार 2 कम आबादी वाली श्रेणी में पाटन भी ३० साल पहले प्लेग महामारी का दाग भारतज्ञ न्यूज़ | नई दिल्ली 5 था. अब देश में सबसे चमकदार सरत स्वच्छना समें में एक लाख से नई दिल्ली में अन्बार्ड लेते सीएम साग, डिप्टी सीएम साव और

शा पूर्ण पर पर पर पर पर पर पर कार का रा सर्वेक्षण में छलीसगढ़ ने इस बार सर्वेक्षण में छलीसगढ़ ने इस बार सर्वे हमर्शन स्पर्ध है. सरफ स्पूर्श राज्यों में छलीसगढ़ को लेसरा मडाम में आयेतित स्पान्त पुरस्कार मजरोड में जैस्से स्थान का पुरस्कार प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साथ और अपुरुष्ठमंत्रे अलग सव को स्पेर्वा राजपानी राज्यु, सो भी कनत मुख्य झार के लिए 5 स्टन मेंटेन की राज्यानी राज्यु, सो भी कनता मुख्य झार के लिए 5 स्टन मेंटेन देश येते सम्पन सिने हैं। जायुन स्थ

स्वच्छता रैकिंग में रायपुर 11वें स्थान पर

सिंदिणी राध्यम् भी रेटिंग ये बदलबन नहीं हुआ। बीते साल की तबह सुर बर भी बतावारी नां की स्वार पर की राजर की 8540.20 अंक मितो और 10वें पग मीजूद चंडीगड़ को 8641.10 अंक सिंगे अप्रेर थे की 87 स्टरा और वाटन एनस रेटिंग फिनने पर फिल में राष्ट्रा रहे - 10 में शामिल तो स्वता है : 1 लाड से अभिक संवारा साले 466 जातरों में पालुए की 12वीं और 10 लाड से अभिक संवारा से अधिक जनसंख्या बाले शाहरों में 11 स्वान मिला है। Ţ

विको दोने सम्मान मिने हैं। उन्हार को प्रदेश में सबसे स्वच्छ रहरा पारा गया स्वे निवारणे के उन्दार्शनिविषये और पंचानड को 5 स्टार पेंटिंग, 25 रहने हो राण्यु सिर एवना देखर को इस अधिकारियों के बन्दार्शनिविषये और पंचानड को 5 स्टार पेंटिंग, 25 रहने हो राण्यु सिर एवना देखर को इस अधिकारियों के बन्दार्शनिविषयों और पंचानड को 5 स्टार पेंटिंग, 25 रहने के राज्यु सिर एवना देखर को इस अधिकारियों के बन्दार्शनिविषयों और पंचानड को 5 स्टार्ग में राज्य के सावन के सावन के सावन के सावन के स्वार्ग के सावन स्वारा के दिन स्वार्ग के साव मेंगी हरदीग पूरी ने सम्मानित किया। मुख्य रखने के सिंह आगे भी बेदतर पत्ना प्लस सावने 164, ओटोस प्लस ने सावन राज्य मंगी हरदीग पूरी ने सम्मानित किया। मुख्य रखने के सिंह आगे भी बेदतर पत्ना प्लस सावने 164, ओटोस प्लम ने के भाग में उभा है। दिल्लों में उन्हरां मंग्री स्वार्ग देखर पर प्रा मुख्यमंत्री के जनवेंकों के गीं वायलेक की प्रिप्टी आता का सावन कि राज्य के अंडिये पत्र साव ने इसके लिए प्रदेश के क्यनित के तहत राज्यभानी प्रयुप और घटन राहत है। प्राय के प्रत भा के प्रत में करा का किया।

स्वच्छता सर्वे में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में इंदेर 7वीं बत देश का सबसे सबच्छ शहर बना है। इंदेरि के साथ स्वार संयुक्त विजेता बना है। वहीं, नवीं मुंबई ने अपन तीसरा स्थान बरकतार तखा है। भागत तासरा स्थान बरकता रखा है। इधर, एक लाख से कम आबादी खाने इधर, एक लाख से कम आबादी खाने चंबर पर खा: इस थेग्डी में उलीसगढ़ का पटन टूसरे और महाराष्ट्र का को नजनता तीस 'संच पर है। प्रोचान देश की सबसे स्वयक्त राजधानी बनी है। गंग किनारे बसे छाड़ी में कारणकी

प्रदेश उसके प्रदेश में दानी के लिया बटना था। 1947 में दरेग में इज्जों संदर्भना हुए। शार की 25% अबकी प्रकार जर मई 'गार देश में अकडी के बाद दुसा बड़ा प्रकार वा। इनके बाद सरह वी लेकर शुरू हुई जामरकत से इनक प्रथा रही 30 साल बाद सुरा दे स्वाइज में नार -1 बनाइ इस दाग रही थी दिया। ८ साल पहले टॉप १० में रहे शहरों में २ बचे रेक २०२३ २०२२ २०१७ १ इंदेर ब सुन इंदेर मैसूर ठोई नहीं कृत वेडीषद
 की मुंबई नहीं मुंबई किल्कियरले
 किल्कियरले विश्वकायरलय नई दिल्ली far formed fermann fermang-m 6 Ranas 7 al^g 5 मोवल 5 मेकल विद्यालय विराध 6 जितन्द्रां मेकल मुरत 7 नई दिल्मी विरुपति राजवति 8 विरपति वैद्यु जावति 9 वेटर वेटतवाद नई दिल्मी विपती 10 पुगे अधिकायुर मुंबई मृत त्रणकोर्ड विवरी विकाइ

Dainik Bhaskar

Bhopal



Dainik Jagran

Dehradun

स्वच्छ सर्वेक्षण में दून में सुधार बरकरार, हरिद्वार की लंबी छलांग

उत्तराखंड के वाकी बड़े शहरों ने किया निराश, हल्हानी को छोड़कर शेष सभी शहरों का प्रदर्शन खराव

समय संसदात केतरुव राज्य संवेदान-2023 में जवाकर दूत में सुवार का उन्हे सा की रख में सर्वति, यह सरावेत एक तो कि सुवार के सकते में कर के सा की सुवार के सकते में करिंक सर सुवार के सकते में करिक सर सा में 14 की सर्व सीठ्य में की स्वार के सकते में करिक सर सा में सा की सा में सा की साम में 14 की सा में सा मा अंधी के प्राथ के साम की कि में सा में सा मा की कि में ना अंधी के प्राथ की कि में ना साम में 14 की सा में सा मा सा मा का प्राय साम की कि में सा में सा मा सा सी कि मा सा में सा मा सा सी कि मा सा मा मा सुवार सा मा की कि मा सा मा मा सुवार में साम में सा मा मा सुवार मा के साम में सा मा मा सुवार मा के साम में सा मा मा सुवार की का मा सा मा मा की सावसार सा की साम मा मा की सावसार सा की साम मा मा की सावसार सा की साम मा मा की सावसार सा की साम



Dainik Jagran

New Delhi

इंदौर सातवें शिखर पर, सूरत भी अव्वल

स्वच्छ संवेक्षण-2023

जागरण ब्यूरो, नई दिल्लीः इंदौर स्वच्छता के सातवें शिखर पर पहुंच गया है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से कराए गए स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में इंदौर को शीर्ष स्थान सूरत के साथ साझा करने पर कुछ कसक रह सकती है, लेकिन लगातार सात वर्ष से चोटी पर बने रहना भी कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को आठवें स्वच्छ सर्वेक्षण के आधार पर विजेताओं को पुरस्कृत किया। नवी मुंबई ने तीसरा और विशाखापत्तनम ने चौथा स्थान कायम रखा है।

इंदौर और सूरत पिछले वर्ष पहले और दूसरे स्थान पर रहे थे, लेकिन इस बार सुरत ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मुकाबला टाई कर दिया। दोनों सेवन स्टार रेटिंग वाले शहर हैं। पिछले वर्ष से तुलना की जाए तो शीर्ष चार स्थानों में कोई फेरबदल नहीं हुआ है, लेकिन भोपाल छठे स्थान से उठकर पांचवें नंबर पर आ गया। विजयवाडा पिछले वर्ष पांचवें नंबर पर था, लेकिन इस बार छठे नंबर पर है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) पिछले वर्ष नौवें स्थान पर था, लेकिन इस बार उसे सातवां स्थान मिला है।

सबसे स्वच्छ राज्य की श्रेणी में महाराष्ट्र ने मप्र को पछाडकर पहला स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ तीसरे नंबर पर रहा। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के दो-दो शहर सबसे में शामिल हैं। इस बार सर्वेक्षण में

 महाराष्ट्र राज्यों में और भोपाल राजधानियों में शीर्ष स्थान पर

👁 वाराणसी व प्रयागराज ने गंगा तटीय शहरों में बाजी मारी



नई दिल्ली में इंदौर को पहली रैंक मिलने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों से पुरस्कार ग्रहण करते मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, साथ में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय । इस अवसर पर केंद्रीय शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी उपस्थित रहेक पेट्र

सबसे आगे शहर (एक लाख से अधिक आबादी)		शीर्ष राज्य		सबसे स्वच्छ		
		राज्य	शहरी स्था निकायों की		गंगा टाउन १. वाराणसी	
रैंक	शहर	महाराष्ट्र		411	2. प्रयागराज	2
1.	इंदौर	मध्य प्रदेश छत्तीसगढ	100	378	3. बिजनौर	
1.	सूरत	अोडिशा	169	(Sec	4 . हरिद्वार 5 . कन्नौज	
3.	नवी मुंबई	तेलंगाना	142		0 0	IR
4.	विशाखापत्तनम	आंध्र प्रदेश	124			क
5.	भोपाल	पंजाब	163	副		444
6.	विजयवाड़ा	गुजरात	164	團人		445 446
7.	एनडीएमसी	उत्तर प्रदेश तमिलनाडु	ik, the second	651	(तीनों बंगाल व	
8.	तिरुपति		- per si min	649	फिसड्डी र	JU
9.	ग्रेटर हैदराबाद	राजधानिय स्वच्छता में श		भोपाल	 राजस्थान मिजोरम 	
10.	पुणे	स्वच्छता में गि		मापाल	• अरुणाचल ।	नदेश

पेज एक का शेष

इंदौर सातवें शिखर पर...

इस बार चयन के मापदंडों में वेस्ट ट वेल्थ का खासा जोर दिया गया और इंदौर ने एक बार फिर साबित किया कि वह नई-नई अपेक्षाओं के अनुरूप सुधार करने के लिए भी तैयार है। इंदौर के अधिकारियों ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर सही मायने में पूर्ण प्रतिबंध ने इस चैलेंज में उसकी ख्याति कायम रखी है। गंगा तटीय शहरों में स्वच्छता के पैमाने पर उत्तर प्रदेश ने अपना दबदबा कायम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर है। इनके अलावा टाप-5 में बिजनौर, हरिद्वार और कन्नौज भी हैं। एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र के सासवाड को पहला स्थान मिला। छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड में मध्य प्रदेश स्थित मह को पहला स्थान मिला है। पुरस्कार वितरण समारोह में शहरी कार्य मंत्री हरदीप पुरी भी उपस्थित रहे। सरकार ने दावा किया है कि यह दुनिया का सबसे बडा स्वच्छता सर्वेक्षण है, जिसमें 4,447 शहरी स्थानीय निकायों ने भाग लिया और 12 करोड़ से अधिक नागरिकों ने इस सर्वे में अपनी प्रतिक्रिया दी। इस सर्वे की शुरुआत 2016 में हुई थी। तब इसमें केवल 73 बड़े शहरों ने भाग लिया था। पुरी ने कहा कि स्वच्छतां अब एक जन आंदोलन बन गया है । सभी शहरी निकाय खुले में शौच से मुक्त हैं।

नवाचार व जनभागीदारी से इंदौर सातवीं बार सबसे स्वच्छ शहर

नईदुनिया, इंदौर : इंदौर ने लगातार सातवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बनकर इतिहास रच दिया है। इंदौर कई नवाचारों से देशभर में स्वच्छता का ऐसा प्रतिमान स्थापित कर चुका है, जहां तक पहुंचना महानगरों के लिए आसान नहीं है। इंदौर जनभागीदारी का बेहतर उदाहरण है। बता दें, गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 पुरस्कार समारोह में गुजरात के सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है।

सिंगल प्लास्टिक मुक्त शहर अभियान चलाया इंदौर को सिंगल प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में विशेष अभियान चलाया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक को रिसाइकिल करने की जिम्मेदारी उत्पादकों को देने पर इंदौर नगर निगम एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पांसिबिलिटी (ईपीआर) क्रेडिट पाने वाला पहला नगरीय निकाय बना।

ई- कचरा संग्राहक वाहनों और ई-बसों की संख्या बढ़ाई :डीजल से चलने वाले डोर-टू-डोर कचरा संग्राहक वाहनों के स्थान पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया गया। ई-बसों की संख्या में भी बढ़ोतरी की गई।

सफाई मित्रों के लिए तैयार किया एपः निगम के साढ़े सात हजार सफाई मित्रों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए मोबाइल एप तैयार किया गया।

Dainik Jagran

Chandigarh

स्वच्छता का संदेश

इंदौर ने सातवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार अर्जित कर यही रेखांकित किया कि मिनी मुंबई कहे जाने वाले इस शहर के नगर निकाय और आम लोगों ने भी स्वच्छता को अपनी आदत का हिस्सा बना लिया है। वास्तव में स्वच्छता अभियान आम लोगों की भागीदारी के बिना सही तरह चलाया ही नहीं जा सकता। स्वच्छता के मामले में इंदौर की उपलब्धि यह भी इंगित करती है कि यहां के प्रशासकों के साथ आम लोग भी सबसे स्वच्छ शहर के अपने खिताब को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने स्वच्छता का जो संदेश आत्मसात किया है, उसे देश के अन्य क्षेत्रों के लोगों को भी ग्रहण करना चाहिए। सच तो यह है कि सभी शहरों, कस्बों और गांवों को स्वच्छता के मामले में प्रतिस्पद्धां कायम करनी चाहिए। अभी ऐसी प्रतिस्पद्धां क्यों नहीं दिखाई दे रही है, इसके कारणों की तह तक जाने और उनका निवारण करने की जरूरत है। आखिर स्वच्छता के मामले में जो तौर-तरीके इंदौर के नगर निकाय और वहां के लोगों ने अपना रखे हैं, वे देश के अन्य क्षेत्रों के लिए अनकरणीय क्यों नहीं बन पा रहे हैं? प्रश्न यह भी है कि हमारे महानगर और यहां तक कि दिल्ली और मुंबई जैसे महानगर स्वच्छता के मामले में कोई उदाहरण क्यों नहीं पेश कर पा रहे हैं?

यह अफसोस की बात है कि कुछ माह पहले जी-20 शिखर सम्मेलन के समय जो दिल्ली साफ-सुथरी दिख रही थी, वह अब पहले जैसी स्थिति में आती जा रही है। नई दिल्ली के एक सीमित एवं विशिष्ट क्षेत्र को छोड दें तो शेष इलाकों में स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक नहीं। दिल्ली की तरह अन्य महानगरों में भी स्वच्छता के कुछ टापू से हैं। इसका कोई औचित्य नहीं कि देश के छोटे-बडे नगरों के कुछ खास और विशेष रूप से वीआइपी कहे जाने वाले इलाके तो स्वच्छ नजर आएं. लेकिन अन्य क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान निष्प्रभावी सा दिखे। उचित यह होगा कि केंद्र और राज्य सरकारों के साथ नगर निकाय स्वच्छ भारत अभियान की इस दष्टि से समीक्षा करें कि उसमें कहां क्या कमी है ? यह समीक्षा इसलिए होनी चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री की ओर से लाल किले से स्वच्छ भारत अभियान शुरू करने की घोषणा किए हुए लगभग दस वर्ष होने वाले हैं। इससे इन्कार नहीं कि इस अभियान ने एक हद तक असर दिखाया है, लेकिन यह भी सही है कि अभी वांछित परिणाम प्राप्त होते नहीं दिख रहे हैं। इसके लिए केवल नगर निकायों को ही दोष नहीं दिया जा सकता, क्योंकि कहीं न कहीं आम जनता को भी स्वच्छता को लेकर और सजगता दिखाने की आवश्यकता है। औसत भारतीय अपने घर के भीतर-बाहर साफ-सफाई को लेकर जितना सजग होता है, उतना सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता को लेकर नहीं रहता। यह ठीक नहीं, क्योंकि स्वच्छ सार्वजनिक स्थल देश की प्रतिष्ठा बढाने के साथ पर्यटन को भी बल देते हैं और बीमारियों से भी बचाते हैं। 📺 💷

MAGZTER

@sukhcha

Clipped from - Dainic Jagran Chandigarh - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app

Dainik Jagran

Bhopal



Hindustan

New Delhi

स्वच्छता के पैमाने पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंदौर और सूरत को संवुक्त रूप से देश के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार देकर पूरे देश को सकारात्मक संदेश दिवा है। इंदौर को यह सम्मान लगातार सातर्वी बार मिलना यह स्पष्ट कर देता है कि साफ-सफाई रखने की प्रवृत्ति इंदौरवासियों और वहां के स्थानीय प्रशासन के स्वभाव में शुमार हो चुकी है। अभियान चलाकर तो कोई भी शहर सफाई कर सकता है, पर सफाई के एक स्तर को निरंतर बनाए रखना बहुत मानीखेंज है। सूरत में साल 1994 में प्लेग भयानक रूप से फैला था और उसके बाद से ही उस शहर ने युद्ध स्तर पर साफ-सफाई का बीड़ा उठाते हुए अपना कायाकल्प कर लिया, नतीजा सामने है। तीन दशक से यह शहर स्वच्छता का एक स्तर बनाए चल रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विगत दशक भर में स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारें के महत्त्व साल-दर-साल बढ़ता जा रख है। पिछले साल के पुरस्कारें में तीसरे स्थान पर रही नवी पुंबई ने अपना स्थान कायम रखा है।

उत्तर प्रदेश के लिए वह खुशखबरी है कि वाराणसी और प्रयागराज को सबसे स्वच्छ गंगा शहर घोषित किया गया है। तीन से दस लाख की आबादी वाले शहरों में नोएडा को दूसरा स्थान मिला है, मगर समग्रता में उसकी रैंकिंग घटकर 15 हो गई है। साल 2021 में नोएडा देश का नौवां सबसे स्वच्छ शहर बन गया था। नई दिल्ली में स्थित विशेष

स्वच्छता में इंदौर और सूरत ने फिर बाजी मार ली है। संदेह नहीं कि विगत दशक मर में स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारों का महत्व बढ़ता ही जा रहा है। एनडीएमसी क्षेत्र समग्रता में सातवें स्थान पर है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले तमाम शहरों को स्वच्छता के पैमाने पर ऊपर रहना चाहिए, पर पर्याप्त प्रयास, संसाधन और योजना के अभाव में ऐसा नहीं हो पा रहा है। एक पहलू यह भी है कि यहां बढ़ती आबादी भी स्वच्छता को लगातार चुनौती दे रही है। फिर भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित शहरों से ज्यादा उम्मीद करना गलत नहीं है। इन शहरों को आबादी का बोझ संभालने के लिए ज्यादा तैयार रहना होगा। साथ ही, यहां प्रदूषण से मुकाबले के लिए भी बहत कुछ

करने को जरूरत है। इंदौर को प्रशंसा करते हुए यह भी ध्यान में रखना होगा, सवा तीन करोड़ से ज्यादा लोग दिल्ली के मेट्रो क्षेत्र में रहते हैं, जबकि इंदौर की आबादी 33 लाख के करीब है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित सभी शहरी निकाय, विभाग और निजी संस्थाएं भी परस्पर समन्वय व जन-भागीदारी के साथ अगर गंदगी और प्रदूषण से निपटने की योजना बनाकर काम करें, तो ज्यादा सार्थक होगा।

बहरहाल, भौर कीजिए, देश के सबसे स्वच्छ दस शहरों में बिहार या उत्तर प्रदेश का एक भी शहर नहीं है। पटना का स्थान तो 262 वां है, मतलब अभी स्वच्छता के पैमाने पर वहां बहुत कुछ करने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश के शहरों में स्वच्छता के मामले में क्रमशः नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़, वाराणसी के बाद राजधानी लखनऊ 44वें स्थान पर है। सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में पश्चिम बंगाल का नाम सबसे ऊपर है। हावडा, कोलकाता गंदे शहरों में शुमार हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि महाराष्ट्र देश का सबसे साफ-सुधरा राज्य है और उसके बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का स्थान है। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालव को स्वच्छता के मोर्चे पर ज्यादा चाक-चौबंद होना पड़ेगा। हालांकि, उसकी तारीफ होनी चाहिए कि वह विगत दशक से लगातार रैंकिंग जारी कर रहा है, जिससे सबको सफाई की प्रेरणा मिल रही है। लोगों के बीच धीरे-धीरे जागरूकता आ रही है, पर अभी हमें गांधी के सपनों वाला स्वच्छ भारत बनाने के लिए लंबा सफर तय करना है।

इंदौर सातवीं बार बना सबसे स्वच्छ शहर, नई दिल्ली दो पायदान चढ़ी

पुरस्कार मिला। राजधानी श्रेणी में

वां स्थान मिला नोएडा वां स्थान एनडीएमसी स्वच्छता रैंकिंग को स्वच्छता सर्वेक्षण क्षेत्र का देशमर की रैंकिंग में रहा पुरस्कार 2023 में एक श्रेणी में वाराणसी अव्वल गंगा किनारे के शहरों में वाराणसी को पहला और प्रयागराज को दूसरा स्थान मिला। हालांकि, राष्ट्रीय रैकिंग में वाराणसी ७०वें और प्रयागराज 230वें स्थान पर है। कैंटोनमेंट बोर्ड में मह पहले स्थान पर रहा। **दि**गर्व का पल! एनडीएमसी राज्यों में महाराष्ट्र प्रथम ने स्वच्छ शहरों की श्रेणी राज्यों की श्रेणी में महाराष्ट्र ने पहला स्थान मिला। दूसरे स्थान पर मध्य में सातवां स्थान हासिल किया । प्रदेश और तीसरे स्थान पर एनडीएमसी केंद्र शासित प्रदेशों में छत्तीसगढ रहा। उत्तर प्रदेश नौवें, सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार बिहार १५वें, झारखंड १६वें और भी मिला। -एनडीएमसी उत्तराखंड 19 वें स्थान पर रहा। लखनऊ को 20 वां स्थान मिला है। भोपाल अव्वल रहा। वहीं, एनडीएमसी वहीं, एक लाख से कम आबादी वाले तीसरे, लखनऊ नौवें, देहरादून 11वें शहरों में महाराष्ट्र के सासवड को प्रथम और पटना 12वें स्थान पर रहा।

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। केंद्र सरकार ने गुरुवार को देशभर के शहरों की स्वच्छता रैंकिंग जारी की। इस सुची में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर रहा। वहीं इंदौर और सूरत को संयुक्त रूप से

पहला स्थान मिला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को दिल्ली में स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 प्रदान किए। मध्य प्रदेश का इंदौर शहर लगातार सातवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर रहा। नवी मुंबई तीसरे स्थान पर रही। इस सूची में नोएडा को 17वां स्थान मिला है। सरकार का दावा है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण है। दस लाख से ज्यादा जनसंख्या वाले शहरों में गाजियाबाद को 18वां, दिल्ली नगर निगम को 28वां, कानपुर को 24वां,

उपलब्धि

सर्वेक्षण में चार शहरों को सात सितारों का तमगा

नई दिल्ली, वि .सं .। स्वच्छ सर्वेक्षण के नतीजों में (एक लाख से ऊपर जनसंख्या) में इंदौर, सूरत, नवी मुंबई और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) को सर्वोच्च सेवन स्टार रेटिंग मिली है। 17वें स्थान पर रहे नोएडा को फाइव स्टार रेटिंग मिली है।

रेकिंग 2023

1 इंदौर

2

3

7

8

सूरत

भोपाल

विजयवाडा

9 ग्रेटर हैदराबाद एनडीएमसी

एनडीएमसी

तिरुपति

दस सबसे साफ महानगर

नवी मुंबई नवी मुंबई

विशाखापटटनम विशाखापटटनम

2022

इंदौर

सूरत

विजयवाडा

भोपाल

तिरुपति

अंबिकापर

मैस्र

4,44'/ शहरी स्थानीय निकायों ने स्वच्छता सर्वेक्षण में उपस्थिति दर्ज कराई

करोड़ नागरिकों की सर्वेक्षण के लिए प्रतिक्रियाएं प्राप्त हई

प्राताक्रयाए प्राप्त हुइ | 10 पुणे इन श्रेणियों में दिए पुरस्कार

विभिन्न श्रेणियों में दिए गए पुरस्कारों में उत्तर क्षेत्र में पचास हजार से एक लाख जनसंख्या की श्रेणी में गजरौला (राष्ट्रीय रैंक 326) व 25 हजार से 50 हजार की श्रेणी में अनूप शहर (राष्ट्रीय रैंक 501) अव्वल रहा। बिहार का सबसे स्वच्छ शहर (एक लाख से ज्यादा जनसंख्या) में पटना रहा। हालांकि, उसकी राष्ट्रीय रैंक 262 है। एक लाख से ऊपर जनसंख्या में झारखंड का सबसे स्वच्छ शहर जमशेदपुर (राष्ट्रीय रैंक 78) रहा। उत्तरखंड में यह स्थान देहरादून (राष्ट्रीय रैंक 191) को मिला।

कैसे हुआ सर्वेक्षण

इस बार कुल 9500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है। इसमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस पर 4525, सर्टिफिकेशन पर 2500 और लोगों की प्रतिक्रिया पर 2475 अंक दिए गए।

कचरा प्रबंधन और जी-20 आयोजन को लेकर सालमर चलती रही तैयारियां. इन दोनों वजहों से अच्छी रैंक मिल सकी



बड़े-बड़े जमले सड़कों के किनारे लगताण भाग

फूलों और फव्वारों से सुंदरता में निखार आया

ते - 20 के असोजन के लिए पूरे बेंध के नोटवीकरण के लिए एनडोएससी ने कई वोजनार शुरू की। दर्जनी जगह प्रकारों लगाए गए, जिनसे क्षेत्र की सुंदरता में तो डाणाब हुआ जोर सांब ही प्रदूषण के कम रखने में भी मदद मिली। अयोजन के दोराज के देख इसकों के एल्सो से भी सजवा गया। इन्ही स्व वारणों से पनडीएमसी की अवसी रेक मिली है।

कचरा प्रबंधन : पिछले साल | जी-20 : सम्मेलन के ये काम कराने पर जोर रहा लिए ये बड़े कार्य किए 200 आर.स.र.सर शिदिर एक साल में लगवर पर, तोनों को ताराक्रक करने के लिए 12 अभियान चलाव जीरी देवर कॉलेंगी जनाने पर विधले एक ताख से अधिक गयले लगाए
 महळो और फुटपायाँ का नदीनीकरमा और कई जगह तर बनाए
 कई सड़कों के किना?

साल पुरा जोर दिया गया ब मीले-सूखे कहरे को मौके पर झी

अलग- प्रानग किया गया. ताकि रिसाइकित के समय परेशानी न हो

66 अगले साल हमें शीर्ष तीन शहरों में रहने

का प्रसार करना साहिए । मेरी

निवासियों सेवा प्रयोगकर्ताओं

-अमित यादव, अवाध- एनडोएमस्डे

ओर से एनडीएमसी क्षेत्र के

और आगंतुकों का आभार ।

ावटी 'चास लगाप कई चीराहो की खेवरता के लिंग काम कराए

66 कर्मचारियों की मेहनत के कारण हम विष्ठवस्त्र रीस कार्यक्रम करने और मेहमानों की सुविधा सनिश्चित काद्यम रखने में संक्षम हैं । - सतीश उपाध्याय उकायत-एनडीएससी



नई दिल्ली में पालन रिश्वत वायु सेना स्टेशन के पास जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए लगे कवारे। • १९४९ घोट

इस सालपांच स्थान ऊपर आए

रूप रागत भा 4 रूपाण उपरिआर्थ नियम के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, नियम ने रचक बर्बवणा 2023 रेकिंग में तीन उपलक्षित्र प्राप्त की हैं। पिछले वर्ष 2022 में पूर्ववर्त्ती नियमों को जीसता रेकिंग 33.अर्द थीं। इस व्य लियम की जांग वे क ऊपर आई हैं। नियम को खुले में शोव मुका (आईएफ (वर्ष पर के तहत आईएफ (वर्ष प्रान्त्र) वर्ष पर के तहत ओडोएफ दलस-प्लस दर्जा प्राप्त हुआ। इसमें पहले पूर्ववर्ती उत्तरी नगर निगम ओडीएफ प्लस का दर्जा ही प्राप्त हुआ थी।

- पूर्ववर्ती नगर निगमों का परिणाम पुरीक्षों उन्ही निमान की स्वतन्त्र अविषण 2022 में उन्हों के जाई थी। इससे पहले स्वतन्त्र अवस्वा 2021 में 45 कि आई थी। वर्ष 2020 के स्वतन्त्र की मिला की स्वतन्त्र सेवाया 2021 में 45 कि आई थी। वर्ष 2020 के पुरीक्षी पूर्वि मिला की स्वतन्त्र सेवाया 2022 में 34 की सेव आई थी। इससे पहले स्वतन्त्र मर्वह्रमा 2021 में 40 पि का और थी। वर्ष 2020 के स्वतन्त्र पत्नि भाग जिसे 2020 कि स्वतन्त्र में 60 पि का आई थी। वर्ष 2020 के स्वतन्त्र पत्नि भाग जिसे 2020 कि स्वतन्त्र के स्वतन्त्र की स्वतन्त्र की स्वतन्त्र की स्वतन्त्र
- इसने पारतने रखक नारक्षम 9,221 न 4,011 रेख आई थी। लो 2,223) राजक अवेक्षम में जुद्दि दिस्ती राज रोक मा है 4,61 रेख हुई थी। पूर्ववर्ती बीक्षणी निगम की रवावर सर्वेक्षण 2,022 में 2,621 रेक अर्वा थी। ब्रान्सने एतने स्थारक मर्वेक्षण 2,621 में 3,511 रेक आई थी। वर्ष 2,220 के ररावज सर्वेक्षण में बीक्षण दिल्ली नगर निगम क) 3,161 रेक प्राप्त हुई थी।

GG निगम में आप सरकार की मेहनत रंग ला रही है। अभी यहां एक साल भी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन खब्छता र्श्वेकग में बड़ा बुखार देखने को मिला है। दिल्ली की 10 लाख से अचिक आबादी याले शहरों में 28वीं रेंक रही है । पिछले साल के मुकाबले सफाई व्यवस्था में 15 फीसदी अधिक अंक मिले हैं। इम प्रयास करेंगे कि आने वाले वर्षों में

इससे कहीं ज्यादा अच्छा परिणाम आए । 💷 हाँ, छेली ओवरोंब, पत्र्यार, दिली स्वर निष्य

देश के 446 शहरों में निगम को 90वीं रैंक

झटका

नई दिल्ली, प्रमुख संवावदाता। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद

दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने दो लक्ष्यों के सक्षार

सफलता पर निकाना साधा है। काफी

तब तक बहा उसमें कामगाव भी हुई और रेकिंग में दी अंकी का सुधार लो गया। कचरा प्रबंधन और जो-20 वे कार्यति अन्तवन आरः जान्द्राः ज आवोजन को अच्छी रैकिन की पुरी माना जा रहा है। एनडीएमसी को स्वच्छता सर्वेक्षण

2023 की अखिल भारतीय रेकिंग में सातवें स्थान पर रखा गया है। फिसमें साल यह नीवें स्थान पर थी। कचस हाटाने को कागजों पर टोस

मीति बनी : एनडीएमसी ओर से अपने बेद में कचरे से संपद्य निर्माण के लिए आरआरआर शिविरों का आयोजन

किया गया। इनके जरिए रिङ्वूस, रीयूज और रिसाइकिल को बढ़ाया दिया जाता है। एनडीएनसी के एक अधिकारी ने बत्त्वया कि शिथिरों के जरिए लोगों के

धनी से ऐसे स्वसान को खाहर निकलावाने का प्रयास किया जाता है जो उनके थह पर बिना इस्तेमाल के एहा है, लेकिन

जिनका दूसरी जगह इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं, एकल उपयोग स्वस्टिक और कम मोटाई वालो संस्वीधीन के उपयोग को कम करने के

লিয়া খ্যা এাথিয়ান বলোচ মচ।

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली नगर निगम ने एकीकरण के बाद पहली बार संयुक्त रूप से स्वच्छ सर्वेक्षण में हिस्सा लिया है। दिसंबर 2022 से पहले पूर्ववर्ती तीनों नगर निगमों उत्तरी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली अलग-अलग रूप से सर्वेक्षण रैंकिंग में हिस्सा लेते थे।

केंद्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय ने 446 शहरों की स्वच्छ सर्वेक्षण रैकिंग को गुरुवार को जारी किया। इसमें सभी शहरों की रैंकिंग में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) को 7वीं रैंक और दिल्ली नगर निगम को 90वीं रैंक प्राप्त हुई है।

इन पैमानों पर निर्धारित होती है रैंकिंग : इन रैंकिंग को ठोस कचरा प्रबंधन, खुले में शौच मुक्त के तहत कार्य प्रणाली को तैयार करने, शहर को कचरा मुक्त बनाना, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, नालियों की सफाई

एकीकृत निगम की सर्वेक्षण के लिए तैयारियां

- 🔳 विभिन्न सोसायटियों, आरडब्ल्युए और कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनी के रूप में परिवर्तित करने की दिशा में जागरूक गया। इसके तहत वर्ष 2023 में 400 से अधिक कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनियों में परिवर्तित किया गया ।
- 🔳 लोगों से स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 को लेकर निगम के सभी जोन में सवाल पूछे गए। इसके लिए बैनर व होर्डिंग के जरिए भी प्रयास

व्यवस्था जैसे विभिन्न पैमानों पर देश भर की नगर निगमों को परखा जाता है। उसके आधार पर अंक प्रदान करते हुए रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

. इतने अंक मिले : निगम को सर्वेक्षण 2023 में सेवा स्तर की प्रगति (एसएलपी) में 3318.55 अंक मिले हैं। साथ ही नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में (सीवीएस) में 1546.14 अंक मिले हैं। इसके अलावा प्रमाणपत्र में

किए गए। इसके लोगों से सकारात्मक जवाब मिला। 🔳 सभी 12 जोन में स्थानीय ब्रैंड एंबेसडर को शामिल करते हुए खच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इसमें टांसजेंडर को भी शामिल किया गरा।

🔳 स्कूल, आरडब्ल्युए, बाजारों के व्यापारी संघों, सरकारी कार्यालयों आदि में स्वच्छ वार्ड रैंकिंग का आयोजन किया।

(सीएस) 1250 अंक प्राप्त हुए हैं। निगम को कुल 6114.68 स्कोर प्राप्त हुए हैं। प्रमाण पत्र के तहत सर्वेक्षण में इस पैमाने पर अंक मिलते हैं। निगम ने शहरों को साफ रखने के लिए जो कदम उठाए हैं, उस पर मंत्रालय की ओर से प्रमाण पत्र दिया जाता है। स्वच्छ सर्वेक्षण में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद को एसएलपी में 4443.29 एंक, सीवीएस में 1985.02 अंक और सीएस में 2300 अंक मिले हैं। एनडीएमसी को कुल 8728.31 स्कोर प्राप्त हुए हैं।

10 लाख से अधिक आबादी वाले में निगम को 28वीं रैंक-निगमः निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में दिल्ली नगर निगम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। कई पैमानों पर अंक भी अच्छे आए हैं। मंत्रालय की ओर से जारी की गई रैंकिंग में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में निगम को 28वीं रैंक प्राप्त हुई है। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 के तहत 46 शहरों में निगम को यह रैंक प्रदान की गई है। यह निगम के विभिन्न प्रयासों का नतीजा है। निगम को कला से कचरे पर आधारित पार्क को स्थापित करने के लिए भी अंक मिले हैं। इसके अलावा लोगों के साथ मिलकर सालभर में कई तरह के जागरुकता कार्यक्रम के भी आयोजन किए, जिसमें उन्हें कचरा प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई।

Hindustan

Dehradun

इंदौर और सूरत सबसे स्वच्छ शहर, उत्तराखंड में देहरादून को पुरस्कार

लाख से अधिक आबादी वाले नगर निगमों की श्रेणी में देहरादून को मिला पुरस्कार

गंगा किनारे के शहरों में वाराणसी अव्वल

गंगा किनारे के शहरों में वाराणसी पहले स्थान पर रहा, जबकि प्रयागराज को दूसरा स्थान मिला। कैंटोनमेंट बोर्ड में महू पहले स्थान पर रहा। राजधानी श्रेणी में भोपाल पहले, एनडीएमसी तीसरे, लखनऊ नौवें, देहरादून 11वें, पटना 12वें स्थान पर रहा।



राज्यों में महाराष्ट्र प्रथम

राज्यों की श्रेणी में महाराष्ट्र ने पहला स्थान मिला। दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश और तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ रहा। उत्तर प्रदेश नौवें, बिहार १५वें, झारखंड १६वें और उत्तराखंड १९ वें स्थान पर रहा। **66** उत्तराखंड के निकायों का प्रदर्शन इस मोर्चे पर बेहतर हो रहा है। सरकार के स्तर से भी इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। - प्रेमचंद अग्रवाल, शहरीविकास मंत्री

और मुनिकीरेती नगर पालिका को एक लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में राज्य के सबसे स्वच्छ शहर के तौर पर पुरस्कार मिला है।

> संबंधित खबर Роз

बिहार 15वें, झारखंड 16वें और उत्तराखंड 19 वें स्थान पर रहा। व छत्तीसगढ़ रहे। एक लाख से कम आबादी वाले सभी शहरों की श्रेणी में महाराष्ट्र के सासवड को सबसे स्वच्छ

शहर का पुरस्कार मिला। देहरादून नगर निगम को एक लाख से अधिक आबादी

स्वच्छता रैंकिंग दिल्ली/देहरादून, हिन्दुस्तान टीम

नई दिल्ली/देहरादून, हिन्दुस्तान टीम। मध्य प्रदेश का इंदौर लगातार सातवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 में इंदौर के साथ गुजरात का सूरत संयुक्त रूप से अव्वल रहा। राज्यों के श्रेणी में महाराष्ट्र पहले स्थान पर रहा। शहरों को साफ रखने के मामले में उत्तराखंड, देश के 27 राज्यों के बीच 19वें स्थान पर रहा। इस वर्ष महज दो निकायों देहरादून और मुनिकीरेती को पुरस्कार मिलने से सफाई के मोर्चे पर उत्तराखंड का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 प्रदान किए। वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर व सूरत को देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में चुना गया। नवी मुंबई तीसरे स्थान पर रहा। शानदार प्रदर्शन वाले राज्यों की श्रेणी में महाराष्ट्र ने पहला स्थान हासिल किया, जिसके बाद एमपी

Jansatta

New Delhi

लगातार सातवीं बार इंदौर बना सर्वाधिक स्वच्छ शहर, सूरत संयुक्त विजेता

जनसत्ता व्यूरो नई दिल्ली, 11 जनवरी।

भारत की राष्ट्रपति प्रौपदी मुर्मू ने आवासन और ज़ाहरी कार्य मंत्रालय की ओर से भारत मंडपम में गुरूवार को आयोजित समारोह में स्वच्छ सर्वेशण पुरस्कार 2023 प्रदान किए। इस साल ईरीर और सुरत को स्वच्छ ज़ाहर पुरस्कार का संयुक्त विज्ञेता भोषित किया गया। इंदौर ने लगातार सातवीं बार यह गौरव हासिल किया है। समारोह में सबरे स्वच्छ जहर, सबसे स्वच्छ छावनी, सफाई मित्र सुरक्षा, गंगा टाउन और सांश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य की अंगियों में 13 पुरस्कार विज्ञेताओं को सम्मानित किया गया।

वंदरगाहों के शहर सूरत ने भी इस वार इंदीर के साथ शीर्ष सम्मान हासिल किया। इससे पहले इंदीर ने लगातार 6 वर्षों तक अकेले शीर्ष स्थान हासिल किया था। एक राष्ट्रपति व्रैपदी मुर्गू ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को स्वच्छ सर्वक्षण पुरस्कार-2023 प्रदान किए । महू छावनी बोर्ड को सबसे स्वच्छ, सर्वश्रेष्ठ सरफाई मित्र का चंडीगढ़ को मिला पुरस्कार।

सफाई मित्र सुरक्षित शहर का पुरस्कार मिता। राष्ट्रपति न स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार-2023 के वितेजाओं को क्यावार आगे वड़ाने स्वच्छ भारत मिशन को लगातार आगे वड़ाने के लिए मैं केंद्र सरकार, केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री इरदीप सिंह पूरी और उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता के स्तर को ऊपर ले जाने की दिशा में सर्वेक्षण एक महत्त्वपूर्ण कहम है।



सासवड़, पाटन और लोनायला ने शीर्ष तीन

स्थान हासिल किए। मध्य प्रदेश के महू छावनी बोर्ड को सबसे स्वच्छ छावनी बोर्ड घोषित

बाह का सबस स्वय्क छावना बाह वागवा किया गया। वाराणसी और प्रयागराज ने सवसे स्वय्ह्य गंगा टाउन में शॉर्ष दी पुरस्कार जीते। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य की श्रेणी में

शीर्ष तीन पुरस्कार जीते। चंडीगढ़ को सर्वश्रेष्ठ

वर्ष 2023 के विषय ' अपरिष्ट से धन (देस्ट टु येल्थ) ' को बहुत अच्छा और उपयोगी बताते हुए कहा कि इस सोच को आगे बढ़ाते हुए कहा कि कचरे को कंचन में परिवर्तित कर, समग्र स्वच्छता को दिव्य बनाना है। उन्होंने स्वच्छता से पंतपन्तत के मार्ग पर आत्य निर्भाता की तरफ बहुते कदम सराहनीय है।

उन्होंने संतोध जताते हुए कहा कि सफाई सित सुरक्षा, गरिमा और कल्ल्याण के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण में अधिक से अधिक वस्तुओं को पुनचंक्रण कर चौबारा इस्तेमाल कर चक्रीय अर्थव्यवस्था को पहडीत विकास के लिए सहायक सिद्ध हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी ने रबच्छता संबेख्ण 2024 के लिए कम करने, दोबारा इस्तेमाल और पुनचंक्रमण का विषय निर्धारित किया है इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरवीप सिंह पुने ने कहा कि वर्तमान में मारत का प्रस्वेक शहर खुले में शीच मुचल है।

एनडीएमसी को स्वच्छता सर्वेक्षण में सातवां स्थान मिला

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 11 जनवरी।

भारत सरकार के आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के तहत अखिल भारतीय श्रेणी में 7वीं रैंक और केंद्र शासित क्षेत्रों (1लाख श्रेणी) के भीतर स्वच्छ शहर के रूप में सम्मानित किया गया है।

इसके साथ-साथ '5 स्टार' कचरा मुक्त शहर रैंकिंग और वाटर प्लस प्रमाणित शहर के रूप में भी सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू व केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिया। एनडीएमसी की ओर से यह पुरस्कार अध्यक्ष अमित यादव, सचिव कृष्ण मोहन उप्पू, चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य डा दीपक मित्तल, नोडल अधिकारी व सीएमओ डा शकुंतला श्रीवास्तव व मुख्य अभियंता सिविल संजय अरोड़ा व कार्यकारी अभियंता (स्वच्छता) सीएल मीणा ने प्राप्त किया।



Punjab Kesari

New Delhi

स्वच्छता सर्वेक्षण-२०२३ में नोएडा को मिला प्रदेश में पहला स्थान

नोएडा, (पंजाब केसरी) : स्वच्छता सर्वेक्षण मामले में पहली बार नोएडा 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों में दूसरे स्थान मिला। जबकि पिछली बार इसी श्रेणी में नोएडा को पांचवां स्थान मिला था।



वहीं प्रदेश में लगातार दूसरे साल भी नोएडा पहले स्थान पर रहा। इसके अलावा नोएडा को पहली बार वाटर प्लस श्रेणी में सर्टिफिकेट मिला था इस बार भी गारबेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैकिंग मिली है। अवसान एवं शहरी विकास मंत्रालय की स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की फाइनल रैकिंग जारी हुई, जिसमें ओवर ऑल रैंकिंग में नोएडा 14वें स्थान पर पहुंच गया। समारोह में सर्टिफिकेट व अवॉर्ड सीईओ डॉक्टर लोकेशन एम को आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली में दिया। स्वच्छता सर्वेक्षण सूरत पहली बार बना संयुक्त विजेता

इंदौर को ७वीं बार स्वच्छ शहर का खिताब

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर और सूरत को देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में चुना गया है। सर्वेक्षण में इंदौर के साथ पहली बार सुरत

भी पहले स्थान पर संयुक्त तौर पर सबसे स्वच्छ शहर बन गया है। वहीं, एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में नवी मुंबई तीसरे स्थान पर रहा। गुरुवार को घोषित सर्वेक्षण के नतीजों में यह जानकारी दी गई। 'स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार

2023 ' में 'शानदार प्रदर्शन करने वाले राज्यों' की श्रेणी में महाराष्ट्र ने पहला स्थान हासिल किया है, जिसके बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ रहे। राज्यों के स्वच्छता



रैंकिंग में मध्य प्रदेश को दूसरे सबसे स्वच्छ राज्य का दर्जा मिला है। महाराष्ट्र इस मामले में पहले नंबर पर आया है। वहीं, स्वच्छ राज्यों में छत्तीसगढ़ तीसरे नंबर पर रहा। पिछले साल मध्य प्रदेश को देश का सबसे स्वच्छ राज्य चुना गया था, जबकि छत्तीसगढ़ दूसरे नंबर पर था। इस तरह दोनों राज्यों की रैंकिंग एक-एक पायदान गिरी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी 2023 के स्वच्छ सर्वेक्षण परिणामों के अनुसार, महाराष्ट्र के सासवड को एक लाख से कम आबादी वाले सभी शहरों में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है, जबकि छत्तीसगढ़ के पाटन और महाराष्ट्र के लोनावाला को श्रेणी में दूसरी और तीसरी रैंक मिली है। मध्य प्रदेश की राजधानी से खिताब से नवाजी गई। भोपाल ने पिछले साल भी यही प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया था।

वाराणसी को भी पुरस्कार

गंगा किनारे बसे शहरों में वाराणसी को पुरस्कार छावनी बोडौं में महू को सबसे स्वच्छ छावनी क्षेत्र का पुरस्कार मिला और वाराणसी को गंगा किनारे बसे शहरों में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला है, जबकि राज्यों में महाराण्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सबसे स्वच्छ राज्यों के रूप में उभरे। केंद्र सरकार द्वारा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण के 8वें संस्करण के नतीजे गुरुवार को जारी किए गए।

दिल्ली की सफाई व्यवस्था पहले से बेहतर, रैंकिंग में हुआ सुधार

भाजपा के कार्यकाल में 200 से अधिक थी रैंक

भाजपा के शासनकाल में दिल्ली नगर निगम बुरे हालात में थी। 2017 की स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग की बात करें तो १ लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की सची में साउथ एमसीडी 202. नॉर्थ एमसीडी 279. ईस्ट एमसीडी 196 नंबर पर थी। वहीं 2018 में साउथ एमसीडी 132. नॉर्थ एमसीडी 206, ईस्ट एमसीडी 341वें नंबर पर थी। वहीं 2019 में साउथ एमसीडी 138. नॉर्थ एमसीडी 282. ईस्ट एमसीडी 240वें स्थान पर थी। इसके अलावा 2022 में भी औसतन रैंकिंग 120 से अधिक थी।दसरी तरफ 2021 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की सची में साउथ एमसीडी 31. ईस्ट एमसीडी 40 और नॉर्थ एमसीडी 45वें नंबर पर थी। मेयर ने कहा कि जहां दिल्ली नगर निगम की रैंकिंग में सुधार हुआ है वहीं एनडीएमसी की रैंकिंग में गिरावट आयी है। इस बार 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की सची में एनडीएमसी 446 में 7वें स्थान पर रहा है। वहीं पिछले साल 1 लाख से १० लाख आबादी वाले शहरों की सची में 382 शहरों में तीसरे स्थान

पर रहा था।

फीसदी अंक मिले हैं। यानि की करीब 15 फीसद तक एमसीडी की सफाई व्यवस्था में सुधार आया है।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 रिपोर्ट के मताबिक दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में दिल्ली इस बार 28वें स्थान पर रहा है। जबकि स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 की रिपोर्ट को मुताबिक नॉर्थ एमसीडी 37वे. ईस्ट एमसीडी की 31वे और साउथ एमसीडी 28वे स्थान पर रहा था। ऐसे में पिछले साल के आंकडों से साफ पता चलता है कि एमसीडी ने इस साल सफाई व्यवस्था में काफी सुधार किया है। दिल्ली की ओवरऑल रैंक इस बार 28वीं रही है। मेयर शैली ओबरॉय ने बताया कि दिल्ली की सफाई व्यवस्था पहले से बेहतर हुई है। इसपर महर स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 की रिपोर्ट ने लगा दी है। हालांकि इसमें अभी भी सुधार की जरूरत है। दिल्ली नगर निगम की स्वच्छता रैंकिंग कई बडे शहरों से बेहतर रही है। दिल्ली नगर निगम ने स्वच्छता के मामले में चेन्नई, कोलकत्ता, बैंगलोर जैसे शहरों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

मेयर ने कहा कि पिछली बार के मुकाबले स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार एमसीडी को 15 फीसदी अधिक अंक मिले हैं। पिछले साल एमसीडी को 7500 में से 3784 यानि 50.45 फीसदी अंक मिले थे। लेकिन इस बार 9500 में से 6114 यानि 64.36

5 स्टार कचरा मुक्त शहर रैकिंग और वाटर प्लस प्रमाणित शहर के रूप में भी किया सम्मानित

सबसे स्वच्छ शहरों की श्रेणी में एनडीएमसी को 7वां स्थान

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने परी टीम को दी बधाई

एनडीएमसी उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने प्रतिष्ठित स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के तहत अखिल भारतीय श्रेणी में केंद्र शासित प्रदेश के भीतर स्वच्छ शहर के रूप में 7वीं रैंक और '5 सितारा कचरा मुक्त शहर' रैंकिंग और 'वाटर प्लस प्रमाणन' हासिल करने के लिए पूरी एनडीएमसी टीम को बधाई दी है। उपाध्याय ने कहा कि इस सफलता का श्रेय कर्मचारियों और वरिष्ठ अधिकारियों के समर्पण और कडी मेहनत का नतीजा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये सम्मान न केवल उच्च सेवा मानकों को बनाए रखने के लिए एनडीएमसी की प्रतिबद्धता को दर्शति हैं, बल्कि नई दिल्ली के निवासियों को विश्वस्तरीय

नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के उसके प्रयास को भी दर्शाते हैं ।

शहर की समग्र स्वच्छता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह उपलब्धि एनडीएमसी को स्वच्छ और स्वस्थ शहरी परिदृश्य के लिए भारत के मिशन में अग्रणी स्थान पर रखती है।



राजधानी शहर बनाने के लिए यहां

के निवासियों, सेवा प्रयोगकर्ताओं

और आगंतुकों के प्रति भी अपना

आभार व्यक्त करती है। यह सम्मान

एनडीएमसी के अपशिष्ट प्रबंधन,

जन जागरूकता अभियानों और

अभिनव पहलों के समग्र दृष्टिकोण

का एक प्रमाण है, जिसने नई दिल्ली

और सीएमओ डॉ. शकुंतला पिछले साल से दो रैंक आगे बढकर श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता (सिविल), संजय अरोडा और 9वें से 7वें नंबर पर आ गए हैं। कार्यकारी अभियंता (स्वच्छता), हमें नई दिल्ली को सर्वोत्तम सीएल मीणा ने प्राप्त किया। यह सर्वांगीण सेवाएं प्रदान करने के पुरस्कार सेवा मानकों में उत्कृष्टता लिए समर्पण और सुधार के साथ आगे बढने की जरूरत है। अगले स्थापित करने और अपने निवासियों को विश्व स्तरीय साल हमें शीर्ष तीन शहरों में रहने नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के का प्रयास करना चाहिए। एनडीएमसी के निरंतर प्रयासों की एनडीएमसी अपने क्षेत्र को केंद्र मान्यता है। शासित प्रदेश का सबसे स्वच्छ

एनडीएमसी के कर्मचारियों और विशेष रूप से सफाई सेवकों को बधाई देते हुए पालिका परिषद के चेयरमैन अमित यादव ने कहा कि स्वच्छता पुरस्कार और रैंकिंग प्राप्त करने का श्रेय पूरी एनडीएमसी टीम की कड़ी मेहनत को जाता है। एनडीएमसी को बधाई देते हुए

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) केंद्र के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में देशभर में हए सबसे स्वच्छ शहर श्रेणी में सातवां स्थान हासिल किया। सरकार के आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने 'कचरा मुक्त शहरों के लिए अपशिष्ट से धन' पर आधारित थीम पर यह रैंकिंग दी है। केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ये पुरस्कार प्रदान किये। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री और देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आये हुए विभिन्न शहरी विकास मंत्रियों, महापौरों, मिशन निदेशकों, नगर आयक्तों और शहर के अधिकारियों सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी समारोह में भाग लिया। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद की ओर से पुरस्कार को चेयरमैन अमित यादव, सचिव कृष्ण मोहन उप्पु, चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य डॉ. दीपक मित्तल, नोडल अधिकारी

Navbharat Times

New Delhi



MCD के लिए स्वच्छता रैंकिंग लाई 'थोड़ी खुशी, थोड़ा गम'

10 लाख से ज्य़ादा आबादी वाले शहरों में बेहतर प्रदर्शन

एमसीडी ने स्वच्छता रैंकिंग में थिछले साल के मुकाबले इस साल पांच पावदान को छलांग लगाई हैं। 10 लाख से अधिक आबादी वाले 46 शहरे में एमसीडी के 284ी उनेहा मिलं है। एक तरह से एमसीडी के लिए यह खुरगे को बात है, लेकिन मंत्रालय ने एक लाख से अधिक आवादी बाले 427 रहरों की रैंकिंग प्रक्रेज में एमसीडी को 90वीं रेक देवर एमसीडी को अधिक आवादी नेताओं की खुरगी पर धानी फेर दिया। झालत वह है कि किंका के सारे में एमसीडी का कोई भी अधिकारी और नेता कुछ भी बोलने को तैयर नहीं है।

स्वच्छता संवेशण में इस बार 10 लाख से अधिक आवली वाले 46 रहतों को शामिल किया गया था। जिसमें एमसीडी 29वें स्थान पर सुरुववरों रही रिवर्स सार स्वच्छता सर्वेशण में के कहार जब रिजल्ट आप थे तम दिल्ली में तीन एमसीडी भी। इस तरह से तीनों एमसीडी की अलग अलग रेंकेन हुई थी। संवेशण में सार्वे प्रधान के कहार उठ, नॉर्थ एमसीडी की 37 और इंस्ट एमसीडी सिटी में मिली रेंकेंग बड़ा प्रवेश निकाला जाए तो 33 टॉयलेटर रेंकेंग बैठती है। मंत्राल के इन आंकड़ों को है। इससे देखा जाए तो एमसीडी के पिछले साल के सिली है।



मुकावलं हम साल स्वत्स्वल यिकेंग में बड़ा सुधार हुआ है, लेकिन उैंकेंग के बारे में रम्मव्य न होने के कारण एमसीबी का काई में अधिकारो और नेता उैंका को लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नारी हैं। एमसीडी के एक सॉनियर अधिकारी ने मुठ अवरम बलाया कि एमसोडी को गारबेज प्रती सिटी में 525 पॉइंटों के साथ फस्ट स्वय सिल हैं। इसके अलवा एमसोडी प्ररिया में खुले में टॉयलेंट करने के मामलों में भी बहुत युधार हुआ है। इस्में एमसीडी को ओडीएफ++ की उँकिंग राज के.

एमसीडी ने किस क्षेत्र में कितान काम किया: खर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि एमसेडी ने सोर्प पर ही कुछे को प्रोसेस और पॉरट बॉडी की सफर्ड में शत प्रतिशत काम किया है। पविलक उपेंगलेट को म्बाइमें 197 पर्सेट, शेर कु हो कुडे का कटोक्शन के मामले में मांत्र 71 पर्सेट और येस्ट कन्सेशन के क्षेत्र में 86 पर्सेट काम कर पाई। डॉबेग साइटों के कुड़े को प्रोसेस करने में बाहुत पीछे रही। 38 पर्सेट ही काम पूरा कर पाई। मिरावश्री इलाको और मानेट पहिला को सफर्ड हो मामले में उसका काम ज्यादा अच्छा नहीं रहा।



एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में पिछले साल था 9वां पायदान सिटी के रूप में भी सम्मानित किया गया है। में ही गीला और सुखा कुड़ा अलग करने

कुल 9500

अंकों में

एनडीएमसी

को मिले

8728.31 अंक

स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के अलग-अलग

(सविस

🔳 प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

स्वच्छता सर्वेक्षण में एक लाख से मानकों में कुल 9500 अंक तय थे। इसमें अधिक आबादी वाले शहरों में नई दिल्ली एसएलपी म्यनिसिपल काउंसिल (एनडीएमसी) लेवल प्रोग्रेस) के को इस बार 7वीं रैंकिंग मिली है। पिछले लिए 4525 अंक थे, साल इस कैटिगरी में एनडीएमसी 9वें नंबर जिसमें से एनडीएमसी पर थी। एनडीएमसी को 9500 अंकों में को 4443.29 अंक से 8728.30 अंक मिले हैं। डोर टु डोर मिले हैं। सिटीजन कूड़ा कलेक्शन के लिए जितने नंबर तय वॉइस के लिए 2475 अंक थे, जिसमें से थे, उसमें से एनडीएमसी ने 99 प्रतिशत 1985.02 और सर्टिफिकेशन के 2500 8728.31 अंक मिले हैं। एनडीएमसी के अंक हासिल किए हैं। एनडीएमसी को 5 अंकों में से 2300 अंक मिले हैं। कुल अफसरों का कहना है कि डोर टु डोर कुड़ा स्टार गार्बेज भ्री और वॉटर प्लस प्रमाणित मिलाकर एनडीएमसी को 9500 में से कलेक्शन के लिए सर्वेक्षण में जितने अंक

एनडीएमसी इसी तरह से घर आने का है।

सफाई सेवकों को बधाई दी है। उनका कहना है कि स्वच्छता रैंकिंग और परस्कार का पुरा श्रेय इन्हीं को जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले साल से इस बार रैकिंग बेहतर हुई है। पिछले साल इस कैटिगरी तय थे, उसमें से में एनडीएमसी 9वें नंबर पर थी। इस बार ने हम 7वें नंबर पर हैं। उन्होंने कहा अगले 99 प्रतिशत अंक साल रैंकिंग में और सुधार होगा। लक्ष्य एक स्कोर किए हैं। लाख आबादी वाले शहरों में पहले नंबर पर

के लिए जितने अंक तय थे, उसमें से 87

प्रतिशत और वेस्ट जनरेशन और प्रोसेसिंग

में 100 प्रतिशत अंक मिले हैं। मार्केट

और रेजिडेशल एरिया में सफाई के लिए

एनडीमएसी को 93 प्रतिशत अंक मिले हैं।

एनडीएमसी चेयरमैन अमित यादव ने

एनडीएमसी की रैंकिंग बेहतर होने पर

Rajasthan Patrika

New Delhi



नई दिल्ली. केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश के इंदौर और गुजरात के सुरत को संयक्त रूप से देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया। इंदौर ने यह अवॉर्ड 7वीं बार जीता है, जबकि सुरत पहली बार शीर्ष पर पहुंचा। एक लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में नवी मुंबई तीसरे स्थान पर रहा। सबसे स्वच्छ 10 शहरों की सूची में राजस्थान का कोई शहर नहीं है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिल्ली में गुरुवार को समारोह में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

सबसे स्वच्छ राज्यों की श्रेणी में महाराष्ट्र ने पहला स्थान हासिल किया। मध्यप्रदेश दूसरे व छत्तीसगढ़ तीसरे स्थान पर रहा। पिछले साल मध्यप्रदेश नंबर एक और छत्तीसगढ़ दूसरे नंबर पर था। एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड सबसे स्वच्छ शहर रहा। छत्तीसगढ़ के पाटन व महाराष्ट्र के लोनावाला को क्रमशः दूसरी और तीसरी रैंक मिली। भोपाल ने देश की स्वच्छतम स्टेट कैपिटल का खिताब जीता।



मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव को पुरस्कृत करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु।

🔳 देश के	नेर	श के सबसे	राश्वर नगाउ	10 चाहर
			114 94	TO 4164
सबसे स्वच्छ	रेंक	2023	2022	2021
10 शहरों में	8	इंदौर, सूरत	इंदौर	इंदौर
राजस्थान	Ð	-	सूरत	सूरत
का कोई	0	नवी मुंबई	नवी मुंबई	विजयवाड़ा
शहर नहीं		विशाखापत्तनम	विशाखापत्तनम	नवी मुंबई
🗖 एक लाख	Ð	भोपाल	विजयवाड़ा	नई दिल्ली
से कम	۵	विजयवाड़ा	भोपाल	अंबिकापुर
आबादी वाले		नई दिल्ली	तिरुपति	तिरुपति
शहरों में		तिरूपति	मैसूरु	पुणे
सासवड	0	ग्रेटर हैंदराबाद	नई दिल्ली	नोएडा
अव्वल	10	पुणे	अंबिकापुर	ভত্তীন

विश्व का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वक्षण

🔳 केंद्र सरकार ने शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण के 8वें संस्करण के नतीजे गुरुवार को जारी किए। सरकार का दावा है कि यह दुनिया का सबसे बडा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण है।

🔳 2016 में शुरू हुए सर्वेक्षण में पहले केवल 73 प्रमुख शहरों को शामिल किया गया था। अब यह संख्या 4,477 हो गई है।

🗖 केंद्रीय आवास व शहरी मंत्रालय ने कहा कि नागरिक सहभागिता और फीडबैक पर जोर सर्वेक्षण की सफलता में सहायक रहा।

🔳 सर्वेक्षण में 40.9 करोड़ की आबादी को शामिल किया गया। मूल्यांकन के दौरान 12 करोड़ नागरिकों की प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई।

वाराणसी भी पुरस्कृत

इंदौर को गाबेंज फ्री सिटी में सेवन स्टार रेटिंग मिली। छावनी बोडौं में महू को सबसे स्वच्छ छावनी क्षेत्र का पुरस्कार मिला। वाराणसी को गंगा किनारे बसे शहरों में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। समारोह में केंद्रीय मंत्री हरवीप सिंह पुरी भी मौजूद थे।

इंदौर व सूरत स्वच्छता में नम्बर 🚹 सातवें स्थान पर NDMC

नई दिल्ली (एसएनवी)। रचने रज्ज शास के की में अब अन्द्रित के साभ-साल प्रसुध भी शामिल हो बना है। राष्ट्रपी प्रोप्रदे पूर्व भी शामिल हो बना है। राष्ट्रपी प्रोप्रदे पूर्व भी शामिल हो बनाई दिल्टन करने के साथ साथ 13 पुरस्कार विकेशजों को रज्ज्ह है तर में स्वरू छाननी, सराई किए गा मित वस सर्ववेज्य प्रस्टोन करने काले राजों को प्रस्तान द्वारा भरका मंद्रा अस्प्री कार्य मंत्रक्र प्रमित्त मंद्राम में अस्प्री कार्य मंत्रक्र प्रदेश मंद्राम में अस्प्री कार्य मंत्रका द्वारा भरका मंद्राम में अस्प्री कार्य मंत्रका द्वारा भरका मंद्राम में अस्प्रिका स्वार प्रकार कि संस्कृत राष्ट्राम में अस्प्रिका स्वार प्रकार कि संसक्त राष्ट्री से स्वार सुरहा में भें इस बार इंदेर के साथ सोन स्वारा स्वारा में प्रसान द्वार प्रसे का स्वार्त देवीर ने



नई दिल्ली : स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 प्रदान करनी राष्ट्रपति द्रौषदी मुर्मु । 7 2023 नेप्रायाधी प्राप्त की स्वान देना तीन पुरस्कार जीते। साथ ही मंडीयह को सर्वजेव्ट साउद्धीयक मुर्दीवन शहर का पुरस्कार फिला। समायोह में केंद्रीय आवासन व शहरी कार्य तथा लगातार 6 वर्षी तरह अकेले हीर्ष स्थान हरिएल किया था। एक लाख से कम

आषादी काले शत्रारों को लेगी में सासवड़, पाठन और लोमावला में शीर्म तीन स्थान झांसिल किए। मध्य प्रदेश के महू छावनी बीर्ड को सबसे स्वच्छ झावनी बीर्ड पेट्रॉलियम मंत्री हरपीप पुरी तथा संविध मनोज जोती थे श्राविष्ठ थे। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपर्ध द्रोपदी मूर्मु ने कहा कि यह स्वच्छ सर्वेक्ष्ण स्वच्छता के स्तर को कुम्स ते जाने का समस स्वच्छ छल्का कड सॉकित किया मथ्छ। वारणसरी और प्रयागराज ने मससे रवनछ रंगा वर्डस में क्षेत्र वे पुरस्कार वीरी। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीस्याह ने सर्वसेष्ठ प्रदर्शन करने बाटो राज्य की सेणों में क्षेत्र

मर्केशन नजरवता के रहत को करपर ते जने 2 दिन पहलबर के 2007 के 2007 के 2007 कर कि इस वर्ष का निगम नेपट इन केल्प, करारे को खरव में परिवर्ति करता है, समय पाठनकर को दिन पर नेकर है। दानों ने कस कि पमार्टीय सुरवा, नीपा और सन्दर्भ कि पमार्टीय सुरवा, नीपा और सन्दर्भ के सुविधित करते के लिए भी प्राप्ती करम ठठाए वा रहे हैं। वे उस नगर्म है कि व्यवज फात मियान के दूसरों करण में अधिका से अधिका बन्दुओं को रीसड्लान पहलूं सीरी द्रा ना बोट मैं निजीद को और प्रेयुक्त करने संबंध प्रमुक्तर रक्तांगी सिंह पुरी ने कडा कि आज प्राप्त कराइर क्रस्ट अबसारणा का प्रार्थन किस का तरह है और

Rashtriya Sahara

New Delhi

स्वच्छता सर्वेक्षण में दो रैंक चढ़कर एनडीएमसी 7वें पायदान पर

पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में दो रैंक की छलांग लगाते हुए 7वीं रैंक हासिल की है। इसके अलावा एनडीएमसी कचरा मुक्त एवं वाटर प्लस प्रमाणित शहर के रूप में भी फाइव स्टार की श्रेणी में आ गई। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में इसकी घोषणा के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने पुरस्कार प्रदान किए। एनडीएमसी को तरफ से अध्यक्ष अमित यादव ने पुरस्कार प्राप्त किया। अध्यक्ष के साथ सचिव कृष्ण मोहन उप्पू, चिकित्साधिकारी डॉ दीपक मित्तल, नोडल अधिकारी डॉ शकुंतला श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता (सिविल) संजय अरोडा, कार्यकारी अभियंता सोएल मोणा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। समारोह में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, शहरी विकास मंत्री, मेयर, मिशन निदेशक एवं नगरायुक्त समेत अन्य अधिकारी भी थे। परिषद के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने भी इसके लिए एनडीएमसी की पूरी टीम को बधाई दी है।

पुरस्कार प्राप्त करते हुए एनडीएमसी के

नई दिल्ली (एसएनबी)। नई दिल्ली नगर अध्यक्ष ने कहा कि यह पुरस्कार उनके सेवा पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने स्वच्छता मानकों को स्थापित करने और अपने निवासियों

> कचरा मुक्त एवं वाटर प्लस प्रमाणित शहरों में भी पाया फाइव स्टार श्रणी का सम्मान

यह पुरस्कार उनके सेवा मानकों को स्थापित करने और अपने निवासियों को विश्व स्तरीय नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए एनडीएमी के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है : अमित यादव

 अगले साल शीर्ष तीन शहरों में शामिल होने का दिया लक्ष्य

को विश्व स्तरीय नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए एनडीएमी के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। स्वच्छता पुरस्कार और रैंकिंग प्राप्त करने का श्रेय पूरी टीम की कड़ी मेहनत को जाता है। परिषद के कर्मचारियों को बधाई देते हए उन्होंने कहा कि हम बीते साल दो रैंक आगे बढ़कर 7वें पर पहुंचे हैं। हमें नई दिल्ली को सर्वोत्तम सर्वांगीण सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पण और सुधार के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। हमें अगले साल शीर्ष तीन शहरों में पहुंचने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कचरा मुक्त भारत के द्रष्टिकोण के अनरूप है। स्वच्छ सर्वेक्षण के 8वें संस्करण की थीम कचरा मुक्त शहरों के लिए अपशिष्ट के धन पर आधारित है। केंद्र शासित प्रदेश में एनडीएमसी को सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लिए उन्होंने स्थानीय निवासियों का आभार जताया। यह सम्मान एनडीएमसी के अपशिष्ट प्रबंधन, जन जागरूकता अभियानों और अभिनव पहलों के समग्र दृष्टिकोण का एक प्रमाण है। इसके लिए वह सभी का आभार व्यक्त करते हैं। समुदाय के लोगों के सहयोगात्मक स्वरूप ने मील के इस पत्थर को हासिल करने में महती भूमिका निभाई है। परिषद अपने स्वच्छ और हरित शहर के अपने मिशन को निरंतर सहयोग के लिए तत्पर है।

नई दिल्ली क्षेत्र के लिए गर्व का पल

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद प्रशासित नई दिल्ली क्षेत्र ने केंद्र के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में 'सबसे स्वच्छ शहर' श्रेणी के तहत सातवां स्थान हासिल किया। बृहस्पतिवार को नतीजों की घोषणा की गई। इंदौर

और सूरत को देश में 'सबसे स्वच्छ शहर' चुना गया जबकि नवी मुंबई ने सर्वेक्षण में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा। एनडीएमसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'गर्व का पल! एनडीएमसी ने अखिल भारतीय स्वच्छ शहर श्रेणी में सातवां स्थान हासिल किया। नौवें स्थान से दो स्थान ऊपर सातवें पायदान पर पहुंचा एनडीएमसी। एनडीएमसी को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 पुरस्कार में कचरा मुक्त शहर और केंद्र शासित प्रदेश के भीतर सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार भी मिला। (

Hari Bhoomi

New Delhi

राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कृत हुआ स्वच्छ छत्तीसगढ़, पाटन को द्वितीय पुरस्कार

हरिभूमि ब्यूरो 🍽 नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ को देश के सबसे स्वच्छ राज्यों की श्रेणी में तृतीय पुरस्कार व पाटन को सबसे स्वच्छ शहर की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने राष्ट्रपति द्वैपद्धे मुर्मू के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया। कार्यक्रम में आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी शामिल रहे। केन्द्रीय आवासन ष्वं शहरी कार्य मंत्रालय ▶ शेष पेज 5 पर



राष्ट्रपति के हाथों ..

द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में अच्छे प्रदर्शन के लिए राज्य के पांच नगरीय निकाय रायपुर, पाटन, कुम्हारी, महासमुंद और आरंग को भी राष्ट्रीय अवार्ड दिया गया। छत्तीसगढ़ में एक लाख से अधिक आबादी वाले स्वच्छ शहर की श्रेणी में रायपुर को फाइव स्टार गार्बेज फ्री सिटी का दर्जा दिया गया है। वहीं, ईस्ट जोन में आरंग (जनसंख्या 15 से 25 हजार के बीच) स्वच्छ शहर, कुम्हारी (जनसंख्या 25-50 हजार), महासमुंद (जनसंख्या 50-1 लाख) को स्वच्छ शहर का दर्जा दिया गया है। गौरतलब है कि भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा हर साल देश के समस्त शहरों एवं राज्यों के मध्य स्वच्छ सर्वेक्षण का आयोजन किया जाता है। इसमें विभिन्न मापढंडों के अंतर्गत शहरी स्वच्छता का आंकलन किया जाता है। राज्यों एवं शहरों की रैंकिंग जारी कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों तथा शहरों को पुरस्कृत किया जाता है। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजू एस. सहित प्रदेश के कई नगरीय निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, अधिकारी. संभागीय व जिला समन्वयक तथा स्वच्छता दीदियां भी समारोह में शामिल रहीं।



स्वच्छतम शहर .

एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन ढूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इस बार महाराष्ट्र को पहला, मध्यप्रदेश को दूसरा और छतीसगढ को तीसरा स्थान मिला। पिछली बार मध्यप्रदेश पहले स्थान पर था। गंगा किनारे बसे सबसे साफ शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा मध्यप्रदेश के महु को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला है। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ़ को दिया गया। दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस बार कुल 9500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है। इसमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस पर 4525, सर्टिफिकेशन पर 2500 और पब्लिक फीडबैक पर 2475 ਫਿए ਗए। सफाई मित्रों में खुशी की लहर, ननि अध्यक्ष ने बांटी मिठाईः देश के शीर्ष 5 स्वच्छ शहरों की सूची में भोपाल के शामिल होने पर राजधानी में नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने मिलकर जश्न मनाया। माता मंदिर स्थित नगर निगम मुख्यालय में सफाई कर्मचारी एकत्र हुए और एक-दूसरे को बधाई

एकत्र हुए आर एक-ढूसर को बधाइ दी। नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सफाई मित्रों का मुंठ मीठा कराया। इस मौके सभी सफाई ¹मत्र ढोल बजाते हुए खुशी से नाचते नजर आए।





गया। 2016 में यह सर्वेक्षण शुरू हुआ जो अब सबसे बड़ा सर्वेक्षण बन गया है। 2014 में 14 से 15 प्रतिशत कचरे की प्रोसेसिंग होती थी, लेकिन अब 75 से 76 प्रतिशत तक कचरा प्रोसेस होता है।

आज दिल्ली स्वच्छता रैंकिंग में 90वें स्थान पर है : संचदेवा

 सीएम केजरीवाल ने दिल्ली को पेरिस बनाने का किया था वादा

को असंतोषजनक 59 प्रतिश अंक मिले हैं, जिसका मतलब है कि सड़कों से मुश्किल से 59 प्रतिशत कचरा हटाया जाता है। इसी तरह सर्वेक्षण में कहा गया है कि एमसीडी दिल्ली के केवल 71 प्रतिशत हिस्से में कचरा संग्रहण करती है, जिससे पता चलता है कि 29 प्रतिशत दिल्लीवासी खुली सड़कों पर कचरा फेंकने के लिए मजबूर हैं। घर-घर से कचरा संग्रहण के आंकड़े जब आवासीय और बाजार क्षेत्र की सफाई के साथ रखकर देखे जाते हैं तो हमें यह समझने का कारण मिलता है कि हम शहर की सड़कों पर कचरे के ढेर क्यों देखते हैं और आरडब्ल्युए इसकी शिकायत क्यों कर रहे हैं। आज घरों की बैकलेन में शून्य स्वच्छता है।

हरिभूमि न्यूज 🕨 नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शासन में दिल्ली की स्वच्छता सेवाएं सबसे खराब स्तर पर चली गई हैं। यह देखकर आश्चर्य होता है कि स्वच्छ भारत सर्वेक्षण में भाग लेने वाले देश के छोटे बड़े शहरों के सर्वेक्षण में राष्ट्रीय राजधानी 90वें स्थान पर है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद सचदेवा ने स्वच्छता मामले पर गुरूवार को केजरीवाल सरकार को घेरते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने वादा किया था कि जब एमसीडी पर आम आदमी पार्टी का शासन होगा तो हम दिल्ली की स्वच्छता के लिए अतिरिक्त संसाधन देंगे, लेकिन एक साल बाद आज दिल्लीवासी ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि आवासीय और बाजार क्षेत्र की सफाई में एमसीडी

Hari Bhoomi

Chandigarh

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 : राष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्री ने बांटे पुरस्कार

इंदौर-सूरत सबसे स्वच्छ शहर

2022 के सर्वे में मध्य प्रदेश सबसे साफ राज्य था 2022 में राजस्थान-महाराष्ट्र को पछाड कर मध्य प्रदेश देश का सबसे स्वच्छ



राज्य बन गया था। 100 से अधिक शहरों वाले राज्य में मध्य प्रदेश नंबर-1 पर आया था। वहीं, इंदौर ने सफाई का सिक्सर लगाया था। भोपाल भी सातवें से छठवें रैकिंग पर आ गया था। 2017 और 2018 में भोपाल देश का दूसरा

सबसे स्वच्छ शहर था। वर्ष 2016 में सिर्फ 73 शहर थे। तब भी इंदौर नंबर-1 पर रहा था। अब 4355 शहर इस दौड़ में शामिल थे।

> फिर भी इंदौर ने नंबर-1 का तमगा हासिल किया। इंदौर वर्ष 2017 से ही देशभर में नंबर-1 पर आ रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 में मध्यप्रदेश को कुल 27 सम्मान मिले थे। इसमें 18 शहर स्टार रेटिंग और 9 शहर स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए थे। वहीं, 2021 के सर्वेक्षण में कुल 35 अवॉर्ड मिले थे।

इंदौर, दि सूरत और नवी मुंबई को गार्बेज फ्री सिटी सेगमेंट में मिले 7 स्टार

दुनिया का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण

भारत का स्वच्छता सर्वेक्षण ढुनिया का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण है। शहरों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए 2016 में इसकी शुरुआत की गई थी। तब इसमें सिर्फ 73 प्रमुख शहरों को शामिल किया गया था। 2023 में 4500 से ज्यादा शहरों को लिस्ट में रखा गया था। इस बार सर्वे की थीम वेस्ट टू वेल्थ रखी गई थी। एक जुलाई से 3 हजार कर्मचारियों को इन शहरों में स्वच्छता का मूल्यांकन करने का काम सौंपा गया था। शहरों का आंकलन 46 पैरामीटर पर किया गया। इसमें करीब 12 करोड़ नागरिकों से फीडबैक लेने का लक्ष्य था।

@sukhchain

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का रिजल्ट जारी किया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापटटनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा। वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इस बार महाराष्ट्र को पहला. मध्य प्रदेश को दूसरा और छत्तीसगढ को तीसरा स्थान मिला। पिछली बार मध्य प्रदेश पहले स्थान पर था। गंगा किनारे बसे सबसे साफ शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा मध्य प्रदेश के महू को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला है। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ को दिया गया।

Clipped from - Haribhoomi Rohtak - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app

Hari Bhoomi

Bhopal





भोधाल । माता मंदिर निगम मुख्यालय में ननि अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने मिठाई बांटी ।

Dinakaran

Chennai

நாட்டின் தூய்மையான நகரங்கள் இந்தூர், சூரத் முதலிடம்

3வது இடத்தீல் நவி மும்பை

புதுடெல்லி, ஜன.12: தூய்மையான நகரங்கள் கணக்கெடுப்பு திட்டத்தின்கீழ் கடந்த 2016ம் ஆண்டு முதல் இந்தியாவிலுள்ள தூய்மையான நகரங்கள் கணக்கெடுக்கப்பட்டு பட்டியலிடப்பட்டு வருகின்றன. இந்த பட்டியலை குடியரசு தலை வர் திரவுபதி முர்மு நேற்று வெளியிட்டார்.

இந்த பட்டியலில் மத்தியபிரதேசத்தின் இந் தூர், குஜராத்தின் சூரத் ஆகிய நகரங்கள் முத லிடம் பிடித்துள்ளன. இந்தூர் தொடர்ந்து 7வது முறையாக முதலிடம் பெற்றுள்ளது. மகாராஷ்டி ராவின் நவி மும்பை 3வது இடம், ஆந்திராவின் விசாகப்பட்டினம் 4ம் இடம், டெல்லி மாநகராட்சி 7வது இடம், தெலங்கானாவின் ஐதராபாத் 9வது இடம் பிடித்துள்ளன. சிறப்பாக செயல்படும் மாநி லங்கள் பிரிவில் மகாராஷ்டிரா முதலிடத்தையும், மத்தியபிரதேசம், சட்டீஸ்கர் மாநிலங்கள் 2வது இடத்தையும் பெற்றுள்ளன.

Eenadu

Hyderabad

నిజాంపేట వగర పాలికకూ..

నిజాంపేట (హైదరాబాద్), స్యూసేటుడే: నిజాంపేట నగర పాలక సంస్థకు స్వచ్చ సర్వేక్షణ్-2023 అవార్తు దక్కింది. న్యూదిల్లీలోని భారత్ మండపంలో గురువారం జరిగిన స్వచ్చ సర్వేక్షణ్ అవార్తుల కార్య క్రమంలో నిజాంపేట మేయర్ కొలను నీలారెడ్డి, కమిషనర్ ఓరామకృష్ణా రావులు అవార్జుతోపాటు ప్రత్యేక జ్ఞాపికలను అందుకున్నారు. దక్షిణ బారం దేశంలో జనాభా ప్రాతపదికన జోనల్ స్థాయిలో క్రేవిసిటీ విభాగం కింద ఈ ప్రరస్కారం దక్కింది. కేంద్ర గృహనిర్మాణ, పట్టణ వ్యవహారాల శాఖ మండ్రి హరిట్వేసింగ్, మరో కేంద్ర మండ్రి కౌళల్ కిషోర్ చేతుల మీదుగా అవార్డులను అందుకున్నారు. గృహ, పట్టణ వ్యవహారాల శాఖ కేంద్ర కార్యదర్శి మనోజ్ కోషి తెలంగాణ రాష్ట్ర పురపాలక శాఖ అదనపు డైరెక్టర్ జాన్ శ్యాంసన్ పాల్గొన్నారు.



కేంద్ర మంత్రులు హెంబీప్ సింగ్, కౌశల్ కిషోర్ నుంచి అవార్న, జ్ఞాపికలను అందుకుంటున్న మేయర్ నీలారెడ్డి, కమిషనర్ రామకృష్ణారావు. చిత్రంలో రాష్ట్ర పురపాలక శాఖ అదనపు డైరెక్టర్ జాన్ శ్వాంసన్ తదితరులు

ఐదు నక్షత్రాల హైదరాబాద్

- వ్యర్థాల రహిత నగరాలకు రేటింగ్
- దేశంలో 9వ స్వచ్చ నగరంగా గుర్తింపు
- స్వచ్చ నర్వేక్షణ్-2023లో నత్తా

ఈనాడు, హైదరాబాద్

ద్ర ప్రభుత్వం జాతీయ స్థాయిలో SO చేపట్టిన స్వచ్ఛ సర్వేక్షణ్-2023 సర్వేల్ హైదరాబాద్ సత్తా చాటింది. వ్వర్తాల రహిత నగరాల విభాగంలో జాతీయ స్థాయిలో ఐదు నక్షత్రాల అవార్తు (5 స్టార్)ను సొంతం చేసుకుంది. మరో నాలుగు పురస్కారాలు కూడా లభిం చాయి. అవార్డులను కేంద్ర గృహ, పట్టణ వ్యవహారాల శాఖ మంత్రి హర్దీప్ సింగ్ వురి గురువారం దిల్లీలోని భారత్ మండపం భవన్లో జీహెచ్ఎంసీ కమి షనర్ రోనాల్డ్ రాస్క అందజేశారు. ఆయనతో పాటు పారిశుద్ద్య విభాగం అదనపు కమిష నర్ ఉ పేందర్ రెడ్డి, ప్రాజెక్ట్ మేనేజర్ భరత్, పారిశుద్య పర్వవేక్షకురాలు మంజుల పుర స్కారాలను స్వీకరించారు. పురస్కా రాలు ఆందడంపై మేయర్ గద్వాల్ విజయలక్ష్మి, ఉప మేయర్ శ్రీలత శోభ న్ రెడ్డి సంతోషం వ్యక్తం చేశారు. నగ

స్వచ్ఛ ర్యాంకుల్లో పురోగతి ఇలా				
సంవత్పరం	సర్వేలో పాల్గొన్న నగరాలు	జీహెచ్ఎంసీ ర్యాంకు		
2015	476	275		
2016	73	19		
2017	434	22		
2018	4041	27		
2019	4273	35		
2020	4384	23		
2021	4354	13		
2022	4354	10		
2023	4416	9		

రంలో రోజువారీ ఉత్పత్తయ్యే 8 వేల టన్నుల వ్యర్థాలను ఇళ్లనుంచి సేకరించి దగ్గర్తోని నిల్వ కేంద్రాలకు తరలించడం, అక్కడినుంచి జవహర్ నగర్ డంపింగ్ యార్డుకు తీసుకెళ్లి రీసైక్లింగ్ చేయడం, వ్యర్థాలను మండించి విద్యుత్తు, బయోగ్యాస్ తయారీ వంటి పర్యాపరణహిత విధానాలకు ఎక్కువ మార్కులు పడ్డాయి.

ఐదు పురస్మారాలు ఇవే..

- దేశంలో తొమ్మిదో పరిశుభ నగరం.
- ఐదు నక్షత్రాల రేటింగ్.
- తెలంగాణలోనే ఉత్తమ స్వచ్చ నగరం.
- తెలంగాణలో 5 నక్షత్రాల రేటింగ్ పొందిన మొదటి నగరం (జనాభా లక్షకుపైగా).
- మరోమారు వాటర్+ సిటీగా (ధువీకరణ.

'స్వచ్చ సర్వేక్షణ్'లో తెలంగాణకు అవార్డుల పంట

•జాతీయ స్థాయిలో నాలుగు పురస్కారాలు

ఈనాడు. హైదరాబాద్: పారిశుద్ధ్య నిర్వహణలో రాష్ట్రానికి కాతీయ స్థాయిలో పలు అవార్తులు దక్కాయి. స్వచ్చ సర్వేక్షజ్, గార్బేజ్ డ్రీ సిటీ విభాగాల్లో తెలంగాణలోని 20 ఫర పాలికలు 22 ఫురస్కారాలు సాదించాయి. ఏటా కేంద్ర గృహ నిర్మాణం, పట్టణాభివృద్ధి మంత్రిత్వ శాఖ దేశవ్యాప్తంగా వివిధ ప్రమాణాల మేరకు ఈ అవార్తులను ఇస్తుంది. 2023-24 సంవ తృరానికి గాను శుట్రమైన నగరాల (క్లీనెస్ట్ సిటీస్) విభాగంలో (గ్రేటర్ హైదరాబాద్ మున్నిపల్ కార్పొరేషన్ దేశంలో తొమ్మిదో స్థానంలో నిలవడంతో పాటు ఫైవ్సార్ సర్జిఫికెట్ను పొందింది. గుండ్లపోచంపల్లి, నిజాంపేట, సిద్ధిపేట మున్నిపా రిటీలు సైతం జాతీయస్థాయిలో అవార్తులు గెలుచుకున్నాయి. కోనల్ స్థాయిలో నిజాంపేట, సిద్ధిపేటలతో పాటు పిర్ణాది గూడ, నార్సింగి, ఇట్రపాంపట్నం, శంషాబాద్, నాగారం, తుర్కయంజాల్, బొల్లారం, అయిజ, ఆమీనోపూర్, బోడుపుల్,



కేంద్ర మంత్రి హర్షీపోసింగ్ నుంచి పురస్కారాలను అందుకున్న జీహెచ్ఎంసీ కమిషనర్ రౌనాల్డ్ రాస్, ఇతర అధికారులు

బండ్లగూడజాగీర్, మేద్చల్, దుబ్బాక, ఇల్లెందు, హుఱారాబాద్, ఆర్మూర్ పురపాలికలు గుర్తింపు పత్రాలను పొందాయి. గురువారం దిల్లీలో జరిగిన కార్యక్రమంలో ఆయా అవార్మలను కేంద్ర మంటి హర్దీపెసింగ్ అందజేశారు. జీహెచ్ఎంసీ కమిషనర్ రొనాల్డ్ రాస్, ఇతర ఆధికారులు పాల్డొన్నారు.

Sakshi

Hyderabad

స్వచ్చతలో 5వ ర్యాంక్

తెలంగాణకు మొత్తం నాలుగు జాతీయ అవార్తులు

- క్లీన్ సిటీ కేటగిరీలో జీహెచ్ఎంసీకి 9వ ర్యాంక్
- చెత్త రహిత నగరాల్తో
- హైదరాబాద్ ు 5 స్మార్ రేటింగ్ • అవార్తులు అందజేసిన
- రాష్ట్రపతి దౌపదీ ముర్ను

సాక్షి, న్యూఢిల్లీ: కేంద్ర ప్రభుత్వం ఏటా అందజేసే ట్రతిష్టాత్మశ స్వచ్చ సర్వేశ్లడ్ అవార్కల్లో తెలంగాణ నత్తా చాటింది. పరిశుభమైన నగరాలు (క్లీస్ సిటీస్), అతి పరిశుభ్రమైన (క్రీనెస్ట్) కంటోన్మెంట్, సఫాయిమిత్ర సురక్ష, గంగా టౌన్స్, మంచి పని తీరు కనబరచిన రాష్ట్రాలు (బెస్ట్ పెర్ఫార్మింగ్ స్టేట్స్) కేటగిరీలన్నీ కలిపి 110 అవార్తులను కేం దం ప్రకటించింది. ఇందులో తెలంగాణకు ్లాలు బాతీయ అవార్తులు లభించగా.. మొత్తం 3,029.52 పాయింట్లతో రాష్ట్రం 5వ స్థానంతో నిలిచింది. ఇక ఈ ఏథాది క్లీనెస్డ్ సిటీ అవార్తను ఉమ్మడిగా ఇండోర్, సూరత్లు గెలుచుకున్నాయి. ఆల్ండియా క్లీన్ సిటీ కేటగిరీలో గ్రోటర్ హైదరా బాద్ మున్సిపల్ కార్పొరేషన్ (జీహెచ్ఎంసీ) 9వ ర్యాంకును కైవసం చేసుకుంది.



క్లీన్ సిబీ అవార్ను అందుకుంటున్న సిద్ధిపేట మున్నిపల్ చైర్ పర్వన్ మంజుల, కమిషనర్ సంపత్. చిత్రంలో జీహెచ్ఎంసీ కమిషనర్ రోనాల్డ్ రాస్ తబితరులు

లక్ష కంటే తక్కువ జనాభా ఉన్న కేటగిరీలో తెలంగాణలో క్లీష్ సిటీగా గుండ్ల పోచంపల్లి ఆవార్య గెలుచుకుంది. 25 వేలు -50

వేలు జనాభా కేటగిరీలో సాత్ జోన్లో క్లీన్ కంటోస్మెంట్, పీర్తాదిగూడ, సిరిసిల్ల, భువనగరి, కేటగిరీలో సాత్ జోన్లో క్రీన్ సిటీగా సిద్ధిపేట 45, వాటర్+ కేటగిరీలో 2 స్థానిక సంస్థలు పురీలు అవార్తులను అందజేశారు.

మలికొన్ని అవార్డులు

ఉన్నాయి. చెత్త రహిత నగరాల్లో హైదరాబాద్ 5 స్పార్ రేటింగ్ ຕາກາ, సిద్దిపేట, నిజాంపేట్, గుండ్ల పోచంపల్లి, సికిందాబాద్

సిటీగా నిజాంపేట్ 50 వేలు - 1 లక్ష జనాభా నార్సింగి స్థానికి సంస్థలకు 1 స్థార్ రేటింగ్ ఇచ్చారు. గురువారం ఢిల్లీలోని భారత మం స్తానిక సంస్థలు అవార్తులు శైవసం చేసుకు డపంలో కేంద్ర గృహ నిర్మాణం, పట్టణ న్నాయి. తెలంగాణ రాష్ట్రంలోని మొత్తం 142 వ్యవహారాల మంత్రత్వ శాఖ ఆధ్వర్యంలో పట్టణ స్థానిక సంస్థల్లో డ్ డీఎఫ్ కేటగిరీలో 19. ఏర్పాటు వేసిన ప్రత్యేక కార్యక్రమంలో రాష్ట్రపతి ఓడీఎఫ్+ కేటగిరీలో 77. ఓడీఎఫ్++ కేటగిరీలో (ద్రౌపదీ ముర్ము, కేంద్ర మంత్రి హర్దీప్ సింగ్

8385.0058

මපංඥාන් ම ව විදුම් ඉති ඉති ඉති

రాష్ట్రంలోనే క్లీన్ ఓటీగా గుర్తించు
 పొటర్ ప్లస్ ఓటీగా లీ నర్దపైడ్



సంవత్తరాల వారిగా.. 0600 anguls 476 275 73 434 19 22 4041 4273

27 35

గార్పిజ్ ఫ్రీ పెటీ కిండ ఫ్రీ స్టార్ హోవాను పాలదిం ది. జాజాగా స్పన్న సర్యేజ్-2002కథ ప్రెదిస్తిర్ ల్యాంకింగ్ పాలదింది. ర్యాంకింగ్ కోవం...

ల్లో రైటీల్ కోసిసి. గార్చీక ఫ్రీ పిర్మీగ ఉత్తమ బ్యాంకింగ్రోల్ గర్నం, పురస్తేందుకు వివిధ అంగాంకు చెరిగబురిల్ సీసుకుబారు. వాటిల్ అందికునే నుండి రెక్కి సంగ్రీ ప్రతి సింటిపిక్ ల్యాంకెఫింగ్, బరారంగ ప్రవే ఇంటి ప్రెంటిపిక్ ల్యాంకెఫింగ్, జరిగ్ ప్రవే ఇంట్లో చెర్ల మీడుకులూ కురిమాలాల చెరించి, చెరు వులు ప్రోటుర్ల క్రీసింగ్, ప్రార్టీ ప్రధాణ, విద్యాం, యారించేతు చిర్రాలు చిర్రహం పాప్పెవరల వ్యక్తాల సర్వహణ పైద్ ప్రాదాగా..

స్టైన్ పుర్రాగ్లో ఉదిర ముర్రం కరిగి మార్కులకు గానకు కరిసార్ ఎందీ 8,000 కూర్పులు హిందింది. సైదిస్తార్ హోపా సిందిన మెరూల్లో జరియిగా సరిపెంది. శావించింది సిందిన పోరుల్లు కాళికు జాగి. ఇందింది నుంచి లక్తి సిందిను 88 రాజ్ లక్షి ఉద్యుల్ జరిరిట్లు గురి గాతం మారు ప్రాజించింది. సిందిను 100 గాతం మారు ప్రాజించింది. సిందిను 100 గాతం మిరుగ్ల కులులో చిరిట్లుడు 100 గాతం మిరుగ్ల కులుడు 11 రాతం పట్టికి జందురల్లు పట్టికు 100 గాతం

'క్లీన్సిటీ'ల్లో విశాఖకు నాలుగో స్థానం

 విజయవాదకు ఆరు,
 తిరుపతికి ఎనిమిదో స్థానం
 'ఫాస్ట్ మూవింగ్ సిటీ:విభాగంలో గుంటూరుకు రెందో ర్యాంకు

సాక్షి న్యూడిల్లీ/సాక్షి అమరావతి/సాక్షి నెట్చర్చ: కేంద్ర ప్రభుత్వం ప్రకటించిన స్వచ్ఛ నర్ఫేక్ష జ్–2023 ర్యాంకుల్లో ఆంద్రప్రదేశ్కు అవార్యల చం ఓ పండింది, జాతీయ స్థాయిలో ఫైవ్స్టార్ రేటిం గ్స్ తో నాలుగు కార్పొరేషన్లు 'క్షీన్సీటీ' అవార్యల ను సొంతం చేసుకుని దక్షిణ భారతదేశంలో ఆంధ్ర ప్రదేశ్ నంబర్వన్గా నిలిచింది. దేశంలో అత్యు త్రమ నగరాలుగా (గేటర్ విశాఖ, విజయవాడ, తిరు పతి, గుంటూరు నగర పాలక సంస్థలు ఈ అవార్మలు దక్కించుకున్నాయి. ముఖ్యంగా గేటర్ విశాఖపట్నం మున్నిపల్ కార్పొరేషన్కు అలిం



డియా 4వ ర్యాంకు, విజయవాడ మున్నివల్ కార్పొ రేషన్కు 6వ ర్యాంకు, తిరుపతి మున్నివల్ కార్పొ రేషన్కు 8వ ర్యాంకు లభించింది. అలాగే, ఫాస్ట్ మూచింగ్ సిటీ విభాగంలో గుంటూరు మున్నిపల్ కార్పొరేషన్కు 2వ ర్యాంకు లభించింది. ఇక సీఎం వైఎస్ జగన్ నియోజకవర్గమైన పురివెందులకు 'క్లీన్ సిటీ ఆఫ్ ఏపీ అవార్న లభించింది. స్వచ్చ భారత్ మిషన్ రూపొందించిన సర్వీస్ లెవల్ ప్రోగౌస్, సర్జిఫికేషన్, సిటిజన్ వాయిస్కి సంబం థించి 9,500 మార్కులకు గాను గ్రోటర్ విశాఖ

మున్సిపల్ కార్పొరేషన్ (జీపీఎంసీ) 8,879.25 మార్కులు సాధించి నాలుగో స్థానంలో నిళిచింది. అలాగే చెత్తరహత నగరాల్లో ప్రైవేస్తార్ రేటింగ్ను విశాఖ సాధించింది. మరోవైపు 2021, 2022, 2023 సంవత్సరాలలో గ్రేటర్ విశాఖ బెస్ట్ సిటీ ఇన్ సిటిజన్ ఫీడ్ బ్యాక్, క్లీన్ బిగ్ సిటీ.. విజయవాడ కార్పొరేషన్ ఇండియా క్లీనెస్ట్ సిటీ, క్లీన్ స్టేట్ క్యాపి టల్ జాతీయ అవార్తలను వరుసగా సాధించి హ్యాటిక్ సాంతం చేసుకున్నాయి. ఇక తిరుపతి నగరం బెస్ట్ స్మాల్ సిటీ ఇన్ సిటిజన్ ఫీడ్ బ్యాక్ (2021), సఫాయిమిత్ర సురక్షిత్ (పెసిడెంట్ అవార్న (2022), జాతీయ అవార్న (2023) దక్కిం చుకుంది. పుంగమారు పురపాలక సంఘం 2021, 2022లో బెస్ట్ సిటీ ఇన్ సిటిజన్ ఫీడ్ బ్యాక్ ఆవార్శను, ప్రేలివెందుల 2022లో ఇన్నోవేషన్, బెస్ట్ ప్రాక్టీస్ అవార్మ, 2028లో స్టేట్ అవార్మను దక్కించుకున్నాయి.

Divya Bhaskar

Ahmedabad

ગુજરાતનાં 6 શહેર ટોપ 100માં, ગત વર્ષે 8 હતાં, સુરત દેશમાં પ્રથમ તો જામનગર છેક 83મા ક્રમે

શહેર	रेन्ड	ગુણ (9500)	रेन्ड 2022		
સુરત	1	9348.4	2	(નોંધ:1લાખથી	
અમદાવાદ	15	8041.5	18	(બાવ - 1 લાખવા વધુ વસતિ ધરાવતાં શહેરોની શ્રેણી. 2022માં ભાવનગર 67 ક્રમે હતું, વાપીનો રેન્ક 99 હતો.)	
રાજકોટ	29	7465.8	16		
ગાંધીનગર	30	7453.4	33		
વડોદરા	33	7344.2	45		
જામનગર	83	6198.1	74		

અમદાવાદ ા પહેલીવાર ગુજરાતનું કોઇ શહેર 2016થી શરૂ થયેલા સ્વચ્છતા સર્વેક્ષણમાં પ્રથમ ક્રમે આવ્યું છે. સ્વચ્છ સર્વેક્ષણ 2023માં દેશમાં સુરત અને ઇન્દોર શહેર સંયુક્ત રીતે પ્રથમ ક્રમાંકે આવ્યાં છે. ગયા વર્ષે સુરત બીજા ક્રમે રાજરાસ્તરે સૌથી સ્વચ્છ સ્મોલ ટાઉન બન્યું બાંટવા લે શહેરોનો સમાવેશ થયો છે. સ્વચ્છ સર્વેક્ષણ 2022માં 8 શહેર હતા. અમદાવાદ 18મા સ્થાને હતું, જે 2023માં 15મા ક્રમે આવી ગયું છે. જ્યારે રાજકોટ 16મા સ્થાનેથી સરકીને 29 ક્રમે પહોંચી ગયું છે. ગાંધીનગર 3 સ્થાન આગળ વધી 30મા ક્રમે પહોંચ્યું છે.

Gujarat Samachar

Ahmedabad

<u>સ્વચ્છતા સર્વેક્ષણ એવોર્ડસ ૨૦૨૩નું રાષ્ટ્રપતિને હસ્તે વિતરણ</u> સુરત સૌથી સ્વચ્છ શહે રાજ્યોમાં નવી દિલ્હી, તા. ૧૧ | મુંબઈએ ત્રીજો ક્રમ જાળવી રાખ્યો છે. દેશના સૌથી સ્વચ્છ

કેન્દ્ર સરકારના વાર્ષિક સ્વચ્છ સર્વેક્ષણ એવોર્ડસ રાજ્યોમાં બેસ્ટ પરફોર્મિંગ કેટેગરીમાં પ્રથમ ક્રમ મહારાષ્ટ્રને મળ્યો છે તો બીજા ક્રમે મધ્યપ્રદેશ અને ત્રીજા ક્રમે છત્તીસ ગઢ સાતમા વર્ષે દેશનું સૌથી સ્વચ્છ શહેર જાહેર થયું છે તો રહ્યું છે. ગયા વર્ષે મધ્યપ્રદેશ સૌથી સ્વચ્છ રાજ્ય જાહેર થયું

(પીટીઆઈ) ૨૦૨૩ના ગુરૂવારે જાહેર થયેલાં પરિણામોમાં ઇન્દોર સતત સુરતને પણ ઇન્દોરની સાથે પ્રથમ ક્રમ મળ્યો છે. જ્યારે નવી [†]હતું.

દોર સતત સાતમીવાર પ્રથમ ક્રમે, એકલાખ કરતાં ઓછી મહારાષ્ટ્રનુ સાસવડ પ્રથમ શહેરોમાં ધરાવતા

મધ્યપ્રદેશનું મઉ પ્રથમ સ્થાને છે એ પછી દેવલાલી અને અમદાવાદનું સ્થાન છે. રાષ્ટ્રપતિ દ્રીપદી મૂર્મુએ વિજેતાઓને એવોર્ડસ વિતરિત કર્યા હતા અને આ સમારોહમાં કેન્દ્રના આવાસ અને શહેરી બાબતોના પ્રધાન હરદીય પુરી હાજર રહ્યા હતા.રાષ્ટ્રપતિએ જણાવ્યું હતું કે ભારતની એક તૃતિયાંશ વસ્તી શહેરોમાં વસે છે અને શહેરોની સ્વચ્છતા તેમના આરોગ્ય અને વિકાસ માટે આવશ્યક છે. દેશના એક લાખ કરતાં વધારે વસ્તી

ધરાવતાં સૌથી સ્વચ્છ શહેરોની યાદીમાં પ્રથમ ક્રમે ઇન્દોર અને સુરત રહ્યા હતા. આ યાદીમાં નવી મુંબઇ, ગ્રેટર વિશાખાપદનમ, ભોષાળ, વિજયવાડા, નવી દિલ્હી, તિરૂપતિ, ગ્રેટર હૈદરાબાદ અને પૂર્ણનો સમાવેશ થાય છે. જ્યારે સૌથી સ્વચ્છ રાજ્યોમાં ચોથા ક્રમે (અનુસંધાન ૧૩મે પાને)



ľ

યાદીમાં પ્રથમ ક્રમે વારાણસી છે એ પછી પ્રયાગરાજ, બિજનૌર, હરિદ્વાર, કન્નોજ, પટણા, ૠષિકેશ, કાનપુર, રાજમહલ અને શાહીગંજ છે.આ યાદીમાં છેલ્લું સ્થાન છપરાંને મળ્યું છે. સૌથી સ્વચ્છ કેન્ટોનમેન્ટ બોર્ડઝમાં

સૌથી સ્વચ્છ શહેરોની યાદીમાં છેલ્લા ત્રણ શહેરો પશ્ચિમ બંગાળના છે. માધ્યમગ્રામને ૪૪૪મું સ્થાન, કલ્યાણીને ૪૪૫મું સ્થાન અને હાવરાને ૪૪૬મું સ્થાન મળ્યું છે. રાજ્યોમાં પણ છેલ્લા

૮૮ સ્વચ્છ ગંગા શહેરોની યાદીમાં પ્રથમ ક્રમે વારાણસી

ત્રણ સ્થાન રાજસ્થાન, મિઝોરમ અને અરૂણાચલ પ્રદેશને મળ્યા છે.

એક લાખથી ઓછી વસ્તી ધરાવતાં શહેરોમાં મહારાષ્ટ્રના સાસવડને દેશમાં સૌથી સ્વચ્છ શહેર તરીકે પ્રથમ ક્રમ મળ્યો છે. બીજા ક્રમે છત્તીસગઢનું પાટણ અને ત્રીજા ક્રમે મહારાષ્ટ્રનું લોનાવાલા છે. જ્યારે છેલ્લા ક્રમે નાગાલેન્ડનું પુંગરો શહેર છે. ૮૮ સ્વચ્છ ગંગા શહેરોની



Pratah kaal

Jaipur

इंदौर-सूरत देश के सबसे स्वच्छ शहर

Rank

दुनिया ठा सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वक्षण भारत का स्वच्छता सर्वेक्षण दुनिया का सबसे बढ़ा शहरो स्वच्छता सर्वेक्षण है। शहरों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए 2016 में इसकी शुरूआत की गई थी। स्वच्छता सर्वेक्षण के 8वें सीजन के तहत 2023 में 4500 से ज्यादा शहरों को लिस्ट में रखा गया था। इस बार सर्वे की थीम वेस्ट टू वेल्थ रखी गई थी। एक जुलाई से 3 हजार कर्मचारियों को इन शहरों में स्वच्छता का मूल्यांकन करने का काम सौंपा गया था। शहरों का आंकलन 46 पैरामीटर पर किया गया। करीब 10 करोड़ नागरिकों से फीडबॅक लेने का लक्ष्य था। शहरी स्वच्छता सर्वक्षण के लिए रैंकिंग के पैरामीटर

स्वच्छता सर्वेक्षण में साफ और गदगी मुक्त शहरो को रैंकिंग तय करने के लिए कई पैरामीटर इस्तेमाल किए जाते हैं। इसमें घर-घर कुझ इकट्ठा करने से लेकर प्लास्टिक वाले कचरे का मैनेजमेंट तक शामिल है। इस बार 'मैनहोल' को 'मशीन होल' में बदलने पर जोर देते हुए सफाईमित्र सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई थी। इसके लिए दौगुने अंक बढाए गए थे। वेस्ट ट वंडर पार्क का नया पैरामीटर भी जोड़ा गया था। जिन शहरों ने इस पैरामीटर को पुरा किया, उसे नंबरों में 2% वेटेज दिया गया। शहरों से निकले कुड़े का तकनीक की मंदद से कितना और क्या उपयोग किया जा रहा है, इस पर 40% वेटेज गया। इसके अलावा रेड स्पॉट दिया (कॉमर्शियल/रेसिडेंशियल एरिया में थूकना) को भी एक नए पैरामीटर के रूप में जोड़ा गया था।

राज्यों में महाराष्ट्र नंबर वन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरूवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का रिजल्ट जारी किया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्टनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा।

वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इंस बार महाराष्ट्र को पहला, मध्य प्रदेश को दसरा और छत्तीसगढ़ को तीसरा स्थान मिला। पिछली बार मध्य प्रदेश पहले स्थान पर था। गंगा किनारे बसे सबसे साफ शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर रहा। दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति दौपदी मुर्म और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस बार कुल 9500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है। मध्य प्रदेश के महू को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला है। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ को दिया गया।

Uttam Hindu

Chandigarh



शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दुसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा मध्य प्रदेश के मह को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला है। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ को दिया गया। दिल्ली के भारत झेब पेज 9 🕨

दसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इस बार महाराष्ट्र को पहला, मध्य प्रदेश को दूसरा और छत्तीसगढ को तीसरा स्थान मिला। पिछली बार मध्य प्रदेश पहले स्थान पर था। गंगा किनारे वसे सबसे साफ

उत्तम हिन्दू न्युज नेटवर्क नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का रिजल्ट जारी किया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सुरत को भी इंदौर के साथ संयक्त रूप से पहला स्थान मिला। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापटें टनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा। वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ का पाटन

इंदौर-सूरत देश ..

मंड्यम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस बार कुल 9500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है । इसमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस पर 4525, सर्टिफिकेशन पर 2500 और पब्लिक फीडबैक पर 2475 दिए गए।

Yugmarg

Chandigarh

Chandigarh adjudged best city in country for Safaimitra Surakshit Shehar

SHASHI PAL JAIN CHANDIGARH, JAN 11

The City Beautiful Chandigarh has achieved a remarkable feat by clinching the first place as Safaimitra Surakshit Shehar in the prestigious Swachh Survekshan 2023 Awards. This recognition not only underscores the city's commitment to creating a safe and clean environment for its residents but also emphasizes the welfare and security of the Safaimitra's in keeping the city clean. During the grand according of the

During the award ceremony at Bharat Mandapam, New Delhi, city Mayor Sh. Anup Gupta, UT Adviser Sh. Nitin Kumar Yadav, IAS, Munieipal Commissioner Ms. Anindita Mitra, IAS and Chief Engineer MCC Sh. N.P. Sharma had the honor of receiving the award from Her Excellency, the President of India Smt. Droupadi Murmu. Their dedication and leadership have been instrumen-



tal in leading Chandigarh towards this significant achievement.Mayor Anup Gupta expressed his delight and stated, "This award reflects the persistent efforts of the Municipal Corporation and the unwavering support of the citizens and stakeholders. It is a testament to our commitment to transforming Chandigarh into a clean and sustainable city,"Municipal Commissioner Anindita Mitra con-

veyed her happiness and shared that, "Chandigarh has made substantial progress in its journey from man hole to machine hole.

The city's consistent efforts led to an impressive 11th rank at the national level in the Swachh Survekshan 2023 Awards. This notable advancement, underscores the concerted efforts of the Municipal Corporation and its commitment to improving the eity's cleanliness and sanitation standards." She dedicated the award and expressed gratitude to all stakeholders, eitzens, and Safaimitra's for their valuable contributions and support in achieving these remarkable milestones. This recognition serves as evidence of the eity's ongoing efforts to create a sustainable and clean environment for all its residents.

The New Indian Express

Chennai

No TN city in top 100 entries of cleanliness rankings 2023

EXPRESS NEWS SERVICE @ Chennai

@ chennai

NO city in Tamil Nadu has managed to feature in the top 100 entries of the Swachh Survekshan rankings for the year 2023. The annual cleanliness rankings were announced by the Ministry of Housing and Urban Affairs on Thursday.

In the category of cities with a population of more than a lakh, Tiruchy comes in at rank 112, followed by Thoothukudi at 179th place, Coimbatore at 182, Chennai at 199 and Madurai at rank 311.

However, the overall performance of the state has improved slightly, climbing up from 13th rank in the 'best performing states' category last year, to the tenth rank this year. Maharashtra and Madhya Pradesh hold the first two positions respectively.

"In this 8th edition, we have received feedback from 12 crore people," said Minister for Housing and Urban Affairs Hardeep Singh Puri.

Surat and Indore, two cities that have maintained their place at the top for six consecutive years, were adjudged the cleanest cities in the country this year too.

Jagruk Times

Jaipur



Aaj Samaj

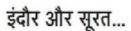
Chandigarh



Divya Himachal

Shimla





9500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है। इसमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस पर 4525, सर्टिफिकेशन पर 2500 और पब्लिक फीडबैक पर 2475 अंक दिए गए। स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में इंदौर, सूरत और नवी मुंबई को गार्बेज फ्री सिटी सेगमेंट में 7 स्टार रेटिंग मिली है। गार्बेज फ्री सिटी के लिए डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, वेस्ट जेनरेशन और प्रोसेसिंग, वेस्ट ट्रीटमेंट, रेजिडेंशियल और कॉमर्शियल एरिया में सफाई, जल संरचनाओं की सफाई, पब्लिक टॉयलेट्स की सफाई को पैरामीटर के तौर पर रखा गया था।

Indu Tamil Thisai

Chennai

நாட்டின் தூய்மையான மாநீலங்கள் பட்டியலில் மகாராஷ்டிரா முதலிடம்

• புதுடெல்லி

மத்திய அரசின் வருடாந்திர தூய்மைக் கணக்கெடுப்பில் இந்தியாவின் தூய்மையான மாநிலமாக மகாராஷ்டிரா தேர்வு செய்யப்பட்டுள்ளது. தூய்மை இந்தியா திட்டத்தில், கடந்த 2016 முதல் மத்திய அரசு தூய்மைக் கணக்கெடுப்பு நடத்தி வருகிறது. இதில் தேர்வு செய்யப்படும் நகரங்கள் மற்றும் மாநிலங்களுக்கு 'ஸ்வச் சர்வேக்ஷன்' விருதுகளை வழங்கி வருகிறது. இந்த விருதுக்கு 2023–ம் ஆண்டுக்கான தரவரிசையை மத்திய வீட்டுவசதி மற்றும் நகர்ப்புற விவகாரங்கள் துறை வெளி யிட்டுள்ளது. இதில் மாநிலங்களுக்கான தரவரிசையில் மகாராஷ்டிரா முதலிடத்தில் உள்ளது. மத்தியபிரதேசம் 2–வது இடத்திலும் சத்தீஸ்கர் 3–வது இடத்திலும் உள்ளன.

இதுபோல் மத்திய அரசின் தூய்மையான நகரங்களுக்கான தரவரிசையில் மத்தியபிரதேசத்தின் இந்தூரும் குஜராத்தின் குரத் நகரமும் முதலிடத்தை பிடித்துள்ளன. நவி மும்பை 3–வது இடத்தை பிடித்துள்ளது. இந்தூர் 7–வது ஆண்டாக, நாட்டின் தூய்மையான நகரமாக தேர்வு செய்யப்பட்டுள்ளது. இதுபோல் 1 லட்சத்துக்கு கீழ் மக்கள் தொகை கொண்ட நகர்ப்புறங்களில் மகாராஷ்டிராவின் சாஸ்வாத் முதலிடம் பிடித்துள்ளது. சத்தீஸ்கரின் பதான் இரண்டாவது இடத்தையும் மகாராஷ்டிராவின் லோனாவ்லா மூன்றாவது இடத்தையும் பிடித்துள்ளன.

2023–ம் ஆண்டுக்கான 'ஸ்வச் சர்வேக்ஷன்' கணக்கெடுக் கெடுப்பில் 4,447 நகர்ப்புற உள்ளாட்சி அமைப்புகள் பங்கேற்றன. 12 கோடிக்கும் அதிகமாக மக்களிடம் கருத்துகள் பெறப்பட்டன.

தேர்வு செய்யப்பட்ட மாநிலங்கள் மற்றும் நகரங்களுக்கு குடியரசுத் தலைவர் திரவுபதி முர்மு நேற்று 'ஸ்வச் சர்வேக்ஷன்' விருதுகளை வழங்கினார்.

Himachal Dastak

Shimla



शानों को लिस में रखा मया था।

पर था। गंगा किनारे बसे सबसे साफ सिक्सर लगाया था।

CMYK

Dainik Navjyoti

Jaipur



इसमें करीब 12 करोड़ जामरिकों से फ्रीडीक

लेने का लख्य था।

Dinamani

Chennai

நாட்டின் தூய்மை நகரம் இந்தூர்: தொடர்ந்து 7–ஆவது ஆண்டாக தேர்வு

புது தில்கி இன் 11: நாட்டின் தூப் மையான நகரமாக தொடர்ந்து ுஆவது ஆண்டாக மத்திய பிர தோத்தின் இந்தூர் நலாம் தேர்ந நெருக்கப்பட்டுள்ளது. இந்தூரு டன் குரத் முதலிடத்திலும் நனி மும்பை 3-ஆவது இடத்திலும் a sit awant.

கடத்த ஆண்டின் தூப்மை நக ரங்களுகளின் விருதுகள் வியா ழக்கிழமை அறிவிக்கப்பட்டன. தாட்டின் 4,447 தகர உள்ளாட்சி அமைப்புணில் நடத்தப்பட்ட கணக்கெடுப்பில் 12 கோடி மக்க ថា ភេឡូវែលក្រ ក្នុងវេល។ និងតំបែង តាំហាព្រង -51-

வியாழக்கிழனம தல்லால் ஸ்பாழக்கழமை நடைபெற்ற திகழ்ச்சியில் கலந்து கொண்டு வெற்றி பெற்ற நகரங் களின் பிரதிதிதிகளிடப் விருது களை வழங்கி குடியரகத் தலைவர் இரைனபடு முர்மு கௌரவித்தார். மத்திய வீட்டுவசதி மற்றும் நகர்ப் புற விவகாரங்கள் துறை அமைச் சி ஹர்தீப் சிங் புசி, துறைச் செய லர் மனோத் தோஷி ஆகியோ ரும் தியூர்சியில் பக்கேற்றார்.

ராட்டில் தூல்மையான நகா னது. மாக தொடர்ந்து 7-ஆவது ஆன் 90 டாக மத்திய பிரதோத்தில் இநு வான



நாட்டின் தும்மையான நகாத்துக்கான விருதை மத்திய பிரதேச முதல்லர் மோகன் யாதவிடம் அளித்த குடியாகத் தலை திரொபதி முர்மு. உடன் மத்திய வீட்டு வசதி, நகா விவகாங்கள் அமைச்சர் ஹாதீப் சிங் புரி உற்றிட்டோர்.

511 GaligGy@aninn' Hohm 51. தும் குறிதல்குகள் குறைக்குக்கு இந்துமுடன் குறாந்தின் கூரத் தனமும் முதலிடத்தைப் பலிர்த்து கொள்கிறது. மனராஷ்டிரத்தின் நன் மும்பை 3-ஆவது இடத்தி இம். ஆந்திரத்தில் வீசாலப்பட்டி லம் 4-ஆவது இடத்திலும் உள்

20 வான மக்கள்தொகை கொண்ட ஆம் இடத்திலும் உள்ளன.

தாய்யை தகரங்களில், மகாராஷ் டிரத்தின் சாஸ்வத் முதலிடத்தில் உள்ளது. அடுத்தடுத்த இடங்க வில் சத்தில்கரின் பதான், மகராஷ் புரத்தின் லோனாவாலா 3-ஆம் இடத்தில் உள்ளன. கங்கை ஆற்றங்களையோர

தூய்யை நகரங்களில் வாரணாசி ல சத்துக்கும் குறை முதலி திறைய், பிரயாகராஜ் 2-

Anismourten ad GL 7 au தால் மென்ட் வாரியமாக மத்திய பிர தேசத்தின் மோவ் கன்டோன் மென்ட் தேர்த்தெடுக்கப்பட்டுன் னது. தூய்மை சார்ந்து சிறப்பாக சொல்பட்ட மாதிலங்கள் பட்டி யலில் மகாராஷ்டிரம் முதலிடத் தலும், மத்திய பிரதேசம் 2-ஆம் இடத்திலும் சத்தில்மர் 3-ஆவது இடத்திலும் உள்ளன.

Himachal Savera

Shimla

रवच्छता सर्वेक्षण में राजधानी शिमला को मिला स्टेट अवॉर्ड

महापौर सुरेंद्र चौहान ने ग्रहण किया सम्मान, अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम रही साथ

किसी शहर को सर्वेक्षण में स्टेट अवार्ड मिला हैं। उन्होंने कहा कि यह नगर निगम और शहरवासियों के सहयोग से संभव हुआ है जिसमें नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को सबसे बडा योगदान है। सम्मान समारोह में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व सफाई कर्मचारी भी शामिल हए।

सवेरा ब्यरो

शिमला, 11 जनवरी : केंद्रीय सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण में राजधानी शिमला को स्टेट अवार्ड मिला है। वीरवार को दिल्ली में आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण सम्मान समारोह में नगर निगम शिमला को सम्मानित किया गया। इसके लिए महापौर सुरेंद्र चौहान, आयुक्त भूपेंद्र अत्री, कंनाधार के पार्षद राम रतन वर्मा और कनलोग वार्ड के पार्षद आलोक पठानिया और नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। महापौर सुरेंद्र चौहान ने बताया कि वह नगर निगम शिमला सहित पुरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि पहले बार प्रदेश के

Aapka Faisla

Shimla

रक्छ सर्वेक्षण गंगा नदी के किनारे बसे स्वच्छ शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर इंदौर व सूरत भारत के सबसे स्वच्छ शहर, राज्यों में महाराष्ट्र नंबर वन

नक विक्रांस, (एनसास)। कह सारकार ज मुलवार को स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 का रिजवर जारी किया। एक लाख से अधिक आबादी वाले राहरों में सालमों बत इंसीर पहले स्वान घर राहा। सुरत को भी इंदीर के मास संयुक्त कप से पहला साजन फिला। मातराष्ट्र का गवी सुंबई तीसरे, आंध प्रदेश का विद्यात्वापर्ट्रस्म वीचे और सभा प्रदेश

भा प्रवर्गायार्थ्य प्रवर्ग क्रम कर राज्य उनक का भोपाला खंधवे कंस्म पर राग वहाँ एक लाख से कम आबादी वाले राठ्यों में महाराष्ट्र का समस्वाध पहले. छतींमलाई का चडरा दूसरे और महाराष्ट्र का कोवासला मोटी प्रवार पर राग लेक के लोगावाला तीसरे स्वान पर रहा। देश के स्वच्छा राज्यों की केटेगरी में इस चार



और छरीसगढ़ को तीसग स्थान मिला। पिछलों का मध्य प्रदेश फरने स्थान पर था। गंग दिन्हों क्ये सबसे साथ जवर्ग में



बात का स्वयंतना संघाता प्रभाव के सिंह 2014 में स्वयंत कुछ तरहरा स्वयंतना है। एक म प्रवस्ता बनार रखने के लिए 2014 के इस्क्री कुछनाक की गई वीर तर इसने बिठ 7व प्रमुख शहरते को शामिल विद्या गया था। 2023 में 4500 से ज्याव शहरते को लिर में राशा मचा था। इस धार सर्व की बीम वेस्ट टू वेश्वर रखी मंडे थी। एक जुनाई मे 3 इजार कंमवरियों को इन शहरते में स्वरक्ता का मुत्याकन करने का काम सीचा गया था। शहरते का आधादन 40 विस्मीटर पर किया गया। इसने करींब 12 करोड़ नामरियों से घीडीका लेने का लाभ था। इसीसामढ़ का प्रदन्त न लाख से कम आवादी बाले इसते में स्वयंत्र क मामले में दूसरे नंबर पर रक्ष। राज्य के मुख्यमंत्री बिष्णु देव साथ और डिप्टी सोरम अरुण साथ ने राष्ट्रपति से सम्मान लिया।

गण्ड अन्तर कर समय साथ रहेका से क्या की सबसे स्वरूप केंद्रोवर्मेंट बोर्ड का अवॉर्ड का अवॉर्ड पंडेंगयू को दिया गया। दिसी के सार्वे से ख्वार्य से क्या केंद्रोवर्मेंट बोर्ड का अवॉर्ड का अवॉर्ड का अवॉर्ड से प्रथम कर से क्या में किया में क्या में किया पर आ गया था। पर रहा। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के मह्त्र सिला है। बेस्ट सफाई निव्र सुर्घवत सहर भारत संदर्भन कर्न्डरन सेंटर में आयोजित 2017 और - (शिव पृष्ट 11 घर)-

करवंत्राव में राष्ट्रपति डीपवी मुर्म और केंद्रीय राहने विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस क प्रतितिर्थाया का सम्मातित किया। इस बार कुल १९८० अर्डक का सर्वक्रण प्रश्ना है। इसमें सर्विस लेखन प्रोडेम पर 4525, संदेशिकंडेक पर 2475 दिश, गए। 2022 में सडस्थान-महराष्ट्र की प्रहालकर मच्छ प्रदेश देश का सबसे स्वच्छ राज्य बन गया था। 100 से जॉवक शहरों वाले राज्य में मण्य उदेश गंबर-1 पर आच बा। वहाँ, इंदौर ने सफल्ड का सिवनार लगाया था। भोजाल भी

Sikkim Express

Gangtok

Swachh Survekshan Cleanest Cities Awards for Gangtok & Mangan

SE Report

GANGTOK, January 11: The Gangtok Municipal Corporation (GMC) and Mangan Nagar Panchayat have received awards in the State category of Cleanest Cities during the Swachh Survekshan- 2023 Award ceremony. The award function was organized by the Ministry of Housing and Urban Affairs at Bharat Mandapam, New Delhi on Thursday, a press release informs.

President Droupadi Murmu was present on the occasion to hand over the awards along with Hardeep Singh Puri, Union minister for Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA).

Present on the occasion to receive the Swachh Survekshan-2023 Awards Urban were State Development secretary M.T. Sherpa along with Gangtok Mayor Nell Bahadur Chettri, deputy Mayor Tshering Palden Bhutia, Mangan Nagar Panchayat president Norkit Lepcha, State Mission director (Swachh Bharat Mission -Urban) Jigme Wangchuk Bhutia, officials and elected members of Urban Local Bodies.

"These awards will be milestones achieved by the State government in its endeavour to achieve the target envisaged in countrywide cleanliness campaign. It is also a result of efforts unitedly put up by concerned functionaries of government and ULBs,

especially those working tirelessly on the ground," said the Urban Development department.

The release informs that Swachh Survekshan is a cleanliness survey conducted through an independent third-party agency by the MOHUA every year based on which the various Urban Local Bodies (ULBs) are ranked. The emphasis each year is not only on the visual cleanliness of the cities but also on the waste processing capacities of the ULBs along with engagement of public and self-help groups in achieving cleanliness and sanitation.

The theme for Swachh Survekshan 2023 was 'Waste to Wealth'

A total of 4416 urban local bodies across the country were assessed under Swachh Survekshan-2023. which was the 8th edition of the survey.

In Sikkim, the survey was conducted in August 2023 in

all seven urban local bodies Corporation, Municipal

Gyalshing, Mangan, Rangpo. i.e. Gangtok Municipal Singtam and Nayabazar-Namchi Jorethang Nagar Panchayats, Council. the release mentions.



Daily Thanthi

Chennai

நாட்டின் மிக தூய்மையான நகராக இந்தூர் மீண்டும் தேர்வு

G

ழனாதிபதி விருது வழங்கினார்

புதுடெல்லி, ஜன.12-

நாட்டின் மிக தூய்மையான நகராக இந்தூர் 7-வது முறையாக தேர்ந்தெடுக்கப்பட்டது. அதற்கு ஜனாதிபதி விருது வழங்கினார்.

மத்திய அரசு விருது

நாட்டின் மிக தூய்மையான நகரங்களை கணக்கெடுத்து ஆண்டுதோறும் மத்திய அரசு விருதுகளை வழங்கி வருகிறது. இந்த விருதுக்கு "ஸ்வச் சர்வேசுடின் விருது' என்று பெயர்.

கடந்த ஆண்டுக்கான இல்விருதுகளுக்கு 4 ஆயிரத்து 447 நகர்ப்புற உள்ளாட்சி அமைப்புகள் போட்டிக்கு எடுத்துக் கொள்ளப்பட்டன. நாடு முழுவதும் இருந்து 12 வட்சம்பேர் தங்கள் கருத்துகளை தெரிவித்தனர்.

அதன் அடிப்படையில், விருதுக்குரிய நகரங்கள் நேற்று அறிவிக்கப்பட்டன. அதன்படி, மத்திய பிரதேச மாதிலத்தில் உள்ள இந்தூர், மிக தூய்மையான நகராக தொடர்ந்து 7-வது தடவையாக தேர்ந்தேடுக்கப்பட்டது.

ஜனாதிபதி வழங்கினார்

டேல்லியில் நடந்த விழாவில், அந்நகருக்கு ஜனாதிபதி திரஷபதி முர்மு விருது வழங்கினர்.

2-வது மிக நூய்மையான நகராக குணூத மாதிலம் சூரத்தும், 3-வது இடத்துக்கு மராட்டிய மாநிலம் நவி மும்பையும் தேர்வு செய்யப்பட்டன.

ஒரு லட்சத்துக்கு குறைவான மக்கன்தொகை கொண்ட நகரங்களிடையே தூய்மையான நகராக சத்தீஷ்கார் மாநிலத்தில் உள்ள சஸ்வட் தேர்வு செய்யப்பட்டது.

படான் (சத்தீஷ்கார்), லோனாவாலா (மராட்டியம்) ஆகிய நகரங்கள் அடுந்தடுத்த இடங்களை பெற்றுள்ளன.

வாரணாசி

தூய்மைப்பணியில் சிறப்பாக செயல்பட்ட மாநிலங்கள் பட்டியலில், மராட்டிய மாநிலம் முதலிடம் பெற்றுள்ளது. மத்தியபீரதேசம், சுத்தீஷ்கார் ஆகியவை அடுத்தடுத்த இடங்களை பிடித்துள்ளன.

கங்கை நதி பாடிம் நகரங்களிடையே தூய்மையான நகராக வாரணாசி (உத்தரபிரதேசம்) தேர்வு செய்யப்பட்டது. பிரயாக்ராஜ் (உத்தரபிரதே சம்) 2-வது இடம் பிடித்தது

தூய்மையான கன்டோன்மெண்ட் போர்டாக போல் கன்டோன்மெண்ட் போர்டுக்கு விருது அளிக்கப்பட்டது.

மேற்கண்ட விருதுகளை ஜனாதிபதி வழங்கினர்.

Times of India

Chandigarh

Indore ranked cleanest city for 7th time, shares spot with Surat Bottom 10 Areas From Bengal, Which Took Part In Survey For 1st Time

Dipak.Dash@timesgroup.com

New Delhi: Indore and Surat emerged as the cleanest cities in India while Howrah was the dirtiest among cities and municipal areas having more than one lakh population, ac-cording to the annual urban cleanliness rankings for 2023 released on Thursday. While Indore made it to the top of the list for the seventh time in a row, Surat emerged as the joint winner with the same score for the first time since the ranking atnational level started in 2016. As per the survey, the bot-

tom 10 municipal areas in the one lakh-plus population cate-gory cities and municipal ar-eas were from West Bengal. This was for the first time ci-ties and urban local bodies (ULBs) of West Bengal participated in this exercise. Except Kolkata and Bhatpara, the remaining eight municipal areas scored less than 1,000 out of the maximum score of 10,000. Shillong in Meghalaya and Bihar's Khagaria and Šitamarhi also occupied bottom spots. The emergence of Surat as

-thinks

Indore's achievement of maintaing the top rank for 7 years shows th once people embrace cleanliness, it can become a part of their lives irs shows that

the cleanest city shows how it has come a long way from be-ing one of the dirtiest cities that saw the epidemic of plague nearly three decades back. Indore's leapfrogging to cleanest city in 2017 from 25th rank in 2016 and maintaining that position for seven years is an indication that once people

President Droupadi Murmu. She said about one-third of In-dia's population lives in urban

embrace cleanliness, it can become a part of their lives. The results of Swachh Su-vekshan 2023 were released by

areas and cleanliness of cities and towns is essential for their health and development. She

lauded the efforts of all states ULBs and citizens for taking steps for moving ahead on the path of prosperity through cleanliness. "Participation of cleaniness. "Participation of citizens and all stakeholders is essential to maintain the achievements of cleanliness mission," she said. In this survey, the cities, towns and ULBs were put un-

der two categories based on population — more than one lakh and less than one lakh. In the more than one lakh catego-ry, 446 cities and municipal areas were ranked, while 3,970 towns and municipal areas were covered under the less than one lakh category. Ths

survey covered 4,477 cities and ULBs

.Bs — the highest ever. Under the first category, Navi Mumbai emerged as the third cleanest city followed by Visakhapatnam, Bhopal, Vi-jayawada and the NDMC area of Delhi. In the less than one lakh population category, Sas-vad in Maharashtra got the top rank, followed by Patan in Chhattisgarh and Lonavala in Maharashtra. Four out of the top five cities in this category were from Maharashtra. The bottom five towns in this rank ing were from Nagaland. Among the Ganga towns

Varanasi and Prayagraj won the top two awards and the cleanest cantonments award went to Mhow and Deolali. Chandigarh walked away with the award for "Best Safaimitra Surakshit Sheher" for putting in place the best ecosystem to protect the manpower engaged in cleanliness tasks.

Among states, Maharash-tra, Madhya Pradesh and Chhattisgarh emerged as the cleanest, Arunachal Pradesh Mizoram, Rajasthan and Na galand were the least clean

Dainik Savera

Jalandhar



में राज्य के कई शहरों की ओर से अच्छ प्रदर्शन किया गया है। राज्य के लुवियाना के मुझापुर वाखा को जोनल कर्तांत सिदी नाथ जोत अवर्ड मिला है। पड़ोसी हरियाणा को 14वें जर्कोंक हिमाचल प्रदेश 18 और राजस्थान् 15मापल उर्द्ध 15 जात राज्य 25यें स्थान पर रहा। 15000 से 25000 जनसंख्या बाली केटगरी में राष्ट्रीय स्तर पर मुझापुरदाया 513 तें स्थान पर है। मिली प्लस सिटी में

पंजाब के अम्राग्स ने 31 वर्ग, समान, आरदेषुर स्वविध, तिसान प्रविधान के 39 के कार्रफ किया कि दिस बात के कार्यपुर स्वविध, तिसान वी एक की कटार दिंग में भोतादी, सातनिका, प्रांतनिकार, प्रवेर, जीराक्ष, त्या प्रोरंडा, कुराती, स्वमकोर सातिव, स्वतुनिकार, प्रवेर, जीराक्ष, रुक्ष, संया, प्रारण, केराये के कार्रफ किया है। प्रारण, केराये के कार्रफ किया है। केर्टनेक कोई केरायी के अनुसार का निम्न स्वार, प्रवाद प्रवास, योवप्राय, प्रवाय, केराये के कार्रफ किया है। मुख्यस ने भो अनले ज्यार प्रयादा की क्रियेक कोई केरायी के अनुसार क्या है। मुख्यस ने भो अनले ज्यार प्रयादा की क्रियेकप्र के केरायी के अनुसार प्रवार, अनले ज्यार प्रयादा की क्रियेकपुर केंडीयेंड ने 32 स्थान सुहत्तानपुर, जलस्ताबाद, अमृतघर, समाना, आनंदपुर स्वहित्र, निहाल



भाग भाग स्थान २८३व स्थान २१. छ हराविस्य हर, कोटकक, मिरहकाइ, देरायास्यी, मोलपुर, कोव, महिल्ल्य, स्वानकी, सकोवर, बहावरगड, स्वरविरुच, देराता, बहेतर, मसास, खडू सुधिमाज, मुकेरिया, खडाकहाट खडीरी, कप्राप्यता, कोवोकहा, पाठडी, मुकारथा, पद्यानकाट, खनारा, कंपुराधता, जेगेवाल, पावडां, ग्राचीर, फिक्षेर, युरु हरसहाय, बलवापुरान, पावल, बरनाला, अलवकरपुर, पौरा, मेहराज, मुहकी, राजासांसी, मेहरापुर, हम सहित कई जिल्लों ने अपनी स्राध्या

नगह बनाई है।

18वें और राजस्थान 25वें स्थान पर रहे

First India

Jaipur



Indore clinches cleanest city tag for seventh time; Surat emerges as the joint winner for the first time



President Droupadi Murmu presents 'All India Clean City – Rank 1' award to Indore, MP in Delhi on Thursday. Seen here are Hardeep Singh Puri, MP CM Mohan Yaday, Kailash Vijayvargiya and others. President Droupadi Murrou presents (All India Clean City – Rank 1' award to Surat, Gujarat during Swachh Survekshan Awards 2023 on Thursday, Seen here are Hardeep Puri, Shalini Agarwal and others.

Rank

Moni Sharma

Indore bagged cleanest city of India title for 7th year in a row while Surat emerged joint winner for top rank for the first time in the latest Swachh Survekshan results. This time, there were no second rank, only two first ranks. The Diamond City has been securing the 2nd cleanest city rank since 2020. As per the Swachh Survekshan results for 2023 released by President Droupadi Murmu, Saswad in Maharashtra got the cleanest city award among all cities with less than one lakh population. The government claims it to be world's largest urban cleanliness survey. P3



attributed the city's top rank to a strategic focus on integrating cleanliness with improved physical infrastructure, active community participation. effective IEC activities, technology utilization, and monitoring through the Integrated Command and Control Centre. She said that the city also prioritizes widespread beautification efforts, including significant clearance of legacy waste sites and doorstep waste segregation. Halling from Jaiput, Shalini Agarwal is an IAS officer from the 2005 batch. Her father, SK Agarwal, is a retired IAS officer, and her mother, Maya Agarwal, is a homemaker.



JAIPUR LOSI A 'RANK' ITA BATTLE'

Swachh Survekshan ranking paints a sorry picture as both Jaipur Heritage and Greater Corps stood at 171 and 173 ranks while Indore and Surat topped the list

Soubhagya Sharma Jaipur

In the annual Swachh Survekshan Awards 2023 announced on Thursday, Indore and Surat emerged as the 'cleanest cities' in the country.

The survey painted a sorry picture of Jaipur. the Pink City. Both Jaipur Heritage and Greater Corporations stood at 171 and 173 ranks respectively as against 11th and 32nd positions previously, highlighting the dismal performance of the Jaïpur Municipal Corporations, which are responsible for the cleanliness of the city. For the Jaipur Corporations, this rank should be a cause of shame more so because the city happens to be the state capital, unlike Indore which is just another city in Madhya Pradesh.

Additionally, to add to the shameful situation, Rajasthan has even dropped from 8th to 25th position in the country and not a single city of the state ranks among the top 170 cities. The reason for this sorry state of af-fairs can be attributed to municipalities, councils,



Garbage strewn in the Walled City area of Jaipur is a common sight.

JMCG COMMISSIONER RUKMINI RIAR CONDUCTS SURPRISE CHECKING

The commissioner of Jaipur Greater Municipal Corporation Rukmini Riar conducted a surprise inspection of the parks on Thursday. She inspected parks in Bapu Nagar, Tilak Nagar, Malviya Nagar and directed officials to maintain the parks, repair damaged equipment in parks. The commissioner also directed officials to repair boundary walls, railings, walkways and prepare reports on condition of trees and plants. 8harat Dbit

plants.



JMC HERITAGE, DUNGARPUR MC HONOURED

WITH SWACHH SURVEKSHAN 2023

1150 population more than one takh and Dungarpur Municipal Council on the presoribed parameters of cleanliness in the category of cities with population less than one Ia. kn. The Swachn Survekshan 2023 was conducted under the Swachn Bharat Mission, Urban 2.0 by the Ministry of Housing and Urban Affairs Bharat Dixit & Puneet Chaturyed

and corporations remaining entangled in political conflicts and disputes. Piles of garbage everywhere. overflowing drains, choked sewer lines, broken streetlights, stray animals wandering on the roads, unauthorised construction and encroachments in every lane seem to have be come a norm and this has now become the fate of the people of Rajasthan.

Even private and public toilets built under the Swachh Bharat Mission are in a dismal state and even the concept of an open defecation-free city seems to be no longer effective. The need of the hour is that the government must take stringent measures and determine the responsibility of the

municipal officials. Government should instruct the district col-lectors and administration to monitor the cleanliness system. A clear agenda for meetings of secretaries in charge of districts and ministers needs to be established to bring cleanliness back on track and only then can there be any hope for improvement in this deteriorating system.

Punjab Kesari

Shimla

स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर निगम शिमला को मिला स्टेट अवार्ड

महापौर सुरेंद्र चौहान ने ग्रहण किया सम्मान

शिमला, 11 जनवरी (ब्यूरो): केंद्रीय सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण में राजधानी शिमला को स्टेट अवार्ड मिला है। वीरवार को दिल्ली में आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण सम्मान समारोह में नगर निगम शिमला को सम्मानित किया गया। इसके लिए महापौर सुरेंद्र चौहान, आयुक्त भूपेंद्र अत्री, कंगनाधार के पार्षद राम रतन वर्मा और कनलोग वार्ड

के पार्षद आलोक पठानिया और नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। महापौर सुरेंद्र चौहान ने

मरुश्वार चुछ चारान न बताया कि यह नगर निगम शिमला सहित पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि पहली बार प्रदेश के किसी शहर को सर्वेक्षण में स्टेट अवार्ड मिला है।

निगम और शहरवासियों के *वित्र में महापीर सुरेंद्र चौहान, निगम* सहयोग से संभव हुआ है जिसमें नगर निगम के का सबसे बड़ा योगदान है। अधिकारियों व कर्मचारियों सम्मान समारोह में स्वा



उन्होंने कहा कि यह नगर शिमला: नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात संयुक्त निगम और शहरवासियों के चित्र में महाणीर सुदेंद्र चौहान, निगम आयुक्त, पार्थद, अधिकारी व निगम कर्मी। (नि. स.)

> । सबसे बड़ा योगदान है। के अधिकारी व सफाई कर्मचारी भी सम्मान समारोह में स्वास्थ्य विभाग शामिल हुए।

Γ.

Uttam Hindu

Jalandhar



राज्यों में महाराष्ट्र नंबर वन; गंगा किनारे बसी क्लीनेस्ट सिटी में वाराणसी प्रथम

📕 प्रयागराज दूसरे स्थान पर



इंदौर और सूरत के प्रतिनिधियों को अवार्ड देने के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू।

दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इस बार महाराष्ट को पहला, मध्य प्रदेश को दूसरा और छत्तीसगढ़ को तीसरा स्थान मिला। पिछली बार मध्य प्रदेश पहले स्थान पर था। गंगा किनारे बसे सबसे साफ

शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा मध्य प्रदेश के महू को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला है। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ़ को दिया गया। दिल्ली के भारत शेष पेज 9 »

उत्तम हिन्दु न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का रिजल्ट जारी किया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्क्टनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा। वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट का सासबड पहले, छत्तीसगढ का पाटन

Amar Ujala

Shimla

स्वच्छ सर्वेक्षण : हिमाचल चौथे से 18वें स्थान पर पहुंचा, इंदौर 7वीं बार टॉप पर

एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में शिमला का १८८वां स्थान, राज्यों में महाराष्ट्र पहले पायदान पर

चार छावनियों की रैंकिंग गिरी, दो की सुधरी

स्वच्छ सर्वेथण के तहत ठावनी क्षेत्र क्षेमी में हिमाचल को चार छावनियों की निषणि संवयण के पहले करने पूर्व तथा रे प्रमाण है। हिंदन कीने साल के मुख्यमले निर्गे हैं, जसकि यो में सुवार आया है। जनीन हारवनी कीने लाल 6ने स्थान पर थीं को इस नार 25 वें स्थान पर पहुंच गई है। सुबाध ग्रावनी बीते जात 29वें स्थान पर थी जो जात 35 वें स्थान पर पहुंच गई है। इसवाई सामनी 35 से 92वें स्थान पर पहुंच गई है, जबकि बाजीनी धावनी 50 से फिल्म 57वें स्थान पर पहुंची है। तथर, डल्ल्होंबी आपनी 55में त्यान के मुकामते इस धाल 35में त्यान पर पहुंची है जबकि जनलोड (चंचा) इत्वें स्थान में 41वें स्थान पर प्रवंत्र गई हैं।

वेणी में छलीसगढ़ के माटन और

महाराष्ट्र के लोगावला को जमतः

दसग और तीसता स्थान मिला।

राष्ट्रपति होपदी मुर्मु ने एक कार्यक्रम

में विजेलओं को पुरस्कार दिए।

शिमला के लिए अचीर्ड मेक सुरेंद्र

चौहान समेर शहरी विकास विभाग

को टीम ने प्राप्त किया।

की 2,763, इसहीजी की 2,944, अलावा, एनडीएमसी को महचग नातन की 2,948, धर्मशाला की मुक्त 5 स्टार शहर का भी आवॉर्ड 3,040, जला की 3,399, भट्टी की मिला। बही, सर्वे में एक लाख से 3,003 और पंगटा साहिम की कम आवादी जाले सभी शहरों में 3,407मी सिंग है। महाराष्ट्र के साखबड़ की सबसे जपर, देश में सर्वक्षेप्त प्रदर्शन स्थलंड प्रहर का पुरस्कार मिला। इस

करने वाले राज्यों को ओणी में से कम बाले सहरों वालों केंगी में महावण्ट होये पर रहा। मध्य प्रदेश दूसरे व खलीमलड तीसरे पायदान पर 1,935वीं, मंडी की 1,663वीं, है। सर्वकेष्ठ सफाई मित्र सुरक्षित कांगड़ा को 1,906ची, पालमपुर शहर चंडीलड रहा। देशभर के सफ की2,543वी, विलासपुर की 1,968. शहरों की सेणी में नई दिल्ली नमत्यांतिका परिषद (एनडीएमसी)



रही है। वर्ष 2022 में शिसला की

एक लाख से १० लाख आबादी बाली

बेणी में 56वीं रेकिंग थी। एक लाख

नगरोटा को 1,355की, हमोरपुर में

सोलन की 2,063, कुल्लू की

डोणी में रिामला, नगरोटा बगवां सबसे स्वच्छ

Rank

बना रहा है। जबकि एक लाख से कम जनसंख्या वाले सहरों की श्रेणी में नगरोटा पहले स्थान पर है जो विक्रले चाल खर्टे स्थान पर था। नगर रिमम मंही चौधे, सोलन पहले से 12 में स्थान पर पहुंचा है। पालमपुर 19 में स्थान पर रहा। पहले यह शहर 10वें स्थान पर था। देश भर में एक 2,695, चंका की 2,722, मनाली सतरवें वायदान पर रही। इसके

शिम्पला/नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वीरवार को स्वच्छ सर्वेधण के नतीने जारी किए। स्वच्छता में देश भर में 100 से कम शहरी निकाचें वाले छोटे राज्यें में हिमाचल की इस वार रेजिन गिरी है। 2,200 अंग्ले के मान्न दियाचल का फिबले म्याल चौधा रथान था, लेकिन इस बार 1636.95 अंकों के साथ 1डवां स्थान रहा है। रुधर, देवाधर के महभ जाती के आफने में इंदीर ने लगातार म्यातवीं बार भाजी मारी है। इस केपी में स्वत दसरे ल नगी मुंबई तीमरे पाकदान पर है।

अमर उजाला व्युरो

राज्य के अपने शहरों की केंगी की भार करें से समयान में सिमान और नगरीटा जगवां सजसे स्वच्छ धोषित किए गए हैं। केवल इसी लेगी में दीनी शहरों को अवदि थिले हैं। प्रदेश में यह आकलन भी दो तरह जो जनसंख्या श्रेणियों पर अध्ययन का किप्स गया। एक लाख से अपिक जनसंख्या क्षेपी में शिमाला शहर पिछले साल को तरह पहले स्थन पर

सफाई व्यवस्था को बेहतर करने पर शहर को दिल्ली में मिला स्टेट अवॉर्ड

महापौर सुरेंद्र चौहान की अगुवाई वाली एमसी और शहरी विकास विभाग की टीम ने लिया सम्मान

अमर उजाला ब्यूरो

शिमाला। राजधानी की सफाई व्यवस्था को बेहतर करने और शहर को स्वच्छ बनाने के लिए शिमला को स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में वीरवार को केंद्र सरकार की ओर से करवाए गए सम्मान समारोह में यह अवॉर्ड दिया गया।

सफाई व्यवस्था में स्टेट अवॉर्ड हासिल करने वाला शिमला प्रदेश का पडला शहर बन गया है। समारोह में राष्ट्रपति ने सफाई व्यवस्था में बेहतर काम कर रहे शहरों को सम्मानित किया। शिमला की ओर से नगर निगम म्हापौर सुरेंद्र पौडान, आयुक्त भूपेंद्र अंत्री और उनकी टौम ने यह अवॉर्ड हासिल किया।

स्वच्छता मिशन के नोडल ऑथकारी एवं शहरी विकास विभाग के निदेशक गोपाल चंद भी इसमें शामिल रहे। यह अवॉर्ड शहर में सफाई व्यवस्था बेहतर करते, शौबालयों में बेहतर लकाई सुविभाएं देने आदि के सर्वेक्षण के बाद दिया गया है। शिमला केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण को रैंकंग में पिछले साल 56वें नंबर पर रहा था। इस बार रैंकिंग में और सुधार होने की ठम्म्रीद है। समारोह में नगर निगम के सेनेटरों इस्पेटर, सुपरवाइक्स और सेहबकर्मी भी सम्माल लेने पहुंचे थे।

विल्ली में स्वच्छता में स्टेट अवॉर्ड लंती नगर निगम और शहरी विकास विभाग की टीम । संबद

सम्मान जनता-कर्मचारियाँ को समर्पित : मेयर

नगर निगम महागेर सुरेंद्र चौक्षन ने कहा कि यह सम्मान पूर शिमला की जनता और लकई कम परियों के लिए समर्पित हैं कहा कि शहर की जनता सफाई व्यवस्था बेहतर करने में मदद दे रही है। सैहल और लफाई कर्मचारी ईमानदारि से कमा लर रहे है। इसी का नतीजा है कि शिमला प्रदेश का पहला ऐसा राहर बना है जिसे यह सम्मान दिया गया है।

सफाई व्यवस्था में स्टेट अवॉर्ड लेने वाला शिमला प्रदेश का पहला शहर बना

इस पुरस्कार के मिलने से स्थानीय लोगों में उत्साह का माहील है।

सफाई व्यवस्था के मुखिया अधिकारी को ही सम्मान समारोह में ले जाना भूल गए

शिमरला। राजपानी को सफई जावरुधा संभालने वाली नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा के विभागाध्यथ एवं निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतन चौहान इस समारोड में शामिल नती थे.

महापीर की अनुवाई में सम्मान लेने दिल्ली पहुंची तपर निगम की टीम में संनेटरी इंग्लेनटर से लंकर कर्मचारी तक शामिल थे लेखन विभागाप्यस को समनोह में साथ जाने के लिए नहीं कहा गया डी चेतन इन दिनो छुटटी पर हैं, लेकिन नगर निगम ने उन्हें साथ

लाकन नगर नगम न उन्हें साथ चलने के लिए संपर्क तक नहीं किया। इससे खुद स्वास्थ्य अधिकारी भी हैरान में। उन्होंनेकहा कि उन्हें खेशल मोडिया से पता चला कि नगर निगम को टीम सम्मान लेने दिल्ली गई है। उन्हें नगर निगम की ओर में इस बारे में फोन तक नहीं किया गया।

यदि कोई कहता तो जरूर वह समारोह में जाते। हालांकि, नगर निगम प्रशासन का कड़ना है कि स्वाख्य अधिकारी परिवार के साथ होनी हुटटरी पर गए हैं। इसोलिए उन्हें छुटटरी से वापस नहीं बुलाया गया। नगर न्निगम महापीर सुरंद्र बीहान ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारी अवकाश पर हैं। उनसे दो दिन पहले फोन पर बात की थी तो उन्होंने साथ जाने की ऐसी कोई इच्छा जाहिर नहीं की। यूवो

Dainik Jagran

Chandigarh

स्वच्छता के सातवें शिखर पर इंदौर, चंडीगढ़ रहा 11वें नंबर पर

स्वच्छता सर्वक्षण-2023

जागरण खूरो, नई दिल्लीः इंदौर स्वच्छता के सातवें शिखर पर पहुंच गया है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की और से कराए गए स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में इंदौर को शीर्ष स्थान सूरत के साथ साझा करने पर कुछ कसक रह सकती है, लेकिन लगातार सात वर्ष से चोटी पर बने रहना भी कोई सामान्य उपलब्धि नहीं हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को आठवें स्वच्छता सर्वेक्षण के आधार पर विजेताओं को पुरस्कृत किया। नवी मुंबई ने तीसरा और विशाखापत्तनम ने चौथा स्थान कायम रखा है। वहीं, चंडीगढ़ 11वें नंबर पर रहा।

इंदौर और सुरत पिछले वर्ष पहले और दूसरे स्थान पर रहे थे, लेकिन इस बार सुरत ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मुकाबला टाई कर दिया। दोनों

स्थान

MAGZTER

Dipped from Danie Segun Chards Read it digitally on the Magater app Chandigam - January 12, 2024



नई दिल्ली में मुरुवार को स्वाउं सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 समारोह में इवीर को स्वावज्ञा मे सबसे आगे शहर की सुरी में पहली रैक के लिए राइटपीत टीपड़ी मुम्रे के हावा से पुरस्कार प्रहाण करते मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, साथ में मगरीय विकास एवं आवास मंत्री केलाग कित्यव्यमीया इस अवसर पर केंद्रीय शहरी कवा मंत्री हरदीए सिंह पुरी भी उपरिकार रहे। स्वच्छता में सबसे आगे शाहर की सूची में इस बार सुरत भी पहली रैंक पर है॰ प्रेट

» से उठकर पांचर्वे नंबर पर आ

तो शीर्ष चार स्थानों में कोई फेरबदल नौवें स्थान पर था, लेकिन इस बार नहीं हुआ है, लेकिन भोपाल छठे उसे सातवां स्थान मिला है। सबसे स्वच्छ राज्य की श्रेणी में महाराष्ट्र गया। तिजयवाड़ा पिछले वर्ष पांचवें ने मध्य प्रदेश को पछाड़कर पहला नंबर पर था, लेकिन इस बार वह छठे स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ़



साफ शहरों (एक लाख से अधिक आबादी वाले) की टाप-10 सूची में शामिल हैं। इस बार सर्वेक्षण में चार हजार से अधिक निकायों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। इस बार चयन सेवन स्टार रेटिंग वाले शहर हैं। नंबर पर ही नई दिल्ली नगरपालिका तीसरे नंबर पर रहा। महाराष्ट्र और के मापदेदी में वेस्ट दू वेल्य का अगर पिछले वर्ष से तुलना की जाए धरिषद (एनडीएमसी) पिछले वर्ष मध्य प्रदेश के दो-दो शार सबसे खासा जोर दिया गया और इंदौर ने

एक बार फिर साबित किया कि वह नई-नई अपेक्षाओं के अनुरूप संधाः करने के लिए भी तैयार हैं। इंदौर के अधिकारियों ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर सही मायने में पूर्ण प्रतिबंध ने इस चैलेंज में उसकी ख्याति कायम रखी है। गंगा तटीय शहरों में स्वच्छता के पैमाने पर उत्तर प्रदेश ने अपना दबदबा कायम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहले औ प्रयागराज दूसरे स्थान पर है। इनके अलावा टाप-5 में बिजनौर, हरिद्वार और कन्नौज भी हैं। एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र के सासवाड को पहला स्थान मिला। छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। सबसे स्वच्छ केंटोनमेंट बोर्ड में मध्य प्रदेश स्थित महू को पहला स्थान मिला है।

संबंधित सामग्री >> जागरण सिटी संपादळीय >> स्वच्छता का संदेश

@sukhchain

पंचकूला ने देशभर में 139वां और हरियाणा में तीसरा स्थान हासिल किया

जागरण संवाददावा, पंचकूला ः स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के परिणाम में पंचकूला ने देशभर 139वां और हरियाणा में तीसरा स्थान हासिल किया है। पहले राष्ट्रीय स्तर पर एक लाख से 10 लाख आबादी पर रैंकिंग हो रही थी. लेकिन इस बार एक लाख से अधिक आबादी वाले क्षेत्र को एक कैटेगरी में सम्मिलित कर लिया, जिस आधार पर पंचकूला को 139वां रैंक मिला। जबकि हरियाणा में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ, जो पिछली बार चौथा स्थान था। पंचकूला हरियाणा में एक नंबर आगे बदा है। गत वर्ष 386 शहरों में पंचकूला का 86वां स्थान मिला था, लेकिन इस वर्ष 466 शहरों में 139वां स्थान मिला है।

परिणाम के अनुसार पिछले वर्ष ओवरआल 4200 नेंबर आए थे, जो 5200 नंबर हो गए हैं। घरों से कूड़ा अलग-अलग होकर नहीं आने के कारण ६१ प्रतिशत ही नंबर मिले। कुड़ा प्रोसेसिंग 98 प्रतिशत, पुराने कूड़ा का एकत्रित करने प निस्तारण नहीं होने के कारण शून्य प्रतिशत आए हैं।

स्वच्छ सर्वक्षण 2023 • केटेगरी बदलते ही पंचकृता 86वें से

139वें स्थान पर पहुंचा कुडा अलग-अलग होकर नहीं आने के कारण मिले 61 प्रतिशत नंबर

जनता की भागीदारी नहीं मिलने से हुआ नुकसान जनता की भागीदारी नहीं मिलने के

कारण पचकुला का नुकसान हुआ है। उपनिगम आयुक्त अपूर्व चौधरी ने बताया कि नगर निगम के कर्मचारी और अधिकारी मिलकर स्वत्त्व सर्वेक्षण मे अपना योगदान दे रहे हैं। लोगों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। नंबर मिले। रिहायशी और मार्केट क्षेत्र

में सफाई पर ०० प्रतिशत, नदी, नालों को सफाई पर 100 प्रतिशत, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई पर 100 प्रतिशत अंक मिले। घर से कुड़ा एकत्रित करने पर डोर टू डोर ने 99

मोहाली को मिला राज्य पुरस्कार, 303वीं रैंक पर पहुंचा जासं, मोहाली : मोटाली को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में केंद्रीय आवास एवं

शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्टेट अवार्ड देकर नवाजा गवा है। यहा अवार्ड मोहाली नगर निगम ने राज्य स्तरीय श्रेणी के तहत हासिल किया लेकिन अगर ओवरआल र्रीकेंग की बात करें तो मोहाली की र्रेक 303वीं आई है। मोहाली के साथ 303का आह का मालता स जान लगते शहर चंडोंगढ़ और पंचकूला की रेकिंग भी मोहाली से बेहतर रही है। टाईसिटी में मोहाली, चंडीगढ और चकुला से पिछले तीन सालों से पिखडता आ रहा है।

मोहाली में 200 सफाई सेवकों की कमी बड़ा कारण है। शहर में पेड़ों से गिरने वाले पत्ते कोई डढाने को तैयार नहीं है। निगम के हार्टिकल्चर विभाग और सफाई सेवकों में भी तालमेल नहीं है। दोनों विभागों में तालमेल की कमी से सड़कों की सफाई नहीं हो पा रही है। शहर के लोग भी गारबेज



स्टेट अवार्ड के साथ मोहाली नगर निगम के अधिकारी अववर विजन कलेक्टर्स को गीला और सूखा कचरा अमरीक सिंह ने निगम की टोम का अलग-अलग नहीं देते।

से सा आरपार का मारण नवन, कार, ज्यादे जनगणर विषय राग आइटीपीओ, गई दिल्ली में आयोजित और असिस्टेंट कमिश्नर मनप्रीत सिंह समारोह के दौरान सीनियर डिप्टी मेयर भी शामिल थे।

प्रतिनिधित्व करते यह पुरस्कार प्राप्त भाजभाष पहा दत्ता अलावत्व करते यह दुरस्कार अला इसके अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु किया। टीम में कमिश्नर डा. नवजोत वीरवार को भारत मंडप, कौर, ज्याइंट कमिश्नर किरण शर्मा

@sukhchain

MAGZTER

ant - January 12, 2024 oped from - Dentitie agen Chards ad it digitally on the Magzler app

स्वच्छता रैंकिंग में 11वां स्थान, सफाई मित्र सुरक्षा में अव्वल

स्वच्छ सर्वक्षण-2023 जासं, चंडीगढ़ : सबसे नियोजित शहर चंडींगढ़ अब देश का सफाई मित्र सुरक्षा शहर भी बन गया है। साथ ही स्वच्छता के क्षेत्र में चंडीगढ़ देश का 11वां सबसे स्वच्छ शहर बना है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में चंडीगढ को वह सम्मान मिला है। वीरवार को नई दिल्ली भारत मंडपम में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मु से मेयर अनूप गुप्ता ने यह सम्मान ग्रहण किया। इस दौरान उनके साथ चंडीगढ प्रशासक के कार्यकारी सलाहकार नितिन कुमार यादव, एमसी कमिश्तर आनिदितां मिन्ना और मुख्य अभियंता एनपी शर्मा भी उपस्थित रहे। देश भर के शहरों में से चंडीगढ़ को का पुरस्कार प्राप्त किया है।

सफाई मित्र सुरक्षा शहर सम्पान स्थानीय निवासियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने को प्रतिबद्धता के साथ सफाई कार्यों में लगे सफाई कमियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए मिला है। वहीं स्वच्छ रैंकिंग में चंडीगढ़ ने एक रैंक सुधारते हुए 11वां स्थान हासिल किया। स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में 12वां रेंक था। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के नतीजों में इस बार चंडींगढ को कुल 9500 में से 8541.1 अंक प्राप्त हुएँ। जबकि 2022 में 7500 में से 6208.5 अंक मिले थे। पहले नंबर पर फिर मध्य प्रदेश का इंदौर शहर रहा है। इंदौर को कुल 9348.4 अंक मिले। इंदौर ने लगातार सातवीं बार देश के सबसे साफ शहर का प्रदर्शन



रिपोर्ट कार्ड डोर टू और बेस्ट कलेक्शन 99% स्त्रीत स्तर पर कूडा घुध्वकरण 97% कचरे का उत्प्रन्न और उसका प्रसंस्करण 100% कडा कवरा स्थली का निवारण ६७% रहायकी केंत्रों में साफ सफाई 100%, मर्केट परिया में साफ– सफाई 100% जलाश्यों की सफर्ड 100% शौचालयों की सफाई 100% अलग-जलग क्षेत्रों में अंक संग्रा स्तर बेहतर करना 4BBD में से 4645 3 सिटीजन फीडवैक कलाइड स्टीफिकेशन (गारबेज क्री सिटी और खुले में शौध मुक्त। 2500 में से 1900 सालिइ वेस्ट मैनेजमेट 3510 में से 3476.8 WWMAGZTER

@sukhchain

MAGZTER

m - January T2, 2024 ipped from - Confil any an Chanda and it slightally on the Megater app

Jagbani

Jalandhar



Haribhoomi

Chandigarh

केंद्र ने जारी किया खच्छता सर्वेक्षण 2023 का परिणान रोहतक-गोहाना सबसे साफ सुथरे शहर, आदमपुर पिछड़ा

किसे कौन सा रैंक

स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 का परिणाम गुरुवार को जारी कर दिया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में 7वीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला। इस बार हरियाणा को देश में 14वां स्थान मिला है। सर्वेक्षण में हरियाणा का ओवरऑल स्कोर 1958.01 रहा। क्लीन सिटी में स्टेट लेवल में रोहतक-गोहाना को पहला रैंक मिला। सीएम सिटी करनाल और कालका दूसरे स्थान पर रहे। स्वच्छता मामले में रोहतक ने गुरुग्राम को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। रोहतक को प्रदेश में पहला व राष्ट्रीय स्तर पर 109वां रैंक मिला है। हालांकि रोहतक को पिछले साल 38वां रैंक मिला था। प्रदेश में पुन्हाना और आदमपुर इस सूची में आखिर स्थान पर हैं।

हरियाणा (हरिभूमि टीम)। शहरी एवं आवास मंत्रालय ने

सोनीपत 12वें स्थान परः सोनीपत नगर निगम को प्रदेश में 12वां स्थान मिला है। वहीं देशभर में 260वां स्थान प्राप्त किया है, जो पिछले वर्ष की रैकिंग से 21 पायदान नीचे है। एक साल पहले स्वच्छता रैकिंग में सोनीपत ने 239वां स्थान प्राप्त किया था।

5 जनवरी को मिला एक स्टारः पांच जनवरी को कूड़ा मुक्त शहरों की सूची में सोनीपत को एक स्टार रेटिंग का तमगा दिया गया था। दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। (पेज-7 भी देखे)

शहर	स्टेट	नेशनल	
रोहतक	01	109	
गोहाना	01	1071	
करनाल	02	115	
कालका	02	1106	
पंचकूला	03	139	
गुरुग्राम	04	140	
बहादुरगढ़	05	174	
पानीपत	06	184	
फतेहाबाद	06	1372	
हिसार	07	194	
अंबाला	08	205	
यमुनानगर	09	221	
सोहना	10	1536	
रेवाड़ी	11	258	
सोनीपत	12	260	
पलवल	13	266	
सिरसा	14	269	
भिवानी	16	302	
पुन्हाना	68	3857	
आदमपुर	69	G ³⁸⁶⁴	R

@sukhchain

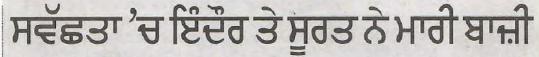
MAGZTER

Clipped from - Haribhoomi Rohtak - January 12, 2024 Read it digitally on the Magzter app

Ajit

Jalandhar





(ਇਕ ਲੱਖ ਤੋਂ ਵੱਧ ਅਬਾਦੀ ਵਾਲੇ) ਦੀ ਟਾਪ-10 ਸੂਚੀ 'ਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ। ਇਸ ਵਾਰ ਸਰਵੇਖਣ 'ਚ ਚਾਰ ਹਜ਼ਾਰ ਤੋਂ ਵੱਧ ਸਥਾਨਕ ਸਰਕਾਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ ਸਖ਼ਤ ਮੁਕਾਬਲਾ ਰਿਹਾ। ਇਸ ਵਾਰ ਚੋਣ ਦੇ ਪੈਮਾਨਿਆਂ 'ਚ ਵੈਸਟ ਵੇਸਟ ਨੂ ਵੈਲਥ 'ਤੇ ਖ਼ਾਸ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਤੇ ਇੰਦੌਰ ਨੇ ਮੁੜ ਸਾਬਿਤ ਕੀਤਾ ਕਿ ਉਹ ਨਵੇਂ ਸੁਧਾਰਾਂ ਲਈ ਵੀ ਤਿਆਰ ਹੈ।

ਗੰਗਾ ਤੱਟੀ ਸ਼ਹਿਰਾਂ 'ਚ ਸਵੱਛਤਾ ਦੇ ਪੈਮਾਨੇ 'ਤੇ ਉੱਤਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਨੇ ਆਪਣਾ ਦਬਦਬਾ ਕਾਇਮ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਦੇ ਸੰਸਦੀ ਹਲਕੇ ਵਾਰਾਣਸੀ ਪਹਿਲੇ ਤੇ ਪ੍ਰਯਾਗਰਾਜ ਦੂਜੇ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਰਹੇ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਟਾਪ-5 'ਚ ਬਿਜਨੋਰ, ਹਰਿਦੁਆਰ ਤੇ ਕੰਨੌਜ ਵੀ ਹਨ। ਇਕ ਲੱਖ ਤੋਂ ਘੱਟ ਅਬਾਦੀ ਵਾਲੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ 'ਚ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਦੇ ਸਾਸਵਾੜ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾ ਸਥਾਨ ਮਿਲਿਆ। ਛੱਤੀਸਗੜ੍ਹ ਦਾ ਪਾਟਨ ਦੂਜੇ ਤੇ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਦਾ ਲੋਨਾਵਾਲਾ ਤੀਜੇ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਰਿਹਾ। ਸਭ ਤੋਂ ਚੰਗੇ ਕੈਟੋਨਮੈਂਟ ਬੋਰਡ 'ਚ ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਸਥਿਤ ਮਹੂ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾ ਸਥਾਨ ਮਿਲਿਆ ਹੈ।

ਸਵੱਛ ਭਾਰਤ ਮੁਹਿੰਮ

 ਅੱਠਵੇਂ ਸਵੱਛਤਾ ਸਰਵੇਖਣ ਦੇ
 ਜੇਰੂਆਂ ਨੂੰ ਪੁਰਸਕਾਰ ਤਕਸੀਮ ਲ
 ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਸੂਬਿਆਂ 'ਚੋਂ ਸਿਖਰ ਤੇ 'ਤੇ, ਪੰਜਾਬ ਸਤਵੇਂ ਸਥਾਨ 'ਤੇ

> ਸਿਖਰਲੇ ਚਾਰ ਸਥਾਨਾਂ 'ਚ ਕੋਈ ਫੇਰਬਦਲ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ, ਪਰ ਭੋਪਾਲ ਛੇਵੇਂ ਸਥਾਨ ਤੋਂ ਉੱਠ ਕੇ ਪੰਜਵੇਂ ਨੰਬਰ 'ਤੇ ਆ ਗਿਆ। ਵਿਜੇਵਾੜਾ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਪੰਜਵੇਂ ਨੰਬਰ 'ਤੇ ਹੈ। ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਨਵਾਰ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ (ਐੱਨਡੀਐੱਮਸੀ) ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ _ੋ ਨੰਬਰ 'ਤੇ ਸੀ, ਪਰ ਇਸ ਵਾਰ ਉਸ ਨੂੰ ਸੱਤਵਾਂ ਸਥਾਨ ਮਿਲਿਆ ਹੈ।

> ਸਭ ਤੋਂ ਸਵੱਛ ਸੂਬੇ ਦੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ 'ਚ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਨੇ ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਪਛਾੜ ਕੇ ਪਹਿਲਾ ਸਥਾਨ ਹਾਸਲ ਕੀਤਾ। ਛੱਤੀਸਗੜ੍ਹ ਤੀਜੇ ਨੰਬਰ 'ਤੇ ਰਿਹਾ। ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਤੇ ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਦੋ-ਦੋ ਸ਼ਹਿਰ ਸਭ ਤੋਂ ਸਾਫ਼ ਸ਼ਹਿਰਾਂ

ਜਾਗਰਣ ਬਿਊਰੋ, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ : ਇੰਦੌਰ ਸਵੱਛਤਾ ਦੇ ਸੱਤਵੇਂ ਸਿਖਰ 'ਤੇ ਪੁੱਜ ਗਿਆ ਹੈ। ਵਸੇਬਾ ਤੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰਾਲੇ ਵੱਲੋਂ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਸਵੱਛ ਸਰਵੇਖਣ-20 23 'ਚ ਇੰਦੌਰ ਨੂੰ ਅਵੱਲ ਸਥਾਨ ਸੂਰਤ ਨਾਲ ਸਾਂਝਾ ਕਰਨ 'ਤੇ ਕੁਝ ਕਸਕ ਰਹਿ ਸਕਦੀ ਹੈ, ਪਰ ਲਗ੍ਹਾਤਾਰ ਸੱਤ ਸਾਲ ਤੋਂ ਸਿਖਰ 'ਤੇ ਬਣੇ ਰਹਿਣਾ ਵੀ ਕੋਈ ਆਮ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਓਧਰ ਸੂਬਿਆਂ ਦੀ ਦੌੜ 'ਚ ਟਾਪ-10 'ਚ ਪੰਜਾਬ ਸੱਤਵੇਂ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਰਿਹਾ।

ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਦ੍ਰੋਪਦੀ ਮੁਰਮੂ ਨੇ ਵੀਰਵਾਰ ਨੂੰ ਅੱਠਵੇਂ ਸਵੱਛਤਾ ਸਰਵੇਖਣ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਜੇਤੂਆਂ ਨੂੰ ਪੁਰਸਕਾਰ ਦਿੱਤੇ। ਨਵੀਂ ਮੁੰਬਈ ਨੇ ਤੀਜਾ ਤੇ ਵਿਸ਼ਾਖਾਪਟਨਮ ਨੇ ਚੌਥਾ ਸਥਾਨ ਕਾਇਮ ਰੱਖਿਆ ਹੈ। ਇੰਦੌਰ ਤੇ ਸੂਰਤ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਪਹਿਲੇ ਤੇ ਦੂਜੇ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਰਹੇ ਸਨ, ਪਰ ਇਸ ਵਾਰ ਸੂਰਤ ਨੇ ਬਿਹਤਰ ਕਾਰਗੁਜ਼ਾਰੀ ਦਿਖਾਉਂਦੇ ਹੋਏ ਮੁਕਾਬਲਾ ਟਾਈ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਦੋਵੇਂ ਸੈਵਨ ਸਟਾਰ ਰੇਟਿੰਗ ਵਾਲੇ ਸ਼ਹਿਰ ਹਨ। ਜੇਕਰ ਪਿਛਲੇ ਸਾਲ ਨਾਲ ਤਲਨਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ

Akali Patrik

Jalandhar





ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ, 11 ਜਨਵਰੀ (ਯੂ. ਐਨ. ਆਈ.)-ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ 'ਸਭ ਤੋਂ ਸਾਫ-ਸੁਥਰੇ' ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿੱਚ ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਅਤੇ ਗੁਜਰਾਤ ਸੁਬਿਆਂ ਨੇ ਮੋਰਚਾ ਮਾਰਿਆ ਹੈ। ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਕਰਵਾਏ ਸਵੱਛਤਾ ਸਰਵੇਖਣ ਵਿੱਚ ਮੱਧ ਨਹੀਂ ਮਾਰ ਸਕਿਆ। ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਮੁੱਖ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਇੰਦੌਰ ਅਤੇ ਗੁਜਰਾਤ ਦੇ ਮੰਤਰੀ ਮੋਹਨ ਯਾਦਵ ਨੇ ਵੀਰਵਾਰ ਨੂੰ ਸੂਰਤ ਸ਼ਹਿਰ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਸਾਫ਼ ਸ਼ਹਿਰ ਦਾ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਭਾਰਤ ਮੰਡਪਮ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਐਵਾਰਡ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਇੰਦੌਰ ਨੂੰ ਇਹ ਸਮਾਰੋਹ ਵਿੱਚ ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਦੋਪਦੀ ਐਵਾਰਡ ਲਗਾਤਾਰ ਸੱਤਵੀਂ ਵਾਰ ਮੁਰਮੂ ਤੋਂ ਪੁਰਸਕਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤਾ। ਹਾਸਲ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਜਦਕਿ ਨਵੀਂ ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਸ਼ਹਿਰੀ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਮੰਤਰੀ ਮੁੰਬਈ ਨੂੰ ਇਸ ਲੜੀ ਵਿੱਚ ਤੀਜਾ ਕੈਲਾਸ਼ ਵਿਜੇਵਰਗੀਆ, (ਬਕੀਸਫ਼ਾ 2 ਤੇ)

ਸਥਾਨ ਹਾਸਲ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਹਾਲਾਂਕਿ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੇ ਜ਼ਰਰ ਮੋਰਚਾ ਮਾਰਿਆ ਅਤੇ 11ਵਾਂ ਸਥਾਨ ਹਾਸਲ ਕੀਤਾ, ਪਰ ਹੋਰ ਕੋਈ ਵੀ ਸ਼ਹਿਰ ਇਸ ਸਰਵੇਖਣ ਵਿੱਚ ਬਾਜ਼ੀ

ਇੰਦੌਰ ਤੇ ਸੁਰਤ ਨੂੰ

ਇੰਦੌਰ ਦੇ ਮੇਅਰ ਪੁਸ਼ਿਆਮਿਤਰਾ ਭਾਰਗਵ ਅਤੇ ਨਗਰ ਨਿਗਮ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਹਰਸ਼ਿਕਾ ਸਿੰਘ ਵੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ। ਇਹ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਹੈ ਜਦੋਂ ਦੋ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਨੂੰ ਸਵੱਛ ਭਾਰਤ ਸਰਵੇਖਣ ਵਿੱਚ ਪਹਿਲਾ ਸਥਾਨ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਇੰਦੌਰ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਗੁਜਰਾਤ ਦਾ ਸੁਰਤ ਵੀ ਸਾਂਝੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਸਾਫ਼ ਸ਼ਹਿਰ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਭ ਤੋਂ ਸਵੱਛ ਸ਼ਹਿਰ ਦਾ ਪੁਰਸਕਾਰ ਮਿਲਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੈਲਾਸ਼ ਵਿਜੇਵਰਗੀਆ ਨੇ ਟਵੀਟ ਕਰਕੇ ਇਸ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇੰਦੌਰ ਨੂੰ ਇਹ ਸਨਮਾਨ ਲਗਾਤਾਰ ਸੱਤਵੀਂ ਵਾਰ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਕਲਾਈਮੇਟ ਟ?ਰੈਂਡਸ ਐਂਡ ਰੈਸਪਿਅਰ ਲਿਵਿੰਗ ਸਾਇੰਸਿਜ਼ ਦੇ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਨੇ ਬੁੱਧਵਾਰ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵਾਰਾਣਸੀ ਵਿੱਚ 72 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਗਿਰਾਵਟ ਦੇਖੀ ਗਈ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਕਿ 24 ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿੱਚ ਪੀਐਮ10 ਦੇ ਪੱਧਰ ਵਿੱਚ ਸੁਧਾਰ ਦੇਖਿਆ ਗਿਆ। ਦੱਸ ਦੇਈਏ ਕਿ ਜਿਥੇ ਇੱਕ ਪਾਸੇ ਇੰਦੌਰ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਸਵੱਛ ਸ਼ਹਿਰ ਦਾ ਐਵਾਰਡ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਦੂਜੇ 'ਸਭ ਤੋਂ ਸਾਫ਼ ਸੂਬਰੇ ਰਾਜ' ਵਜੋਂ ਚੁਣਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਸਾਫ਼ ਸੂਬਾ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ। ਛੱਤੀਸਗੜ੍ਹ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਤੀਜਾ ਸਵੱਛ ਰਾਜ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ। ਹਵਾ ਦੀ ਗੁਣਵੱਤਾ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ 2019 ਵਿੱਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਭਾਰਤ ਦੇ ਨੈਸ਼ਨਲ ਕਲੀਨ ਏਅਰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੇ 49 ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਪੀਐਮ 2.5 ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਧ ਸੀ। ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੂਚੀ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ, +\$2.5 ਅਤੇ +\$10 ਦੇ ਪੱਧਰ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਕਮੀ ਉੱਤਰੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਗੰਗਾ ਮੈਦਾਨਾਂ ਵਿੱਚ ਸਥਿਤ ਭਾਰਤ ਦੇ ਅਧਿਆਤਮਕ ਸ਼ਹਿਰ ਵਾਰਾਣਸੀ ਵਿੱਚ ਦੇਖੀ ਗਈ ਹੈ।

Nawan Zamana

Jalandhar



Sach Kahoon

Chandigarh



में सेंध को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सदन में बयान में दें। जबकि केंद्र सरकार का कहना था कि विपक्ष सदन में अहम मुद्दों पर चर्चा करने से बच रहा है। शीतकालीन सत्र में संसद के दोनों सदन से 140 से ज्यादा सांसदों को निर्लोबित भी किया गया था। दोनों ही सदन से सांसदों को अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत निर्लोबित किया गया था। सांसदों के जिन्हांबन को लेकर बाद में विपक्षी पार्टियों ने जमकर हंगामा किया था और संसद

साफ शहरों की सूची...

को साफ-सफाई इस प्रतियोगिता में दिल्ली के लिए 81 परिणाम निराशाजनक रहे हालांकि, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की जिम्मेदार स्वच्छता के लिए एनडीएमसी की रैकिंग में 2 पायदान का सुधार हुआ है। एनडीएमसी को इस बार सातवां स्थान मिला है। स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में दिल्ली नगर निगम को 90वीं रैंक प्राप्त हुई है। यह पूर्ववर्ती तीनों निगमों की तुलना में बीते तीन वर्षों की रैंकिंग के अनुसार सबसे कम है। केंद्रीय शहरी और विकास मामलों के मंत्रालयों की ओर जारी की गई रैंकिंग में इस वर्ष एकीकृत दिल्ली नगर निगम ने पहली बार आवेदन किया था। दिसंबर 2022 से पहले पूर्ववर्ती तीनों नगर निगमों- उत्तरी दिल्ली नगर निगम, पूर्वी दिल्ली नगर निगम और दक्षिणी दिल्ली नगर

निगम अलग-अलग रूप से इस स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में हिस्सा लेते थे। पूर्ववत्ती उत्तरी निगम की स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में 37वीं रेंक आई थी। इससे पहले स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में 45 रैंक आई थी। वर्ष 2020 के स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्तरी दिल्ली नगर निगम को 43वीं रैंक प्राप्त हुई थी। पूर्ववर्ती पूर्वी निगम की स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में 34वीं रेंक आई थी। इससे पहले स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में 40वीं रैंक आई थी। वर्ष 2020 के स्वच्छ सर्वेक्षण में पूर्वी दिल्ली नगर निगम को 46वीं रैंक प्राप्त हुई थी। पूर्ववर्ती दक्षिणी निगम की स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में 28वीं रैंक आई थी। इससे पहले स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में 31वीं रेंक आई थी। वर्ष 2020 के स्वच्छ सर्वेक्षण में दक्षिण दिल्ली नगर निगम को 31वीं रैंक प्राप्त हुई थी।

K /

दिल्ली-एनसीआर ...

लोग सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा कर रहे हैं। हिलते पंखे और झूमर दिखाते हुए लोगों ने बताया कि उन्होंने किस तरह भूकंप के झटके को महसूस किया। कनॉट प्लेस की एक इमारत में 10वीं मंजिल पर काम करने वाले विकास मल्होत्रा ने बताया कि वह लंच खत्म करके दोबारा काम शुरू करने के लिए बैठे ही थे कि अचानक सबकुछ हिलता हुआ महसूस हुआ। वह तेजी से सीढ़ियों के सहारे नीचे की ओर भागे। उनके साथ दफ्तर के अधिकतर लोग बाहर आ चुके थे।

Rozana Spokesman

Jalandhar



ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ, 11 ਜਨਵਰੀ : ਕੇਂਦਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਵੀਰਵਾਰ ਨੂੰ ਸਵੱਛ ਸਰਵੇਖਣ 2023 ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ। ਇਕ ਲੱਖ ਤੋਂ ਵੱਧ ਆਬਾਦੀ ਵਾਲੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਇੰਦੌਰ ਸੱਤਵੀਂ ਵਾਰ ਪਹਿਲੇ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਰਿਹਾ। ਸੂਰਤ ਨੇ ਵੀ ਇੰਦੌਰ ਨਾਲ ਸਾਂਝੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਪਹਿਲਾ ਸਥਾਨ ਹਾਸਲ ਕੀਤਾ। ਮਹਾਰਾਸਟਰ ਦੀ ਨਵੀਂ ਮੁੰਬਈ ਤੀਜੇ ਸਥਾਨ 'ਤੇ, ਆਂਧਰਾ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾਖਾਪਟਨਮ ਚੌਥੇ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਅਤੇ ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦਾ ਭੋਪਾਲ ਪੰਜਵੇਂ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਰਿਹਾ।

ਇਕ ਲੱਖ ਤੋਂ ਘੱਟ ਆਬਾਦੀ ਵਾਲੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਦਾ ਸਾਸਵਾਦ ਪਹਿਲੇ, ਛੱਤੀਸਗੜ੍ਹ ਸ਼ਹਿਰੀ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰੀ ਹਰਦੀਪ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਦਾਅਵਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਦਾ ਪਾਟਨ ਦੂਜੇ ਅਤੇ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਪੂਰੀ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਰਾਜਾਂ ਦੇ ਦੁਨੀਆਂ ਦਾ ਸੱਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਦਾ ਲੋਨਾਵਾਲਾ ਤੀਜੇ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਤ ਸਵੱਛਤਾ ਸਵੇਰਖਣ ਹੈ। ਰਿਹਾ। ਇਸ ਵਾਰ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਸਵੱਛ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਵਾਰ ਕੁੱਲ 9500 ਜ਼ਿਕਰਯੋਗ ਹੈ ਕਿ 2022 'ਚ ਰਾਜਾਂ ਦੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਵਿਚ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਅੰਕਾਂ ਦਾ ਸਰਵੇਖਣ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਰਾਜਸਥਾਨ-ਨੇ ਪਹਿਲਾ, ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਨੇ ਦੂਜਾ ਹੈ। ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਮਹੂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਨੂੰ ਹਰਾ ਕੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਅਤੇ ਛੱਤੀਸਗੜ੍ਹ ਨੇ ਤੀਜਾ ਸਥਾਨ ਸਾਫ਼ ਛਾਉਣੀ ਬੋਰਡ ਦਾ ਪੁਰਸਕਾਰ ਸਭ ਤੋਂ ਸਵੱਛ ਸੂਬਾ ਬਣ ਗਿਆ ਹਾਸਲ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਪਿਛਲੀ ਵਾਰ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਵਧੀਆ ਸਫ਼ਾਈ ਸੀ। ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ 100 ਤੋਂ ਵੱਧ ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਪਹਿਲੇ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਸੀ। ਮਿੱਤਰ ਸੇਫ਼ ਸਿਟੀ ਐਵਾਰਡ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਾਲੇ ਰਾਜਾਂ ਵਿਚੋਂ ਪਹਿਲੇ



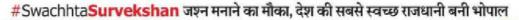
ਭਾਰਤ ਮੰਡਪਮ ਕਨਵੈਨਸਨ ਸੈਂਟਰ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ ਅਤੇ ਇਸ ਵਿਚ 12 ਗਿਆ ਹੈ। ਭੋਪਾਲ 2017 ਅਤੇ ਵਿਚ ਆਯੋਜਤ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿਚ ਕਰੋੜ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੀ 18 ਵਿਚ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਦੂਜਾ ਸਭ ਤੋਂ ਪ੍ਰਧਾਨ ਦ੍ਰੋਪਦੀ ਮੁਰਮੂ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰੀ ਪ੍ਰਤੀਕਿਰਿਆਵਾਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਈਆਂ। ਸਾਫ਼ ਸ਼ਹਿਰ ਸੀ। (ਏਜੰਸੀ)

ਸੰਬ ਪ੍ਰਦਸ਼ ਪਹਿਲ ਸੰਬਾਨ ਤੇ ਸੀ। ਸਿਤਰ ਸੱਭ ਸਿੱਧੇ। ਸੰਵਾਰਡ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਾਲੇ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਪਹਿਲ ਗੰਗਾ ਦੇ ਕਿਨਾਰੇ ਸਥਿਤ ਸਭ ਤੋਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੂੰ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਨੰਬਰ 'ਤੇ ਆਇਆ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਸਾਫ਼ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚੋਂ ਵਾਰਾਣਸੀ ਅੰਕੜਿਆਂ ਮੁਤਾਬਕ ਸਵੱਛ ਨਾਲ ਹੀ ਇੰਦੌਰ ਨੇ ਸਫ਼ਾਈ ਦਾ ਪਹਿਲੇ ਅਤੇ ਪ੍ਰਯਾਗਰਾਜ ਦੂਜੇ ਸਰਵੇਖਣ 2023 ਵਿੱਚ 4447 ਛੱਕਾ ਲਗਾਇਆ ਸੀ। ਭੋਪਾਲ ਵੀ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਰਿਹਾ। ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਸਥਾਨਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਨੇ ਸੱਤਵੇਂ ਤੋਂ ਛੇਵੇਂ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਪਹੁੰਚ

Patrika

Bhopal









Raj Express

Bhopal



Satta Sudhar

Bhopal





8

स्वचन सर्वेक्षणा- 2023 में देश के 4416 शहरों ने भाग लिया और भोधाल ने स्वच्छता में बेहतर प्रदर्शन करते हुए देश भर में त्वच्छता में 05 वां शहर होने की उपलविद हासिल की । स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के अंतर्गत नगर निगम, भोपाल द्वारा स्ववकता के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे सुधारों, स्वच्छता हेतु किए गर अथक प्रयासा और स्वच्छता संबंधी गतिबिधियो/कार्यो तथा नवरचारी के माध्यम से स्वच्छता में वियत सर्वेक्षण की आपेक्षा जस बार बेहतर प्रदर्शन करते हुए 01 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ शाहरों की रैकिम में मुचार करते हुए देशभर के स्वक शहरों में 05 वा स्थान ग्राप्त करने में सफलता हासिल की है।

के भारत मण्डपम में को गई और पुरस्कार वितरण कार्यकम आयोजित किया गया।



11

भोपाल को स्वच्छता रैकिंग में

सुधार हुआ है और हम अपने शहर

भूगत हुआ हे आरंहर जन पहल को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने हेतु और अधिक प्रभावी प्रयास करेंगे। निगम आयुक्त

होने पर शहर के नागरिकों को स्वच्छता में विशेष योगदान हेतु साधुवात देते हुए टोम नगर निगम भोपाल को बधाई दी और विशेष रूप से दिन-रात लगातार कार्य करने वाले सफाई मित्रों को धन्यवाद, बधाई एवं शुभकामनाएँ

भी खिलाई। स्वच्छ भारत मिषन शहरी 2.0 के अंतर्गत स्वच्छ

सर्वेक्षण-2023 के परिणामों की

घोषणा गुरुवार को नई दिल्ली के

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय

जा रहे है और इन्हीं सुधारों के परिणाम स्वरूप स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में रैकिंग में सुधार करते हुए देश का 5 वां स्वच्छ शहर बनने का गौरव प्राप्त किया है। नई दिली में केन्दीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी से महापौर मालती राय व निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर भारत सरकार के आबासन एवं शहरी कार्थ सचिव मनोज जोशी निगम के अपर आयुक्त किनोत तिवारी, महापीर परिषद के सदस्य आरके सिंह बघेल, उपायुक्त योगेन्द्र पटेल एवं सफाई मित्र कुसुम आदि मंच पर मौजूद थे। भोपाल को स्वच्छ सर्वेधण-2023 में 5 वां स्थान प्राप्त होने पर महापौर मालती राय ने शहर के नागरिको, जनप्रतिनिधियों एवं निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों

Sach Kahoon

Chandigarh

स्वच्छता सर्वेक्षण में हरियाणा को १४वां स्थान

अलावा सीएम सिटी करनाल और घरौंडा के बेरी और पंचकुला को प्रदेश में तीसरी

चंडीगढ़ (सच कहूँ न्यूज)। शहरी एवं रैंक मिली है। प्रदेश का गुरुग्राम और आवास मंत्रालय ने स्वच्छता सर्वेक्षण नीलोखोड़ी चौथे, झज्जर नगर परिषद व 2023 के रिजल्ट में हरियाणा को झटका 🛛 बहादुरगढ़ नगर परिषद ने प्रदेश में संयुक्त लगा है। देश भर में हरियाणा को 14वां रूप से पांचवां स्थान डासिल किया है। स्थान मिला है। सर्वेक्षण में हरियाणा का पानीपत और फतेहाबाद छठे, हिसार ओवरऑल स्कोर 1958.01 रहा है। और नारावणगढ़ सातवें नंबर पर रहा है। क्लीन सिटी में स्टेट लेवल में रोइतक- करनाल व हिसार को वाटर प्लस भी गोहाना को पहली रैंक मिली है। इसके घोषित किया गया है। अंबाला और आठव. यमनानगर आर कालका को द्वितीय स्थान रहा। झज्जर समालखा नौवें, अंबाला सदर और सोहना दसवें स्थान पर रहा है।

Peoples Samachar

Bhopal

भोपाल देश की सबसे साफ राजधानी बनी, स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी इंदौर लगातार ७वीं बार सबसे साफ शहर स्वच्छ शहरों में भोपाल पांचवें नंतर पर

प्रीकुल्म टीम 🖷 भोषाल/इंग्रीत

के परिणाम घोषित

मुर्मु ने दिए अवॉर्ड

त्वतना सर्वेशाग-2023 के रंगाग गुरुवार को घोषित किए () ईटीर ने एक बार फिर परबम दराया और लगतार रमी बार बसे स्वर्थक सार का दिवस्व ताको उक्का का का किलक इसिन किया सार्वफा कर का उसे कह किराक संस्कृत कर की सुबद के कहा किया भोराज की उसे के प्रकर्ष करने सरका सार किरा के प्रकर्ष करने सरका सार किरा के प्रकर्ष करने किरा 1 सुबद के स्वर्फ सार करने के इसिन किरा 1 सुबद कु रहस की किरा 1 कुरा के प्रकर्ण के किरा 1 कुरा के प्रकर्ण का का कुरा क प्रकर्ण का का करने कुरा क प्रकर्ण का 15 के 20 दुनार आजले का के तो के किरा 15 के उसका 15 के 20 मेपाल । राष्ट्रपति झैंपती सुर्गु ते राज्यते न फंपी हरदीय सिंह पुरी, नगरीच विकास १ संहर वादर (तस)
३६१ सहने थी ओडीएक+
३ सहने थी ओडीएक-+
३ सहने थी ओडीएक दर्जा
प्रदेश में एक 2-स्टार, एक 5-स्टार, 24 3-स्टार और (152 बन-स्टार गठेंज डी शार्डर है) नार जायाद काल क्या काल काल । नौर्येजाबाद (उन्हर्मिया) एक इन्द्र से कम जनसंरक्ष काले कहती फिस्ट मुर्विष कटी बेले में प्रचम हा। इन्हें खेरी में जनसर्कटक लरे मंबर पर रहा। बहु कालने बार्स्ड केंटोनमेंट सोई बना।

मप्र इसलिए दूसरा सबसे

ख्त्वरा राज्य बन्ता



1 व्यवतीय क्षेत्रे ते गण्ड १००% १००% रसार में केंद्रीय व्यवसंतिक क्षेत्र से जातई 100% 100% 1 प्रतिभा बागरी। मंत्रिक दावर्थद्वा में कवाई 100% 97%

जन स्टानजीवी नगरी 100% 100%

स्थे चुठु प्रमुख में आपना रही मजरूर कही कुम्मल रही कि मार्ग प्राप्त में कि मार्ग मजरूर कही कि मार्ग प्राप्त में कि मार्ग प्रार्थक कि मार्ग प्राप्त में कि मार्ग प्राप्त में प्रार्थ प्राप्त में दी प्रीप्त कहार का दिया ज कुमतों कहा पर स्वर्फन के किया कि मार्ग प्राप्त में कि मार्ग कहा मार्ग प्रार्थ की प्राप्त में कि मार्ग में स्था प्रार्थ की प्राप्त में कि मार्ग में स्था देवा प्रारं कर की प्राप्त मार्ग के कि मार्ग में स्था द्वारा प्राप्त में कि साथ कहा स्था देवा प्राप्त में कि मार्ग में कि मार्ग में स्था द्वारा प्राप्त में कि मार्ग में कि मार्ग में स्था द्वारा प्राप्त में कि मार्ग में साथ स्थान द्वारा मार्ग प्राप्त में कि मार्ग में सा तीवेज के पानी से सिवाई सीवेज दोटमें नगर निगम ने ज्यादा फोकर दोटमें नगर निगम ने ज्यादा फोकर किया 1 16 सोरोज ट्रोटमेंट प्लाट से जिनमें 8 को ट्रीटमेंट प्लाट से निकलने कले लगभग 31 प्रतिप्रात

दनिया का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वेषण

2016 में स्वयत्व सर्वेक्षण को युस्तजात हुई थीं। 2023 में 4500 में जवादा राहन गिसर में थे। सर्वे की बीम वेस्ट टू वेल्व थीं। इहजार

उपचरित जल का दोबा राजयते बोन्ट्रल वर्ज, फाउटेन, मलय कत पत कृति व वानिकी में किया जा है। भोषात में 56 प्रतिभात श्रीकी नेटवर्फ स्थापित किया जा तुब्र है त्र स्वरू गए गए 🛚 कबाड़ से कई उनोवेशन व्या सबसे बड़ा लाग बनावा । दुनिव की सबसे बड़ी तीमा अटल पर्य पर बरे से काल झहि • फूली के व सामारी की इकटता की जानहीं है । प्रिष्ठ

• मुर्तियों के दांवों से टी-मार्ड रणेणोल्सा और दुर्गल्का में विश्वान मुर्तियां के विश्वार्तन के बाद इनके दी जो निमान दी—गाउँ तैयार कर सह है

कर्मदारिवे को स्वकृता का मुख्यक सौंघ गढा था। शहरी का आकर्तन 46 पैसमीटर पर हुआ। 12 करीठ नगरिको से कीठमेक भी लिबा गढा

भोपाल की रैंकिंग सुधरी, लेकिन टॉयलेट सफाई और सेग्रीगेशन में हम इंदौर से पिछड़े

इन चुनौतियों से निपटना जरूरी

भानपुर की तरह ही आदमपुर छावनी कवरा खती को कवरा से मुक्त करना होगा। वर्तमान में यहां पर कई टन कचरा डंप है। इसकी वजह से आदमपुर समेत आसपास के गांधों का भूजल प्रदूषित हो गया है। इतना ही नहीं, यहां पर कबरा जलाने के कारण हवा भी प्रदूषित हो रही है।

 पब्लिक टॉयलेट की सफाई में इस बार राजधानी भोपाल को इंदीर से 3 अंक कम मिले है । इसलिए अगले सर्वेक्षण में रैकिंग सुधारने के लिए नगर निगम को इस पर और काम करना होगा।

 राजधानी के कई इलाकों में सीवेज की समस्या अभी भी बनी हुई है। खासकर बारिश के सीजन में यह समस्या और बढ जाती है। तेज बारिश के दौरान सीवेज का गंदा पानी सहकों पर आ जाता है। पॉलीथिन पर प्रतिबंध है, बावजूद इसका उपयोग खुलेआम हो रहा है

 राजधानी के कई बलाकों में यह भी खुले में कवरा फेंका जा रहा है। इस पर सख्ती से रोक लगानी होगी।

धब्लिक अवेयरनेस बढ़ने से भोपाल और स्वच्छ बन् सकता है। इम कोशिश करेंगे कि अगली बार रैंकिंग और सुधरे। फ्रैंक नोबल ए, आयुक्त, नगर निगम

स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में *जहर 5वें* स्थान पर, 2022 में छठवें नंबर पर था

पीपुल्स संवाददाता 💿 भोपाल बो.न. 9300697983

इस साल राजधानी भोपाल को फाडव स्टार रेटिंग के साथ देश का पांचव सबसे स्वच्छ शहर चुना गया है। सीमित संसाधनों और कई चुनीतियों के बाद भी एक पावदान को छलांग लगाना भोपाल के लिए बड़ा एच्च्रेक्मेंट माना जा रहा है। पिछली बार भोपाल देश के सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में छठवें स्थान पर था।

दिल्ली के भारत मंडपम काल्यशन सेंटर में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति प्रौपदी मुर्म और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 के परिणामों की बोषणा की। इसके साथ ही राजधानी में जश्न का महौल हो गया। नगर निगम मुख्यालय सहित अन्य दफतरों में मिठाई बांटी गई। नगर निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्ववंशी ने सफाई कर्मियों के साथ डांस कर खुशी का इजहार किया। महापौर मालती राय ने भोपाल को इस उपलब्धि के लिए सभी शहरवासियों को बधाई दी है। रैंकिंग में इजाफा होने से निगय अधिकारी उत्साहित हैं। उनका दावा है कि 2024 में और भी बेहतर काम कर भोपाल को उसकी पुरानी रैकिंग पर वापस लाया जाएगा।



नई दिल्ली में में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता अवॉर्ड के साथ महापौर मालती राय, नगर निगम आयुक्त एवं अन्य अधिकारी।

4,355 शहरों के बीच थी स्पर्धा देश के ४ ३६९ शहरों ने दस प्रतिरपर्धा में भाग लिया था। इसमें इदौर 7वी बार पहले पायदान पर रहा। वहीं भोषाल ने अपनी रैंकिंग सुबारते हुए 5वें प्रायदान पर प्रकड़ बनाई। हालांकि एक साल पहले भोपाल 6वें नंबर पर था। इस बार कुल 9,500 अंक का सर्वेक्षण था। इसमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस पर 4525, सर्टिफिकेशन पर 2,500 और पबिलक फीडबैक पर 2,475 अंक दिए गए।

टॉयलेट सफाई में 97 और सेग्रीगेशन में 98 अंक मिले जानकारी के अनुसार, भोपाल को कवरें के सोर्स सेगीमेलन के प्रैरामीटर में पह अक मिले हैं, जबकि इंदौर को 98 अक मिले। वही शहर को पब्लिक टॉयलेट की साफ-सफाई में भी भोपाल को 97 अक मिले। इंदौर को इस केटेगरी में 100 प्रतिशत अंक मिला। इस तरह सर्वे पैरामीटर्स में भोपाल, इंदौर से 3-3 अंक से पिछड़ गया।

6वें स्थान पर पहुंच गया था। अब जाकर भोषाल टॉप 5 की रैकिंग में शामिल हुआ।

दो साल तक देश में दूसरे नंबर पर रहा था राजधानी भोपाल गौरतलब है कि स्वच्छता सर्वेक्षण के शुरुआती दो साल तक भोपाल, देश में दसरा सबसे साफ शहर चना गया था। लेकिन वर्ष २०१९ में भोपाल १९वें पायदान पर पहुंच गया था। इसी तरह वर्ष 2020 में 12वें, 2021 में 7वें और वर्ष 2022 में यह

🗨 भोपाल को फाइव स्टार रेटिंग मिली है। इसके लिए सभी को धन्ववाद ।

Navbharat

Bhopal



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रदान किया स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023

भोपाल, 11 जनवरी. राष्ट्रपति दाँपदी मुर्मु ने आज दिली स्थित भारत मंडपम में आवोजित स्वच्छ सर्वेक्षण प्रस्कार

को है. सबसे स्वच्छ राज्यों की श्रेणो में द्वितीय स्थान का पुरस्कार भी मध्यप्रदेश को प्राप्त हुआ. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में टीम मध्यप्रदेश ने पुरस्कार ग्रहण किए, प्रदेश में स्वच्छता के प्रयासों से 7 शहरों को वाटर प्लस, 361 शहरों को

का खिताब हासिल किया है. ओडीएफ++, 3 शहरों को शहर को स्वच्छ शहरों की सूची में ओडीएफ+ और 7 शहरों को गार्वेज फी सिटी में 5 स्टार रेटिंग

ओडीएफ दर्जा प्राप्त है. प्रदेश में के साथ पांचवा स्थान प्राप्त हुआ है. एक 7-स्टार, एक 5-स्टार, 24 3-स्टार और 132 1-स्टार गाबेंज फ्री शहर है, कार्यक्रम में भोपाल

समारोह में केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, (शेष अंतिम पृष्ठ पर) मित्रों को बधाई देते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि इंदौर का लगातार सातवी बार स्वच्छता के शिखर पर पहुंचने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन को जाता है.

इंदौर का जज्बा... स्वच्छता का छुआ **ट्रियां आसमान**

N 1

शहर को लगातार सातवां अवॉर्ड

पूरे शहर में जश्न, गार्बेज फ्री सिटी में भी 7 स्टार

इंदौर शहर ने स्वच्छता का सातवां आसमान छू लिया और फिर देश का सबसे स्वच्छ होने का अवार्ड हासिल किया . हालांकि यह अवार्ड इस बार सूरत के साथ साझा करना पड़ा . नई दिली में आयोजित समारोह में इसकी घोषणा की गई . अवार्ड की घोषणा होते ही कर्मचारियों ने जश्न मनाया और झूम उठे . नवभारत न्यूज इंदौर, 11 जनवरी. राष्ट्रधति डौपदी मुर्मू ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन वादव, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्षीय, प्रहापीर पुष्टवित्र भागंव, सांसद शांकर ललवानी और निगमायुक्त हॉर्षका सिंह को वड प्ररस्कार सौंपा.

सांसद झांकर ललबानी और निर्पामायुक्त हॉर्थका सिंह को यह पुरस्कार सॉम्पा. केंद्रीय मंत्री रहवीप पूर्ण भी मौजूद थे. अवार्ड मिलने के बाद इंदीर में कई स्थानों पर छांस कर करन मनाया. जिगम कॉर्मवों को भी सम्मलित किया गया. इंदीर वे प्लास्टिक लेख मैं केंदीर डे और डोर- टू-डोर कचरा कलेक्शन के बलबूते फिर तमागा हासिल किया है. चेकर टू-आर की वजह से इंदीर इस बार रेस अं आगे था, तिकिन सुराज और इंदीर के अंकी में सिफ 200 पाइंट का ही अंतर था. आखिर में सुरात ने बराय कि कर तो और दोनों को संयुक्त इनाम दें दिया गया.

मह कंटोनमेंट बोर्ड भी नंबर 1

दूरीर को गावें ज फ़ी सिदी सेगॉर्ट में सेवन स्टार रेटिंग भी मिली है. कचरे को छह हिस्सों में डोर टू डोर रेखेंगेछन करने के आइडिया को भी अबार्ड मिला. कुल तीन अबार्ड इंटीर के खाते में आए हैं. जिसे के मह ने भी डीतहास रचते हुए स्वच्छना में नेबर 1 कटीनमेंट बोर्ड का खिताव पहली बार जीता है.



नवाचारों से मिला फायदा

स्वत्वज्ञा को लेकर करीब चार महीने पहले इंदौर में सर्वेषण हुआ था. सर्वेषण दल ने 15 दिन इंदौर में स्डव्यर अलग-अलग क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का जावजा लिया था. इंदौर को सफाई व्यवस्था बनार रखने के साथ-साथ इस क्षेत्र में उसके झारा विष्ट्र गए नवाचारों का फावदा भी इस सर्वेषण में मिला है. नगर निगम ने ने बू-बू अभियान. सिंगल फास्टिक फेयरबेल पार्टी, इंटनीशिप विश्व मेथर जैसे नवाबर रिक्र हैं, जिनका फायब भी मिला.

इस वजह से सुरत ने की इंदौर की बराबरी

सुरत ने इस बार इंदीर की तरह सफाई को जनआंदोलन का रूप दिया. चौराहो का सौदयींकरण और पेटिंग्स से सडकों को संबारा. प्रत्तिक टॉयलेंट्स की 100 प्रतिप्रत्न सफाई की, कचरा रीयूज कर सौएनजी, खाद बनाने जैसे प्रयोग किए. 6 तरह के कचरे का अलग–अलग कनेवशन किया.



केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी से महापौर मालती राय और निगमायुक्त ने ग्रहण किए पुरस्कार

🕨 स्वच्छ सर्वेक्षण में देश के 4416 शहरों ने भाग लिया

भोषाल, 11 जनवरी . नगर निगम, भोपाल द्वारा स्वच्छता के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर सुधार किये जा रहे हैं और इन्हों सुधारों के परिणाम स्वरूप स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में रैंकिंग में सुधार करते हुए देश का 5 वां स्वच्छ शहर बना गया है। नई दिल्ली में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी से महापौर मालती राव व निगम आयुक्त प्रैंक नोबल ए ने पुरस्कार ग्रहण किया.

इस अवसर पर भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य सचिव मनोज जोशी, निगम के अपर आयुक्त विनीत तिवारी, महापौर परिषद के सदस्य आर. के.सिंह बघेल, उपायुक्त योगेन्द्र पटेल एवं सफई मित्र मती कुसुम आदि मंच पर मौजूद थे. भौपाल को स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में 5 वां स्थान प्राप्त होने पर महापौर मालती राय ने शहर के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं

स्वच्छ सर्वेक्षण- २०२३ में देष के ४४ १६ शहरों ने भाग लिया और भोपाल ने ब्दव्हला में बेहतर प्रदर्शन करते हुए देश भर में स्वच्छता में 05 वां शहर होने की उपलब्धि हासिल की . स्वच्छ सर्वेक्षण- 2023 के अंतर्गत नगर निगम, भोपाल द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे सुधारों, स्वच्छता हेतु किए गए अथक प्रयासो और स्वच्छता संबंधी गतिबिधियों/कार्यों तथा नवाचारों के माध्यम से स्वच्छता में विगत सर्वेक्षण की अपेक्षा इस बार बेहतर प्रदर्शन करते हुए 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की ब्रेणी में स्वच्छ शहरों की रैंकिंग में सुधार करते हुए देश भर के स्वच्छ शहरों में5 वॉ स्थान प्राप्त करने में सफलता होसिल की है . नगर पालिक निगम, भोपाल लगभग 418 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है. इस शहर की विषेषता प्राकृतिक सौंदर्य से ओत–प्रोत शैल शिखर और झीलों का शहर है जिसमें बड़ी झील ही 36 वर्ग किलोमीटर परिया में फैली हुई है.

निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों विशेषकर सफाई मित्रों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नागरिकों, जनप्रतिनिधियों के निरंतर सहयोग व निगमकमिंयों के अधक परिश्रम के कारण ही भोपाल की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार हुआ है और हम अपने शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने हेतु और अधिक प्रभावी प्रयास करेंगे

निगम आयुक्त प्रेंक नोबल ए ने भी स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में भोपाल को देश के स्वच्छतम शहरों में 5 वां स्थान प्राप्त होने पर शहर के नागरिकों को स्वच्छता में विशेष योगदान हेत् साधुवात देते हुए टीम नगर निगम भोपाल को

बधाई दी और विशेष रूप से दिन-रात लगातार कार्य करने वाले सफाई मित्रों को धन्यवाद, बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेपित को है. निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने भोषाल की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार पर हर्ष व्यक्त करते हुए स्वयं होल बजाकर हर्ष व्यक्त किया और सफाई मित्रों को मिठाई भी खिलाई. स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के परिणामीं की घोषणा गुरुवार को नई दिल्ली के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के भारत मण्डपम में की गई और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम ु आयोजित किया गया स्वच्छ

भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत स्वच्छता की प्रतिस्पर्धा का दायरा बढता जा रहा है और प्रतिस्पर्धा के नियम भी कठिन किए जा रहे है जिससे स्वच्छता के कार्य और गतिविधियों के लिए प्रयास भी बडे व्यापक पैमाने पर करना पड़ रहे है.



Amrit Sandesh

Raipur

छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

🥊 असन संवेतः । नई दिल्ली दानीयगढ़ देश का जीवा। प्रबंधे स्वच्छ सत्य का गया है। केलीव आवादन एवं शरते कार्य मंत्रालय द्वारा आवोजित स्वच्छा सर्वेक्षण-2023 में उत्तीमगढ़ को महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद देश के ग्रीपर যান্দা মাজ যুখ্য যান্দ্র কা তার্ন "মলা হী। হাইস কা হয় বহালনি र्थ लिए राष्ट्राति जोनली दौषवी मुर्मु ने आज नर्ष दिही के भारत मडपन कन्द्रेन्सन मेरेर ने आपंडिक समागेड में पुरस्कृत भावत्वा समाप्रक में पुरस्क कवा। मुख्यमंत्री जम्मु देव राज्य तीर जा पुरस्कामें व नगरीय जनमा मज्ज में कह पुरस्काम प्रारण किया। स्वायक मर्ववा में त्वकृष्ट प्रवर्शन करने वाले राज्य के चांच नगरीय निकायों रायपुर,



आगे भी अपने चेक्रातीन करवें को जाएँ रखेंने और अन्य मारहेब निम्हावों के लिए प्रेणाओस वनेंगे। प्रायमुंद नगर पालिका की पूनी तीन में 50 हलाम से एक लाख तक की आवादी वाले शहरों को बेगों में रूबमें स्थाप्त शहर का पुरस्कान भिन्ना है। देवा के पूर्वी जोन में पुजार्ग नगर पालिका को 23 हजार में 50 हजर सब भी आबादी बाले हाइगी की क्षेत्री में और आरंग गगर मॉलका को 15 हजान से 25 हजार तक भी आधारों वाले शहरों की बेली में राज्यमें स्वाच्छ शहर का पुलकान जिला है। पांडन नगर गोंचवत को एक लाख में जम जानावी जमें एक राज्य ने कम आजवा करा इडरों में देश के दूसरे मर्वाफिक स्वारा एडर के लिए सम्मूर रिया कर के ऑडीएक राष्ट्र राष्ट्र का दर्वा प्राप्त पारन की गरवेज पनी सिटी में मन्द्रव स्टल िको। मिला है। धर्म में राषजु संध्य सिंधय को एक साम्रा में नवर जिपम को एक लोक में अधिक बनमंख्य जाते रहाँ में प्रवेश का सकसे स्वच्छ हात पूज गया है गरकेव को सिरी में तरहार को कहरा स्टप्त सेटेंग पूज रूप है। जम कम है।

इंदौर-सुरत सबसे स्वच्छ शहर, वाराणसी को भी मिली जगह

नई दिन्ही, (ए)। श्रेतीय आवास और राहाँ मान्स्त्री ने मंत्रालन द्वारा तिए गए स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 पुरस्कार्ये भी मोपण हो मुकी है। हेवीर और युरल को मंदुन्द रूप से भागत का मजले सवच्छ रहर पौलित किया गया है। आगको बना दें कि इंदीर ने लगालर समये पाल जब जुरस्कार जोत है। सुरत को न्डली बत यह सफराज मिली है। इसके अराज, चयी शंबई जो देश का तीएस सबसे स्वत्तक हाहर पोणित जिला गया। मागगर को मजसे स्वथ्छ एज्य का पुरस्का गिला है। इसके बाद मध्य प्रदेश का स्थान ताला है। नजीगढ़ ने म्लकत कमेवारेवी के लिए सवीतम मुल्का मलको चाले बता का पुरस्का जोता है। इसे लकदमित्र पुरवित कहर का कम दिया गया है। वझारसी को सबसे स्वन्ध नंग शहर ५। खिताब चित्रा गया। वहीं, प्रयागगण दूसरे स्थान पा रहा। लगसंख्या के दिसा नीएडा को भी ज़ल्कार मिला है।



present in the programme. Nearly 110 awards were be stowed during the ceremony.

Deshbandhu

Raipur

छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

स्वच्छ सर्वेक्षण में पांच नगरीय निकायों रायपुर, महासमंद, कुम्हारी, आरंग और पाटन को भी मिला पुरस्कार

रायमूर, 11 जनवरी (देशबन्धु)। छत्तीसगढ्देशकातीलग सबसे स्वच्छ राज्य बन गया है। केन्द्रौथ आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में छत्तीसनड को घटा गय और घध्यप्रदेश के बाह देश के तीसरे सबसे साफ- सक्षरे राज्य का दर्जा मिला है। प्रदेश को इस उपलच्छि के लिए राष्ट्रपति श्रीमती डौंपदी मुर्मु ने आजनई दिखे के भारत मोध्यम कन्द्रो सान सेंटर में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साथ और उप मुख्यमंत्री व कारीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साब ने यह पुरस्कार प्रहण किया। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हल्दी प सिंह पुर्वे, सचित्र मनोज नोशी और स्व छ। भारत मिशन (शहरी) की निदेशक श्रीमती रूपा पिआ भी लमारोह में शामिल हुई। स्वच्छा सर्वे क्षण में उच्छा? प्रदर्शन करने वाले राज्य के पांच नगरीय निकायों रायपुर, महासमुंद, कुम्हारी, आरंग और पाटन को भी समारोह में पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साथ और





छत्तीसगढ ऐसे बना देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

हो रहे लगातार अच्छे कार्यों के कारण सर्वेक्षण के परिणामों के मुताबिक बाटर प्लस का दर्जा मिला है। गारवेज फी सिटी के अंतर्गत प्रदेश

वाले 164, ओडीफ फास वाला एक पालिका को 25 हजार से 50 हजार धनी सगढ़ को देश के तीसरे सबसे और ओडीएफ वाले तीन शहर हैं। तक की आसादी वाले शहरों की वेगी स्वच्छराज्य कादती मिलाई (स्वच्छ) प्रदेश के एक नगरीय निकाय को में और आरंग नगर पालिका को 15

के दो शहरों को फाइव स्टार रेटिंग, जोन में 50 इजार से एक लाख तक शहर का पुरस्कार मिला है। पाटन-पुरस्कृत किया गया है। ओडीएफ 47 शहरों को सिंगल स्टार रेटिंग) सबसे सबस शहर का पुरस्कार फिला आबादी वाले शहरों में देश के दूसरे 🍃 शेष युष्ठ 7 पर 🔎

शहरों को स्वच्छ रखने प्रदेश में मिला है। राज्य में ओडीफ फास प्लस है। देश के पूर्वी जो न में कुम्हारी नगर हजार से 25 हजार तक की आबावी महासमुंदनगर पालिका को पूर्वी वाले शहरों की ब्रेणी में सबसे स्वच्छा सर्वाधिक स्वच्छा शहर के लिए

23 शहरों को भ्री स्टार रेटिंग और भ्री आबादी वाले शहरों की श्रेणों में नगर पंचायत को एक लाख से कम प्लेस प्लस की देवी प्राप्त पाटन को

उप मुख्यमंत्रा अरूण साथ न प्रदेश
और लारीय निकायोंकी इस उपलॉक
पर संबंधित निकायों के निर्वाधित
जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों,
समन्त्रयको तथा स्वच्छता दीदियों
को बजाई और शभकामनाएँ दी हैं।
उन्होंने कहा कि इनके उत्कृष्ट कार्यों
के कारण आ नप्रदेश को राष्ट्रीय रतर
पर गौरवान्वित होने का मौका पिला
है। उन्होंने उप्पीद जताई कि राज्य के
शहरों को साफ-सुधराएवं कचरामुक्त
रखने के लिए ये आगे भी अपने
बेहतरीन कार्यों को जारी रखेंने और
अन्य नगरीय निकायों के लिए
प्रेरणास्त्रीत वर्त्तेगे।

काइव रहस रहिंग -	2 期刊
धी स्टार रेटिंग 🚽 –	23 शहर
सिगत स्टार रेटिंग -	47 393
ओडीएफ प्लस प्लस -	164 शहर
ओडीएक प्लस -	S THE
वाटर प्लस 🛛 🗧	1 537

रायपुर समेत पांच निकायों को स्वच्छता पुरस्कार, राज्यों में तीसरे नंबर पर हम आवास एवं अल्पे कार्य संयाल

रायपुर/नजप्रदेश। केंद्र सरकार ने गुरुवार को स्वण्ड श्लेंक्या 2025 के परिवास जारी थिंगा। देश के स्वच्छ वृज्यों की कैटेंगी में इस् नार मवाराष्ट्र वायपुरा-माव्यदेशों केंद्र सरकार ने गुक्तार को स्वयफ़ उनों क्या 2023 के आवंधतिक स्वाफ उनों क्या 2023 के आवंधतिक स्वाफ उनों क्या 2023 के प्राविगक जी फिरा ही से क्या 30 का जिस्करों की का स्वान के खानिय की तीनका स्वान किये का ने प्रदान, सरका ने का की हम्मा 30 का प्राय होनिक का की प्राय 30 का प्राय 30 का का की प्राय 30 का प्रा



50 इज़ार की आबबरी में महासमुंद धहते नंबर पर 🛛 🕅 ऐसे बना देश का बीतवा सबसे स्वच्छ वज्य

Navbharat

Raipur

छत्तीसगढ़ तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023: इंदौर, सूरत सबसे स्वच्छ शहर

एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में पाटन देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर

नवभारत ब्यूरो। नई दिल्ली।

केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर और सूरत को देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में चुना गया जबकि नवी मुंबई तींसरे स्थान पर रहा। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 में 'शानदार प्रदर्शन करने वाले राज्यों' को श्रेणी में महाराष्ट्र ने पहला स्थान हासिल किया, जिसके बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ रहे। छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य बन गया है। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में छत्तीसगढ़ को महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद देश के तीसरे सबसे साफ-सुथरे राज्य का दर्जा मिला है। प्रदेश की इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साथ और ≫ श्रेष पेज 9 पर

राज्य केटेगरी के अलावा छत्तीसगढ़ के कुल पांच नगरीय निकायों को भी मिला पुरस्कार



राष्ट्रपति के हाथों मुख्यमंत्री साय और उप मुख्यमंत्री साथ ने ग्रहण किया पुरस्क रायपुर राज्य का

सबर्स स्वच्छ शहर बना

सर्वे में रायपुर नगर निगम को एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में प्रदेश का शहरा म प्रदश का सबसे स्वच्छ शहर चुना गया है। गारबेज फ्री सिटी में रावपुर को फाइव स्टार रेटिंग प्राप्त हुआ है।

छत्तीसगढ़ ऐसे बना देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

शहरों को स्वच्छ रखने प्रदेश में हो रहे लगातार अच्छे कार्यों के कारण छत्तीसगढ़ को देश के तीसरे सबसे स्वच्छ राज्य का दर्जा मिला है। स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणामों के मुताबिक गारबेज प्रभे सिटी के अंतर्गत प्रदेश के दो शहरों को फाइव स्टार रेटिंग, 23 शहरों को थ्री स्टार रेटिंग और 47 शहरों को सिंगल स्टार रेटिंग मिला है। राज्य में ओडीफ प्लस प्लस वाले 164, ओडीफ प्लस वाला एक और ओडीएफ वाले तीन शहर हैं। प्रदेश के एक नगरीय निकाय को वाटर प्लस का दर्जा मिला है।

सरकार का दावा है कि यह दुनिया का सबसे बडा स्वच्छता सर्वेक्षण

प्रदेश का सबसे स्वच्छ एक लाख तक BRE शहर

महासमुंद नगर पालिका को पूर्वी जीन में 50 हजार से एक लाख वक की आबादी वाले शहरों को श्रेणी में सबसे स्वच्छ राहरा का पुरस्कार मिला है। देश के पूर्वी जोन में कुम्हारी नगर पालिका को 25 हजार से 50 हजार तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में और आरंग नगर पालिका को 15 हजार से 25 हजार तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ शहर का परस्कार मिला है। पाटन नगर पंचायत को एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में देश के दूसरे सर्वाधिक स्वच्छ शहर के लिए पुरस्कृत किया गया है। ओडीएफ प्लस प्लस का दर्जा प्राप्त पाटन को गारबेज फ्री सिटी में फाइब स्टार रेकिंग मिला है।

50 हजार से

की आबादी

श्रेणी में

छोटे शहरों में सासवड़ देश में अव्वल

सर्वेक्षण के नतीजों के सम्बन्धन के नराजा के अनुसार, एक लाख से कम आबादी वाले सभी शहरों में महाराष्ट्र के सासवड को सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला। इस श्रेणी में छत्तीसगढ के पाटन को दूसरा और महाराष्ट्र के लोनावला को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। गंगा नदी के शहरों में वाराणसी को सबसे अच्छा एवं स्वच्छ शहर चुना गया जिसके बाद प्रयागराज को स्थान मिला। मध्य प्रदेश का महू छावनी बोर्ड सबसे स्वच्छ छावनी बोडों की श्रेणी में शीर्ष पर रहा।

TheHitavada

Main Paper Bhopal | 2024-01-12 | Page- 1 ehitavada.com

Indore bags cleanest city tag for 7th time Surat emerges joint winner



President Droupadi Murmu presents the 'All India Clean City - Rank 1' award to Indore, Madhya Pradesh as Union Minister for Housing & Urban Affairs Hardeep Singh Puri applauds during the Swachh Survekshan Awards 2023, in New Delhi on Thursday. MP CM Mohan Yadav with State Minister Kailash Vijayvargiya received the award from the President. (PTI)

NEW DELHI, Jan 11 (PTI)

INDORE bagged the cleanest city of India title for the seventh time in a row while Surat came out a joint winner for the top rank in the Central Government's annual cleanliness survey, the results of which were announced on Thursday.

Navi Mumbai retained the third position in the Swachh Survekshan Awards 2023'.

In the 'best-performing States' category, Maharashtra wasnamed the cleanest State in the country, followed by Madhya Pradesh and Chhattisgarh. In the last annual survey, Madhya Pradeshbagged the cleanest State title.

Three cities of West Bengal -- Madhyamgram (444th (Contd on page 5)

Nai Duniya

Raipur

छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

है।भारत के एक लाख से ज्यादा

जनसंख्या वाले 446 शहरों में रायपुर शहर को 12 वां रैंक मिला

है,जबकि 10 लाख से ज्यात जनसंख्या वाले शहरों में रायपुर

का पिछले वर्ष 11 वॉ रैंक यथावत

रहा है। केवल एक अंक से टाप

10 से रायपुर शहर चूक गया है। वर्ष 2023 की स्वच्छता

सबैक्षण में कुल 9500 अंकों के

सवें में रायपुर को 8540.20 अंक मिले हैं। एक लाख से अधिक

आबादी वाली श्रेणी में चंडीगढ़

और तिरुपति रायपुर से आगे हो

गए है लेकिन दस लाख आबादी

में रायपुर 10 वें स्थान पर पहुंचा

है।पिछले वर्ष के मुकावले एक रैंक आगे पहुंचकर शीर्ष 10 में स्थान बनाने में राथपुर कामवाब रहा।वर्ष 2023 की स्वच्छता

सर्वेक्षण को रैंकिंग में रायपुर शहर

को प्राप्त कुल अंक 8540.20 प्राप्त हुए है, जबकि 11 वीं रैकिंग प्राप्त करने वाले चेडीगढ़ शहर

को कुल 8541.10 अंक मिले।

गुरूवार को नई दिल्ली के भारत मेंडपम में आयोजित कार्यक्रम में

उपलब्धि 👁 राष्ट्रपति के हाथों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने ग्रहण किया पुरस्कार

बेहतर कार्य जारी

रखेंगे : मुख्यमंत्री

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने कावरने के बाद पुख्यन ता न कहा कि उत्कृष्ट कार्यों के कारण आज प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर

गौरवान्वित होने का मौका मिला है। राज्य के शहरों को साफ- सथरा

एवं कचरामुक्त रखने के लिए आगे

भी अपने बेहतरीन कार्यों को जारी

रखेंगे । उल्लेखनीस है कि भारत

सरकार के आवासन एवं शहरी

कार्य मंत्रालय द्वारा हर साल देश

के सभी शहरों एवं राज्यों के मध्य

स्वक सर्वेक्षण का आयोजन किया

आंकलन किया जाता है। राज्यों पर्व

शहरों की रैंकिंग जारी कर उत्कृष्ट

प्रदर्शन करने वाले राज्यों तथा शहरो

प्रदेश के अलग-अलग

निकायों की स्थिति

महासमुद नगर पालिका को पूर्वी

की आबादी वाले शहरों की ब्रेणी

देश के पूर्वी जोन में क्रम्हारी नगर

में सवसे स्वतन शहर ।

पुरस्कृत किया गया।

स्टार रैंकिंग।

के लिए चुना गया।

प्रवान किया।

में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार

पालिको को 25 हजार से 50 हजार

तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी

पाटन नगर पंचायत को एक लाख से

कम संबंधिक स्वक शहर के लिए

ओडीएफ जास जास का दर्जा घान

सर्वे में रायपुर नगर निगम को एक

ताख से अधिक जनसंख्या वाले

शहरों में प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर

पाटन को गाखेल की सिदी में काडव

जोन में 50 हजार से एक लाख तक

जाता है । इसमें विभिन्न मायदंडों

के अंतर्गत शहरी स्वच्छता का

को पुरस्कृत किया जाता है।

रायपुर (राज्य व्यूरों)। छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य दन को सिरत संबद्ध स्वयन्त्र स्वयन्त्र यन गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में छत्तीसगढ़ को महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद देश के तीसरे सबसे साफ-सुधरे राज्य का दर्जा मिला हैं। इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित समागेह में छतीसगढ़ को पुरस्कृत किया।केंद्रोय आबासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति के हाथों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साथ और उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। स्वच्छ सर्वेक्षण में उल्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के पौच नगरीय निकायों रायपुर, महासमुंद, कुम्हारी, आरंग और पाटन को भी समारोह में पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए प्रदेश और नगरीय निकायों को इस उपलब्धि पर संबंधित निकावों के निवाचित जनपतिनिधियौ व्यशिकारियाँ समन्वयकों तथा स्वच्छता दीदियों को बधाई और शुधकामनाएं दी हैं। नइंदिल्ली में आवीजित कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, सचिव मनोज जोशी और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की निदेशक रूपा मिश्रा भी समारोह में शामिल हुई। वो शहरों को फाडव स्टार

रेटिंगःस्वच्छ सर्वेक्षण के परिणामों के मुताबिक गारबेज फ्री सिटी के तहत प्रदेश के दो शहरों को फाइव स्टार रेटिंग, 23 शहरों को थी स्टार रेटिंग और 47 शहरों को सिंगल स्टार रेटिंग मिला है। राज्य में ओडीफ प्लस प्लस वाले 164 औडीफ प्लस वाला एक और ओडीएफ वाले तीन शहर हैं।

महापौर का रेलवे स्टेशन पर स्वागत

खच्छता सर्वेक्षण का राष्ट्रीय प्रस्कार लेकर नई दिल्ली से गुरुवार देर शाम को महाधीर फ्जाज देवर रायपुर लौट आए। उनका स्वामी विवेकानंद दवाई अंडडे पर सर्पथकों ने खामत कर इस बडी उपलब्धि के लिए क्वाई और शुभव्वमनाएं दी। इस दौरान पत्रकारो से चर्चा करते हुए ढेबर ने कहा कि यह रायपुर सहित पूरे ख्तीसगढ के लिए

एक बहुत ही बड़ी उपलब्धि है। आज हम स्वच्छता के मामले में राज्य में प्रथम आए हैं। इस उपलब्धि के लिए निगम के सभी पार्श्वद साशियों, अधिकारियों-कर्मवारियों के साथ शहरवासियों को हृदय से घन्यवाद, बधाई और शुभकामनाएं। इसी तरह से साथियों के राथ रायपुर को स्वच्छ और सुदर बनाने में जुटे रहेंगे।

मोर रायपुर राज्य का पहला वाटर प्लस और सबसे स्वच्छ शहर 旧

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री के हाथाँ पुरस्कार लेते उप मुख्यमंत्री महापौर और आयुवत) 👁 0000

80.27

कचरा प्रवंधन में पहली बार फाइव स्टार रेटिंग राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार में राज्य में सबसे स्वच्छ शहर का तमगा गार्बज की सर्वक्षण 2022-23 रायपुर के नाम रहा है।यहाँ नहीं में पहली बार रायपुर नगर निगम गारबेज फ्री सटिफिकेजन में फाइव को फाइव स्टार रैकिंग मिली स्टार पाने वाले पुरे भारत के 10 है।छतीसगढ में फाइव स्टार शहरों में से एक शहर रायपुर बन रेकिंग पाने वाला रायपुर पहला भिगम है। शहर से रोजाना 600 से गया है छित्तीसगढ़ राज्य की पहली वाटर फ्लस सिटी जनने का गौरव भी रायपुर शहर ने अर्जित किया

स्वच्छता सर्वेक्षण 2023

रायपुर नगर निगम स्वच्छता सर्वक्षण

अंक सर्विस लेवल प्रोप्नेस सर्टिफिकेशन सिटीजन कीखेक कुल 9500 4830 2500 2170 प्राप्त अक 8540.20 4497.56 2300 (१९२५ औडीएफ प्लस - प्लस एवं १९७५ जीएफसी,फाइव स्टार,बाटर प्लस) -1742.62 (प्रतिशत)

89.89 93.11

७०० भैटिक दन कत्तरा निकलन

है छ ससे रोजाना 25 टन खाद

तैयार की जा रही है ।रायपुर शहर

के 2.92 लाख घरीं और 45 हजार

कामर्थियल जगहों से सखा-गीला

92

कचरा संग्रहण किया जा रहा है।

शहर तथ्य पत्रक

यूएलबी जनगणना कोड	802034
रायपुर निगम पाई की संख्या	70
जनसंख्यां 2011)	1010433
नागरिकों की आवाज	1742.6
जीएकसी स्टार रेटिंग	काइच स्टार
ओडीएफ प्रमाणीकरण	वादर प्लस
केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरतीय सिंह पुरी के हाथों से प्रदेश के उपसुख्यमंत्री अरुण साथ, महापौर एजाना हेवर, और तिगम आयुक्त अधिनेशा मिश्रा, अपर आयुक्त अभिषेक अग्रवाल ने बाटर प्लस	यह मिला अंक वर्ष 2023 में भारत सरकार के केलीय शहरों विकास मंत्रालय द्वारा करवाए गए स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर शहर को फाइव स्टार के लिए, 1175 अंक, बाटर प्लस के लिए, 1125 अंक,
सिटी एवं फाइव स्टार रैकिंग का पुरस्कार प्राप्त किया।	इस तरह से कुल 8540 20 अंक प्राप्त हुए हैं।



मध्यप्रदेश को मिला स्वच्छ राज्य श्रेणी का द्वितीय पुरस्कार

शहरों में नौरोजाबाद और अमरकटक

(ज़ोब पेज 7 पर)

कार्यक्रम में भोपाल शहर को स्वच्छ को फास्ट मूबिंग सिटी श्रेणी में प्रथम

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश दर्जा प्राप्त है। प्रदेश में एक 7-स्टार, स्वच्छ शहर का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। स्वच्छता के संकल्प को साकार करने एक 5-स्टार, 24 3-स्टार और 132 एक लाख से कम जनसंख्या वाले करेगा। प्रदेश में स्वच्छता के प्रयासों से 5 स्टार रेटिंग के साथ पांचवा स्थान सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का

स्वच्छ शहर का पुरस्कार इंदौर शहर हासिल की है।

द्वितीय स्थान का परस्कार भी मध्यप्रदेश को प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में टीम के कुशल मार्गदर्शन को जाता है। को ओडीएफ++, 3 शहरों को 20,000 जनसंख्या वाले शहरों में मध्यप्रदेश ने पुरस्कार ग्रहण किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ओडीएफ+ और 7 शहरों को ओडीएफ बुधनी को पश्चिम जोन के सबसे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों, जनप्रतिनिधियों और स्वच्छता मित्रों को बधाई देते हुए में निरंतर अपना योगदान देता रहेगा 1-स्टार गार्बेज फ्री शहर है। उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। और आशा व्यक्त को कि आगामी उन्होंने कहा कि इंदौर का लगातार सर्वेक्षण में प्रदेश और बेहतर प्रदर्शन शहरों की सूची में गार्बेज फ्री सिटी में और द्वितीय स्थान मिला है। महू ने सातवीं बार स्वच्छता के शिखर पर पहुंचने का क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 शहरों को वादर प्लस, 361 शहरों प्राप्त हुआ है। प्रदेश के 15,000 से खिताब हासिल

Ajit

Jalandhar



Pioneer

Raipur

स्वच्छ सर्वेक्षण में राज्य के साथ ही पांच नगरीय निकायों को भी मिला पुरस्कार

南

गढ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

छत्तीसगढ़ ऐसे बना देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य हरूरों को स्वच्छ रखने प्रवेश में हो रहे लगलार अच्छे कार्यों के कारण छलीसगढ़

को देश के तीसरे सबसे स्वयभ रजव का दर्ज मिला है। स्वयभ सर्वेक्षण के परिण्डमें

के मुलबीबक जारबेज फी सिटी के अंतर्जन प्रदेश के को शहरों को फाइव स्टार रेटिंज,

23 सहरों को दी स्टार रेटिंग और 47 सहरों को रिजन स्टार रेटिंग मिला है। राज्य

में अंडीफ प्लस प्लस वाले १८४, ओडीफ प्लस वाल एक और ओडीएफ वाले तीन सबर है। प्रवेश के एक जारीप निकाध को बटर प्लस का वर्जा मिल है। मसरमंब

नगर पलिका को पर्दी जेन में 50 हजर से एक लख तक की आबनी बले खारी

प्रतनिवर संवद्धता 💐 बई दिल्ली

छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य बन गया है। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वग आगोजित स्वच्छ सर्वेधण-2023 में छत्तीसगढ़ को महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद देश के तीसरे सबसे साफ-सुधरे चज्य का दर्जा मिला है। प्रदेश को इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिली के भारत मंडपम कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साल राजपुर, महासमुद, कुम्हारी, आरंग और उप मुख्यमंत्री व नगरीय और पाटन को भी समारोह में प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण साव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य साथ ने प्रदेश और नगरीय निकायों बोशो और स्वच्छ भारत मिलन निकायों (शहरी) की निदेशक रूपा मित्रा भी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे।



समारोह में शामिल हुई। स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को बधाई और राभकामनाएं दी हैं। राज्य के पांच नगरीय निकायों उन्होंने कहा कि इनके उत्कुष्ट कार्यों के कारण आज प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित होने का मौका मिला पुरस्कृत किन्ध गया। मुख्यमंत्री विष्णु है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य के देव साथ और उप मुख्यमंत्री अरूण शहरों को साफ-सुधरा एवं कचरामुक्त रखने के लिए ये आगे मंत्री हस्दीप स्टिंह पुरी, सचिव मनोज को इस उपलब्धि पर संबंधित भी अपने बेहतरीन कार्यों को जारी निर्वाचित रखेंगे और अन्य नगरीय निकार्थों के

को क्षेपी में राबसे स्वयत शहर का पुरस्कार मिला है। देश के पूर्वी जोन में कुल्हारी नगर प्रतिका को 25 हज़र से 50 हज़र तक की अबबी बने शहरों की बेणें में समन्वकों तथा स्वच्छता दीदियों और असंग नगर पलिक को 15 हजर से 25 हजर तक की अबसी वसे शहरो की श्रेणी में राषरो खाक हहर का पुरस्कार मिला है। पाटन नगर पंचायत को एक लाख से कम आबबी बाते हहरों में बेह के बूटरे स्वीधक स्वयं हहर के लिए पुरस्कृत किया गया है। ओडीएफ प्लस लस का बर्ज प्राप्त पाटन को गएबेज परी छिटी में प्रतङ्घ स्टार रैंकिंग मिला है। रह्यें में रापपुर बगर बिगाम को एक लाख रे अधिक उनसंख्या वाले शहरों में प्रवेश का रखरों स्वयम शहर चुना गया है। जारबेज फी शिरी में रायपुर को फाह्य स्टार रेटिंग प्राप्त हुआ हैं। भरत सरकार के आवसन एवं छहनी कार्य मंत्रालय द्वारा हर साल बेथ के रामी छहनों एवं राज्यों के मध्य स्वचा सर्वेक्षण का आयोजन किया जाता है। हरमें विभिन्न मण्यवेती के अंतर्गत जहनी रावछन का आंकलन किया जात है। राज्ये एवं सहरों की रेकिंग जरी कर उत्पत्न प्रबर्खन करने वाले राज्यों तथा छहरों को पुरस्कृत किया जाता है।

The Echo of India

Gangtok



Corporation and Mangan Nagar Panchayat have received awards in the State Category for the Cleanest Cities in the Swachh Survekshan- 2023 Award Ceremony organized by the Union Ministry of Housing and Urban Affairs in Delhi on Thursday. President Droupadi Murmu was present on the occasion to hand over the awards along with Housing Minister Hardeep Singh Puri. Swachh Survekshan is a cleanliness survey conducted through an independent third-party agency, based on which various urban local bodies are ranked. The emphasis each year is not only on the visual cleanliness of the cities but also on the waste processing capacities of the ULBs along with engagement of public and self-help groups in achieving cleanliness and sanitation.

In Sikkim, the survey was conducted in the month of August 2023 in all seven urban local bodies i.e. Gangtok Municipal Corporation, Namchi Municipal Council, Gyalshing, Mangan, Rangpo, Singtam and Nayabazar-Jorethang Nagar Panchayats. -- IPR

Samvet Shikhar

Raipur

स्वच्छता सर्वेक्षण में राज्य के साथ ही पांच नगरीय निकायों को भी मिला परस्कार देश का तसिरा सबसे स्वच्छ राज्य HJG

राष्ट्रपति के हायों मुख्यमंत्री विष्णदेव साथ और उप मख्यमंत्री अरुण साव ने ग्रहण किया पुरस्कार

सम्बंत शिखर न्यूज

राषपुर। छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य बन गवा है। केन्द्रीय आवासन एवं रहमी कार्य मंत्रालय द्या आयोजित मजन्त सर्वेक्षण-2023 में उलीसगढ को महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद देश के तीसरे सबसे साम-सुओ राज्य का दर्जा मिला है। प्रदेश की इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति औमती दीपदी मुर्म में गरवार को नई दिली के भारत मंडपम कन्वेन्शन सेंटर में आधोजित समारोज में पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साव और उन मुख्यमंत्री व मनगीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण सात्र ने चह परस्कार ग्रहण किया।

केन्द्रीय आवासन एवं राहमी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, सचिव मनोज जोशी और स्वच्छ भारत मिलन (शहरी) की निदेशक औयती रूपा मिन्ना भी समारोह में शामिल हुई। स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्तर प्रदर्शन करने वाले राज्य के पांच नगरीब निकासों राथपुर, मझसमृंद, वानदेवी, आरंग और पाटन को भी समारोह में परस्कल किया गया।

मुख्यमंत्री किण् देव साथ और उम मुख्यमंत्री अरुण साथ ने प्रदेश और नगरीय निकायों की इस तवललिश पर संबंधित निकाणों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, समन्ययकों तथा स्वच्छता दीदियों को क्याई और शभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इनके उत्पष्ट कार्यों के कारण आज प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गैरवान्वित होने का मौका मिला है। उन्होंने तम्मीद जताई कि राज्य रखने प्रदेश में हो रहे लगातार अच्छे कार्गों के रेटिंग और 47 सारों को सिंगल स्टार रेटिंग मिला के शामी को साफ-संथा एवं कावरामक स्वतं कारण उसीसगढ़ को देश के तीसरे सबसे स्वच्छ है। राज्य में ओडीफ प्लस प्लस वाले 164. के लिए ये आगे भी अपने केहतरीन कार्यों को राज्य का दर्जा मिला है। जरी सबेंगे और अन्य नगरीय निकायों के लिए प्रेरणस्त्रोत करेंगे। स्तीसगढ़ ऐसे बना देश का नारवेल फी सिटी के अंतर्गत प्रदेश के दे शल्में वाटर प्लस का दर्ज मिला है। (जेष फेज-4 फ)



इंदौर-सुरत देश के सबसे स्वच्छ शहर, राज्यों में महाराष्ट्र नंबर वन

सिटी में

स्थान पर

नई दिल्ली। केंद्र साखार ने नुरुवार को शालों में वारणसी पहले और प्रयागरान इसरे स्वच्छ संबंधण 2023 का रिजल्ट जारी किया। स्थान पर रहा। इसके अलावा मध्य प्रदेश के मह

एक लाख से अधिक आबादी वाले एक्सों में सालवीं चार इंदेर पहले स्थान पर गता। सुरत को भी इंदौर के साथ संघन्ड रूप से पहला स्थान पांचने जंबर पर स्थ।

कर्त एक लाख से कम आवादी

वाले शहयों में महाराष्ट्र का सामवड पहले, सर्वेश्वण हुआ है। इसमें सर्विस लेवल प्रेष्ठेस पर ल्लीसगढ का पाटन दसरे और मातगढ़ का 4525, सटिफिकेशन पर 2500 और पश्चिक लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वचंड फीडनैक पर 2475 दिए गए। राज्यों की कैटेपरी में इस बार महाराष्ट्र को फाला, मध्य प्रदेश को इसर और ततीसगढ को तीसर। साफ स्टेट था : 2022 में राजस्थान-मताराष्ट्र स्थान मिला। पिछली चार मध्य प्रदेश पहले को पछाड कर मध्य प्रदेश देह का सबसे स्वच्छ स्थान पर था। गंग किन्द्रों जमें सबसे साफ राज्य बन गया था।

को सबसे स्वच्छ कैटोनमेंट बोर्ड का गंगा किनारे अवॉर्ड मिला है। बेस्ट समर्थ मित्र वसी क्लीनेस्ट साधित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ़ को दिया गया। दिल्ली के भारत मंडपम साथ मधुक पर को मुंबई तैसरे. मिला। महराष्ट्र का नवी मुंबई तैसरे. वाराणसी पहले. में राष्ट्रपति दीपदी मुर्मू और वेद्वीप चीथे और मध्यप्रदेश का भोषाल प्रयागराज दूसरे जागी विकास मंत्री हरदीय परी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित কিয়া। इस बार कुल 9500 अंक का

2022 के सर्वे में मच्यप्रदेश सबसे

तीसग सबसे स्वच्छ राज्य : लागों को स्वच्छ को पहल स्टल गेंटिंग, 23 लागों को थी स्टल ओडीफ फास वाला एक और ओडीएक वाले स्वच्छ सर्वेश्वण के परिणामें के मताबिक तीन शहर है। प्रदेश के एक नगरीय निकल्प को

The Hitvada

Bhopal



Punjabi Jagran

Jalandhar



Swadesh

Raipur



को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि इनके उन्कृष्ट कार्यों के कारण आज प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित होने का मौका

अरुण साव ने प्रदेश और नगरीय

अपने बेहतरीन कायों को जारी रखेंगे और अन्य नगरीय निकामों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे।

के तीसरे सबसे स्वच्छ राज्य का दर्जा मिला है। स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणामों के मुताविक गारबेन फ्रीसिटी के अंतर्गत प्रदेश के दो शहरों को फाइय स्टार रेटिंग, 23 शहरों को श्री स्टार रेटिंग और 47 शहरों को सिंगल स्टार रेटिंग मिला है। राज्य में ओढीएफ प्लस प्लस चाले 164, ओडीएफ प्लस वाला एक और ओडीएफ वाले तीन शहर हैं। प्रदेश के एक नगरीय निकाय को वाटर प्लस का दर्जा मिला है।

प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर

चुना गया है। गारवेज फ्री सिटी मे राजपर को फाडब स्टार रेटिंग प्राप्तहुआ है।

Swadesh

Bhopal





पोपालको तम्हे के संपर्व संघोरिका के फेलमेंटर सिंहर अवस्थिते हैं। अपक्रिय के प्रायं का आवामिते (वर्ष सरन के प्रस दोत्रांग्स की साम- न्यावर में प्रश्नापत के प्रश्न वेवादिने संसिद्ध दर्वत सम्प्रेदीने में (1000 प्रतिका अंधों के स्वर अवस हमा राष्ट्रीय संस्थादिक से आद्वीर के स्वर अपकेशित की स्वराप प्रदर्शन का विश्व की (वर्ष टीमाला के कसुर स्वायं क के हवारों पर दी नहें थे। सुरामयर्थना टीमा को जहालेकर प्रायु प्रती करनी के सा प्रदर्शन का विश्व की (वर्ष टीमाला के कसुर स्वायं क के हवारों पर दी नहें थे। सुरामयर्थना टीमा को जहालेकर प्रायु प्रती करनी के सा प्रदर्शन की स्वाय

माधा (१९४१) वा आधा है। भाषा (१९४४) वा आधा हो कि संजयकार के लिंग स्वार्थ्य के सी संव स्वार्थ के साम के साम के साम से सरकर के लिंग कि का इसके लिंग में के साम सी साम मा निमान क्योंनी यो यो स्वार्थ वा साम से द निमित्व के हिस मन्द्र देने कि साम के साम करने के साम क करने के साम क

Page 14 - 2 apr 14 Mills

फ्रैकनोबस ए.
 क्रियनर नगर निगम बोगाल

Summit Times

Gangtok

Gangtok and Mangan receive Swachh Survekshan awards in State category

tok Municipal Corporation and Mangan Nagar Panchayat received awards in the State Category of Cleanest Cities of the Swachh Survekshan 2023 Awards Ceremony organized by the Ministry of Housing and Urban Affairs at Bharat Mandalam, New Delhi on 11 January. President of India, Droupa-

di Murmu, was present on the occasion to hand over the awards along with Hardeep Singh Puri, Union Minister for Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA).

Swachh Survekshan is a cleanliness survey conduct-ed through an independent third-party agency by the MOHUA every year based on which the various Urban Local Bodies (ULBs) are ranked. The emphasis each year is

not only on the visual cleanli-ness of the cities but also on



ities of the ULBs along with engagement of public and self-help groups in achieving clean-liness and sanitation. The theme for Swachh Sur-vekshan 2023 was "Waste to

local bodies across the country were assessed under Swachh Survekshan-2023, which was the 8th edition of the survey. In Sikkim, the survey was conducted in the month of Aulocal bodies i.e. Gangtok Municipal Corporation, Namchi Municipal Council, Gyalshing, Mangan, Rangpo, Singtam and Nayabazar-Jorethang Nagar Panchayats.

Present on the occasion to receive the Swachh Survek shan, 2023 Awards were MT Sherpa, Secretary, Urban Development Department, along with Nell Bahadur Chettri Mayor, Gangtok Municipal Corporation (GMC), Tshering Palden Bhutia, Deputy Mayor GMC, Norkit Lepcha, President, Mangan Nagar Panchayat, Jigme Wangchuk Bhutia, State Mission Director, Swachh Bharat Mis-sion (Urban) along with other officials and elected members of Urban Local Bodies.

These awards will be milestones achieved by the State Government in its endeavour to achieve the target envisaged in country-wide cleanliness campaign. It is also a result of efforts unitedly put up by con-cerned functionaries of Gov-ernment and ULBs, especially

those working tirelessly on the

ground.

The Hitvada

Bhopal



ONLINE MEDIA COVERAGE

S. No.	HEADLINE	PUBLICATION	URL
1	Maharashtra, MP, Chhattisgarh among India's cleanest states. See full list	THE TIMES OF INDIA	https://timesofindia.indiatimes.com/ind ia/maharashtra-mp-chhattisgarh-amon g-indias-cleanest-states-see-full-list/arti cleshow/106726166.cms
2	Swachh Survekshan rankings 2023: These are the 10 dirtiest Indian cities	THE TIMES OF INDIA	https://timesofindia.indiatimes.com/ind ia/swachh-survekshan-rankings-2023-t hese-are-the-10-dirtiest-indian-cities/art icleshow/106729720.cms
3	Indore and Surat win Swachh Survekshan Awards 2024; declared the 'cleanest cities' in India	THE TIMES OF INDIA	https://timesofindia.indiatimes.com/tra vel/travel-news/indore-and-surat-win-s wachh-survekshan-awards-2024/article show/106737915.cms
4	Chandigarh bagged 11th national rank in Swachh Survekshan Award 2023	THE TIMES OF INDIA	https://timesofindia.indiatimes.com/cit y/chandigarh/chandigarh-bagged-11th- national-rank-in-swachh-survekshan-a ward-2023/articleshow/106732313.cms
5	Swachh Survekshan Awards 2023: Indore, Surat 'cleanest cities' in India	HINDUSTAN TIMES	https://www.hindustantimes.com/india -news/swachh-survekshan-awards-202 3-indore-surat-cleanest-cities-in-india-1 01704959166535.html
6	Swachhta Survey 2023: No Haryana city appears on list of top 100 clean cities	HINDUSTAN TIMES	https://www.hindustantimes.com/cities /chandigarh-news/swachhta-survey-20 23-no-haryana-city-appears-on-list-of-t op-100-clean-cities-101704993057239.ht ml
7	Indore, Surat named cleanest cities, Maharashtra cleanest state	THE INDIAN EXPRESS	https://indianexpress.com/article/india/ indore-surat-cleanest-cities-maharashtr a-cleanest-9105539/
8	Swachh Survekshan Awards 2023: Indore, Surat adjudged cleanest cities of India	THE INDIAN EXPRESS	https://indianexpress.com/article/india/ indore-surat-cleanest-cities-of-india-910 4621/
9	Cleanliness count: Mohali stands first, Abohar comes second	THE INDIAN EXPRESS	https://indianexpress.com/article/cities/ chandigarh/cleanliness-mohali-abohar- second-9105714/
10	How Indore came to be ranked India's cleanest city, year after year	THE INDIAN EXPRESS	https://indianexpress.com/article/explai ned/indore-india-cleanest-city-reason-9 105288/

11	Swachh Survekshan: Vijayawada in top-10 list again despite drop in national rank	THE HINDU	https://www.thehindu.com/news/natio nal/andhra-pradesh/swachh-surveksha n-vijayawada-in-top-10-list-again-despi te-drop-in-national-rank/article6773146 5.ece
12	Swachh Survekshan Awards 2023 Indore, Surat 'cleanest cities' in India	THE HINDU	https://www.thehindu.com/news/natio nal/swachh-survekshan-awards-2023-in dore-surat-cleanest-cities-in-india/articl e67729762.ece
13	Swachh Survekshan: MCD ranks 90th; Delhi Cantt 7th in cleanest cantonment boards category	THE ECONOMIC TIMES	https://infra.economictimes.indiatimes. com/news/urban-infrastructure/swachh -survekshan-mcd-ranks-90th-delhi-cant t-7th-in-cleanest-cantonment-boards-ca tegory/106733939?utm_source=latest_n ews&utm_medium=homepage
14	Swachh Survekshan Awards 2023: Indore, Surat Cleanest Cities, Maharashtra Cleanest State	INDIA TIMES	https://www.indiatimes.com/news/indi a/swachh-survekshan-awards-2023-ind ore-surat-cleanest-cities-625114.html
15	Indore, Surat Cleanest Cities' in India: Swachh Survekshan Awards 2023	NEWS18	https://www.news18.com/india/indore- surat-cleanest-cities-in-india-swachh-su rvekshan-awards-2023-8736067.html
16	Indore Bags Cleanest City Award For 7th Time: How The City Manages To 'Look Like A Wow' Explained	NEWS18	https://www.news18.com/india/indore- cleanest-city-seventh-time-surat-swach h-survekshan-awards-latest-news-8736 302.html
17	Indore Named Cleanest City in India, Maharashtra Named Best Performing State: Check Full List Here	INDIA.COM	https://www.india.com/news/india/ind ore-named-cleanest-city-in-india-maha rashtra-named-best-performing-state-c heck-full-list-here-6647732/
18	Spick And Span Indore Is India's Cleanest City For 7th Consecutive Year	NDTV	https://www.ndtv.com/india-news/spic k-and-span-indore-is-indias-cleanest-cit y-for-7th-consecutive-year-4841412
19	Swachh Survekshan Awards 2023: Indore Marked Cleanest City For 7th Time, Shares Top Spot With Surat	ABP LIVE	https://news.abplive.com/news/india/s wachh-survekshan-awards-2023-mp-in dore-cleanest-city-7th-time-shares-top-s pot-gujarat-surat-1655894
20	Swachh Survekshan Awards 2023: Indore, Surat named cleanest cities in India	INDIA TODAY	https://www.indiatoday.in/india/story/ swach-survekshan-awards-2023-indore -surat-cleanest-cities-maharashtra-best- performing-state-2487304-2024-01-11

21	Maharashtra marked India's cleanest state, Indore wins cleanest city for 7th time	LIVEMINT	https://www.livemint.com/news/india/ maharashtra-marked-indias-cleanest-st ate-indore-wins-cleanest-city-for-7th-ti me-in-a-row-11704956334897.html
22	Swachh Survekshan Awards 2023: Indore, Surat cleanest cities' in India	MONEY CONTROL	https://www.moneycontrol.com/news/i ndia/swachh-survekshan-awards-2023-i ndore-surat-cleanest-cities-in-india-120 33551.html
23	Madhya Pradesh Shines In Swachh Survekshan Awards As Indore Bags Cleanest City Title For Seventh Year In Row, Bhopal Ran	DAINIK JAGRAN	https://english.jagran.com/india/madhy a-pradesh-shines-in-swachh-surveksha n-awards-as-indore-bags-cleanest-city-t itle-for-seventh-year-in-row-bhopal-ran ks-fifth-10126435
24	Swachh Survekshan: Indore Is 'Cleanest City In India' For Seventh Straight Time, Surat Shares Top Spot; Full List Here	DAINIK JAGRAN	https://english.jagran.com/india/swach h-survekshan-indore-is-cleanest-city-in -india-for-seventh-straight-time-surat-s hares-top-spot-full-list-here-10126420
25	Swachh Survekshan Awards: Full List of India's Cleanest Cities in 2023	TIMES NOW	https://www.timesnownews.com/delhi/ swachh-survekshan-awards-full-list-of- indias-cleanest-cities-in-2023-article-106 733237
26	Navi Mumbai Ranked 3rd Cleanest City, Maharashtra Tops Among States : Swachh Survekshan 2023	TIMES NOW	https://www.timesnownews.com/mum bai/navi-mumbai-ranked-3rd-cleanest-c ity-maharashtra-tops-among-states-swa chh-survekshan-2023-article-106732006
27	MCD Ranked 90th in Swachh Survekshan 2023: Delhi Mayor Raises Concerns	ONEINDIA NEWS	https://www.oneindia.com/india/mcd-r anked-90th-swachh-survekshan-2023-cl eanest-cities-india-gen-3724799.html
28	President Droupadi Murmu addresses during the Swachh Survekshan Awards 2023	PROKERALA	https://www.prokerala.com/news/phot os/president-droupadi-murmu-address es-during-the-swachh-survekshan-awa rds-3642614.html
29	President Droupadi Murmu presents the 'All India Clean City (with a population of less than one lakh) - Rank 2' award to	PROKERALA	https://www.prokerala.com/news/phot os/president-droupadi-murmu-present s-the-all-india-clean-city-with-a-364260 0.html
30	President Droupadi Murmu presents the 'All India Clean City Rank 1' award to Surat	PROKERALA	https://www.prokerala.com/news/phot os/president-droupadi-murmu-present s-the-all-india-clean-city-rank-1-award- <u>3642599.html</u>
31	President Droupadi Murmu presents the 'All India Clean City Rank 1' award to Indore	PROKERALA	https://www.prokerala.com/news/phot os/president-droupadi-murmu-present

			<u>s-the-all-india-clean-city-rank-1-award-</u> <u>3642605.html</u>
32	Surat catches up with Indore as cleanest city, Maha named cleanest state	PROKERALA	https://www.prokerala.com/news/articl es/a1495855.html
33	Indore, Surat 'cleanest cities' in India: Swachh Survekshan Awards 2023	ZEE BUSINESS	https://www.zeebiz.com/india/news-in dore-surat-cleanest-cities-in-india-swac hh-survekshan-awards-2023-271784
34	Swachh Survekshan Awards 2023: Which two cities were awarded the 'cleanest'?	THE FINANCIAL EXPRESS	https://www.financialexpress.com/indi a-news/swachh-survekshan-awards-20 23-which-two-cities-were-awarded-the- cleanest/3362014/
35	Indore, Surat cleanest cities in India; NDMC bags 7th rank	THE FINANCIAL EXPRESS	https://www.financialexpress.com/busi ness/infrastructure-indore-surat-cleane st-cities-in-india-ndmc-bags-7th-rank-3 362299/
36	Indore And Surat Claim Top Spots In Annual Cleanliness Survey	OUTLOOK INDIA	https://www.outlookindia.com/nationa l/indore-and-surat-claim-top-spots-in-a nnual-cleanliness-survey-news-342444
37	Swachh Survekshan: Hyderabad stands 9th in 'All India Clean City Five Star' category	THE SIASAT DAILY	https://www.siasat.com/swachh-survek shan-hyderabad-stands-9th-in-all-india -clean-city-five-star-category-2954150/
38	Indore, Surat 'cleanest cities' in India; Maharashtra adjudged India's cleanest state	THE TELEGRAPH	https://www.telegraphindia.com/india/ indore-surat-cleanest-cities-in-india-ma harashtra-adjudged-indias-cleanest-stat e-swachh-survekshan-awards-2023/cid/ 1993030
39	Indore, Surat bag cleanest city accolade at Swachh Survekshan awards, Maharashtra top among states	THE PRINT	https://theprint.in/india/indore-surat-b ag-cleanest-city-accolade-at-swachh-sur vekshan-awards-maharashtra-top-amo ng-states/1919625/
40	Surat Shines! Diamond City Grabs Top Spot Alongside Indore In Swachh Survekshan Awards 2023	THE FREE PRESS JOURNAL	https://www.freepressjournal.in/india/s urat-shines-diamond-city-grabs-top-sp ot-alongside-indore-in-swachh-surveks han-awards-2023
41	Swachh Survekshan 2023: Pune Secures 10th, Pimpri Chinchwad At 13th; Saswad And Lonavala Emerge As 1st And 3rd Winners I	THE FREE PRESS JOURNAL	https://www.freepressjournal.in/pune/s wachh-survekshan-2023-pune-secures- 10th-pimpri-chinchwad-at-13th-saswad -and-lonavala-emerge-as-1st-and-3rd-w inners-in-different-category

42	Swachh Survekshan Awards 2023: Indore bags cleanest city title for seventh time in a row	THE TRIBUNE	https://www.tribuneindia.com/news/in dia/swachh-survekshan-awards-2023-in dore-bags-cleanest-city-title-for-sevent h-time-in-a-row-580344
43	Swachh Survekshan awards: Siddipet wins clean city award in South Zone	TELANGANA TODAY	https://telanganatoday.com/swachh-sur vekshan-awards-siddipet-wins-clean-ci ty-award-in-south-zone
44	Maharashtra: Navi Mumbai retains third position in 'Swachh Survekshan Awards 2023'	MID-DAY	https://www.mid-day.com/mumbai/m umbai-news/article/maharashtra-navi- mumbai-retains-third-position-in-swac hh-survekshan-awards-2023-23329436
45	Four national awards for AP in the Swachh Survekshan 2023	DECCAN CHRONICLE	https://www.deccanchronicle.com/nati on/current-affairs/120124/four-national- awards-for-ap-in-the-swachh-surveksh an-2023.html
46	Hyderabad 9th cleanest city in India, Siddipet cleanest in south India	DECCAN CHRONICLE	https://www.deccanchronicle.com/nati on/in-other-news/110124/hyderabad-9t h-cleanest-city-in-india-siddipet-cleane st-in-south-india.html
47	Swachh Survekshan Awards: Pune Ranks 10th In Cleanliness Survey Among Big Cities; Saswad And Lonavla Among Top 3	PUNEKAR NEWS	https://www.punekarnews.in/swachh-s urvekshan-awards-pune-ranks-10th-in- cleanliness-survey-among-big-cities-sas wad-and-lonavla-among-top-3/
48	Not a single city from Odisha in top 30 clean cities in country!	ODISHA TV	https://odishatv.in/news/odisha/not-a-s ingle-city-from-odisha-in-top-30-clean- cities-in-country224898
49	Indore Cleanest City For Seventh Time In Row, Surat Emerges As Joint Winner In Swachh Survekshan Awards 2023	SWARAJYA	https://swarajyamag.com/society/indor e-cleanest-city-for-seventh-time-in-row -surat-emerges-as-joint-winner-in-swac hh-survekshan-awards-2023
50	President Murmu presents 'Swacch Survekshan' awards	ETV BHARAT	https://www.etvbharat.com/english/bh arat/president-murmu-presents-swacch -survekshan-awards/na20240111163747 6666666490
51	Swachh Survekshan rankings 2023: Know cleanest and dirtiest cities in India	ET NOW	https://www.etnownews.com/news/sw achh-survekshan-rankings-2023-know- cleanest-and-dirtiest-cities-in-india-arti cle-106733341
52	AP bags four Swach Survekshan-2023 national awards	THE HANS INDIA	https://www.thehansindia.com/andhra- pradesh/ap-bags-four-swach-surveksha n-2023-national-awards-850777

53	Swachh Survekshan Awards 2023: Indore cleanest city in India; Maharashtra 'best performing state'	THE STATESMAN	https://www.thestatesman.com/india/s wachh-survekshan-awards-2023-indore -cleanest-city-in-india-maharashtra-bes t-performing-state-1503258527.html
54	Indore ranked country's 'Cleanest City' for 7th time in row	KALINGA TV	https://kalingatv.com/nation/indore-ran ked-countrys-cleanest-city-for-7th-time -in-row/
55	New Delhi: Indore has achieved Cleanest City award in the Swachh Survekshan 2023 Awards.	THE SENTINEL	https://www.sentinelassam.com/nation al-news/new-delhi-indore-has-achieved -the-cleanest-city-award-in-the-swachh -survekshan-2023-awards-686120
56	इंदौर लगातार 7वीं बार बना सबसे स्वच्छ शहर, अधिकारियों ने वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम को दिया क्रेडिट	AAJ TAK	https://www.aajtak.in/madhya-pradesh /story/indore-bags-cleanest-city-tag-for -7th-time-officials-credit-waste-manage ment-system-for-success-lcls-1857171-2 024-01-11
57	Swachh Survekshan Awards: छत्तीसगढ़ बना देश का तीसरा सबसे स्वच्छ शहर, राष्ट्रपति मुर्मू ने सीएम साय को सौंपा अवॉर्ड	ABP LIVE	https://www.abplive.com/states/chhatti sgarh/chhattisgarh-becomes-third-clean est-state-of-indian-in-swachh-surveksh an-awards-2023-cm-vishnu-deo-sai-aw arded-by-president-murmu-2582855
58	Swachh Survekshan Awards: सातवीं बार इंदौर बना सबसे स्वच्छ शहर, CM मोहन यादव और कैलाश विजयवर्गीय ने लिया अवॉर्ड	ABP LIVE	https://www.abplive.com/states/madhy a-pradesh/indore-became-the-cleanest- city-for-the-seventh-time-cm-mohan-ya dav-and-kailash-vijayvargiya-took-the- award-2582779
59	Swachh Survekshan Awards: आज राष्ट्रपति देंगे स्वच्छता सर्वेक्षण अवॉर्ड, इंदौर से दिल्ली पहुंचे मेयर पुष्यमित्र भार्गव	ABP LIVE	https://www.abplive.com/states/madhy a-pradesh/swachh-survekshan-awards- president-will-give-cleanliness-award- mayor-pushyamitra-bhargava-reached- delhi-from-indore-2582753
60	Swachh Sarvekshan 2023: जयपुर नगर निगम हेरिटेज को मिली 26 वीं रैंक , डूंगरपुर को 3 स्टार रेटिंग	LIVE HINDUSTAN	https://www.livehindustan.com/rajasth an/story-swachh-sarvekshan-2023-clea nest-jaipur-municipal-corporation-herit age-in-rajasthan-dungarpur-gets-3-star- rating-9186974.html
61	स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में नोएडा और गाजियाबाद का जलवा, यूपी के इन शहरों का भी नाम	LIVE HINDUSTAN	https://www.livehindustan.com/ncr/sto ry-swachh-survekshan-survey-2023-noi da-and-ghaziabad-are-become-cleanest -city-most-of-uttat-pradesh-9186157.ht ml

62	देश में इंदौर सबसे साफ; लगातार सातवीं		https://www.livehindustan.com/madhy
	बार जीता खिताब, सूरत को भी सम्मान	LIVE	a-pradesh/story-indore-surat-named-cl
		HINDUSTAN	eanest-cities-indore-bags-the-title-seven
			th-time-in-a-row-9186035.html
63	नोएडा बना यूपी का सबसे स्वच्छ शहर,		https://zeenews.india.com/hindi/india/
00	इन जिलों का भी जलवा कायम, देखें	ZEE NEWS	up-uttarakhand/lucknow/swachh-surv
	स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के आंकडे		ekshan-survey-2023-noida-ghaziabad-b
	रपण्छ सपदाण 2023 फ जाफड़		ecome-most-cleanest-city-of-uttat-prad
			esh-see-the-full-list/2055045
64	Swachh Survekshan Awards 2023:		https://zeenews.india.com/hindi/zeeph
_	सफाई मित्र सुरक्षित शहर में चंडीगढ़ को	ZEE NEWS	h/video/chandigarh-news-swachh-surv
	मिला पहला स्थान		ekshan-awards-2023-main-chandigarh-
	וסולו אפלאו לשויין		ko-milla-safai-mitar-suraksha-award/20
			<u>54656</u>
65	देश का सबसे स्वच्छ राज्य बना महाराष्ट्र,		https://zeenews.india.com/hindi/zee-hi
	शहरों में इंदौर सबसे आगे, जानें- दिल्ली,	ZEE NEWS	ndustan/national/maharashtra-become
	यूपी का क्या है नंबर		s-the-cleanest-state-in-the-country-indo
			re-leads-among-the-cities-know-delhi-a
			nd-up-numbers/2054446
66	Swachh Survekshan 2023: कचरा	DAINIK	https://www.jagran.com/news/national
1	प्रबंधन, माइक्रो प्लानिंग, सिंगल युज	JAGRAN	-swachh-survekshan-2023-indore-beca
	प्लास्टिक; इस तरह इंदौर सातवीं बार		me-cleanest-city-of-country-for-seventh
	बना देश का सबसे स		-time-know-how-did-it-23626984.html
67	Swachh Survekshan: इंदौर को 7वीं बार	DAINIK	https://www.jagran.com/news/national
	सबसे स्वच्छ शहर का मिला खिताब, सूरत	JAGRAN	-swachh-survekshan-awards-2023-indo
	पहली बार बना संयुक्त विजेता; पढ़ें टॉप		re-wins-cleanest-city-award-2024-surat-
	10 शहरों		lonaval-patan-clean-city-winner-list-23
	10 21621		<u>626560.html</u>
68	सबसे साफ शहरों में इंदौर के साथ गुजरात	TV9 HINDI	https://www.tv9hindi.com/state/madhy
	का ये शहर भी नंबर 1, टॉप 5 में भोपाल का		a-pradesh/cleanest-cities-of-india-2023-
	भी नाम		indore-and-surat-city-number-oner-stw
			<u>d-2351987.html</u>
69	देश में छत्तीसगढ़ तीसरा सबसे स्वच्छ	PATRIKA	https://www.patrika.com/raipur-news/
	राज्य, राष्ट्रपति मुर्मु ने CM को अवॉर्ड	NEWS	chhattisgarh-is-third-cleanest-state-in-i
	देकर किया सम्मानित		ndia-cm-received-award-8676546/
70	Swachh Survekshan Awards 2023:		https://hindi.business-standard.com/in
	इंदौर-सुरत देश के सबसे स्वच्छ शहर,	BUSINESS	dia-news/swachh-survekshan-awards-2
	राज्यों में महाराष्ट्र नंबर 1	STANDARD	023-indore-surat-maharashtra-number-
			<u>1-among-the-cleanest-city-states-of-the-</u>
			<u>country-id-340371</u>
L	l	1	

71	Swachh Survekshan 2023: स्वच्छता में MP को मिले छह पुरस्कार, इंदौर सातवीं बार नंबर-1, भोपाल इस कैटेगरी में अव्वल	NAI DUNIA	https://www.naidunia.com/madhya-pr adesh/bhopal-mp-got-six-awards-in-sw achh-survekshan-indore-top-clean-city- for-7th-time-bhopal-tops-clean-capital- 8266850
72	Swachh Survekshan 2024: मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- स्वच्छता के सातवें आसमान पर अपना इंदौर	NAI DUNIA	https://www.naidunia.com/madhya-pr adesh/bhopal-indore-became-the-clean est-city-in-the-country-for-the-seventh- consecutive-time-madhya-pradesh-cm- dr-mohan-yadav-said-this-8266723
73	स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023: इंदौर, सूरत 'सबसे स्वच्छ शहर'	THE PRINT	https://hindi.theprint.in/india/swachh-s urvekshan-awards-2023-indore-surat-cl eanest-cities/650670/
74	इंदौर ने स्वच्छता में फिर मारी बाजी, देशभर में बना No-1 , CM मोहन ने इंदौरवासियों को दी बधाई	PUNJAB KESARI	https://mp.punjabkesari.in/national/ne ws/indore-again-wins-in-cleanliness-19 27204
75	Swachh Sarvekshan 2023: सातवें आसमान पर इंदौर, नंबर वन पर बरकरार, देश में सबसे साफ शहर का मिला अवॉर्ड	IBC24	https://www.ibc24.in/madhya-pradesh/ indore/indore-got-the-award-of-the-cle anest-city-of-the-country-in-the-swachh -survekshan-awards-ceremony-2313442 .html
76	स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों में स्वच्छता के लिए आइजोल और लुंगलेई पुरस्कार	JANTA SE RISHTA	https://jantaserishta.com/mizoram1/aiz awl-and-lunglei-awards-for-cleanliness -in-swachh-survekshan-awards-103533 <u>4</u>
77	केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी बोले- "अगले 2-3 वर्षों में उत्पादित 100 प्रतिशत कचरे का प्रसंस्करण करेंगे"	JANTA SE RISHTA	https://jantaserishta.com/punjab/union- minister-hardeep-singh-puri-said-we-w ill-process-100-percent-of-the-waste-ge nerated-in-the-next-2-3-years-1036466
78	President Murmu ने स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार प्रदान किए	JANTA SE RISHTA	https://jantaserishta.com/delhi-ncr/pres ident-murmu-presented-swachh-surve kshan-awards-1035215
79	Swachh Survekshan 2023: स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा, प्रयागराज और वाराणसी पहले पायदान पर; देख	NEWSTRACK	https://newstrack.com/uttar-pradesh/s wachh-survekshan-awards-2023-praya graj-and-varanasi-get-national-award-a k-sharma-said-created-history-418393
80	Cleanest Cities in India 2023-24: इंदौर को लगातार सातवीं बार खिताब, केंद्र सरकार के वार्षिक सर्वेक्षण में इंदौर, सूरत दे	LOKMAT NEWS	https://www.lokmatnews.in/india/clea nest-cities-in-annual-survey-2023-24-in dore-surat-named-cleanest-cities-in-cen tral-govts-annual-b507/

81	इंदौर को सातवीं बार स्वच्छ शहर का खिताब मिलने पर जश्न	KHAS KHABAR	https://www.khaskhabar.com/local/ma dhya-pradesh/bhopal-news/news-celeb ration-on-indore-getting-the-title-of-cle an-city-for-the-seventh-time-news-hind <u>i-1-611936-KKN.html</u>
02	स्वच्छता सर्वेक्षण में राजस्थान के दो शहर जयपुर नगर निगम हैरिटेज और डूंगरपुर नगर पालिका सम्मानित	KHAS KHABAR	https://www.khaskhabar.com/local/raja sthan/jaipur-news/news-jaipur-munici pal-corporation-heritage-and-dungarp ur-municipal-corporation-honored-two -cities-of-rajasthan-in-cleanliness-surve y-news-hindi-1-611881-KKN.html
83	स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, जानें संबोधन में क्या-क्या कहा	RAJ EXPRESS	https://www.rajexpress.co/india/delhi/ president-droupadi-murmu-addresses- swachh-survekshan-awards-ceremony- in-new-delhi
84	स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में सबसे स्वच्छ राज्यों की श्रेणी में छत्तीसगढ़ को मिला तृतीय पुरस्कार	RAJ EXPRESS	https://www.rajexpress.co/india/chattis garh/chhattisgarh-got-third-prize-in-th e-category-of-cleanest-states-in-swachh -survekshan-2023
85	इंदौर लगातार सातवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर, राष्ट्रपति मुर्मू ने यादव को दिया पुरस्कार	UNIVARTA	http://www.univarta.com/news/madhy a-pradesh-chhattisgarh/story/3122014.h tml
86	CG sparkles in Swachh rankings, bags 3rd cleanest state award	THE TIMES OF INDIA	https://timesofindia.indiatimes.com/cit y/raipur/cg-sparkles-in-swachh-rankin gs-bags-3rd-cleanest-state-award/articl eshow/106745295.cms
87	Saswad is 1st, Lonavla 3rd in Swachh Survekshan ranking	THE TIMES OF INDIA	https://timesofindia.indiatimes.com/cit y/pune/saswad-tops-swachh-surveksha n-2023-rankings/articleshow/106745887 .cms
88	Swachh Survekshan 2023: Pune drops one spot to 10th position	HINDUSTAN TIMES	https://www.hindustantimes.com/cities /pune-news/swachh-survekshan-2023-p une-drops-one-spot-to-10th-position-10 1705003137061.html
89	Swachh Survekshan Awards 2023: Shimla's rank fell from 56th to 188th	HINDUSTAN TIMES	https://www.hindustantimes.com/cities /chandigarh-news/swachh-survekshan- awards-2023-shimla-s-rank-fell-from-56 th-to-188th-101705000502922.html
90	Swachh Survekshan 2023: At rank 39, a long way to go for Ludhiana in cleanliness	HINDUSTAN TIMES	https://www.hindustantimes.com/cities /chandigarh-news/swachh-survekshan- 2023-at-rank-39-a-long-way-to-go-for-l udhiana-in-cleanliness-10170499491219 1.html

91	NDMC climbs two spots to seventh rank in Swachh Survekshan Awards	THE HINDU	https://www.thehindu.com/incoming/n dmc-climbs-two-spots-to-seventh-rank- in-swachh-survekshan-awards/article67 732138.ece
92	MCD ranks 90th in Centre's Swachh Survekshan; AAP says performance improved; BJP kicks up dirt problem	THE HINDU	https://www.thehindu.com/news/cities/ Delhi/mcd-ranks-90th-in-centres-swach h-survekshan-aap-says-performance-i mproved-bjp-kicks-up-dirt-problem/art icle67731994.ece
93	Bengaluru Ranks Its Best Ever Swachh Survekshan Performance At 125, But Lags Behind Top Cities	TIMES NOW	https://www.timesnownews.com/beng aluru/bengaluru-ranks-its-best-ever-sw achh-survekshan-performance-at-125-b ut-lags-behind-top-cities-article-106760 036
94	SwachhSurvekshanresults2023:BMCvowscomebackafterMumbaislipsfrom31stto37thspot </th <th>THE FINANCIAL EXPRESS</th> <th>https://www.financialexpress.com/indi a-news/swachh-survekshan-results-202 3-bmc-vows-comeback-after-mumbai-s lips-from-31st-to-37th-spot/3362794/</th>	THE FINANCIAL EXPRESS	https://www.financialexpress.com/indi a-news/swachh-survekshan-results-202 3-bmc-vows-comeback-after-mumbai-s lips-from-31st-to-37th-spot/3362794/
95	Steady progress: NDMC moves up by two spots, ranks 7th in 'cleanest cities' category	THE NEW INDIAN EXPRESS	https://www.newindianexpress.com/cit ies/delhi/2024/jan/12/steady-progress-n dmc-moves-up-by-two-spots-ranks-7th -in-cleanest-cities-category-2650294.ht ml
96	Three urban local bodies in Telangana bag cleanest city award in South	THE NEW INDIAN EXPRESS	https://www.newindianexpress.com/st ates/telangana/2024/jan/12/three-urban- local-bodiesin-telangana-bag-cleanest-c ity-award-in-south-2650305.html
97	Make Cleanliness Personal Commitment: Suryavanshi	THE FREE PRESS JOURNAL	https://www.freepressjournal.in/bhopal /make-cleanliness-personal-commitme nt-suryavanshi
98	स्वच्छ सर्वेक्षण में जीएचएमसी को पांच पुरस्कार मिले	JANTA SE RISHTA	https://jantaserishta.com/national/ghmc -bags-five-awards-in-swachh-surveksh an-1041616
99	Swachh Survekshan Awards 2023: सबसे साफ इंदौर लेकिन पिछड़ गया MP, जानिये ये राज्य कैसे बना सबसे स्वच्छ	DYNAMITE NEWS	https://hindi.dynamitenews.com/story/ swachh-survekshan-awards-2023-indor e-is-the-cleanest-but-mp-lagged-behind -know-how-this-state-became-the-clean est
100	Swachh Survekshan Awards 2023: स्वच्छता सर्वेक्षण में गाजियाबाद नगर निगम प्रदेश में फिर अव्वल	सच कह्ँ	https://www.sachkahoon.com/ghaziaba d-municipal-corporation-again-tops-th e-state-in-cleanliness-survey/